THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-27 अंक : 316 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) माघ शु.9 2079 सोमवार, 30 जनवरी 2023

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

पुलिस अफसर ने गोली मारी ओडिशा के स्वास्थ्य मंत्री की मौत

भुवनेश्वर, 29 जनवरी (एजेंसियां)। ओडिशा के स्वास्थ्य मंत्री नब किशोर दास ने रविवार को इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। उन्हें दोपहर 1 बजे झाड़सुगड़ा के ब्रजराजनगर में एक एएसआई ने गोली मार दी थी। दास को सीने में दो गोली लगी थी, जिसके बाद उन्हें एअरलिफ्ट करके इलाज के लिए भुवनेश्वर के अपोलो अस्पताल लाया गया था।

घटना के दौरान मंत्री ब्रजराजनगर में एक कार्यक्रम में शामिल होने जा रहे थे। कार की अगली सीट पर बैठे दास अपने समर्थकों से मिलने के लिए जैसे ही नीचे उतरे एएसआई ने उनके सीने में दो गोली दाग दी। खून से लथपथ दास कार के पास ही गिर पड़े।

घटनास्थल पर मौजूद उनके समर्थकों ने उन्हें पकड़ा और एंबुलेंस बुलाकर अस्पताल भेजा। कुछ देर बाद उन्हें एअरलिफ्ट कर भुवनेश्वर के अपोलो अस्पताल लाया गया। घटना के करीब 7 घंटे बाद दास की मौत हो गई। इससे पहले मुख्यमंत्री नवीन पटनायक भी दास से मिलने अस्पताल पहुंचे थे।

आरोपी एएसआई गिरफ्तार

उधर, पुलिस ने फायरिंग करने वाले एएसआई गोपालदास को हिरासत में ले लिया है। उससे पूछताछ की जा रही है, लेकिन अभी तक आरोपी ने हमले की वजह नहीं बताई है। इधर, राज्य सरकार ने मामले की जांच सीआईडी-क्राइम ब्रांच को दे दी है। 7 सदस्यीय स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम में साइबर, बैलिस्टिक और क्राइम ब्रांच के अधिकारी शामिल हैं। टीम का नेतृत्व डीएसपी रमेश सी डोरा कर रहे हैं।

लोगों ने पुलिसकर्मी को गोली चलाकर भागते देखा

आई विटनेस एडवोकेट राम मोहन राव ने बताया कि स्वास्थ्य मंत्री नब दास कार्यक्रम में चीफ गेस्ट थे। जब वो पहुंचे तो उनके स्वागत के लिए भीड़ जमा हो गई। तभी उन पर किसी ने गोली चला दी। हमने देखा एक पुलिसकर्मी पास से गोली चलाकर भाग रहा था।

पत्नी का दावा, मानसिक बीमारी का इलाज करा रहा एएसआई

मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो, मंत्री पर फायरिंग करने वाला एएसआई गोपाल दास मानसिक रूप से बीमार है, जिसका वो 7-8 साल से इलाज करा रहा है। यह बात गोपाल की पतनी जयंती ने कही है। जयंती का कहना है कि दवा लेने के बाद ही गोपाल सामान्य व्यवहार करता है। उन्होंने कहा, मुझे घटना की जानकारी न्यूज से ही मिली थी। वो पांच महीने पहले घर आया था। रविवार सुबह मेरी और बेटी की उससे वीडियो कॉल पर बात हुई थी। इसके बाद बात नहीं हुई।

>14

लोकतंत्र हमारी संस्कृति में है

पीएम मोदी ने की साल की पहली 'मन की बात' - पद्म पुरस्कार विजेताओं पर चर्चा की

नई दिल्ली, 29 जनवरी (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को मन की बात प्रोग्राम में देशवासियों को संबोधित किया। उन्होंने पद्म पुरस्कार पाने वाले लोगों के जीवन की कहानियां बताईं और लोगों से भी उनके जीवन की प्रेरक कहानियां पढ़ने की अपील की। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि लोकतंत्र हमारी रगों में है, हमारी संस्कृति में है। सदियों से यह हमारे कामकाज का भी एक अभिन्न हिस्सा रहा है। स्वभाव से हम एक डेमोक्रेसी सोसाइटी हैं।

आदिवासियों को पद्म पुरस्कार मिलना गर्व की बात

पीएम मोदी ने कहा कि पद्म पुरस्कार विजेताओं की एक बड़ी सख्या आदिवासी समुदायों और आदिवासी समाज से जुड़े लोगों से आती है। आदिवासी जीवन शहर के जीवन से अलग है, इसकी अपनी चुनौतियां भी हैं। इन सबके बावजूद आदिवासी समाज अपनी परंपराओं को बचाने के लिए हमेशा आतुर रहता है। टोटो, हो, कुई, कुवी और मांडा जैसी आदिवासी भाषाओं पर काम करने वाली कई महान हस्तियों को पद्म पुरस्कार मिल चुके हैं। यह हम सबके लिए गर्व की बात है। सिद्दी, जारवा और ओंगे आदिवासियों के साथ काम करने वालों को इस बार भी पुरस्कृत किया गया है।

गणतंत्र दिवस में सीआरपीएफ की महिला टुकड़ी की काफी सराहना हो रही

पीएम ने कहा कि गणतंत्र दिवस समारोह में अनेक पहलुओं की काफी प्रशंसा हो रही है। 26 जनवरी की परेड के दौरान कर्तव्य पथ का निर्माण करने वाले श्रमिकों को देखकर बहुत अच्छा लगा। इस परेड में पहली बार हिस्सा लेने वाली महिला ऊंट सवार और सीआरपीएफ की महिला टुकड़ी की भी काफी सराहना हो रही है।

पीएम बोले, 2025 तक भारत को टीबी मुक्त करना है

पिछले साल के 25 दिसंबर को हुए आखिरी मन की बात कार्यक्रम में पीएम मोदी ने साल भर की उपलब्धियों को बताया था। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती पर श्रद्धांजलि दी थी। इसके साथ ही पीएम मोदी ने कहा कि हमने भारत से स्मॉलपॉक्स, पोलियो जैसी बीमारियों को खत्म करके दिखाया है। सबकी कोशिश से कालाजार नाम की ये बीमारी अब तेजी से खत्म हो रही है। इसी भावना से हमें भारत को 2025 तक टीबी मुक्त करना है। आपने देखा होगा कि बीते दिनों जब टीबी मुक्त भारत अभियान शुरू हुआ, तो हजारों लोग मरीजों की मदद के लिए आगे आए।

मन की बात कार्यक्रम के लिए लोगो और जिंगल बनाने का मौका

मन की बात कार्यक्रम का अप्रैल में 100वां एपिसोड होगा। 100वें एपिसोड के लिए केंद्र सरकार ने लोगो और जिंगल बनाने का कंपटीशन रखा है। यह 18 जनवरी से शुरू हो चुका है और इसके तहत अपने बनाए गए लोगो और जिंगल सब्मिट करने की आखिरी तारीख 1 फरवरी है।

पीएम मोदी ने जब 98वें मन की बात कार्यक्रम की थी, तब चीन में कोरोना से हर दिन हजारों मौतें हो रही थीं। पीएम मोदी ने लोगों से महामारी से बचने के लिए सावधानी बरतने की अपील की थी। उन्होंने कहा कि हम सभी को मास्क और सैनिटाइजेशन का ज्यादा ध्यान रखना है। हम सावधान रहेंगे, तो सुरक्षित भी रहेंगे।

मोदी को अपशब्द कहने वाले बिलावल को भारत का न्योता

क्या भारत-पाकिस्तान करीब आ रहे, शाहबाज यूएई से क्यों सुलह की गुहार लगा रहे

नई दिल्ली, 29 जनवरी (एजेंसियां)। भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर पाकिस्तान के विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी को भारत आने का न्योता भेजते हैं। यह न्योता मई में होने वाली शंघाई को-ऑपरेशन ऑर्गेनाइजेशन यानी एससीओ बैठक के लिए है। 12 साल में पहली बार पाकिस्तान के विदेश मंत्री भारत आ सकते हैं।

पाकिस्तान के विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी ने 16 दिसंबर 2022 को न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद यानी यूएनएससी के इतर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लेकर आपत्तिजनक बयान दिया। भुट्टो बोले, ओसामा बिन लादेन मर चुका है पर बुचर ऑफ गुजरात जिंदा है और वो भारत का प्रधानमंत्री है। जब तक वो प्रधानमंत्री नहीं बना था तब तक उसके अमेरिका आने पर पाबंदी थी।

पीओके के लोगों को चाहिए भारत की मदद

जम्मू-कश्मीर चुनाव में हिस्सा लेना चाहते हैं

नई दिल्ली, 29 जनवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर यानी पीओके के लोग अपनी आजादी के लिए भारत से मदद मांग रहे हैं। यहां की नेशनलिस्ट इक्वैलिटी पार्टी (एनईपी) के चेयरमैन प्रो. सज्जाद रजा ने कहा कि जम्मू-कश्मीर विधानसभा में पीओके के लिए 24 सीटें रिजर्व हैं। जब भी वहां चुनाव हों, हम भारत के संविधान के तहत नामांकन करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि हम चाहते हैं कि पीओके में जन्मे नागरिकों को भी भारत सहूलियतें दें। सिर्फ यही नहीं, पीओके के लोगों को लोकसभा-राज्यसभा में भी जगह दें। लंदन में निर्वासित प्रो. रजा बात करते हुए फफक पड़े, पाकिस्तान ने बंदूक के जोर पर पीओके कब्जाया। भारत भी इन्हें बंदूक के दम पर यहां से खदेड़े.. प्लीज हमें बचा लीजिए।

प्रो. सज्जाद रजा ने कहा, रिजर्व सीटों के लिए बजट जारी होना चाहिए। हम पीओके में अस्पताल-स्कूल बनाएंगे। अगर पाकिस्तान ने विकास के इस फंड का इस्तेमाल करने से रोका तो हम पूरी दुनिया में, इस्लामिक देशों के संगठन ओआईसी के सामने उसे बेनकाब करेंगे। भारत साथ दे, हम 5 साल में पाक को यहां से निकाल सकते हैं।

कोई और पीएम मुझे मंत्री न बनाता

जयशंकर बोले- भगवान कृष्ण, हनुमान दुनिया के सबसे बेहतर राजनयिक थे

नई दिल्ली, 29 जनवरी (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कैबिनेट में विदेश मंत्रालय की जिम्मेदारी मिलने को लेकर एस जयशंकर ने पहली बार खुलकर अपनी बात रखी है। उन्होंने कहा है कि वे इस बात को लेकर निश्चित नहीं हैं कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अलावा किसी और पीएम ने उन्हें मंत्री भी बनाया होता।

पुणे में अपनी किताब 'द इंडिया वे: स्ट्रैटजीज फॉर एन अनसर्टेन वर्ल्ड' के मराठी वर्जन 'भारत मार्ग' की लॉन्चिंग के एक कार्यक्रम के दौरान जयशंकर ने कहा कि मंत्री बनने से पहले तक विदेश सचिव बनना उनकी महत्वाकांक्षा की सीमा थी। उन्होंने कहा, मेरे लिए विदेश सचिव बनना मेरी महत्वाकांक्षा की सीमा थी। मैंने कभी मंत्री बनने के बारे में सोचा तक नहीं।

जयशंकर ने आगे विदेशी संबंधों पर बात करते हुए कहा कि भगवान श्रीकृष्ण और भगवान हनुमान दुनिया के सबसे बेहतरीन राजनयिक थे।

उन्होंने कहा, मैं यह बात गंभीरता से कह रहा हूं। अगर कोई उनके राजनयिकता के परिप्रेक्ष्य को देखेगा कि जिस स्थिति में वे थे, किस तरह के मिशन उन्हें सौंपे गए। कैसे उन्होंने स्थिति को संभाला। तो यह समझ में आएगा कि हनुमानजी अपने मिशन से भी आगे गए थे।

भारत जोड़ो यात्रा एक दिन पहले खत्म

राहुल बोले- 370 पर स्टैंड क्लियर, पुरानी व्यवस्था लागू हो

अगर यहां सब ठीक तो शाह जम्मू से श्रीनगर तक पद यात्रा करें

श्रीनगर, 29 जनवरी (एजेंसियां)। श्रीनगर में भारत जोड़ो यात्रा के पहुंचने के बाद राहुल गांधी ने कॉन्फ्रेंस में कहा, आर्टिकल 370 पर हमारा स्टैंड क्लियर है, हम जम्मू-कश्मीर में पहले की तरह राज्य की व्यवस्था की बहाली चाहते हैं। इसमें लद्दाख भी शामिल है। हमारी वर्किंग कमेटी में इसकी चर्चा हुई है, इसके दस्तावेज दिखा दूंगा। भाजपा का कहना था कि 370 हटने के बाद यहां सब ठीक हो गया है, लेकिन यहां टारगेट किलिंग हो रही है। लोगों में डर का माहौल है। अगर सब कुछ ठीक है तो अमित शाह जम्मू से श्रीनगर तक पदयात्रा करके दिखाएं।

राहुल ने कहा, मेरे पूर्वज कश्मीर से थे

जम्मू कश्मीर में मैंने जो देखा, उससे खुश नहीं हुआ। यहां के लोगों में दुख है। मेरा परिवार कश्मीर से ही निकला है। मेरे पूर्वज यहीं के है। मुझे महसूस हो रहा था कि मैं घर जा रहा हूं। यहां टारगेट किलिंग हो रही है। भाजपा वाले कहते हैं कि 370 हटने के बाद कश्मीर में सब ठीक हो गया। अगर यहां सब ठीक है तो अमित शाह को जम्मू से श्रीनगर तक पदयात्रा करनी चाहिए।

एक दिन पहले खत्म की यात्रा

इससे पहले श्रीनगर के लाल चौक पर रविवार को राहुल गांधी ने तिरंगा फहराया। वह सुरक्षाकर्मियों की गाड़ी में वहां पहुंचे। उनके साथ बहन प्रियंका गांधी भी मौजूद थीं। तिरंगा फहराने के बाद राहुल की भारत जोड़ो यात्रा खत्म हो गई, जबकि इसे 30 जनवरी को खत्म होना था। सूत्रों ने बताया कि लाल चौक के कार्यक्रम के बाद यात्रा खत्म कर दी गई। कांग्रेस दफ्तर में सोमवार को होने वाला कार्यक्रम भी रद्द कर दिया गया है।

लाल चौक पर तिरंगा फहराने के दौरान भारी तादाद में पुलिस बल तैनात रहा। पूरे इलाके को बैरिकेड्स लगाकर सील कर दिया गया। आसपास की सभी दुकानें बंद करवा दी गईं। राहुल सुरक्षाकर्मियों की गाड़ी में लाल चौक पहुंचे थे।

राहुल गांधी के साथ जयराम रमेश, मल्लिकार्जुन खड़गे, जयराम रमेश, उमर अब्दुल्ला, महबूबा मुफ्ती के शामिल होने की जानकारी है।

>14

एलएसी पर भारत की चौकसी

135 किमी लंबी लद्दाख रोड पर शुरू हुआ काम

नई दिल्ली, 29 जनवरी (एजेंसियां)। पड़ोसी मुल्क चीन अपनी हरकतों से बाज नहीं आता। वह कोई न कोई ऐसी हरकत जरूर करता है जिससे दोनों देशों के बीच तनाव की स्थिति बनी रहे। हालांकि सीमा विवाद पर भारत भी कमतर नहीं है। चाहे वह गलवान में चीनी सैनिकों से दो-दो हाथ हो या अरुणाचल प्रदेश के तवांग में झड़प दोनों बार चीन को ही मुंह की खानी पड़ी है। इस बीच भारत लाइन ऑफ कंट्रोल यानी एलएसी पर चौकसी की तैयारी कर ली है। भारत ने 135 किलोमीटर लंबे सिंगल लेन राजमार्ग बनाने की तैयारी शुरू कर दी है। आपको बता दें कि, यह राजमार्ग देश के लिए एक अहम रणनीतिक सड़क साबित होगी।

135 किलोमीटर लंबे राजमार्ग की लागत करीब 400 करोड़ रुपये बताई जा रही है। यह आने वाले दो सालों में बनकर तैयार भी हो जाएगा। इसे सिंगल लेन राष्ट्रीय राजमार्ग के पैरामीटर के आधार पर तैयार किया गया है। यह नई सड़क सिंधु नदी के साथ-साथ चलेगी और यह लेह में भारत-चीन सीमा के काफी करीब बनाई जाएगी। 135 किलोमीटर लंबी यह सड़क पैंगोंग के दक्षिण चुशुल और पूर्वी लद्दाख के देमचोक के बीच की दूरी को कम करेगी।

इस नैशनल हाइवे पर तीन महत्वपूर्ण पुलों का भी निर्माण किया जाएगा। सीमा सड़क संगठन यानी बीआरओ ने 2018 में ही इस सड़क मार्ग को लेकर विस्तार परियोजना रिपोर्ट तैयार कर ली थी। 23 जनवरी को बीआरओ ने चुशुल-दुंगती-फुकचे-देमचोक राजमार्ग जिसे सरल भाषा में सीडीएफडी सड़क के नाम से भी जाना जाता है के निर्माण के लिए बोलियां आमंत्रित की थीं। उसके बाद अब चीन को जवाब देने के लिए राजमार्ग बनाने की प्रक्रिया की शुरूआत हो गई है।

विजय चौक पर बीटिंग द रिट्रीट सेरेमनी समाप्त

सेना और पुलिस बैंड ने 29 धुनों से सब का मन मोहा, लेजर और लाइट शो से जगमगाया कर्तव्य पथ

नई दिल्ली, 29 जनवरी (एजेंसियां)। नई दिल्ली के विजय चौक पर रविवार को बीटिंग द रिट्रीट सेरेमनी के साथ ही गणतंत्र दिवस कार्यक्रमों का समापन हुआ। इस खास मौके पर तीनों सेनाओं के बैंड ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के सामने 29 क्लासिकल धुनें बजाईं। धुनों ने सभी का मन मोह लिया। इसके बाद राष्ट्रीय ध्वज को पूरे सम्मान के साथ उतारा गया। तीनों सेनाओं की प्रमुख राष्ट्रपति से सेना के बैंड को ले जाने की अनुमति मांगी गई। अनुमति मिलते ही बैंड स्थल से रवाना हो गए।

इस मौके पर दिल्ली की सभी प्रमुख इमारतें रंग-बिरंगी रोशनी से जगमग की गईं। सेरेमनी में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, पीएम नरेंद्र मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, सीडीएस जनरल अनिल चौहान और तीनों सेनाओं के प्रमुख भी मौजूद रहे।

दिल्ली में भारी बारिश के बावजूद सेरेमनी को देखने बड़ी संख्या में लोग पहुंचे थे।

रक्षा मंत्रालय के अनुसार, सेना के तीनों अंग और राज्य पुलिस व सीएपीएफ के संगीत बैंड द्वारा 'बीटिंग द रिट्रीट' सेरेमनी में 29 धुनों को बजाया गया। समारोह की शुरूआत अग्निवीर धुन के साथ हुई। सेना और पुलिस बल ने अल्मोड़ा, केदारनाथ, संगम दूर, सतपुड़ा की रानी, भागीरथी, कोंकण सुंदरी जैसी मोहक धुनें बजाईं। वायु सेना के बैंड ने अपराजेय अर्जुन, चरखा, वायु शक्ति, स्वदेशी धुन बजाईं। वहीं नौसेना के बैंड एकला चलो रे, हम तैयार हैं और जय भारती की धुनें बजाईं।

इंडियन आर्मी के बैंड ने शंखनाद, शेर-ए-जवान, भूपाल, अग्रणी भारत, यंग इंडिया, कदम कदम बढ़ाए जा, ड्रमर्स कॉल और ऐ मेरे वतन के धुन बजाईं। कार्यक्रम का समापन 'सारे जहां से अच्छा' की धुन के साथ हुआ।

बंगाल के नए राज्यपाल ने राज्य सरकार के साथ मिलकर काम करने का लिया संकल्प

कोलकाता, 29 जनवरी (एजेंसियां)। पिछले साल की अंतिम तिमाही में पश्चिम बंगाल के नए राज्यपाल के रूप में कार्यभार संभालने के तुरंत बाद सीवी आनंद बोस ने राज्य सरकार के साथ मिलकर काम करने का संदेश दिया था। उन्होंने यह भी कहा कि राज्य के संवैधानिक प्रमुख के रूप में राज्य सचिवालय के साथ उनका संबंध आधिकारिक से अधिक प्रशासनिक होगा।

उनके संदेश और उसके बाद की घटनाओं के क्रम ने गवर्नर हाउस-सचिवालय संबंधों में एक सुचारू प्रक्रिया का संकेत दिया। राजनीतिक पर्यवेक्षकों ने महसूस किया कि बोस के पूर्ववर्ती और वर्तमान उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के कार्यकाल के दौरान होने वाले नियमित झगड़े के दिन अपने चरम पर पहुंच गए थे। अब राजभवन-सचिवालय के व्यवहारिक संबंध के लिए प्रक्रिया शुरू हो गई है।

राज्य के विश्वविद्यालयों के कुलपतियों के साथ राज्यपाल की हालिया बैठक के बाद यह धारणा और मजबूत हुई, जिसमें शिक्षा मंत्री भी शामिल हुए। 17 जनवरी को बैठक के बाद एक संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में राज्यपाल और मंत्री दोनों ने कहा कि वे राज्य के शिक्षा क्षेत्र के विकास के लिए संयुक्त रूप से काम करेंगे।

प्रेस कांफ्रेंस में जो महत्वपूर्ण था वह यह था कि मंत्री बार-बार राज्यपाल को चांसलर के रूप में संबोधित कर रहे थे। इससे अटकलें लगाई गईं कि राज्य सरकार धनखड़ के शासन के दौरान संशोधित पिछले विधेयक में फिर से संशोधन कर सकती है। हालांकि राज्य के भाजपा नेता राज्य सरकार और राज्यपाल के बीच बढ़ती मेलजोल से खुश नहीं हैं, लेकिन उन्होंने इस मामले पर कोई आधिकारिक टिप्पणी करने से परहेज किया।

हालांकि, 26 जनवरी को चीजें बदल गईं, जब सरस्वती पूजा गणतंत्र दिवस के साथ हुई। पारंपरिक मान्यता का सम्मान करते हुए कि सरस्वती पूजा हेट खोरी के लिए सबसे शुभ अवसर है, जो पढ़ाई की शुरूआत के लिए एक अनुष्ठान है।

पाक में नाव डूबने से 10 बच्चों की मौत

पिकनिक पर गए थे मदरसे के छात्र, सुबह बस में आग लगने से 44 लोग मारे गए थे

इस्लामाबाद, 29 जनवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में रविवार को नाव डूबने से 10 बच्चों की मौत हो गई। घटना टांडा डैम में हुई। कोहट जिले के एक मदरसे के छात्र और टीचर्स यहां पिकनिक के लिए आए थे। अब तक 6 शव बरामद हो चुके हैं। बाकी की तलाश जारी है। 17 छात्रों को बचा लिया गया। मारे गए छात्रों की उम्र 12 से 20 साल के बीच है।

इससे पहले पाकिस्तान के बलूचिस्तान में एक बस खाई में गिर गई। हादसे के तुरंत बाद बस में आग लग गई। इस हादसे में 44 लोगों की मौत हो गई। पाकिस्तानी मीडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, हादसा लसबेला जिले में हुआ। बस में 48 यात्री सवार थे। लासबेला असिस्टेंट कमिश्नर

हमजा अंजुम ने कहा कि हादसा बेहद खतरनाक था। मरने वालों की संख्या बढ़ सकती है।

पिलर से टकराकर खाई में गिरी

एक पुलिस अधिकारी ने कहा कि हादसा शनिवार-रविवार की रात 2 बजकर 15 मिनट पर हुआ। बस क्वेटा से कराची जा रही थी। रफ्तार तेज होने के कारण ये ब्रिज पर लगे पिलर से टकराई और खाई में गिर गई। मौके पर पहुंची रेस्क्यू टीम ने अब तक एक महिला, एक बच्चे समेत 3 लोगों को बचाया गया है।

आग बुझाने में 2 घंटे लगे

हादसे के बाद दमकल विभाग को सूचना दी गई। एक दमकलकर्मी ने बताया कि आग बहुत ही भयानक थी। इसे काबू करने में कर्मचारियों को कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। करीब 2 घंटे की मेहनत के बाद इस पर काबू पाया गया।

सीएम धामी ने बच्चों के साथ सुनी प्रधानमंत्री की मन की बात, बातचीत कर बढ़ाया छात्रों का हौसला

देहरादून, 29 जनवरी (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने राष्ट्रीय दृष्टि दिव्यांगजन सशक्तिकरण संस्थान देहरादून के सभागार में संस्थान एवं समाज कल्याण विभाग के राजकीय आश्रम पद्धति विद्यालय अधोईवाला के बच्चों के साथ पीएम की मन की बात सुनी। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी भी उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि मन की बात कार्यक्रम के माध्यम से प्रधानमंत्री ने देश में विभिन्न क्षेत्रों में सराहनीय कार्य करने वालों को वैश्विक पहचान दिलाने का कार्य किया है।

हरियाणा-दिल्ली एनसीआर में बदला मौसम

कई क्षेत्रों में बूंदाबांदी, बढ़ी ठिठुरन

नई दिल्ली, 29 जनवरी (एजेंसियां)। हरियाणा व दिल्ली एनसीआर के कई इलाकों में सुबह से ही मौसम में बदलाव देखने को मिला है। प्रदेश के कई हिस्सों में बूंदाबांदी दर्ज की गई है। सुबह से धूप न निकलने व बूंदाबांदी के कारण ठिठुरन बढ़ गई है। मौसम विभाग के अनुसार दोपहर बाद बारिश की गतिविधियां और बढ़ सकती हैं। हरियाणा के रोहतक, पानीपत, सोनीपत, झज्जर व करनाल में हल्की बूंदाबांदी जारी है। वहीं दिल्ली में भी बूंदाबांदी का दौर जारी है। इसके अलावा चरखी दादरी, महेंद्रगढ़, रेवाड़ी, भिवानी, गुरुग्राम, नूंह, फरीदाबाद, पलवल, हिसार, जींद, कुरुक्षेत्र, कैथल, यमुनानगर व अंबाला में भी कुछ देर में बारिश की संभावना जताई है। मौसम विभाग के अनुसार सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से कल देर रात से ही राजस्थान के कुछ हिस्सों में हल्की से मध्यम तो कहीं तेज बारिश दर्ज की गई है, रविवार सुबह से बादल दिल्ली हरियाणा में पहुंच गए हैं। दोपहर बाद बारिश की गतिविधियां और बढ़ने के आसार है। हरियाणा, पंजाब, दिल्ली एनसीआर और पश्चिमी उत्तरप्रदेश के विभिन्न जिलों बूंदाबांदी दोपहर से बढ़ेगी। वहीं सोमवार सुबह के बीच कुछ क्षेत्रों में तेज बारिश के दौर और ओलावृष्टि की भी आशंका है। पिछले कई दिनों से हरियाणा में दिन के समय तेज धूप खिलने के बाद लोगों को ठंड से राहत मिल रही थी। हालांकि रातें सर्द रहने से ठंड का अहसास बना हुआ था। शनिवार को हिसार में न्यूनतम तापमान एक डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। मौसम विभाग के अनुसार रविवार व सोमवार को पश्चिम विक्षोभ के कारण कुछ स्थानों पर बारिश होने के आसार हैं। चौधरी चरणसिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौसम विभाग के अनुसार मौसम में बदलाव आएगा। प्रदेश के अधिकतर हिस्से में बादलों का प्रभाव रहेगा। हल्की से मध्यम गति की बारिश हो सकती है। 31 जनवरी को मौसम शुष्क रहेगा। मौसम विभाग के अध्यक्ष डॉ. एमएल खिचड़ ने बताया कि इस समय हल्की बारिश से किसी फसल को नुकसान नहीं पहुंचेगा। यह फसल गेहूं के लिए सबसे अधिक फायेदमंद रहेगी।

सीमा पर म्यांमार के नागरिकों ने बसाया था गांव

80 अवैध शरणार्थियों को प्रशासन ने पकड़ा

मणिपुर, 29 जनवरी (एजेंसियां)। म्यांमार में आंतरिक कलह और हिंसा का दबाव भारत के सरहदी सूबे भी लगातार झेल रहे हैं. भारत में शरण लेने की जुगत में म्यांमार के नागरिक अवैध तरीके से घुसपैठ के रास्ते तलाशते रहते हैं. इसी कड़ी में बीते 26 जनवरी को करीब 80 शरणार्थियों को मोरे बॉर्डर के इलाके से पकड़ा गया है. मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने सीमा पर रहने वाले सभी नागरिकों से कहा है कि अवैध घुसपैठियों के बारे में फौरन प्रशासन को सूचना दें. ऐसा न करने वालों के खिलाफ घुसपैठियों को शरण देने के मामले में कार्रवाई की जाएगी. मणिपुर सरकार के मुताबिक गत 26 जनवरी को सूचना मिली कि मोरे सब डिवीजन में एच ल्हांगचम के पास एक नया गांव बस गया है. न्यू सालबङ्ग नाम के इस गांव की जानकारी मिलते ही टेंगनोपाल पुलिस प्रशासन की टीमों और मोरे सब डिवीजन के सरकारी अमले ने मौके पर पहुंचकर पड़ताल की. इस सिलसिले में 80 म्यांमार के नागरिकों को पकड़ा गया है जिनमें करीब 10 बच्चे शामिल हैं. इन सभी लोगों को मणिपुर के चूड़ाचंद्रपुर में बनाई गई अस्थाई डिटेंशन सेंटर में रखा गया है. साथ ही करीब 26 लोगों को इंफाल सेंट्रल जेल भी स्थानांतरित किया गया है.

बलात्कारियों को राहत मिल सकती है

लेकिन मेरे पति को नहीं : नवजोत सिद्धू की पत्नी

चंडीगढ़, 29 जनवरी (एजेंसियां)। जेल में बंद कांग्रेस नेता नवजोत सिंह सिद्धू की पत्नी नवजोत कौर सिद्धू ने कहा कि कुख्यात अपराधियों और कट्टर अपराधियों को सरकार की नीतियों से राहत मिल सकती है, लेकिन उनके पति के लिए ऐसी किसी भी राहत से इनकार किया गया है. सिद्धू 1988 के 'रोड रेज' मामले में पटियाला के केंद्रीय कारागार में एक साल कैद की सजा काट रहे हैं. इस घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गई थी. नवजोत कौर ने ट्वीट किया, ''कुख्यात अपराधी, मादक पदार्थ तस्कर, कट्टर अपराधी, बलात्कारियों को जमानत मिल सकती है और सरकार की नीतियों से राहत मिल सकती है, लेकिन एक ऐसा सच्चा, ईमानदार व्यक्ति, जिसने अपराध नहीं किया है, वह न्याय और केंद्र द्वारा दी गई राहत से वंचित है." कांग्रेस की पंजाब इकाई के कई नेताओं ने बृहस्पतिवार को पटियाला जेल से नवजोत सिंह सिद्धू को समय से पहले रिहा न करने को लेकर राज्य की आम आदमी पार्टी (आप) सरकार की आलोचना की. प्रदेश कांग्रेस के पूर्व प्रमुख शमशेर सिंह

ढुलो, पूर्व सांसद मोहिंदर सिंह केपी, पूर्व विधायक अश्विनी सेखरी, नवतेज सिंह चीमा और राजिंदर सिंह आप सरकार के विरोध में पटियाला में सिद्धू के आवास पर एकत्र हुए.

अरुणाचल के नामसाई जिले को दहलाने की साजिश

'जिलेटिन' की छड़ों के दो बंडल बरामद

नामसाई, 29 जनवरी (एजेंसियां)। सीआरपीएफ ने रविवार सुबह असम-अरुणाचल सीमा के साथ लगे अरुणाचल प्रदेश के नामसाई जिले में छोटे लचीले तार से लगे पांच जिलेटिन की छड़ों के दो बंडल बरामद किए। संदिग्ध तीन व्यक्ति पोडुमोनी और एकोरानी गांव के रास्ते असम भाग गए। सर्च ऑपरेशन जारी है। नामसाई के एसपी ने इस घटना की जानकारी दी है।

केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने कहा

हिंदू, मुस्लिम, सिख शब्द ब्रिटिश शासनकाल में गढ़े गए

तिरुवनंतपुरम, 29 जनवरी (एजेंसियां)। साफगोई के लिए चर्चित केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने इस बार अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के संस्थापक सर सैयद अहमद खान से जुड़ा संस्मरण याद दिलाया है। उन्होंने कहा कि सैयद अहमद खान साहब ने खुद को हिंदू कहने का अनुरोध किया था। प्रख्यात शिक्षाविद ने यह अनुरोध 100 साल से ज्यादा पहले किया था। केरल के राज्यपाल ने यह बात हिंदू सम्मेलन में कही है। इस सम्मेलन का आयोजन केरल हिंदू ऑफ नार्थ अमेरिका (केएचएनए) ने किया था। सम्मेलन में केंद्रीय मंत्री वी मुरलीधरन ने भी हिस्सा लिया। आरिफ मोहम्मद खान ने कहा कि आर्य समाज द्वारा आयोजित अभिनंदन समारोह में सर सैयद ने कहा था कि आप लोग मुझे हिंदू कह सकते हैं।

बता दें कि यह समारोह ब्रिटिश शासन के दौरान लेजिस्लेटिव काउंसिल में सर सैयद का कार्यकाल पूरा होने के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया था। समारोह में उन्होंने कहा था। हिंदू को धार्मिक शब्द के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। मेरी आपसे (आर्य समाज सदस्यों से) गंभीर शिकायत है कि आप मुझे हिंदू कहकर नहीं बुलाते। वास्तव में हिंदू भौगोलिक शब्द है। राज्यपाल खान ने अलीगढ़ विश्वविद्यालय के संस्थापक का उल्लेख करते हुए कहा, महान सुधारक सर सैयद ने कहा था कि जो व्यक्ति भारत में पैदा हुआ है, जो व्यक्ति यहां रहता है, जो व्यक्ति यहां की धरती पर पैदा अन्न खाता है, जो व्यक्ति यहां की नदियों का पानी पीता है, वह हर व्य

क्ति हिंदू है। इसलिए आप सब भी मुझे हिंदू कहकर पुकारिए। केरल के राज्यपाल ने कहा कि ब्रिटिश शासनकाल में भारत में हिंदू, मुस्लिम और सिख शब्द गढ़े गए। ऐसा इसलिए किया गया क्योंकि अंग्रेज भारत की सामाजिक एकजुटता को खत्म करना चाहते थे।

लखनऊ एयरपोर्ट पर विमान से टकराया पक्षी, टेकऑफ करते समय हुआ हादसा

लखनऊ, 29 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ स्थित चौधरी चरण सिंह अमौसी एयरपोर्ट पर रविवार (29 जनवरी) को बड़ा हादसा होते-होते टल गया है. दरअसल, लखनऊ से कोलकाता जा रही एयर एशिया की फ्लाइट पक्षी से टकरा गई. इसके बाद पायलट ने बड़ी ही सूझबूझ से विमान की इमरजेंसी लैंडिंग की. बताया जा रहा है कि एयर एशिया की लखनऊ-कोलकाता उड़ान के लिए विमान जैसे ही रनवे पर आगे बढ़ा उसके दूसरे इंजन से पक्षी टकरा गया. ऐसे में पायलट ने सूझबूझ के साथ इमरजेंसी ब्रेक लगाकर विमान को रोका. पायलट ने तुरंत इसकी सूचना एयर ट्रैफिक कंट्रोल को दी. यात्रियों को लखनऊ एयरपोर्ट पर उतारा गया. फिलहाल यात्रियों को दूसरे विमान से भेजने का प्रबंध किया जा रहा है.

कमलनाथ ने शिव पर साधा निशाना, बोले

खरीद फरोख्त की सत्ता के कुछ माह बचे, एकाध जनकल्याण का काम कर दीजिए

भोपाल, 29 जनवरी (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश में 'सवाल' पर सियासत तेज हो गई है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के बयान के बाद पूर्व सीएम कमलनाथ ने निशाना साधते हुए कहा कि खरीद फरोख्त की सत्ता के कुछ माह बचे हैं। एकाध जनकल्याण का काम कर दीजिए। पीसीसी चीफ और पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने रविवार को ट्वीट कर शिवराज सिंह पर पलटवार किया। कमलनाथ ने कहा कि मध्य प्रदेश में कोई भी विकास कार्य ना करने

की शपथ ले चुके मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान जी से मैं यह पूछना चाहता हूं कि आपने भाजपा की नारी शक्ति संकल्प पत्र में कृषि उपज और दूध के प्राथमिक प्रसंस्करण के लिए महिला स्वयं सहायता समूह और एफपीओ को 20 लाख रुपए तक का दीर्घकालिक ब्याज मुक्त ऋण देने का वादा किया था। क्या आप जनता के सामने तथ्य रखकर बताएंगे कि इस घोषणा पर क्या प्रगति हुई? या फिर दूध पर किए इस वादे का भी आपने दही कर दिया? कमलनाथ ने कहा कि मैं आपसे पुनः निवेदन करता हूं कि मुख्यमंत्री पद की गरिमा को पहचानिए। कमलनाथ ने कहा कि गाल बजाना बंद कीजिए और हाथ चलाना शुरू कीजिए। जो कुछ महीने आपकी खरीद-फरोख्त की सत्ता के बचे हैं। उसमें एकाध काम तो जनकल्याण का कर दीजिए। बता दें मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शनिवार को अपने सवाल पर पूर्व सीएम कमलनाथ के बयान पर पलटवार किया । सीएम ने कहा कि तुम लोगों को भ्रमित करते रहो। झूठ बोलो और हम तुमसे सवाल भी ना पूछे। कमलनाथ ने सीएम के सवाल पर कहा था कि मुख्यमंत्री का काम सवाल करना नहीं होता।

असम ने 68 विदेशियों को नए ट्रांजिट कैंप में किया शिफ्ट

गोलपाड़ा, 29 जनवरी (एजेंसियां)। असम सरकार ने संदिग्ध और घोषित विदेशियों को गोलपारा जिले में नवनिर्मित समर्पित निरोध केंद्र में स्थानांतरित करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। सरकार ने असम में पाए गए संदिग्ध और घोषित विदेशियों को रखने के लिए गोलपारा जिले के मटिया में पहला समर्पित केंद्र बनाया है।

हम स्वीकार नहीं करते

समर्थकों की तरफ से प्रधानमंत्री का उम्मीदवार बताने पर बोले नीतीश कुमार

पटना, 29 जनवरी (एजेंसियां)। जनता दल यूनाइटेड (जदयू) का हर छोटा-बड़ा नेता बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को पीएम मैटेरियल और पीएम उम्मीदवार और न जाने क्या-क्या बताते रहते हैं. नीतीश कुमार के 2024 लोकसभा में विपक्ष का नेता बनने को लेकर बिहार के आम लोगों से लेकर देश भर में चर्चा है. इसी बीच आज समाधान यात्रा के दौरान कैमूर पहुंचे बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से पूछा गया कि समर्थक आपको प्रधानमंत्री बनाने की मांग कर रहे हैं तो उन्होंने कहा कि इससे हम एग्री नहीं करते..गलत बात...हम मना कर देते इ सब बात को. साफ है कि नीतीश कुमार अब प्रधानमंत्री उम्मीदवार बनने की चर्चा से खुद को दूर करना चाहते हैं. मगर, राजनीति में कौन क्या कहता है और क्या करता है, यह मौके की बात होती है. अब नीतीश कुमार आगे क्या करने वाले हैं, यह तो आने वाला वक्त ही बताएगा, लेकिन यह लग रहा है कि फिलहाल नीतीश कुमार का ध्यान बिहार पर ही है.

वह अपनी समाधान यात्रा को लेकर काफी गंभीर नजर आ रहे हैं. नीतीश कुमार की पार्टी में भी इन दिनों काफी बवाल देखने को मिल रहा है. उपेंद्र कुशवाहा लगातार नीतीश कुमार पर हमलावर हैं. नीतीश कुमार कह चुके हैं कि जिसको जहां जाना है जाए, मगर इसके बाद उपेंद्र कुशवाहा ने कह दिया कि बगैर हिस्सा लिए कैसे चले जाएं. वह लगातार राजद से डील को लेकर नीतीश कुमार पर सवाल उठा रहे हैं.

बॉयकॉट और नफरती भाषणों पर मायावती की प्रतिक्रिया

मुगल गार्डेन का नाम बदलने पर किया ये सवाल

लखनऊ, 29 जनवरी (एजेंसियां)। बीते कुछ दिनों रामचरितमानस विवाद के साथ कई तरह की बयानबाजी चल रही है. इसके अलावा पठान फिल्म विवाद के बाद बॉयकॉट की बता चली थी. वहीं अब सरकार ने मशहूर मुगल गार्डन का भी नाम बदल दिया है. इन सभी मुद्दों पर बीएसपी प्रमुख मायावती की प्रतिक्रिया आई है. मायावती ने नफरती भाषणों और बायकाट पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, कुछ मुट्ठीभर लोगों को छोड़कर देश की समस्त जनता जबरदस्त महंगाई, गरीबी व बेरोजगारी आदि के तनावपूर्ण जीवन से त्रस्त है, जिनके निदान पर ध्यान केन्द्रित करने के बजाय धर्मान्तरण, नामान्तरण, बायकाट व नफरती भाषणों आदि के जरिए लोगों का ध्यान बांटने का प्रयास घोर अनुचित व अति-दुःखद. जबकि मुगल गार्डन का नाम बदले पर प्रतिक्रिया देत हुए बीएसपी चीफ ने कहा, ताजा घटनाक्रम में राष्ट्रपति भवन के मशहूर मुग़ल गार्डेन का नाम बदलने से क्या देश व यहां के करोड़ों लोगों के दिन-प्रतिदिन की ज्वलन्त समस्यायें दूर हो जाएंगी.

भारत में कोरोना के 109 नए मामले दर्ज

रिकवरी रेट 98.81 फीसदी

नई दिल्ली, 29 जनवरी (एजेंसियां)। कोरोना ने पूरी दुनिया में किस कदर कहर बरपाया, इससे अब हर कोई वाकिफ हो चुका है. बीते दिनों चीन में कोरोना के बढ़ते मामलों ने भी भारत समेत दुनियाभर की सिरदर्दी बढ़ा दी थी. इस बीच भारत में एक दिन में कोरोना वायरस संक्रमण के 109 नए मामले सामने आए हैं. जिसके बाद देश में अभी तक संक्रमित हुए लोगों की संख्या बढ़कर 4,46,82,639 हो गई है. वहीं, उपचाराधीन मरीजों की संख्या 1,842 पर बरकरार है. केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से रविवार सुबह आठ बजे जारी

अद्यतन आंकड़ों के अनुसार, गुजरात में संक्रमण से एक व्यक्ति की मौत के बाद देश में कोविड-19 से जान गंवाने वाले मरीजों की संख्या बढ़कर 5,30,740 हो गई है. वहीं, संक्रमण की दैनिक दर 0.07 प्रतिशत, जबकि साप्ताहिक दर 0.08 प्रतिशत दर्ज की गई है. मंत्रालय के मुताबिक, भारत में कोरोना वायरस संक्रमण के उपचाराधीन मरीजों की संख्या 1,842 दर्ज की गई है, जो कुल मामलों का 0.01 प्रतिशत है. अद्यतन आंकड़ों के अनुसार, देश में मरीजों के ठीक होने की राष्ट्रीय दर 98.81 प्रतिशत है. भारत में अभी तक कुल 4,41,50,057 लोग संक्रमण मुक्त हो चुके हैं,

स्वामी प्रसाद ने फिर किया ट्वीट, लिखा- कुत्तों के भौंकने से हाथी अपनी चाल नहीं बदलता

लखनऊ, 29 जनवरी (एजेंसियां)। सपा एमएलसी स्वामी प्रसाद मौर्य ने रामचरितमानस पर टिप्पणी करने के बाद रविवार को फिर ट्वीट किया है। उन्होंने लिखा कि धर्म की दुहाई देकर आदिवासियों, दलितों-पिछड़ों व महिलाओं को अपमानित किए जाने की साजिश का विरोध करता रहूंगा, जिस तरह कुत्तों के भौंकने से हाथी अपनी चाल नहीं बदलता उसी प्रकार इनको सम्मान दिलाने तक मैं भी अपनी बात नहीं बदलूंगा। मालूम हो कि शनिवार को भी स्वामी प्रसाद मौर्य ने माफी मांगने से इनकार करते हुए कहा कि दलितों, पिछड़ों के हक के लिए निरंतर संघर्ष करते रहेंगे।

वंदे भारत एक्सप्रेस में गंदगी देख एक्शन में रेल मंत्री

फ्लाइट की तर्ज पर सफाई के दिए निर्देश

नई दिल्ली, 29 जनवरी (एजेंसियां)। वंदे भारत एक्सप्रेस में यात्रियों की ओर से कूड़ा फेंकने के मामले का संज्ञान लेते हुए रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने संबंधित अधिकारियों को फ्लाइट की तरह सफाई करने का निर्देश दिया है। रेल मंत्री ने सफाई प्रक्रिया को उसी तरह अपनाने पर जोर दिया है जैसा कि उड़ानों में किया जाता है। ठीक वैसे ही एक व्यक्ति कचरा इकट्ठा करने वाले बैग को कोच में बैठे लोगों की सीट के पास ले जाएगा और यात्रियों को बैग में कचरा डालने के लिए कहेगा।

वंदे भारत ट्रेनों में सफाई व्यवस्था में बदलाव

अश्विनी वैष्णव ने एक ट्वीट में कहा कि वंदे भारत ट्रेनों में सफाई व्यवस्था में बदलाव किया गया है और ट्रेनों में स्वच्छता बनाए रखने में लोगों से सहयोग मांगा गया है। दरअसल, सोशल मीडिया पर वायरल कुछ रिपोर्ट्स में वंदे भारत ट्रेनों की तस्वीरों को ट्वीट किया गया था, जिसमें ट्रेन के गंतव्य पर पहुंचने के बाद इस्तेमाल किए गए खाने के पैकेट और अन्य कचरा बिखरा हुआ दिखाया गया था। कुछ इंटरनेट यूजर्स ने मंत्री से मामले में तत्काल कार्रवाई करने का आग्रह किया था।

कूड़ेदान का इस्तेमाल करने की अपील की गई थी

इससे पहले हाल ही में शुरू की गई सिकंदराबाद-विशाखापत्तनम वंदे भारत एक्सप्रेस में प्लेट, कप और अन्य कचरे के फैले पड़े होने की खबरें थीं। इस संबंध में रेलवे अधिकारियों ने कहा कि विशाखापत्तनम पहुंचने पर ट्रेन गंदी पाई गई, जबकि हाउसकीपिंग स्टाफ ने नियमित अंतराल पर अपना काम किया। रेलवे ने यात्रियों से इस प्रतिष्ठित ट्रेन को साफ रखने और कूड़ा फेंकने के लिए रखे गए कूड़ेदान का इस्तेमाल करने की अपील की थी।

विमान हादसे में जान गंवाने वाले विंग कमांडर के घर छाया मातम

दो बच्चों के पिता थे पायलट

नई दिल्ली, 29 जनवरी (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश में हुए फाइटर प्लेन क्रैश में जान गंवाने वाले विंग कमांडर हनुमंत राव सारथी के आवास पर मातम छाया हुआ है। जानकारी के मुताबिक, पायलट सारथी का पार्थिव शरीर रविवार दोपहर उनके घर गणेशपुर लाया जाएगा, जहां उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा। पारिवारिक सूत्रों का कहना है कि 35 वर्षीय विंग कमांडर सारथी के परिवार में उनकी पत्नी के अलावा तीन साल की बेटी व एक साल का बेटा है। इसके अलावा वह सैनिक परिवार से आते हैं। सारथी के पिता रेवांसिद्दप्पा सारथी सेना के मानद कैप्टन रह चुके हैं तो वहीं भाई प्रवीण सारथी सेवारत

ग्रुप कैप्टन हैं।

सुखोई और मिराज में हुई थी टक्कर

दरअसल, सेना के दो फाइटर प्लेन सुखोई-30 और मिराज-2000 ने शनिवार सुबह ग्वालियर एयरफोर्स स्टेशन से उड़ा भरी थी। कुछ देर बाद ये दोनों विमान आपस में टकरा गए, जिससे दोनों में आग लग गई। हादसे के बाद विमान मुरैना के पहाड़गढ़ में गिरे, वहीं एक विमान का कुछ हिस्सा घटना स्थल से करीब 75 किमी दूर भरतपुर में गिरा। इससे पहले सुखोई में सवार दोनों पायलट इजेक्ट कर बाहर निकल गए, लेकिन मिराज में सवार विंग कमांडर हनुमंथ राव सारथी की मौत हो गई। सुखोई से इजेक्ट हुए दोनों पायलट गंभीर रूप से घायल है। उनका अस्पताल में इलाज चल रहा है।

दिल्ली-एनसीआर में एक्टिव हुए खालिस्तानी स्लीपर सेल

इंटेल एजेंसियों ने दी बड़े हमले की चेतावनी

नई दिल्ली, 29 जनवरी (एजेंसियां)। दिल्ली-एनसीआर में एक बार फिर खालिस्तानी स्लीपर सेल एक्टिव हो गए हैं. सुरक्षा एजेंसियों ने बड़े हमले की चेतावनी भी दी है. खुफिया एजेंसियों के सूत्रों ने दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में खालिस्तानी स्लीपर सेल के आतंकी नेटवर्क सक्रिय पाए गए हैं. बताया गया कि पश्चिमी दिल्ली के कई इलाकों में खालिस्तान समर्थक पोस्टर देखे गए हैं. इससे पुलिस में भी खलबली मच गई है. राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में खालिस्तानी स्लीपर सेल आतंकी हमलों को अंजाम दे सकते हैं. विकासपुरी, जनकपुरी, पश्चिम विहार, पीरागढ़ी और पश्चिमी दिल्ली के अन्य हिस्सों में खालिस्तानी समर्थक पोस्टर नजर आ रहे हैं, ऐसे में सुरक्षा एजेंसियों को आशंका है कि किसी बड़ी साजिश को अंजाम देने का प्लान किया जा रहा है. बता दें कि इन इलाकों से खालिस्तानी समर्थक पोस्टरों को स्थानीय पुलिस ने तुरंत हटा दिया और दीवारों को फिर से रंग दिया गया है. यहां दो समूहों (153-बी) के बीच दुश्मनी को बढ़ावा देने और आपराधिक साजिश (120-बी) के तहत भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धाराओं के तहत भी मामला दर्ज किया गया था. इन इलाकों में पुलिस गश्त तेज कर दी गई है और सीसीटीवी कैमरों के फुटेज भी खंगाले जा रहे हैं. राजधानी दिल्ली में शांति और सद्भाव को बिगाड़ने की योजना बना रहे खालिस्तानी संगठनों के बारे में खुफिया एजेंसियों के इनपुट के कारण पुलिस ने चौकसी बढ़ा दी है और संदिग्ध पर पैनी नजर रखी जा रही है.

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

सुविचार

कला की कीमत परिणाम से नहीं, उसके कलात्मक गुणों से आँकी जाती है।

सीएम केसीआर ने बैठक में पार्टी सांसदों को दिया निर्देश

केंद्र की अलोकतांत्रिक नीतियों के खिलाफ ससंद में आवाज उठाएं

हैदराबाद, 29 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस सुप्रीमो और सीएम के. चंद्रशेखर राव ने पार्टी सांसदों को संसद के बजट सत्रों में केंद्र द्वारा अपनाई जा रही जनविरोधी नीतियों को रोकने का निर्देश दिया। बीआरएस संसदीय दल की बैठक में चिंता व्यक्त की गई कि केंद्र सरकार द्वारा अपनाई जा रही दुर्भाग्यपूर्ण नीतियों के कारण देश में स्थिति दिन-ब-दिन बिगड़ती जा रही है। सीएम ने कहा कि केंद्र द्वारा की गई गलतियों को संसद के दिनों में रणनीतिक रूप से कार्य करते हुए और राज्य के साथ-साथ देश के सार्वजनिक मुद्दों पर आवाज उठाकर देश के ध्यान में लाया जाना चाहिए। सीएम केसीआर ने साफ किया कि केंद्र सरकार की अलोकतांत्रिक नीतियों के खिलाफ ससंद में आवाज उठाएं तथा इसका विरोधकरें। इस दिशा में सीएम केसीआर ने साफ कर दिया है कि बीआरएस पार्टी के साथ आने वाले दलों को शामिल कर केंद्र को दोनों सदनों में समर्थन देना चाहिए।

बीआरएस पार्टी के नेता और मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव की अध्यक्षता में रविवार को प्रगति भवन में बीआरएस संसदीय दल की बैठक हुई। चार घंटे से ज्यादा चली बैठक में कई मुद्दों पर चर्चा हुई। बैठक में चिंता व्यक्त की गई कि केंद्र की लापरवाह और खतरनाक नीतियां देश के भविष्य को भारी नुकसान पहुंचा रही हैं। बैठक में संसदीय दल के नेता के. केशवराव (राज्यसभा), नामा नागेश्वर राव (लोकसभा), सांसद जोगीनापल्ली संतोष कुमार, के.आर. सुरेश रेड्डी, बदुगुला लिंगया यादव, वाविराजू रविचंद्र, बंदी पार्थसारथी, देवकोंडा दामोदर राव, कोठा प्रभाकर रेड्डी, बीबी पाटिल, मन्ने श्रीनिवास रेड्डी, मालोथ कविता नाइक, पसुनुरी दयाकर, बोरलाकुंटा वेंकटेश और पोटुगंती रामुलु ने भाग लिया।

इस अवसर पर बीआरएस प्रमुख व सीएम केसीआर ने कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार द्वारा अपनाई गई नीतियां देश की अखंडता के विकास में बाधक बनी हैं, जो यह दुर्भाग्यपूर्ण है। देश की जनता अपनी मेहनत की कमाई अपने कॉरपोरेट मित्रों को कर्ज के रूप में दे रही है। केंद्र सरकार अपने चहेते कारपोरेट ताकतों पर प्यार जता रही है और लाखों करोड़ रुपये का कर्ज माफ कर रही है। एलआईसी जैसी सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों में अडानी जैसे बड़े कारोबारियों के कर्ज के रूप में शेयर बंधे जा रहे हैं। देश इस तथ्य को देख रहा है कि उनकी कंपनियों को रोजाना लाखों करोड़ रुपये का घाटा हो रहा है क्योंकि उनके शेयरों का मूल्य अचानक गिर गया है। यह स्पष्ट है कि उनका मुनाफा ही सारी दौलत नहीं है। इस तरह के वित्तीय जोड़तोड़ में योगदान देने के लिए केंद्र देश की सारी संपत्ति का निजीकरण कर भारी नुकसान कर रहा है। संसद के दोनों सदनों को निजी क्षेत्र के मुनाफों को रखते हुए केंद्र सरकार द्वारा अपनाई जा रही खतरनाक आर्थिक नीतियों के खिलाफ आवाज उठानी चाहिए। बीआरएस सांसदों को देश की जनता के हितों को नुकसान पहुंचाने वाली भाजपा केंद्र सरकार के रवैये की कड़ी निंदा करनी चाहिए। सीएम ने साफ कर दिया है कि केंद्र सरकार तेलंगाना के बंटवारे के वादों पर मूर्ख की तरह काम कर रही है और इसे लेकर हाहाकार मचना चाहिए। सीएम केसीआर ने साफ किया कि तेलंगाना को कई अधिकार पाने के लिए संसद में आवाज उठानी चाहिए।

फिर पदयात्रा शुरू करने की तैयारी में वाईएस शर्मिला, बीआरएस के लिए बन सकती चुनौती

हैदराबाद, 29 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के कार्यकर्ताओं द्वारा नवंबर में उनकी राज्य व्यापी पदयात्रा को रोकने के लिए कथित हमले से पता चलता है कि वाईएसआर तेलंगाना पार्टी (वाईएसआरटीपी) सत्ताधारी पार्टी के लिए एक कांटा बन गई है। उनकी पदयात्रा पर हमले के बाद शर्मिला की हिरासत, हैदराबाद में मुख्यमंत्री केसीआर के आवास पर विरोध प्रदर्शन करने का उनका बाद का प्रयास, शर्मिला के साथ एक कार के साथ उनकी नाटकीय गिरफ्तारी को पुलिस ने खींच लिया और बाधाओं के विरोध में उनकी भूख हड़ताल उनकी पदयात्रा की बहाली में बीआरएस सरकार द्वारा बनाए गए सभी ने उन्हें जनता का ध्यान आकर्षित करने में मदद की। राजनीतिक पर्यवेक्षकों का कहना है कि शर्मिला खुद को एक ऐसी महिला के रूप में चित्रित करके कुछ वर्गों में सहानुभूति हासिल करने में सफल रहीं, जो केसीआर सरकार पर सवाल उठा रही हैं। अविभाजित आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री वाई.एस. राजशेखर रेड्डी की बेटी ने पदयात्रा के दौरान बीआरएस के मंत्रियों, विधायकों और सांसदों पर तीखे हमले कर बीआरएस को नाराज कर दिया है। उसके मौखिक हमलों ने बीआरएस नेताओं को उकसाया, मजबूत विरोध और यहां तक कि शारीरिक हमले भी किए गये। जब आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाई.एस. जगन मोहन रेड्डी की बहन शर्मिला ने 2021 में वाईएसआरटीपी शुरू की, कई लोगों ने उन्हें गंभीरता से नहीं लिया। बीजेपी और कांग्रेस ने उन्हें सत्ता विरोधी वोटों, खासकर शक्तिशाली रेड्डी समुदाय के वोटों को विभाजित करने के लिए केसीआर का तीर करार दिया था। दिलचस्प बात यह है कि शर्मिला का तेलंगाना की राजनीति में प्रवेश उनके भाई को पसंद नहीं आया, जो खुद को आंध्र प्रदेश तक ही सीमित रखना चाहते हैं। हालांकि, उन्हें अपनी मां विजयम्मा का समर्थन मिला, जिन्होंने पिछले साल वाईएसआरसीपी के मानद अध्यक्ष के पद से इस्तीफा दे दिया था। पिछले महीने तेलंगाना की राज्यपाल तमिलिसाई सुंदरराजन ने शर्मिला को गिरफ्तार करने के तरीके की निंदा की थी और कई भाजपा नेताओं ने उनके साथ एकजुटता व्यक्त की थी। हालांकि, शर्मिला का दावा है कि वाईएसआरटीपी ही एकमात्र पार्टी है जो तेलंगाना के लोगों की ओर से लड़ रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और भाजपा दोनों ही केसीआर की विफलताओं और भ्रष्टाचार को उजागर करने में विफल रहीं। वाईएसआरटीपी नेता ने केंद्रीय जांच ब्यूरो को कालेश्वरम परियोजना में भ्रष्टाचार के दस्तावेजी सबूत भी सौंपे। वाईएसआर तेलंगाना पार्टी आज केसीआर और उनके बीआरएस के लिए खतरा है और वे हमारे खिलाफ हो गए हैं। अगर आप जनता के बदलते मिजाज और हमारी पार्टी की बढ़ती ताकत से नहीं डरते तो ये हमले क्यों? अक्टूबर 2021 में, उन्होंने अपने दिवंगत पिता वाईएसआर की तरह एक पदयात्रा शुरू की, जिन्होंने 2003 में तत्कालीन संयुक्त आंध्र प्रदेश में वॉकथॉन किया था और 2004 में कांग्रेस पार्टी को सत्ता में वापस लाया था। वह लगातार लोगों को आश्वस्त करती रही हैं कि यदि पार्टी सत्ता में आती है तो राजन्ना राज्यम या दिवंगत वाईएसआर के स्वर्ण युग को वापस लाया जाएगा। शर्मिला पहले ही 3500 किमी से अधिक की दूरी तय कर चुकी हैं और वारंगल जिले से इस सप्ताह वॉकथॉन को फिर से शुरू करने के लिए तैयार हैं, जहां इसे 28 नवंबर, 2022 को बीआरएस समर्थकों द्वारा रोक दिया गया था।

वाईएसआरटीपी ने अभी तक अन्य दलों के प्रमुख नेताओं को आकर्षित नहीं किया है। कुछ दिन पहले, खम्मम के पूर्व सांसद और बीआरएस नेता पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने उनसे मुलाकात की, जिससे अटकलें लगाई जाने लगीं कि वह वाईएसआरटीपी के प्रति निष्ठा बदल लेंगे। शर्मिला ने पहले ही घोषणा कर दी है कि वह खम्मम लोकसभा क्षेत्र के विधानसभा क्षेत्रों में से एक पालेयर से चुनाव लड़ेंगी। वाईएसआरटीपी शुरू करने के बाद से ही वह खम्मम जिले पर ध्यान केंद्रित कर रही हैं, जो आंध्र प्रदेश की सीमा पर स्थित है। जैसा कि उनके इंजीलवादी पति अनिल कुमार तेलंगाना से हैं, शर्मिला खुद को गैर-स्थानीय कहने वालों का मुकाबला करने के लिए खुद को तेलंगाना की बहू कहती हैं।

भाकपा ने केंद्र से हिंडन बर्ग रिपोर्ट पर सेबी द्वारा जांच के आदेश देने की मांग की

हैदराबाद, 29 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सीपीआई ने आज मांग की कि केंद्र सरकार उद्योगपति गौतम अडानी के स्वामित्व वाली कंपनियों के खिलाफ प्रसिद्ध शोध संगठन हिंडन बर्ग की रिपोर्ट की जांच सेबी या ईडी से कराये और पूछताछ में अडानी को दोषी पाए जाने पर गिरफ्तार करे। सीपीआई के सचिव कुनमनेनी संबाशिव राव ने यहां एक बयान में कहा कि या तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी या केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमन को सनसनीखेज मुद्दे पर बयान देना चाहिए ताकि नैतिक जिम्मेदारी लेकर लोगों के संदेह दूर किए जा सकें। शेयर बाजार में अडानी के स्वामित्व वाली कंपनियों के शेयरों के दुर्घटनाग्रस्त होने का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि यह गंभीर चिंता का विषय है कि एलआईसी और एसबीआई जैसे सरकारी संगठनों को गिरावट के कारण 4 लाख करोड़ की आय

का नुकसान हुआ। उन्होंने कहा कि पूरी दुनिया इस तथ्य से अवगत है कि पीएम नरेंद्र मोदी और उनकी सरकार के समर्थन ने अडानी को दुनिया का तीसरा सबसे अमीर व्यक्ति बना दिया है। उन्होंने कहा कि श्रीलंका के एक अधिकारी ने सार्वजनिक रूप से कहा था कि भारत सरकार ने अडानी को उनके देश की एक बिजली परियोजना के आवंटन के लिए पैरवी की थी। सीपीआई नेता ने यह भी आरोप लगाया कि केंद्र सरकार ने एसबीआई बैंक पर ऑस्ट्रेलिया में कोयला खदानों को हासिल करने के लिए अदानी समूह को ऋण देने के लिए दबाव डाला था, इसके अलावा अदानी समूह में एलआईसी की ओर से 81,000 करोड़ रुपये का निवेश किया था। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि केंद्र सरकार ने दूसरों के हाथों से मुंबई हवाईअड्डा अडानी को सौंप दिया है। संबाशिव राव ने कहा कि अडानी के शेयरों ने अपनी अनियमितताओं के उजागर होने के बाद केवल दो वर्षों में शेयर बाजार में 18,000 करोड़ रुपये खो दिए हैं। उन्होंने कहा कि अडानी समूह के शेयरों में गिरावट इस बात का एक उत्कृष्ट उदाहरण है कि अगर सरकारी क्षेत्र को कॉर्पोरेट क्षेत्र को सौंप दिया गया तो उसे किन समस्याओं का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने मांग की कि केंद्र सरकार एलआईसी और एसबीआई द्वारा अडानी समूह में किए गए सभी निवेशों को तुरंत वापस ले।

डीजीपी कार्यालय में पुलिस और भाजयुमो कार्यकर्ताओं में झड़प

हैदराबाद, 29 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार से एसआई और पुलिस कांस्टेबल पद के उम्मीदवारों को न्याय दिलाने की मांग को लेकर भाजयुमो कार्यकर्ताओं के "चलो डीजीपी कार्यालय" के विरोध को शहर की पुलिस ने आज विफल कर दिया। पुलिस और कार्यकर्ताओं के बीच कुछ देर तक एक-दूसरे पर हावी होने की खींचतान देखने को मिली और भाजयुमो के प्रदेश अध्यक्ष भानु प्रकाश हाथापाई में बेहोश होकर गिर पड़े।

हमले के दौरान बेहोश होने और चोट लगने के बाद भी पुलिस ने कथित तौर पर भानु प्रकाश पर लाठीचार्ज का सहारा लिया। कार्यकर्ता उन्हें ग्लोबल अस्पताल ले गए, जहां उन्हें आपातकालीन विंग में भर्ती कराया गया और उपचार प्रदान किया गया। पुलिस के हमले में संगठन के कार्यकर्ता अरुण कुमार और पुलेला शिवा को भी चोटें आईं। इस बीच, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बंडी संजय कुमार ने पुलिस द्वारा उनके कार्यकर्ताओं पर लाठीचार्ज की निंदा की।

मुलुगु में सड़क दुर्घटना में एक की मौत, चार घायल

सिद्दीपेट, 29 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मुलुगु मंडल के वेंतिमामिडी में रविवार सुबह एक सड़क दुर्घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गई और चार अन्य घायल हो गए। मुलुगु पुलिस के अनुसार, बच्चों का एक दल, जो बाचुपल्ली से एक इवेंट मैनेजमेंट कंपनी चला रहा था, करीमनगर में एक कार्यक्रम आयोजित करने के बाद वापस हैदराबाद जा रहा था। लापरवाही से वाहन चलाने और तेज गति से दुर्घटना होने का अंदेशा जताया जा रहा है। चालक के स्टेयरिंग से नियंत्रण खो देने के कारण मारुति एस-क्रॉस सड़क पर पलट गई। पांच में से एक की मौके पर ही मौत हो गई। बाकी को प्राथमिक उपचार के बाद हैदराबाद के एक अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया। मामला दर्ज किया गया था। पीड़ितों की जानकारी जुटाई जा रही है।

गौश आलम ने मुलुगु एसपी का पदभार संभाला

हैदराबाद, 29 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। गौश आलम ने शनिवार को मुलुगु जिले के पुलिस अधीक्षक (एसपी) के रूप में पदभार ग्रहण किया। 2017 बैच के आईपीएस अधिकारी, आलम एसपी के रूप में नियुक्त होने से पहले मुलुगु में ही विशेष कार्य अधिकारी (ओएसडी) के रूप में कार्यरत थे। इससे पहले, वह जिले में एतुरुनगरम डिवीजन के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक थे।

आईआईटी-बॉम्बे (2010-14) से बीटेक (मैकेनिकल) स्नातक, आलम बिहार के गया से हैं और अनुकरणीय प्रदर्शन के लिए उन्हें प्रधानमंत्री बैटन, गृह मंत्री रिवॉल्वर और भारत के उपराष्ट्रपति की ट्रॉफी मिली हैं। आईपीएस प्रशिक्षण पूरा करने के बाद सरदार वल्लभभाई पटेल राष्ट्रीय पुलिस अकादमी में आयोजित 'दीक्षांत समरोह' के दौरान छह अन्य ट्राफियां भी मिली हैं।

इस बीच, शनिवार को अशोक कुमार ने ओएसडी और सिरिहेट्टी संकीर्थ ने एएसपी, एतुरनगरम के रूप में कार्यभार संभाला। जबकि संग्राम सिंह को टीएसआरटीसी में सतर्कता एसपी के रूप में स्थानांतरित किया गया है, एएसपी सुधीर रामनाथ केकन को स्थानांतरित कर डीसीपी, मंचेरियल नियुक्त किया गया है। मुलुगु जिले के पुलिस अधिकारियों ने निवर्तमान एसपी और एएसपी को भव्य विदाई दी।

तारकरत्न को आपके आशीर्वाद की जरूरत : बालाकृष्णा और जूनियर एनटीआर

हैदराबाद, 29 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। अभिनेता से नेता बने नंदमुरी बालकृष्ण ने आज कहा कि उनके बीमार भतीजे नंदमुरी तारकरत्ना, जिन्हें बेंगलुरु में दिल का दौरा पड़ने के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया है, को अपने प्रशंसकों और तेलुगु लोगों के आशीर्वाद की जरूरत है। उन्होंने कहा कि तारकरत्न की स्वास्थ्य स्थिति शनिवार की तुलना में थोड़ी बेहतर है। तारकरत्न के स्वास्थ्य की जानकारी लेने के बाद बेंगलुरु के नारायण हृदयालय अस्पताल में मीडियाकर्मियों से बात करते हुए बलय्या ने कहा कि उनके भतीजे पर डॉक्टरों के इलाज का असर हो रहा है और उम्मीद है कि वह जल्द ही ठीक हो जाएंगे। उन्होंने यह भी कहा कि वह तारकरत्न के शीघ्र स्वस्थ होने के लिए ईश्वर से प्रार्थना कर रहे हैं।

अभिनेता जूनियर एनटीआर, जो तारकरत्न के चचेरे भाई हैं, ने भी अपने सौतेले भाई नंदमुरी कल्याण राम के साथ बेंगलुरु अस्पताल में उनसे मुलाकात की। उन्होंने कहा कि तारकरत्न की स्वास्थ्य स्थिति अच्छी है और कहा कि उनका चचेरा भाई अपने जीवन के लिए संघर्ष कर रहा है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि वह अस्पताल से विजयी होकर स्वस्थ होकर बाहर आएंगे। उन्होंने कहा कि तारकरत्न के पास न केवल आत्मबल है बल्कि उनके समर्थकों की भी ताकत है। जूनियर एनटीआर ने कहा कि कर्नाटक के स्वास्थ्य मंत्री सुधाकर ने तारकरत्न के बेहतरीन इलाज में उनके परिवार के सदस्यों को अपना पूरा समर्थन दिया और समय पर सहयोग के लिए मंत्री को धन्यवाद दिया।

अम्शला स्वामी ने देखा था शिवन्नागुडेम जलाशय का सपना

हैदराबाद, 29 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। शिवन्नागुडेम जलाशय के पूरा होने और उसके माध्यम से अपने क्षेत्र को सिंचाई सुविधा प्राप्त करने के अपने बड़े सपने को पूरा किए बिना फ्लोरोसिस पीड़ित अम्शला स्वामी ने अंतिम सांस ली। उनका दृढ़ विश्वास था कि जलाशय, फ्लोराइड के मुद्दे को पूरी तरह से हल कर देगा।

स्वामी, जिन्होंने अपने 37 वर्षों में से 30 वर्षों तक फ्लोरोसिसके खिलाफ लड़ाई लड़ी, उन्हें अक्सर अपने सैलून की सीढ़ियों पर बैठे और शिवन्नागुडेम जलाशय पर काम को देखते देखा जा सकता था। रिश्तेदारों ने कहा, उनकी खुशी का ठिकाना नहीं रहा जब जलाशय का बांध दो पहाड़ियों को जोड़ता हुआ आया। उनके सैलून से बांध साफ देखा जा सकता था।

मुनुगोड उपचुनाव के प्रचार के दौरान, उन्होंने कहा था कि मिशन भागीरथ के लॉन्च के बाद क्षेत्र में फ्लोरोसिस का कोई नया मामला सामने नहीं आया है, जिससे लोगों को भूजल का सेवन करने से बचने में मदद मिली। शिवन्नागुडेम जलाशय फ्लोराइड की मात्रा को सामान्य स्तर पर लाएगा और क्षेत्र में कृषि क्षेत्रों की सिंचाई के लिए भी नदी का पानी उपलब्ध कराएगा। उनके रिश्तेदारों ने कहा कि जलाशय की नहरों से पानी बहता देखना उनका सपना था, उन्होंने कहा कि उन्होंने कहा था कि उन्होंने मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव से 11.9 टीएमसी क्षमता वाले जलाशय के साथ इतनी बड़ी परियोजना शुरू करने की कभी उम्मीद नहीं की थी। उन्होंने सोचा था कि राज्य सरकार चेरलागुडेम सिंचाई टैंक के

प्रबंध निदेशक ने किया हैदराबाद एयरपोर्ट मेट्रो के लिए निरीक्षण

हैदराबाद, 29 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद एयरपोर्ट मेट्रो लिमिटेड (एचएएमएल) के प्रबंध निदेशक एन.वी.एस. रेड्डी ने रविवार को प्रस्तावित एयरपोर्ट मेट्रो के लिए संरेखण को ठीक करने के लिए 10 किलोमीटर के हिस्से का निरीक्षण किया। उन्होंने नरसिंगी अंडरपास (माय होम अवतार जंक्शन) और राजेंद्रनगर पहाड़ी के बीच आदर्श स्टेशन स्थानों के लिए विभिन्न विकल्पों की भी जांच की। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि एयरपोर्ट मेट्रो को पहले दिन से ही सफल बनाने के लिए स्काईवॉक और अन्य पैदल यात्री सुविधाओं को स्टेशन योजना का एक अभिन्न अंग बनाया जाएगा।

सिद्दीपेट में मिली 1000 साल पुरानी 'द्वारपाल' की मूर्ति

सिद्दीपेट, 29 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य के सबसे बड़े द्वारपाल (भगवान विष्णु के द्वारपाल) की मूर्तियों में से एक सिद्दीपेट जिले में खोजी गई है। अहोबिलम करुणाकर और मो. द्वारा दी गई जानकारी के आधार पर नसीरुद्दीन, श्रीरामोजू हरगोपाल के नेतृत्व में तेलंगाना कोठा चरित्र बृंदम के सदस्य, पुरातत्वविद् शिवनागिरेड्डी ने रविवार को सिद्दीपेट के नारायणरावपेट के मल्याला गांव के धान के खेतों में मिली मूर्ति की जांच की। मूर्तिकला की जांच करने के बाद, उन्होंने कहा कि भगवान विष्णु के द्वारपाल विजया की मूर्ति, तेलंगाना से अब तक की सबसे बड़ी मूर्ति है और वारंगल जिले के घनपुर में खोजी गई काकतीय काल की मूर्तियों से बड़ी है।

राहत में ग्रेनाइट पत्थर से उकेरी गई मूर्ति, जमीनी स्तर से छह फीट ऊपर और जमीनी स्तर से तीन फीट नीचे 9 इंच की मोटाई के साथ, सिर पर एक लम्बी 'किरीता' (मुकुट) पहनती है, शरीर पर विपुल आभूषण और मूल दो हाथों में एक 'गधा' और 'सुचि मुद्रा' और अतिरिक्त दो हाथों में 'शंख' और 'चक्र' धारण करता है। उन्होंने कहा कि यह राष्ट्रकूट और प्रारंभिक कल्याण चालुक्य काल की तुलना में थोड़ी देर बाद की अवधि का है।

डॉ. शिवनागिरेड्डी ने ग्रामीणों से अपील की कि वे अनुसंधान विद्वानों और भावी पीढ़ियों के लाभ के लिए ऐतिहासिक महत्व और आइकनोग्राफी पर उचित लेबलिंग और विवरण के साथ गांव में एक उपयुक्त स्थान पर मूर्ति को स्थापित करें।

10 देशों के प्रशिक्षु भूवैज्ञानिक ने काकतीय मंदिरों का दौरा किया

वारंगल, 29 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (जीएसआई) द्वारा सौंपे गए 10 देशों के 20 प्रशिक्षु भूवैज्ञानिकों की एक टीम ने रविवार को मुलुगु जिले के पालमपेट गांव में यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थल रामप्पा मंदिर और हनमकोंडा में हजार स्तंभ मंदिर का दौरा किया। काकतीया विश्वविद्यालय के भूविज्ञान विभाग के प्रमुख प्रोफेसर आर मल्लिकार्जुन रेड्डी और राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी), वारंगल में सिविल इंजीनियरिंग विभाग के पूर्व प्रोफेसर, प्रो. एम पांडुरंगा राव ने टीम का मार्गदर्शन किया और 800 से

अधिक वर्षों के निर्माण के लिए उपयोग की जाने वाली भू-तकनीकी विधियों व पुरानी काकतीय संरचनाओ की व्याख्या की। उन्होंने आर्किटेक्ट्स द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली सैंड-बॉक्स तकनीक के बारे में भी बताया, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि मंदिर भूकंप का सामना कर सकें। टीम के सदस्य ईरान, इथियोपिया, सूडान, दक्षिण सूडान, युगांडा, बांग्लादेश और अन्य देशों से थे। प्रशिक्षु भूवैज्ञानिकों ने रामप्पा मंदिर के निर्माण में इस्तेमाल की गई तैरती ईंटों पर हैरानी जताई।

टीम ने क्षेत्र में डोलोमाइट, कोयला, लौह अयस्क और ग्रेनाइट जैसे खनिज भंडार की भी जांच की। टीम को काकतीय हेरिटेज ट्रस्ट द्वारा प्रकाशित काकतीय विरासत और वास्तुकला पर किताबें भेंट की गईं।

तेलंगाना में प्राचीन मंदिरों के जीर्णोद्धार के लिए सीएम प्रयासरत : हरीश राव

वारंगल, 29 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। स्वास्थ्य मंत्री टी. हरीश राव ने कहा कि मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर रावके नेतृत्व में राज्य सरकार हमारी संस्कृति की रक्षा करने और इसे आने वाली पीढ़ियों को सौंपने के लिए प्राचीन मंदिरों के जीर्णोद्धार के लिए प्रयासरत है। उन्होंने कई विधायकों और मंत्री एर्राबेल्ली दयाकर राव के साथ शनिवार को जिले के पार्वथागिरी गांव में एक तालाब के किनारे सुरम्य स्थान में पहाड़ियों पर शिव मंदिर का दौरा किया। हरीश राव ने 800 साल पुराने काकतीय मंदिर के जीर्णोद्धार के लिए मंत्रीएर्राबेल्ली दयाकर रावऔर 'कल्लेदा' राममोहन राव को बधाई दी। शिव मंदिर का पुन: अभिषेक एक महान बात है। एक जीर्ण-शीर्ण मंदिर का पुनर्समर्पण सौ नए मंदिरों के निर्माण के बराबर है। इस बीच मंत्री दयाकर राव और उनकी पत्नी उषा ने वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच लिंग पुनर्स्थापन अनुष्ठान में हिस्सा लिया। इस जोड़े ने मंदिर में 'यंत्र अभिषेकम' किया। विशेष पूजा कर लिंग की प्राण प्रतिष्ठा की गई। कल्याणम, पूर्णाहुति और पूजा कार्यक्रम शिव स्वामी, द्रष्टा 'शिव क्षेत्र' के नेतृत्व में किए गए, जबकि सैकड़ों बच्चे शिव के नाम का जाप करते रहे। मंदिर में भगवान शिव के दर्शन के लिए करीब 50 हजार श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी है। कार्यक्रम में गायिका सुनीता ने भक्ति गीत गाए। एमएलसी पोचमपल्ली श्रीनिवास रेड्डी, विधायक दास्यम विनय भास्कर और अन्य ने मंदिर का दौरा किया। एराबेली चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा गांव में एक अन्नदानम भी आयोजित किया गया।

13 फरवरी को भागलपुर में नीतीश कुमार की समाधान यात्रा

डीएम ने लिया तैयारियों का जायजा

भागलपुर, 29 जनवरी (एजेंसियां)। बिहार के भागलपुर में 13 फरवरी को सीएम नीतीश कुमार की समाधान यात्रा होगी. जिलाधिकारी सुब्रत कुमार सेन ने सीएम के आगमन से पहले ही सारी तैयारियों का जायजा खुद लिया है. इसके साथ ही उन्होंने हर छोटे-बड़े कामों को करने के लिए हिदायत भी दी है ताकि मुख्यमंत्री के आगमन पर कोई गड़बड़ी न हो. इसके साथ ही जिला प्रशासन पूरी तरह से चौकस होकर काम करने में जुटा है. इसके लिए डीएम ने सारे पदाधिकारियों को अलर्ट मोड में रहने का निर्देश दिया है. भागलपुर जिला प्रशासन को सीएम नीतीश के समाधान यात्रा की जानकारी मिली है. उसी समय से जिला पदाधिकारी समेत जिला प्रशासन के सभी आलाधिकारी पूरी तरह से अलर्ट मोड में आ गए है. वहीं जिला प्रशासन के द्वारा किए गए कामों का निरीक्षण करने के लिए डीएम और उनके साथ कई आलाधिकारी पहुंचे और हर एक काम का निरीक्षण किया और कुछ लीपापोती वाले कामों को सही तरीके और सही समय पर करने का निर्देश दिया है.

भागलपुर में दादा-पोते की हत्या

रात को सोने के दौरान बदमाशों ने मारी गोली

भागलपुर, 29 जनवरी (एजेंसियां)। बिहार के भागलपुर में गोलीबारी हुई है. नवगछिया प्रखंड में अहले सुबह कदवा थाना अंतर्गत बोड़वा टोला और मिलन चौक के पास घर में सोए अवस्था में दादा और पोते को गोली मारी गई है. इस घटना के बाद गांव में तनाव का माहौल है. मृतक की पहचान दशरथ राय और उनके पोते के रूप में हुई है. वहीं सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने अपराधियों की छानबीन में जुट गई है. यह मामला प्रताप नगर का है.

घर में मिली महिला की लाश

परिजनों का आरोप- पति की दूसरी शादी से थी दुखी

पटना, 29 जनवरी (एजेंसियां)। राजधानी पटना में एक महिला की लाश उसके घर से बरामद हुई है. परिजनों ने पति समेत ससुराल वालों पर दहेज के खातिर महिला की हत्या का आरोप लगाया है. बताया जा रहा है कि महिला के पति ने दूसरी शादी कर ली थी, जिससे वह काफी दुखी रहती थी. मामला पटना के रानीतलाब थाने का है. जहां जमुई कोरैया निवासी निधि कुमारी उर्फ आरती की शादी रानीतलाब थानाक्षेत्र के खड़कपुरा निवासी नीतीश के साथ करीब पांच साल पहले हुई थी.

सदर अस्पताल के कैदी वार्ड में तलाशी

कुख्यात नईम मियां के तकिये के नीचे मिली नोटों की गड्डी

आरा, 29 जनवरी (एजेंसियां)। बिहार के आरा में कैदी वार्ड में नोटों की गड्डी मिलने की पुष्टि खुद भोजपुर एसपी प्रमोद कुमार यादव ने की है. उन्होंने बताया कि निरीक्षण के दौरान पुलिस की सघन तलाशी में कैदी वार्ड में इलाजरत बंदी नईम मियां के तकिया के नीचे से 70 हजार रुपये बरामद हुए हैं. हालांकि पुलिस कप्तान ने फिलहाल यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि इतनी भारी रकम इलाजरत बंदी के पास कैसे आए और उसे किस काम में लगाना था. वहीं उन्होंने सुरक्षा में तैनात पुलिस पदाधिकारी और वहां मौजूद कर्मियों के खिलाफ लापरवाही बरतने के आरोप में कार्रवाई करने की बात कही है.

भाजपा सांसद का दावा

25 फरवरी को बिहार चुनाव में हो सकता है 'खेला', किस ओर है इशारा?

मुजफ्फरपुर, 29 जनवरी (एजेंसियां)। भाजपा के राज्यसभा सांसद विवेक ठाकुर ने सीएम नीतीश कुमार और डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव पर जोरदार हमला किया है. इसके साथ ही उन्होंने दावा किया है कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के बिहार आगमन के बाद बिहार की राजनीति में कई बदलाव होंगे. दरअसल, दरभंगा जाने के क्रम में विवेक ठाकुर मुजफ्फरपुर रुके थे. इस दौरान उन्होंने मीडिया से बातचीत में कहा कि आगामी 25 फरवरी को पटना में सहजानंद सरस्वती कार्यक्रम के आयोजन में गृह मंत्री अमित शाह पटना मुख्य अतिथि के रूप में आएंगे.

इस दौरान किसानों के सम्मान प्रतीक चिन्ह हल, सभी को प्रदान किया जाएगा. जदयू में उपेंद्र कुशवाहा को लेकर हो रही हलचल पर सांसद विवेक ठाकुर ने दावा करते हुए कहा कि शाह के आने के बाद बिहार की राजनीति पर बड़ा असर पड़ेगा. भाजपा सांसद ने कहा कि एक दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति पैदा हो गई है और अब बिहार के किसान मजदूर और नौजवान एक संकल्प लेंगे और बिहार को इस दशा से निकालना है. आजाद भारत में राज्य की प्रजा के साथ ऐसा फ्रॉड नहीं हुआ था. बिहार एक ऐसा राज्य है जहां के मुख्यमंत्री और उप मुख्यमंत्री जो नियुक्ति पत्र बांटते हैं. वह एक साल पहले नियुक्त लड़कों को फिर से पटना बुलाकर दुबारा नियुक्ति पत्र बांट रहे है. जब इसकी चर्चा शुरू हो गई तब जाकर इसकी चर्चा बंद हो गई.

सपा विधायक नाहिद हसन बरी

कोर्ट ने हत्या का प्रयास के केस में सुनाया फैसला

शामली, 29 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के शामली जिले की विशेष एमपी-एमएलए अदालत ने कैराना सीट से समाजवादी पार्टी (सपा) के विधायक नाहिद हसन को वर्ष 2019 के हत्या के प्रयास से जुड़े एक मामले में बरी कर दिया है. नाहिद हसन के वकील राशिद अली चौहान ने बताया कि विशेष न्यायाधीश सुरेंद्र कुमार ने सपा विधायक नाहिद हसन और हैदर अली नामक एक अन्य अभियुक्त को सुबूतों के अभाव में दोषमुक्त करार दिया. अपर शासकीय अधिवक्ता सतेंद्र धिरयान ने बताया कि बिजली विभाग के उपमंडलीय अधिकारी नाजिम अली ने मुकदमा दर्ज कराया था, जिसमें आरोप लगाया गया था कि 11 जुलाई 2019 को वह अपने सहयोगियों के साथ झिंझाना स्थित एक बिजली उपकेंद्र जा रहे थे, तभी रास्ते में नाहिद हसन, हैदर अली और अन्य ने उनका वाहन जबरन रोककर जान से मारने की नीयत से उनके एक साथी से मारपीट की. अभियोजन पक्ष का आरोप था कि हसन बिजली चोरी के मामले में कुछ लोगों के खिलाफ दर्ज मुकदमे को वापस लेने का दबाव बना रहे थे और उनकी बात न मानने पर इस वारदात को अंजाम दिया गया था.

'अखिलेश यादव और कांग्रेस के लिए मंदिरों में दर्शन मजबूरी'

सपा प्रमुख के बयान पर केशव प्रसाद मौर्य का पलटवार

लखनऊ, 29 जनवरी (एजेंसियां)। स्वामी प्रसाद मौर्य के रामचरितमानस पर विवादित टिप्पणी के बाद से मामला तूल पकड़ते जा रहा है. इस बीच समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव के ताजा बयान पर बीजेपी ने प्रतिक्रिया दी है. जिसके बाद भूपेंद्र चौधरी और डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने जुबानी हमला बोला है. डिप्टी सीएम ने सपा प्रमुख पर निशाना साधते हुए कहा, जब अखिलेश यादव और कांग्रेसी मंदिरों में दर्शन करने को जाने लगें, यज्ञों में शामिल हों, कुंभ स्नान करें, भगवान श्रीराम का भक्त बतायें तब समझ लें श्रद्धा कम 2014 के बाद से मजबूरी ज़्यादा हो गई है.

भूपेंद्र चौधरी का जवाब

वहीं भूपेंद्र चौधरी ने कहा, अखिलेश, आज आपके बयान ने यह स्पष्ट कर दिया है कि स्वामी प्रसाद मौर्य द्वारा सनातन धर्म पर की गई हर अमर्यादित टिप्पणी के पीछे आपकी सहमति थी. एक तरफ चुनाव आते ही चंदन-चुनरी लेकर आपका टेंपल रन शुरु हो जाता है और अब सनातन धर्म एवं उनके पवित्र ग्रंथों का अपमान करवा रहे हैं.

आजम खान को योगी सरकार का झटका

खत्म की रामपुर के जौहर शोध संस्थान की लीज

लखनऊ, 29 जनवरी (एजेंसियां)। बीती शाम उत्तर प्रदेश के लखनऊ में हुई कैबिनेट बैठक में रामपुर के जौहर शोध संस्थान को लेकर सरकार ने एक बड़ा फैसला लिया है. अल्पसंख्यक कल्याण मंत्रालय ने इस प्रस्ताव को कैबिनेट में रखा था जिसपर मुहर लगाते हुए मौलाना मोहम्मद अली जौहर प्रशिक्षण एवं शोध संस्थान को सरकार ने वापस लिया. अखिलेश यादव के मुख्यमंत्री रहते और जब आजम खान अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री थे 100 के सालाना लीज पर 100 वर्षों के लिए यह सरकारी शोध संस्थान मोहम्मद अली जौहर ट्रस्ट को दिया गया था. दरअसल मौलाना मोहम्मद अली जौहर ट्रस्ट यह संस्थान चला रहा था और समाजवादी पार्टी नेता आजम खान इस ट्रस्ट के आजीवन अध्यक्ष हैं.

सजा काट रहे आजम

योगी आदित्यनाथ के पिछले कार्यकाल में इस मामले पर एसआईटी गठित की गई थी और एसआईटी ने जांच में यह सही पाया था कि जिस जौहर संस्थान को अरबी फारसी जैसी भाषाओं में शोध के लिए आजम खान के ट्रस्ट को दिया गया था उसका इस्तेमाल अंग्रेजी स्कूल चलाने में किया जा रहा था. इसी को आधार बनाते हुए सरकार ने 13000 वर्ग मीटर की जमीन वापस ले ली जिस पर करीब 4300 वर्ग मीटर में आजम खान ने निर्माण करा रखा है. बता दें कि आजम खान को अदालत ने भड़काऊ भाषण मामले में तीन साल की सजा सुनाई हुई है. दरअसल, यह मामला साल 2019 का है. तब देश में लोकसभा चुनाव हो रहे थे. सपा नेता आजम खान उस वक्त एक चुनावी सभा को संबोधित करने के लिए रामपुर के मिलक विधानसभा क्षेत्र में पहुंचे थे. सभा स्थल पर काफी भीड़ थी. भारी संख्या में लोग आजम खान को सुनने के लिए पहुंचे थे. आरोप है कि उस चुनावी सभा में कथित रूप से आजम खान ने आपत्तिजनक और भड़काऊ टिप्पणियां की थी. जिस पर विपक्षी दलों ने भी हंगामा किया था.

पीएम मोदी की कौन लेगा जगह? सीएम योगी या अमित शाह

भूपेंद्र चौधरी ने क्या दिया जवाब

लखनऊ, 29 जनवरी (एजेंसियां)। यूपी समेत पूरे देश में बीजेपी ने लोकसभा चुनाव की तैयारी शुरू कर दी है. वहीं बीते दिनों आए सर्वे में नजर आया कि जनता अभी भी बीजेपी के पक्ष में है और अगर चुनाव होता है तो फिर से पार्टी को पूर्ण बहुमत मिलेगी. अकेले बीजेपी को यूपी में 70 सीटें मिलने का अनुमान है. इसी बीचे एक और सर्वे आया है, जिसमें पीएम नरेंद्र मोदी के उत्तराधिकारी को लेकर सीएम योगी आदित्यनाथ और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर सवाल हुआ. खास बात ये है कि उत्तराधिकारी के तौर पर सर्वे में दोनों दिग्गज नेताओं में कांटे की टक्कर देखने को मिल रही है. जब इस मुद्दे पर यूपी बीजेपी के अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी से बात हुई तो उन्होंने जवाब दिया. उन्होंने कहा, बीते नौ सालों में पीएम मोदी के नेतृत्व में जैसा काम हमारी सरकार ने किया है. इसके अलावा लगभग छह वर्षों में राज्य सरकार ने काम किया है. उस काम को लेकर हम जनता के बीच में जा रहे हैं.

सीएम योगी की लोकप्रियता पर जवाब

भूपेंद्र चौधरी ने कहा, सारे विषय को लेकर हम जनता के बीच में हैं. जनता

से हमारा संपर्क बना हुआ है. हम अपना रिपोर्ट कार्ड लेकर जनता के बीच में जाएंगे. मुझे विश्वास है कि जो हमारा लक्ष्य है उसे प्रदेश की जनता पूरा करेगी. इसके अलावा सीएम योगी की लोकप्रियता पर जब सवाल किया गया तो उन्होंने कहा, यूपी सरकार ने योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में बहुत अच्छा काम किया है. हमारे एजेंडे से जुड़े विषय बिजली, पानी, सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा इन सबपर सरकार ने अच्छा काम किया है. जब उनसे पीएम मोदी के उत्तराधिकारी पर सवाल किया गया तो उन्होंने कहा, मुझे ऐसा लगता है कि अभी कोई वैकेंसी तो है नहीं. 2024 का चुनाव पार्टी पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में लड़ेगी. हम पीएम के काम और उनके नाम को लेकर ही जनता के बीच जाएंगे. -वोटर के ताजा सर्वे में पीएम मोदी के उत्तराधिकारी के तौर पर सीएम योगी को 24 फीसदी और गृह मंत्री अमित शाह को 25 फीसदी वोट मिला है.

मामा के घर घूमने आई किशोरी का गांव के बाहर मिला शव, हत्या या आत्महत्या?

लखनऊ, 29 जनवरी (एजेंसियां)। राजधानी लखनऊ के इटौंजा थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम पंचायत मंझिगवा जलालपुर के पास किशोरी का शव मिलने से हड़कंप मच गया. शव मिलते ही ग्रमीणों ने पुलिस को सूचना दी. मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच-पड़ताल शुरू कर दी है. इटौंजा थाना क्षेत्र में मामा के घर घूमने आई किशोरी का शव जलालपुर गांव में एक पेड़ के पास मिला. लड़की का शव मिलते ही गांव में हड़कंप मच गया. इसके बाद घटनास्थल पर ग्रामीणों की भीड़ इकट्ठा होना शुरू हो गई. वहीं, ग्रामीणों ने लड़की के शव मिलने की सूचना पुलिस को दी. सूचना पर पुलिस व फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंच गई. जांच के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया. किशोरी ने आत्महत्या की है या उसकी हत्या हुई है पुलिस दोनों ही बिंदुओं पर जांच कर रही है.

यूपी में महंगी होगी शराब

बेचने वालों को भी झटका!

लखनऊ, 29 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में अब शराब महंगी होगी. दरसल योगी आदित्यनाथ सरकार ने नई आबकारी नीति लागू करने का एलान कर दिया है. इस नई नीति के चलते शराब के शौकिनो को अपनी जेब ज्यादा ढीली करनी पड़ेगी. क्योंकि देशी अंग्रेजी सभी तरह की शराब महंगी होगी. साथ ही नई आबकारी नीति शराब बेचने वालों को भी झटका लगा है. क्योंकि नया उनका टेंडर रिनीवल नहीं होगा. दरसल एक अप्रैल से उत्तर प्रदेश में शी अंग्रेजी सभी तरह की शराब के दामों में बढ़ोतरी हो जाएगी. देशी शराब पर पांच रूपये, अंग्रेजी पर 10 रुपये और बियर पर पांच से सात रुपये की बढ़ोतरी की जाएगी. ऐसा इसलिए होगा क्योंकि नई आबकारी नीति के तहत लाइसेंस फीस में 10 फीसदी की बढ़ोत्तरी होगी. इतना ही नहीं लाइसेंस फीस में 10 फीसदी की बढ़ोत्तरी होगी. साथ ही मॉडल शॉप पर शराब पिलाने पर अब दो लाख की बजाय 3 लाख शुल्क देना होगा. शराब की ये बढ़ी हुई दरें एक अप्रैल से लागू होंगी. इससे पहले पिछले साल जून में शराब के दामों में बढ़ोतरी की गई थी. उस समय अंग्रेजी शराब पर स्पेशल एक्साइज ड्यूटी लगाई गई थी.

नई आबकारी नीति को मंजूरी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में शनिवार को कैबिनेट की बैठक हुई. इसी बैठक में नई आबकारी नीति को मंजूरी दी गई. वहीं सरकार ने नई नई आबकारी नीति से अगले साल तक 45 हजार करोड़ जुटाने का लक्ष्य रखा है. पिछले साल सरकार का ये लक्ष्य पांच हजार करोड़ था.

राम मंदिर तो बन गया

मगर रामराज्य नहीं आया प्रवीण तोगड़िया ने क्यों दिया बयान

लखनऊ, 29 जनवरी (एजेंसियां)। अंतरराष्ट्रीय हिंदू परिषद के अध्यक्ष प्रवीण तोगड़िया ने कहा कि अयोध्या में राम मंदिर तो बन रहा है, लेकिन देश में कहीं भी रामराज्य नहीं दिख रहा है। उत्तर प्रदेश के अमेठी में संवाददाताओं से बातचीत में तोगड़िया ने कहा, "अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण तो समझो हो ही गया है, लेकिन अब देश में रामराज्य भी आ जाना चाहिए, मगर रामराज्य तो कहीं नहीं दिख रहा है।"

देशव्यापी अभियान चलाए हिंदू

तोगड़िया ने कहा कि अब वह चाहते हैं कि देश के करोड़ों हिंदुओं को मकान मिले, बच्चों को अच्छी शिक्षा मिले, युवाओं को रोजगार मिले और किसानों को उनकी फसल की अच्छी कीमत मिले। तोगड़िया ने कहा, "हिंदुओं ने एकजुट होकर सबको जगाने का काम

किया, अभियान चलाया और अयोध्या में राम मंदिर बन गया।" उन्होंने कहा, "हिंदू एक बार फिर जाग गया है। वह एक बार फिर एकजुट होकर हिंदुओं को मकान, शिक्षा, रोजगार और चिकित्सा सुविधा दिलाने के लिए देशव्यापी अभियान चलाए।" इससे पहले, तोगड़िया 27 जनवरी की देर शाम शुक्ल बाजार के पूरे रामदीन गांव पहुंचे और अपने संगठन के कार्यकर्ता अवधेश मिश्रा के घर में लोगों से मुलाकात की। उन्होंने मुसाफिरखाना में हिंदू रक्षा निधि अर्पण कार्यक्रम में भी हिस्सा लिया।

सभी हिंदू खोई समृद्धि पाने के लिए प्रयास करें

अमेठी में प्रवीण तोगड़िया ने कहा कि हिंदुओं ने गांव-गांव जाकर लोगों का समर्थन और राम मंदिर निर्माण के लिए चंदा लिया है। अंतरराष्ट्रीय हिंदू परिषद के अध्यक्ष प्रवीण तोगड़िया ने कहा कि अपने देश को समृद्ध बनाने के लिए सभी हिंदुओं को आगे आना चाहिए। उन्होंने कहा कि सभी हिंदुओं को खोई हुई समृद्धि वापस पाने के लिए एकजुट होकर प्रयास करना चाहिए। बताते चलें कि प्रवीण तोगड़िया अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण को लेकर आंदोलन से भी जुड़े थे।

पशुओं का सिर मिलने के मामले में तस्करों पर मुकदमा, पुलिस को मेडिकल रिपोर्ट का इंतजार

जौनपुर, 29 जनवरी (एजेंसियां)। जिले के पटैलाबाजार के सेवई नाला में सुबह पशुओं के 10 अवशेष मिले थे. ग्रामीणों ने इसे गो मुंड बताते हुए हंगामा किया था. पुलिस ने अज्ञात तस्करों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है. इसके अलावा अवशेष को मेडिकल परीक्षण के लिए भेजा गया है. इस घटना के बाद से ग्रामीणों में आक्रोश है. वे आरोपियों पर सख्त कार्रवाई की मांग कर रहे हैं. जिले के शाहगंज सर्किल के कई थानों में सालों से पशु तस्करी के मामले सामने आते रहे हैं. खुटहन थाना क्षेत्र के पटैलाबाजार के पास स्थित सेवई नाले में 10 जानवरों के सिर मिलने से खलबली मच गई थी. मौके पर पहुंचे क्षेत्राधिकारी शाहगंज चोब सिंह व थानाध्यक्ष किशोर कुमार चौबे ने आनन-फानन में सभी अवशेषों को हटवा दिया था. क्षेत्राधिकारी शाहगंज ने आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी का आश्वासन दिया था.

लखनऊ में एसिड अटैक की सनसनीखेज वारदात

दबंगों ने घर में घुसकर मां-बेटे पर डाला तेजाब, दोनों झुलसे

लखनऊ, 29 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में एसिड अटैक की वारदात से सनसनी फैल गई। घर में घुसकर दबंगों ने मां-बेटे पर एसिड डाल दिया। गंभीर अवस्था में किशोर और उसकी मां को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। लखनऊ के गोमतीनगर के विराम खंड में शनिवार रात नौ बजे मां-बेटे पर एसिड अटैक किया गया। दोनों गंभीर रूप से झुलस गए। चीख पुकार सुनकर आसपास के लोग जुट गए। पुलिस को सूचना दी गई। वहीं दोनों घायलों को सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। सीसीटीवी फुटेज के जरिए हमलावरों की तलाश की जा रही है।

यूपी के लड़के को स्वीडिश लड़की से एफबी पर हुआ प्यार

10 साल चली लव स्टोरी; फिर ऐसे हुई शादी

एटा, 29 जनवरी (एजेंसियां)। कहते हैं प्यार एक बेहद खूबसूरत एहसास होता है जिसमें प्यार करने वाले न जात-पात को मानते हैं, ना सरहदों को पहचानते हैं. अगर दिल से प्यार हो जाता है तो फिर दुनिया का कोई रिश्ता अच्छा नहीं लगता है. आपने भी ऐसे कुछ किस्से देखे और सुने होंगे जहां किसी देशी लड़के या लड़की ने दूसरे देश के पार्टनर को पसंद किया और बाद में उनका रिश्ता शादी में बदल गया. अब उत्तर प्रदेश के एटा शहर के एक कस्बे में ठीक ऐसा ही अनोखा रिश्ता इन दिनों सुर्खियों में बना हुआ है. एटा के पवन की स्टोरी फिल्मी है. जिन्होंने 10 साल तक चली लव स्टोरी को शादी के बंधन में बंधने के साथ पूरा किया. उन्होंने स्वीडन की लड़की

से हिन्दू रीति-रिवाज से शादी रचाई जिसकी तस्वीरें अब सुर्खियों बटोर रही हैं. इस देसी दूल्हे और विदेशी दुल्हन को फेसबुक के जरिए करीब 10 साल पहले प्यार हुआ था. इसके बाद दोनों ने सात फेरे लेकर एक बार फिर से साथ जीने मरने की कसमें खायीं.

फेसबुक पर परवान चढ़ी लव स्टोरी

देसी दूल्हा और विदेशी दुल्हन की इस शादी से दोनों के परिवार वाले खुश हैं. वहीं पूरे कस्बे में इस विवाह को लेकर जोर शोर से चर्चा हो रही है. कस्बा अवागढ़ निवासी गीतम सिंह मोटरसाइकिल की रिपेयरिंग का काम करते हैं. उनका बेटा पवन बीटेक करने के बाद देहरादून में नौकरी करने लगता है. वहां स्वीडन की क्रिस्टन फेसबुक के जरिए उसके संपर्क में आई और धीरे-धीरे दोनों की दोस्ती प्यार में बदल गई. इसके बाद दोनों की फोन कॉल और विडियो कॉल से लगातार बातचीत होने लगी. बताया जाता है कि करीब एक साल पहले पवन, आगरा में जाकर उससे मिला. जहां दोनों ने प्यार की निशानी ताजमहल को साथ में देखा. इसके साथ ही शादी करने का फैसला भी कर लिया.

पार्क घूमने आई महिला से छेड़छाड़

पति को भी पीटा, भीड़ ने शोहदों को सिखाया सबक

लखनऊ, 29 जनवरी (एजेंसियां)। ठाकुरगंज में पति के साथ घंटाघर पार्क में घूमने आई महिला से तीन शोहदों ने छेड़छाड़ की. फोटो खींचने के दौरान महिला पर आपत्तिजनक टिप्पणी भी की. पति ने विरोध किया तो युवकों ने उसकी और उसके दोस्त की लात-घूसों से पिटाई कर दी. बचने के लिए दोनों भागे तो उन्हें दौड़ा-दौड़ा कर पीटा. इस

बीच वहां घूम रहे कुछ लोगों ने शोहदों की धुनाई कर दी. फिर तीनों को पुलिस को सौंप दिया. ठाकुरगंज पुलिस ने तीनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है.

पुलिस के हत्थे चढ़ा 25 हजार का इनामी बदमाश, एक अन्य भी गिरफ्तार

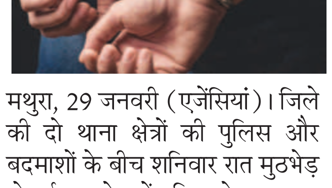

मथुरा, 29 जनवरी (एजेंसियां)। जिले की दो थाना क्षेत्रों की पुलिस और बदमाशों के बीच शनिवार रात मुठभेड़ हो गई. मुठभेड़ में पुलिस ने 25 हजार का इनामी बदमाश सहित एक अन्य बदमाश को गिरफ्तार किया है. पुलिस की गोली लगने से बदमाश घायल हो गया. पुलिस ने घायल बदमाश को इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया है. पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर वाहन चेकिंग करते हुए यह कार्रवाई की है. पकड़ा गया बदमाश डकैती, लूट और चोरी के कई मामलों में फरार चल रहा था.

देश में पहली बार दिखा दुर्लभ काला गिद्ध

अमेरिकन पक्षी को देख हर कोई हैरान

गुरुग्राम, 29 जनवरी (एजेंसियां)। गुरुग्राम स्थित चंदू वेटलैंड इलाके में अमेरिकी काला गिद्ध देखा गया है। जानकारों के अनुसार यह गुरुग्राम ही नहीं भारत में भी पहली बार देखा गया है। पक्षी को पहली बार 27 जनवरी की शाम को सुल्तानपुर पक्षी अभ्यारण्य के एक गाइड ने देखा था। उसने सुबह से ही साइट पर आने वाले पक्षी प्रेमियों को सतर्क कर दिया था। काला गिद्ध अमेरिकी महाद्वीप के देश पेरु, चिली और उरुग्वे में पाया जाता है। इससे पहले इसे कभी भारत में नहीं देखा गया। इस घटना से पहले इसका कोई प्रवासी रिकॉर्ड भी नहीं मिलता है। पक्षी अस्पताल चलाने वाले डॉ. राजकुमार का कहना है कि इस प्रजाति के गिद्ध अपने क्षेत्र में ही रहना पंसद करते हैं। वह एक महाद्वीप से दूसरे महाद्वीप की यात्रा नहीं करते। इसके पीछे अवैध वन्यजीव व्यापार की आशंका से इंकार नहीं किया जा सकता।

5 वर्षों में भारत ने जीत लिया आसमान

इसरो ने अंतरिक्ष में लिख दिया हिंदुस्तान...हिंदुस्तान

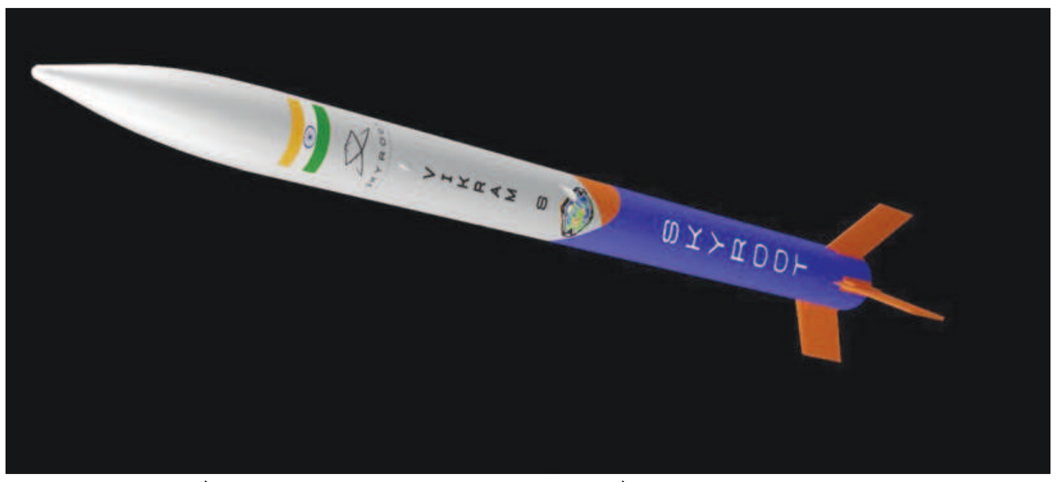

नई दिल्ली, 29 जनवरी (एजेंसियां)। पिछले 5 वर्षों के इतिहास में अंतरिक्ष के क्षेत्र में भारत ने तेज गति से प्रगति की है। वर्ष 2017 से 2022 के दौरान हिंदुस्तान ने अंतरिक्ष में बड़ी छलांग लगाई है। इस दौरान भारत ने 19 देशों के 177 विदेशी उपग्रहों को लांच करने का गौरव हासिल किया है। इससे अंतरिक्ष में भारत का डंका बज रहा है। इंडियन स्पेस एंड रिसर्च आर्गेनाइजेशन (इसरो) ने अंतरिक्ष में देश के नए युग की धमाकेदार शुरुआत की है। इसरो की इस कौशल क्षमता को पूरी दुनिया सलाम ठोक रही है। अंतरिक्ष में लहराते भारत के इस परचम ने पूरा आसमान जीत लिया है, जहां सिर्फ हिंदुस्तान...हिंदुस्तान और हिंदुस्तान ही नजर आ रहा है। इसरो के अंतरिक्ष निकाय ने अपने सभी पोलर सैटेलाइट लॉन्च व्हीकल (पीएसएलवी) मिशनों से विदेशी उपग्रहों को लॉन्च करके लगभग 9.4 करोड़ डॉलर और 46 मिलियन यूरो विदेशी मुद्रा की कमई की है। इससे देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में भी सहायता मिली है। इसके लिए भारत सरकार ने वर्ष 2017 से 22 के लिए लगभग 55 हजार करोड़ रुपये का बजट तय किया था। भारत सरकार ने अंतरिक्ष क्षेत्र में निजी सेक्टर को सपोर्ट करने के लिए इन-स्पेस डिजिटल प्लेटफॉर्म को प्रोत्साहित किया। लिहाजा अब यह साइट 111 स्पेस स्टार्टअप में शामिल हो गई है।

इन देशों के उपग्रहों को किया लांच

इसरो ने पिछले पांच वर्षों में 19 देशों के 177 विदेशी उपग्रहों को सफलतापूर्वक लॉन्च किया है। इन देशों में फ्रांस, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, कोलंबिया, फिनलैंड, इजरायल, इटली, जापान, लिथुआनिया, लक्ज़मबर्ग, मलेशिया, नीदरलैंड, कोरिया गणराज्य, सिंगापुर, स्पेन, स्विट्जरलैंड, यूनाइटेड किंगडम और संयुक्त राज्य अमेरिका जैसे देश शामिल हैं। इसरो के अनुसार उसने पीएसएलवी सैटेलाइट मिशन से करीब 1850 करोड़ रुपये की कमाई की है। साथ ही इसरो ने वाणिज्यिक समझौतों और पीएसएलवी के तहत जियो सिंक्रोनस सैटेलाइट लॉन्च व्हीकल मार्क-तृतीय के रूप में डब किए गए लॉन्च व्हीकल मार्क-तृतीय के लॉन्च को भी सफलतापूर्वक पूरा किया है, जिससे लगभग 1,100 करोड़ की कमाई हुई है। वहीं अपने एलवीएम3 मिशन में अंतरिक्ष संगठन ने एक ही मिशन में 36 वन वेब उपग्रह भी लॉन्च किए। इसके अलावा पहली बार एक भारतीय कंपनी, स्काईरूट एयरोस्पेस, ने प्रारंभ नामक एक मिशन के हिस्से के रूप में इस साल 18 नवंबर को निजी तौर पर विकसित रॉकेट विक्रम एस-545 किलोग्राम को अंतरिक्ष में भेजा।

लव जिहाद...लैंड जिहाद...हिंदुओं का महामार्च

मुंबई की सड़कों पर उमड़ा जनसैलाब; ये हैं 5 मांगें

मुंबई, 29 जनवरी (एजेंसियां)। मुंबई की सड़कों पर हिंदू जन सैलाब उमड़ पड़ा है। महाराष्ट्र का अब तक का सबसे बड़ा हिंदू जनाक्रोश रैली आज निकाली गई है। मुंबई में लव जिहाद, लैंड जिहाद सहित हिंदू राष्ट्र के मुद्दे पर रविवार को मुंबई की सड़कों पर हिंदू संगठनों की ओर से विराट हिंदू जनाक्रोश मोर्चा का आयोजन किया गया है। हिंदू संगठनों ने पूरे महाराष्ट्र से एक लाख से ज्यादा हिंदू समाज के लोगों को एक साथ लाने की तैयारी की है। सुबह 10 बजे मुंबई के शिवाजी पार्क पर लोग इकट्ठा हुए और फिर शिवाजी पार्क से परेल स्थित कामगार मैदान तक पैदल मार्च निकाला। बीजेपी के कुछ नेता, साधु-संत इस मोर्चा में शामिल हुए हैं। महाराष्ट्र में लव जिहाद कानून बनाने, सरकारी जमीन पर अतिक्रमण कर अवैध रूप से बनाए गए इस्लामिक धार्मिक स्थलों पर कार्रवाई सहित कई अन्य मांगों को लेकर आंदोलन किया जा रहा है। महाराष्ट्र में पिछले 2 महीने में 40 से ज्यादा हिंदू जनाक्रोश मोर्चे निकल चुके हैं, लेकिन आज का मोर्चा अब तक का सबसे बड़ा मोर्चा माना जा रहा है। आगामी बीएमसी चुनाव के ठीक पहले मुंबई में इस तरह से हिंदू जनाक्रोश मोर्चा का आयोजन कर बीजेपी ध्रुवीकरण की कोशिश कर रही है, इस तरह का आरोप विपक्ष ने लगाया है।

पहली मांग

लव जिहाद को खिलाफ कानून

दूसरी मांग

लैंड जिहाद के खिलाफ एक्शन

तीसरी मांग

हिंदू राष्ट्र

चौथी मांग

सरकारी जमीन पर अतिक्रमण हो बंद

पांचवीं मांग

अवैध इस्लामिक धार्मिक स्थलों पर एक्शन

ट्रेन की टक्कर से करकटी बीट से लगे राजस्व में तेंदुए की मौत

पहले भी हो चुके हैं हादसे

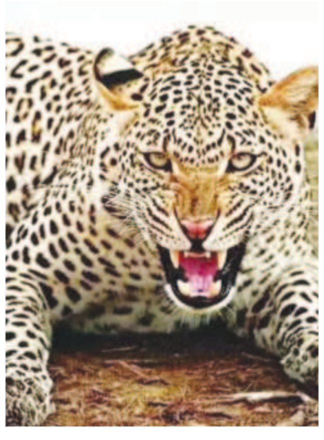

उमरिया, 29 जनवरी (एजेंसियां)। उमरिया जिले के करकटी बीट से लगे राजस्व में तेंदुए का शव मिला है। यहां रेलवे ट्रैक के डाउन लाइन से लगभग 15 मीटर दूरी पर तेंदुए का शव दिखाई दिया, जिसकी वजह से ग्रामीणों ने वन विभाग के कर्मियों को सूचना दी है। तत्काल पाली रेंजर अपनी टीम के साथ वहां पहुंच गए और तेंदुए के शव को कब्जे में लिया। पाली रेंजर ने बताया, ट्रेन की चपेट से एक तेंदुए की मौत हो गई है। यहां पशु चिकित्सा अधिकारी पाली और घुनघुटी के द्वारा पीएम कराया गया है। वहीं डॉक्टर ने जानकारी देते हुए बताया है कि ट्रेन की टक्कर से उसके जबड़े की पसलियों के साथ ही शरीर के अन्य हिस्सों पर चोट आई थी, जिसकी वजह से उसकी जान चली गई है।

200 रुपये का नकली नोट भी घर में छापने की कोशिश में था आरोपी

कालाअंब, 29 जनवरी (एजेंसियां)। (सिरमौर) जाली करेंसी मामले में पकड़े गए आरोपी शाहिन अंसारी ने घर में 50 और 100 रुपये के अलावा 200 रुपये के नोट छापने की भी कोशिश की थी, लेकिन उसे ये नोट हूबहू तैयार करने में सफलता नहीं मिली। छपाई सही न होने के कारण आरोपी ये नोट बाजार में नहीं चला पाया। मामले की तफ्तीश के दौरान पुलिस को आरोपी के घर से लैपटॉप, कागज और प्रिंटर के साथ खराब छपाई के 200 रुपये के कुछ नोट भी बरामद हुए हैं। आरोपी चार दिन की पुलिस रिमांड पर था। शनिवार को रिमांड की अवधि समाप्त होने के बाद उसे दोबारा न्यायालय में पेश किया गया। यहां से उसे 31 जनवरी तक रिमांड पर भेजा गया है। 24 जनवरी देर शाम को कालाअंब की एक दुकान से सिगरेट का पैकेट खरीदते समय आरोपी ने दुकानदार को 50 रुपये का जाली नोट थमाया था। पहले भी आरोपी उक्त दुकानदार को 50 रुपये के दो जाली नोट देकर सामान खरीद चुका था। इस बार दुकानदार ने अपने दो पड़ोसी दुकानदारों के साथ मिलकर आरोपी को पकड़कर पुलिस के हवाले किया। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ की। आरोपी ने जाली करेंसी खुद तैयार करने की बात कबूली। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए आरोपी को अदालत में पेश किया। यहां से उसे चार दिन की पुलिस रिमांड पर भेजा था। पूछताछ के दौरान मामले से जुड़ी कई बातें सामने आ रही हैं। आरोपी यह बात भी कबूल कर चुका है कि उसने 10,000 से 12,000 रुपये के जाली नोट बाजार में चलाए हैं। पुलिस अधीक्षक सिरमौर रमन कुमार मीणा ने बताया कि आरोपी की रिमांड अवधि समाप्त होने के बाद शनिवार को दोबारा अदालत में पेश किया गया। अदालत ने आरोपी की रिमांड अवधि 31 जनवरी तक बढ़ाई है। पुलिस मामले की गहनता से तफ्तीश में जुटी है।

फिरोजपुर कैंट थाने में पुलिसकर्मी ने महिला पुलिसकर्मी को मारी गोली, फिर खुद को भी गोली से उड़ाया

फिरोजपुर, 29 जनवरी (एजेंसियां)। पंजाब के फिरोजपुर कैंट थाने में तैनात एक मुलाजिम ने एक महिला मुलाजिम को गोली मारकर हत्या कर दी। उसके बाद खुद को गोली मार आत्महत्या कर ली है। अभी तक मौत के कारण स्पष्ट नहीं हो सके हैं। दोनों को एक एक बच्चा है और दोनों ही शादीशुदा हैं। गोली थाना कैंट के अंदर रात 12:30 बजे के करीब मारी गई है। मुलाजिम का शव सिविल अस्पताल फिरोजपुर में रखा है जबकि महिला की मौत मोगा के अस्पताल में हुई है।

पन्ना में दिल दहलाने वाला मामला

प्रतिष्ठित व्यापारी ने बीवी के बाद खुद को गोली मारी

पन्ना, 29 जनवरी (एजेंसियां)। पन्ना शहर के प्रतिष्ठित कपड़ा व्यापारी संजय सेठ और उनकी पत्नी मीनू सेठ की सीने में गोली लगने से मौत हो गई। दोनों घर में थे और दोनों की हृदय के पास सीने में गोली लगी है। माना जा रहा है कि संजय सेठ ने पहले पत्नी को गोली मारी, फिर स्वयं गोली मारकर आत्महत्या कर ली। बता दें कि घटना के बाद से बड़ा बाजार स्थित व्यापारियों में शोक का माहौल है। बड़ी संख्या में लोग उनके घर के पास जमा हो गए। संजय सेठ की पत्नी मीनू सेठ की तबियत खराब रहा करती थी। फिलहाल, कारण अभी अज्ञात बताया जा रहा है। घटना शनिवार दोपहर एक से दो बजे के बीच की बताई जा रही है। वहीं, इस पूरे मामले पर एसपी धर्मराज मीणा का कहना है कि अभी कारण अज्ञात है। लेकिन पारिवारिक मामला नजर आता है। फिलहाल, पुलिस जांच कर रही है। मृतक संजय मिलनसार और हंसमुख स्वभाव के व्यक्ति थे।

बेटी और बेटे को छोड़ गए अकेला...

मृतक दंपती की दो संताने हैं। इनकी पुत्री राशि भोपाल में पढ़ती है और पुत्र अथर्व जो कक्षा ग्यारहवीं का छात्र है। पुलिस अधीक्षक धर्मराज मीणा ने मामले के संबंध में बताया कि अभी कारण अज्ञात है। प्रथम दृष्टया यह मामला परिवारिक नजर आता है। पुलिस सभी एंगल से जांच कर रही है, जो भी तथ्य सामने उस आधार पर कार्रवाई की जाएगी। घटना पर मर्ग कायम कर लिया गया है। दोनों ही शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

मकान के ऊपरी फ्लोर में रहते थे दंपती...

संजय सेठ अपने मकान के ऊपरी फ्लोर में रहते थे, जबकि उनका परिवार इसी मकान के दूसरे हिस्से में रहता था। 28 जनवरी 2023 दोपहर को जब दूधवाला आया और दरवाजा नहीं खुला, तब दूधवाले ने उनके भाई को सूचना दी। घर की टीवी तेज आवाज में चल रही थी और अंदर से आवाज नहीं आ रही थी। परिजन मौके पर पहुंचे तो टीवी चल रही थी और दोनों खून से लथपथ पड़े हुए थे। मीनू की लाश पलंग पर पड़ी हुई थी, संजय की लाश फर्श में पड़ी थी।

मृतक दो भाई, अलग-अलग रहते हैं...

मृतक संजय सेठ दो भाई हैं। उनके पिता स्वर्गीय रतन सेठ थे, जो पन्ना में बड़े कपड़ा कारोबारी थे। संजय और उसके बड़े भाई भी कपड़ा शोरूम संचालित करते हैं। दोनों की दुकान और घर अलग-अलग है। संजय की पंचम सिंह चौराहे पर दुकान हैं।

बाइक सवार छात्र की दूध वाहन में टक्कर से मौत, कोचिंग पढ़कर घर लौट रहा था

उज्जैन, 29 जनवरी (एजेंसियां)। उज्जैन जिले के पंवासा में पीलिया खाल के पास कोचिंग से लौट रहे बाइक सवार छात्र को अज्ञात वाहन ने कुचल दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने शव बरामद कर पड़ताल की तो पता चला कि युवक की जान लेने वाला वाहन दूध वाहन है। पंवासा थाना प्रभारी गजेन्द्र पचोरिया ने बताया कि कानड़ निवासी सुमित पिता महेश शर्मा पंवासा में किराए का कमरा लेकर रहता है। रोजाना की तरह वह शनिवार शाम भी तीन बत्ती चौराहा स्थित कोचिंग सेंटर पर पढ़ने गया था। शाम को कोचिंग पढ़कर अपनी बाइक से घर लौट रहा था। इस दौरान पिलिया खाल के पास तेज गति से आए वाहन ने उसे कुचल दिया, जिससे मौके पर ही मौत हो गई। दुर्घटना के बाद चालक वाहन सहित फरार हो गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को बरामद कर लिया। सूचना के बाद मृतक के परिजन उज्जैन आ गए थे, उन्होंने बताया कि वह परिवार का इकलौता पुत्र था। पुलिस ने बताया कि दुर्घटना के बाद जांच में पता चला है कि उसे किसी दूध वाहन कुचला है, पुलिस पता लगा रही है कि टक्कर मारने वाला कौन सा वाहन था।

रेवाड़ी में ईको-एसेंट कार की टक्कर:3 लोगों की मौत; छोटे बच्चों समेत 7 घायल, बारात से गांव लौटते वक्त हुआ हादसा

हिसार, 29 जनवरी (एजेंसियां)। हरियाणा के रेवाड़ी में रविवार की अलसुबह दर्दनाक सड़क हादसे में 3 लोगों की जान चली गई। हादसा कोसली-कनीना मार्ग पर गुजरवास टोल प्लाजा के पास हुआ। जहां ईको कार व एसेंट कार के बीच जोरदार टक्कर हुई। हादसे में करीब 7 लोग घायल हुए है। घायलों को रेवाड़ी ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया गया है। मिली जानकारी के अनुसार, रेवाड़ी जिले के गांव रतनथल निवासी एक व्यक्ति की बारात 28 जनवरी की रात महेन्द्रगढ़ जिले के कनीना कस्बा में गई थी। बारात में गांव के प्रहलाद और नरेश के अलावा 6 अन्य लोग बच्चों के साथ शामिल होने पहुंचे थे। रात करीब 1 बजे सभी ईको कार में सवार होकर वापस अपने गांव रतनथल आ रहे थे।

आमने-सामने की हुई टक्कर

हादसे में घायल हुए विक्रम ने बताया कि कोसली-कनीना मार्ग पर गुजरवास टोल प्लाजा के पास पहुंचते ही सामने से आ रही एक सफेद रंग की एसेंट कार उनकी कार के आगे आ गई, जिससे दोनों कारों की आपस में टक्कर हो गई। हादसे में ईको गाड़ी में आगे बैठे प्रहलाद और नरेश की मौके पर मौत हो गई,

नाबालिग लड़कियों को ब्लैकमेल करने के गैंग का भंडाफोड़

300 लड़कियों की न्यूड वीडियो-तस्वीरें मिलीं, फोटो एडिट करके बनाते थे अश्लील; 34 पर एफआईआर

आगरा, 29 जनवरी (एजेंसियां)। आगरा से कॉलेज की लड़कियों को ब्लैकमेल करने वाला गिरोह सामने आया है। एक एनजीओ की शिकायत पर पुलिस ने 34 युवकों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। इनमें 9 के नाम सामने आए हैं। बाकी आरोपी अज्ञात हैं। जिनके नाम सामने आए हैं। वे सभी स्टूडेंट्स और नाबालिग हैं। एनजीओ ने अपनी शिकायत में बताया है कि आरोपियों के पास से उन्हें करीब 300 कॉलेज स्टूडेंट्स की न्यूड तस्वीरें-वीडियो मिले हैं। जिससे आरोपी लड़कियों को ब्लैकमेल करते हैं। ये फोटो एडिट करके अश्लील बनाए गए हैं ।ये गिरोह कब से एक्टिव है? क्या किसी पोर्न साइट को ये डेटा बेचा जा रहा था? इनके चंगुल में कितनी लड़कियां फंसी हैं? ऐसे कई सवालों के जवाब पुलिस ढूंढ रही है।

बॉयफ्रेंड के धोखे से शुरू हुई कहानी

2 महीने पहले शास्त्रीपुरम इलाके की रहने वाली छात्रा ने एनजीओ से संपर्क किया। उसने बताया कि उसका एक बॉयफ्रेंड था। वह पास के स्कूल में 12वीं में पढ़ता था। दोनों जब भी मिलते थे, तो वह सेल्फी के बहाने उसकी तस्वीर और वीडियो मोबाइल में लेता रहता था। कुछ महीने बाद ही अचानक छात्रा के पास एक अननोन नंबर से कॉल आया। फोन करने वाले ने कहा कि उसके पास उसकी न्यूड तस्वीर-वीडियो है। इससे छात्रा घबरा गई। जब उसने पूछा कि उसको फोटो-वीडियो कहां से मिलने तो उसने बताया कि उसके बॉयफ्रेंड से मिली हैं। इस पर छात्रा ने कॉल काट दिया। अपने बॉयफ्रेंड को फोन किया, तो उसने पल्ला झाड़ दिया और फोन काट दिया। छात्रा को ब्लैकमेल करने वाला लड़का उसको मिलने के लिए बुलाने लगा। फिर कई लड़कों के कॉल आने लगे। छात्रा परेशान रहने लगी। एक दिन परेशान होकर उसने अपनी स्कूल दोस्त से इस बारे में बताया। तब खुलासा हुआ कि उसके साथ भी ऐसा हुआ है। इसके बाद छात्राओं ने सीधे पुलिस के पास जाने के बजाय एक एनजीओ के शख्स से संपर्क किया। क्योंकि, उनको डर था कि उसकी तस्वीरें आरोपी वायरल कर सकते हैं। इसके बाद एनजीओ ने पहले अपने स्तर पर जांच पड़ताल की। एनजीओ के शख्स ने बताया कि छात्रा की शिकायत के बाद हम लोगों ने एक लड़के को पकड़ा। उसके पूछताछ की और उसके बाद से 300 फोटो वीडियो हासिल किए। इसके बाद पुलिस में शिकायत की। पुलिस को कुछ फोटो-वीडियो हैंडओवर किया। इसके बाद सर्विलांस सेल की मदद से पुलिस ने जांच

पड़ताल की तो 34 छात्रों के नाम सामने आए। जिनमें से 9 लड़कों के नाम पते पुलिस को मिल चुके हैं। लड़का- हैलो लड़की-कौन बोल रहा है? लड़का-तुम्हारा चाहने वाला। लड़की-नंबर कैसे मिला? लड़का-हम किसी का भी नम्बर पता कर सकते हैं। लड़की-आज के बाद कॉल मत करना मेरे पास, समझ में आई। लड़का-नहीं करूंगा, पूरी बात सुन लो मेरी। लड़की-क्या? लड़का-मेरे को ब्लॉक किया था तुमने ? लड़की-हां मैंने किया है, ब्लॉक। लड़का-मुझे लगा तुम्हारे बॉयफ्रेंड ने किया है। लड़की-कोई भी करे, किसी ने किया, मैंने किया है ब्लॉक। लड़का- उस दिन मैं खड़ा मिला तुम्हें। लड़की-मैंने नहीं देखा, मुझे नहीं पता। लड़की-मैं नहीं देखती किसी को। लड़का- मैंने पहली बार देखा था, तुम्हें, लड़की-तो मैं क्या करूं, मैं किसी अजनबी से बात नहीं करती। लड़का- इंस्टाग्राम कब से यूज नहीं कर रही हो? लड़की- तुम्हें क्या मतलब? लड़का-ऐसे तो ना बोलो भाई। लड़की-मेरी पर्सनल लाइफ में क्यों घुस रहे? लड़का-तुम अच्छी लग गई हो। लड़की-ज्यादा नहीं बोल रहे हो तुम? लड़का-मैं कहीं (तुम्हें) घेर लूं? लड़की- दम हो तो घेर लो,अपने भइया से बात कराती हूं। लड़का-और भी मुझे पता है, आपके बारे में। लड़की- जा बता दे। लड़का- (दोस्त का नाम लेकर) उससे पूछ लेना, मैं कौन हूं, तुमने प्राइवेट बातें की थीं। लड़की- फालतू मत बोलो। लड़का- उसने चैट दिखाई थी, कुछ अच्छा दिखा था? लड़की-जरूरी है कि वो मैं हूं। लड़का- हमें दिखा दो कुछ।

छात्रा को डर था, कहीं उसकी पढ़ाई न छुड़वा दें

एनजीओ ने महिला आयोग, बाल आयोग और अन्य जगहों पर भी शिकायत की है। छात्रा ने बताया था कि लड़के उसकी एडिटेड अश्लील फोटो और कुछ चैटिंग के स्क्रीन शॉट दिखाकर उसका शारीरिक शोषण करना चाहते हैं। मना करने पर उसे उठाकर ले जाने को धमकी दे रहे थे। छात्रा ने परिजनों के डर की वजह शिकायत नहीं की थी कि कहीं उसकी पढ़ाई बंद न हो जाए।

महिला आयोग ने किया जवाब-तलब

एनजीओ संचालक के अनुसार फिलहाल उनकी जांच में सिर्फ लड़कियों का शोषण करने की बात हो सामने आई है। आगरा पुलिस से महिला आयोग द्वारा जवाब तलब करने के बाद कार्रवाई हुई है। ये कार्रवाई भी मामूली है।

साइबर सेल कर रही पड़ताल

थाना सिकंदरा प्रभारी आनंद कुमार शाही ने बताया कि केस दर्ज कर पुलिस छानबीन कर रही है। साइबर क्राइम सेल की मदद ली जा रही है। लड़कियों का डेटा लड़के किस तरह लेते थे और उसका दुरुपयोग किस तरह किया जाता था। इन सभी बिंदुओं की साइबर सेल पड़ताल कर रही है। अभी तक किसी की गिरफ्तारी नहीं की गई है। बताया गया है कि मुख्य आरोपी 12वीं कक्षा का छात्र बताया जा रहा है। वह कहीं कोचिंग भी ले रहा है।

स्वतंत्र वार्ता

सोमवार, 30 जनवरी - 2023

जांच एजेंसियों की सीमा रेखा

देश भर में सक्रिय जांच एजेंसियां अपने दायरे को रह कर ही काम करना चाहिए। देखा गया है कि वह अपने दायरे को भूल कर अनावश्यक रूप से सक्रिय हो उठी हैं। ऐसे में उन पर सवाल उठना स्वाभाविक ही है। प्रवर्तन निदेशालय की सक्रियता को लेकर भी काफी लंबे समय से सवाल उठाए जा रहे हैं कि वह अपने अधिकार क्षेत्र से बाहर जाकर काम कर रहा है। ऐसी शिकायतों को ध्यान में रखते हुए अब दिल्ली उच्च न्यायालय ने उसकी सीमा रेखा बता दी है। हाई कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि प्रवर्तन निदेशालय को केवल धनशोधन संबंधी मामलों में ही कार्रवाई का अधिकार है। वह सिर्फ अनुमान के आधार पर कोई मामला तय नहीं कर सकता। अगर किसी मामले में अनुमान के आधार पर कार्रवाई की गई है, तो उस पर संबंधित अधिकारियों को कानून के तहत सुनवाई का सामना करना पड सकता है। दिल्ली उच्च न्यायालय ने यह आदेश जिन याचिकाओं की सुनवाई करते हुए दिया है, उनमें धनशोधन को लेकर कोई तथ्य प्रकट नहीं था, यहां तक कि सीबीआई भी ऐसा कोई तथ्य उजागर नहीं कर सकी है। बता दें कि मनी लांड्रिंग यानी धनशोधन अधिनियम के तहत प्रवर्तन निदेशालय को एक करोड़ या इससे ऊपर के मामलों में ही जांच का अधिकार है, लेकिन उसने दूसरे विभागों के अधिकार क्षेत्र में अनधिकार हस्तक्षेप कर बहुत सारे मामलों की जांच अपने हाथ में ले ली। नतीजतन उनमें से बहुत कम मामलों में मुकदमा दर्ज हो सका है, बाकी मामलों को बिना किसी फैसले के छोड़ना पड़ा। दिल्ली हाई कोर्ट के इस आदेश से बहुत सारे लोग इसलिए संतोष अनुभव कर रहे हैं कि पिछले कुछ सालों में प्रवर्तन निदेशालय ने अनेक ऐसी जगहों पर छापे मारे, जहां उसे जाने की कतई जरूरत नहीं थी। सिर्फ इस पर उसने आय से अधिक संपत्ति के मामलों में भी दखल दी, सिर्फ इस अनुमान के आधार पर कि वहां धनशोधन से जुड़ा मामला हो सकता है। दिल्ली हाई कोर्ट ने इस मामले में दायरा स्पष्ट करते हुए कहा है कि अगर दूसरी जांच एजेंसियों को कोई ऐसा मामला हाथ लगता है, तो वे उसे सौंप सकती हैं। इसी तरह अगर प्रवर्तन निदेशालय को कोई ऐसा तथ्य हाथ लगता है, जो दूसरी एजेंसियों के अधिकार क्षेत्र में आता है, तो वह उन्हें सौंप देगा, न कि खुद उन पर कोई फैसला करेगा। बता दें कि इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने भी प्रवर्तन निदेशालय के जब्ती, गिरफ्तारी जैसे अधिकारों को उचित ठहराते हुए उसके अपने दायरे में रह कर काम करने के आदेश को रेखांकित किया था, लेकिन अधिकारों ने लेस उसकी सक्रियता में कमी नहीं आई। इसलिए दावा करना मुश्किल है कि दिल्ली हाई कोर्ट के आदेश से वह कितना सबक लेगा। देखा जाए, तो पिछले कुछ सालों में जिस तरह सीबीआई, प्रवर्तन निदेशालय और आयकर विभाग ने लक्ष्य साध कर कई लोगों पर छापे डाले, उससे यह कहा जाने लगा था कि ये तोहमत लगाया जाने लगा कि एजेंसियां सरकार के इशारे पर काम कर रही हैं। इस तरह वे अपने अधिकार क्षेत्र से बाहर जाकर भी काम कर रही हैं। इससे स्पष्ट होता है कि उनका मकसद मामले की जांच करने से अधिक लोगों को परेशान करना का है। देखा जाए तो ये आरोप नए नहीं हैं, इसके पहले की सरकारों पर भी ऐसे ही आरोप लगते रहे हैं। लेकिन जब कार्रवाइयों में बदले की भावना अधिक बढ़ जाती है, तो उन्हें लेकर आक्रोश फूटना स्वाभाविक है। इसे लेकर सर्वोच्च न्यायालय में गुहार लगाई गई थी। मगर ऐसी गुहारों पर प्रवर्तन निदेशालय या दूसरी जांच एजेंसियों के कानूनी अधिकार सीमित नहीं किए जा सकते। कानून इस तरह उन्हें यह अधिकार भी नहीं देता कि वे अपनी मर्जी से किसी के खिलाफ कार्रवाई कर उसे बदनाम और परेशान करें या किसी तरह का अनावश्यक दबाव बनाएं। प्रवर्तन निदेशालय के लिए दिल्ली हाई कोर्ट का ताजा आदेश जहां एक तरह का सबक है, वहीं आम लोगों के लिए राहत भरा कदम भी है।

गांधीजी की पुण्यतिथि

आज 30 जनवरी है। वही 30 जनवरी जिस दिन उस देश के ही एक अर्ध विक्षिप्त व्यक्ति ने उस गांधी पर तीन गोलियां दागकर उनकी इहलीला समाप्त कर दी थी जिसे उन्होंने दुनिया की सबसे शक्तिशाली साम्राज्यवादी ताकत की गुलामी की जंजीरों से मुक्त करवाने का चमत्कारिक काम किया था। आजाद होने के बाद देखें तो यह देश गांधी को साल भर भी सह नहीं पाया। मगर क्या नाथूराम गोडसे नाम का वह व्यक्ति भारत का प्रतिनिधि था? बेशक नहीं, लेकिन उसके कृत्य से देश के माथे पर एक ऐसा कलंक लगा जो आने वाली सदियों तक भी मिट नहीं पाएगा। समय के साथ सब बदलता है, देश भी बदला है और गांधी के प्रति देश की सोच भी। एक विचारधारा ऐसी भी पनपी है जो गोडसे की विचारधारा का सम्मान करते हुए उसे उचित कहती है। मगर अभी भी इस देश में गांधी के चाहने व सराहने वाले लोगों का एक विशाल वर्ग मौजूद है जो गांधी को आज भी प्रासंगिक मानता है। समय ऐसा शक्तिशाली घटक है जो अच्छे से अच्छे काम का मुलम्मा उतार देता है। इतिहास ने न जाने कितने ही महान व्यक्तियों को काल के सागर में डूबते हुए देखा है।

उदाहरण स्वरुप देखिए मार्क्स आज रूस में कहीं दिखाई नहीं देते, चीन माओ को भुला चुका है मगर भारत में गांधी आज भी याद किए जाते हैं बावजूद इसके कि केंद्र में उस विचारधारा की सरकार है जो गांधी को जीते जी सही मानती थी और न उनके मरने के बाद उसने गांधी और गांधीवाद को सही माना। इसका साफ-साफ मतलब यह हुआ कि गांधी की विचारधारा को छोड़कर इस देश को आगे ले जाने का काम बहुत मुश्किल है यानी गांधी आज भी प्रासंगिक हैं। बेशक गांधी ने देश को आजाद करवाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

उन्होंने ऐसे वक्त में अहिंसा का अद्भुत प्रयोग किया जब उसे कमजोरी माना जाता था और दुनिया भर में ब्रिटिश हुकूमत डंडे के बल पर कितने ही देशों को गुलाम बना चुकी थी मगर गांधी ने अहिंसा के बल पर अंग्रेजों को देश छोड़ने पर विवश किया। हालांकि इस बात पर बहस मुबाहसे की काफी गुंजाइश है कि देश गांधी के अहिंसा की वजह से आजाद हुआ या अंग्रेजों को यहां पर रहना घाटे का सौदा लगने लगा था इसलिए आजाद हुआ अथवा वे यहां के क्रांतिकारियों से डर गए थे इसलिए आजाद हुआ।

लेकिन यदि देश ने गांधी को बापू, महात्मा और राष्ट्रपिता जैसे संबोधन दिए हैं इसका कुछ तो मतलब है। देश ही क्यों दुनिया ने गांधी को 20 वीं सदी का शताब्दी पुरुष घोषित कर इस बात पर मोहर लगाई है कि गांधी नाम का वह शख्स एक चमत्कार से कम नहीं था। गांधी का जाना तात्कालिक परिस्थितियों में देश पर एक गहरा आघात था। यहां की परंपरा एवं यहां के अहिंसा वादी समाज पर एक कलंक था क्योंकि गांधी जिस हिंसा के खिलाफ जीवन भर लड़ते रहे वे स्वयं उसी हिंसा के शिकार हुए। खैर गांधी नहीं रहे मगर उनका गांधीवाद, उनका चिंतन व विचार उनके जाने के बाद भी जिंदा है। गांधी बहुमुखी बहुआयामी व्यक्तित्व के स्वामी थे।

हिंसा से घायल बस्तर

रघु ठाकुर

परंतु बस्तर एक ऐसा अंचल बना दिया गया है जो निरंतर हिंसा का शिकार हो रहा है। 1964 में बस्तर के महाराजा प्रवीर चंद भंजदेव व अन्य आदिवासियों को साथ तत्कालिन सरकार के इशारे पर पुलिस ने गोलियों से भून दिया था। लगभग एक दशक तक उस गोली कांड से मानसिक रूप से बस्तर घायल रहा था। 1977 के बाद कुछ नया झोंका आया और बस्तर का अंचल शांत हुआ था। परंतु 1980 के बाद फिर कुछ स्वयं सेवी संगठनों के नाम से ऐसी जमाते वहां पहुंचाई गई जो हिंसा की शक्तियों को मानसिक रूप से तैयार करने के लिये भेजी गई थी। इन संस्थाओं ने वहां जाकर अपने कार्पोरेट मालिकों और पूँजीवादी सत्ता के इशारे पर हिंसा का खेल आरंभ कराया। चूंकि बस्तर के वनांचल में उस समय तक कांग्रेस पार्टी के विकल्प के रूप में मुख्य पार्टी डॉ. लोहिया की संयुक्त सोशलिस्ट पार्टी थी और वही कांग्रेस को बेदखल करने की क्षमता रखती थी। अतः कांग्रेस की रणनीति नक्सली हिंसा की शक्तियों को उभारकर और प्रचारित कर समाजवादी आंदोलन को कमजोर करने की थी। इसलिये योजनापूर्वक नक्सलवाद की खेती कांग्रेस सरकार ने कराई। इस नक्सलवादी हिंसा का प्रचार और आकर्षण बस्तर के बाहर भी छ.ग, म.प्र. के वनांचलों तक पहुँचा। हालांकि जिन इलाकों में डॉ. लोहिया की पार्टी का आंदोलन कम या ज्यादा जारी रहा वहां नक्सलवाद नहीं पहुंच सका। जैसे बस्तर से सटे हुये धमतरी जिले के सिहावा अंचल में जहां लोहिया ने जमीन के सवाल को लेकर 50 के दशक में आंदोलन शुरू किया था और जिसे हम लोग लगातार जारी रखे रहे। वहां नक्सलवाद ने विभिन्न रूपों में प्रवेश तो करना चाहा किन्तु नहीं कर सका। म.प्र. का झाबुआ अंचल जहां मामा बालेश्वर दयाल, डॉ. लोहिया के अनुयायी व संसोपा के नेता थे आदिवासियों को संघर्ष का मार्ग बताते रहे इसलिये नक्सलवाद को पनपाने के प्रयास वहां भी सफल नहीं हो सके। पर बस्तर में कांग्रेस पोषित नक्सलवाद उसी कांग्रेस पार्टी के लिये भस्मासुर बन गया। कांग्रेस पार्टी के अनेकों नेता इसके शिकार हुये परंतु बस्तर के आदिवासियों को इसकी बड़ी कीमत चुकानी पड़ी। वे दो तरफा हिंसा के शिकार हुये। दोनों तरफ मरने और मारने वाले आदिवासी, एक आदिवासी को नक्सल समूहों ने बंदूक पकड़ाई और उससे पुलिस कर्मियों और आदिवासियों को संदेह के नाम पर मरवाना शुरू किया और नक्सलवाद को खत्म करने के नाम पर पुलिस ने आदिवासियों को मारना शुरू किया। इसके जो राजनैतिक परिणाम निकले वह भी पूँजीवादी व्यवस्था के लिये अनुकूल रहे। क्योंकि हिंसा के वातावरण ने लोकतांत्रिक क्रियाओं का स्थान लगभग खत्म कर दिया। नक्सलवादी हिंसा के समर्थक दलों या नेताओं को थोड़ा बहुत स्थान नक्सलवादियों ने इस नीति के तहत छोड़ा, की वहां से उनके ही प्रतिनिधि उन समर्थक दलों के नाम से चुनकर आ सके और उनके हित संरक्षण, व सुरक्षा के लिये एक बाह्य आवरण और कवच का काम करते रहें। कभी कभार सी.पी.आई., छत्तीसगढ़ मुक्ति मोर्चा या कांग्रेस के भीतर प्रवेश कराये गये लोगों को क्षेत्र में घूमने फिरने दिया उनके पक्ष में वोट डलवाये और उनके माध्यम से सुविधा पाई, और केन्द्र सरकारों तक पहुंच बनाई। परंतु बड़े इलाकों और विशेषतः सघन वनांचलों में आदिवासी तथा ग्रामीण जनों को हिंसा, हत्या भय बंदूक की गोली और मृत्यु दण्ड के भय से वोट देने से रोका। परिणामस्वरूप अहिंसक सत्याग्रह के समर्थक समाजवादियों की क्रियाशीलता सिकुड़ गई। ग्रामीण अंचल चेतना शून्य हो गये और वहां मतदाताओं को विवश होकर वोट से दूर होना पड़ा। दूसरी तरफ शहरों के व्यापारियों, कर्मचारियों और दलालों ने अपने वोट का जमकर इस्तेमाल किया और भा.ज.पा. जैसी पार्टी उभरकर सामने आई। याने राजनैतिक परिणाम यह निकला की लोहिया की समाजवादी पार्टी और आंदोलन समाप्त प्रायः सा हो गया। कांग्रेस पार्टी भी बहुत कुछ सिकुड़ गई और भा.ज.पा. पैदा हुई व उसने अपनी जड़ें जमा ली। इसका तीसरा परिणाम यह हुआ की नक्सलवादी आँदोलन कालांतर में आपराधिक समूह जैसा बन गया, जिसने कारपोरेट के साथ कार्यकारी गुप्त समझौता कर लिया। जो उद्योगपति उन्हें नियमित शुल्क अदा करते रहे वही बस्तर में उद्योग लगा सकते हैं, खादानों और वनों के ठेके ले सकते हैं। बकाया को या तो गोलियों से मारा जायेगा या ब्लास्ट किया जायेगा। कुछ दिखाने के लिये साल में एक दो बार कुछ डम्पर - ट्रक या कुछ मशीनें जला दी जाती हैं ताकि भय कायम रहे। इन सब बीमाकृत सामानों का हर्जाना बीमा कंपनिया देंगी। यानी देश के गरीब और आदिवासी देंगे तथा ठेकेदारों और उद्योगपतियों को कोई प्रतिस्पर्धा नहीं रहेगी। नाम मात्र की राशि में पुनः ठेके आदि मिल जाते हैं। इससे पुलिस और प्रशासन को भी बहुत लाभ होने लगा है। अधिकारियों और पुलिस का इलाका केवल शहरों तक सिकुड़ गया, और ग्रामीण क्षेत्रों में जाने के कष्ट और जोखिम से वह बच गये है। दूसरे कागजों पर शासन-प्रशासन दौड़ने लगा और घर बैठे कमीशन की बढ़ी हुई राशि उन्हें मिलने लगी। पुलिस को नक्सलवाद के नाम से लड़ने के लिए राज्य और भारत सरकार से अरबों रूपयों का विशेष बजट मिलने लगा। नई-नई चमचमाती गाड़ियां आ गई और पुलिस जन सुरक्षा के बजाय पुलिस सुरक्षा बन गई। गुप्त जानकारी के नाम पर जिसका कोई हिसाब किताब या ऑडिट नहीं होता, करोड़ों रूपया पुलिस तंत्र के पास पहुंच गया। नक्सलवादियों के समर्पण के नाम पर भी खूब खेल हुआ तथा कुछ आदिवासियों को समझा बुझाकर कुछ पैसा देकर समर्पण के समारोह आयोजित होने लगे। इसमें से थोड़ा सा आदिवासियों के पास बकाया पुलिस के पेट में चला गया। अगर बस्तर में रहे पुलिस और प्रशासन के अधिकारियों की संपत्ति की जाँच हो जाये तो नक्सलवाद के नाम पर चल रहे इस महा घोटाले का भी पर्दा फाश होगा तथा भ्रष्ट तंत्र का खेल सामने आयेगा। नक्सलवादियों ने भी अपनी वैचारिक पृष्ठ भूमि छोड़कर आपराधिक भूमि अपना ली। बच्चों को बंदूक साफ कराने के नाम पर कुछ पैसे देकर हिंसा का अभ्यस्त बनाना शुरू किया। बस्तर में अफीम की खेती शुरू करा दी और बस्तर तथा बस्तर से लेकर नेपाल तक एक अफीम और अपराध का लाल गलियारा बना दिया। लगभग दो ढाई दशक तक बस्तर इन पीड़ाओं से जूझता रहा और वर्ष 2000 के बाद भाजपा सरकार के इशारे पर कांग्रेस के नेता श्री महेन्द्र कर्मा ने जुडूम के नाम से एक अभियान शुरू किया। चूंकि तत्कालिन मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह राजनंदगाँव के थे तथा राजनंदगाँव का अधिकांश इलाका नक्सल प्रभावित हो चुका था अतः सरकार भी इस भय से मुक्ति चाहती थी। दूसरी तरफ नक्सलियों के मतदान में बहिष्कार के नारों से कांग्रेस स्थानापन्न होने लगी थी और वह फिर अपनी वापसी के लिये नक्सलवाद से और अपने ही पैदा किये हुये भूत से मुक्ति चाहती थी। इसलिये भाजपा की सरकार और कांग्रेस की सरकार की अंदरूनी समझ के आधार पर जुडूम नाम का भाजपा कांग्रेस का मिला जुला अभियान शुरू हुआ था। गौंडी बोली में जुडूम का अर्थ एकजुटता है और नक्सलवादी हिंसा के खिलाफ स्व. महेन्द्र कर्मा को आगे कर भाजपा सरकार ने यह अभियान शुरू कराया। स्व. महेन्द्र कर्मा ने नक्सलवादी हिंसा में पहले भी बहुत कुछ सहा था तथा उनका राजनैतिक अस्तित्व भी खतरे में था। अतः उन्होंने यह रास्ता स्वीकार किया। आदिवासी जो पिछले 25-30 वर्षों में विकास से दूर कर दिये गये थे क्योंकि नक्सलवादी पुलिस के आवागमन रोकने के लिए सड़के स्कूल नहीं बनने देते थे तथा बन जाये तो उन्हें नष्ट कर देते थे। टॉवर याने कि विकास का कोई भी काम नहीं होता था। आदिवासी अपने बच्चों को स्कूल शिक्षा, सड़क, मोबाईल आदि देना चाहता था इसलिये नक्सली विभीषिका पीड़ित आदिवासी भी सलवा जुडूम के अभियान में शामिल होने लगे।

लेफ्ट, अलगाववाद और संवैधानिक संस्थाएं

मुनीष त्रिपाठी

नई दिल्ली। एक बार फिर जेएनयू कैंपस से एक नए विवाद को जन्म दे दिया। अबकी बार विवाद पीएम मोदी पर बीबीसी द्वारा गुजरात दंगों पर बनाई गई डॉक्यूमेंट्री फ़िल्म को लेकर पैदा हुआ। कैम्पस में स्क्रीनिंग को लेकर एबीवीपी और स्क्रीनिंग पर उतारू लेफ्ट विंग के छात्रों से हिंसक झड़पें भी हुई। दिल्ली के अम्बेडकर यूनिवर्सिटी में भी कुछ इसी तरह की कोशिश के बाद झड़पें हुई। उधर जामिया में स्क्रीनिंग रोकने के लिये यूनिवर्सिटी प्रशासन ने कड़ाई करते हुए स्क्रीनिंग नहीं होने दी। बहरहाल दोनों विश्वविद्यालयों में स्क्रीनिंग नहीं हो सकी लेकिन हैदराबाद विश्वविद्यालय और पश्चिम बंगाल के जाधवपुर यूनिवर्सिटी में स्क्रीनिंग हुई। केरल में तो कांग्रेस ने खुलेआम विवादास्पद फ़िल्म की स्क्रीनिंग की। अपनी विचारधारा के अनुसार कार्य न होने पर संवैधानिक संस्थाओं की स्वायत्तता पर सवाल उठाने वाले तथा अपने पसंद के निर्णयों और सुधार पर संविधान और कानून का पालन करने की नसीहत देने वाले ये अतिवादी वाममार्गी आखिर क्यों अब सुप्रीम कोर्ट द्वारा गुजरात दंगों पर मोदी को क्लीन चिट दिए जाने को गलत ठहराने में लगे है। मोदी की दंगों की भूमिका में जांच जब यूपीए शासन के दौरान सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में गठित एसआईटी द्वारा हुई थी तब फिर 20 सालों बाद जांच और सुप्रीम कोर्ट पर सवाल उठाना वह भी विदेशी न्यूज एजेंसी बीबीसी द्वारा बनाई गई डॉक्यूमेंट्री फ़िल्म के आधार पर। जबकि ब्रिटेन के पीएम ऋषि शौनक ने खुद इसे गलत बताया है। लेफ्ट विंग के छात्रों का जिनका लिंक प्रतिबंधित संगठन पीएफआई के साथ उस समय देखने को मिला था जब पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प फरवरी 2020 दिल्ली आये थे तब इन दोनों धड़ो ने मिलकर जानबूझकर दंगा फैलाकर विश्व परिदृश्य में भारत और पीएम मोदी को बदनाम करने की कोशिश की थी। जांच में दंगे का मास्टरमाइंड जेएनयू का शोध छात्र उमर खालिद पाया गया था। ऐसे अनेकों उदाहरण जो यह साबित कर रहे है भारत के अतिवामी लेफ्ट विंग किसी भी कीमत पर अपनी विचारधारा को ही सही मानकर उसे थोपना चाहते है चाहे वह फिर देश और समाज के विरोध में ही क्यों न हो। कुछ घटनाओं की बानगी से यह बात साबित हो जाएगी। जेएनयू में स्टूडेंट यूनियन की ओर से 6 दिसम्बर 2021 को रात में एक मार्च निकाला गया। बताते चलें कि 6 दिसंबर 1992 में विवादित ढांचा तोड़ा गया था, जिसके खिलाफ यह प्रदर्शन किया गया था। इस दौरान यूनियन के कार्यकर्ताओं और लेफ्ट संगठनों के कार्यकर्ताओं ने बाबरी मस्जिद को दोबारा बनाने की मांग की थी। बाबरी विध्वंस की घटना के 29 साल बाद जेएनयू कैंपस में छात्र संघ ने इस घटना के विरोध में प्रोटेस्ट मार्च निकाला, इसमें कहा गया कि मस्जिद को दोबारा बनाना चाहिए। इस प्रदर्शन के दौरान "नहीं सहेंगे हाशिमपुरा, नहीं करेंगे दादरी, फिर बनाओ, फिर बनाओ बाबरी जैसे नारे भी लगाए गए। प्रदर्शन का नेतृत्व जेएनयू छात्र संघ के उपाध्यक्ष साकेत मून ने किया था। अब यहां सवाल उठता कि भारत की लेफ्ट विंग वास्तव में क्या भारत के संविधान और न्यायपालिका पर विश्वास नहीं करती है ? भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने 2019 में अयोध्या की विवादित जन्मभूमि को श्रीराम मंदिर की जन्मभूमि माना है उसी के तहत मंदिर का निर्माण किया जा रहा है। अभी कुछ दिनों पहले ही जेएनयू कैंपस में वामपंथी छात्र संगठनों द्वारा ' राम के नाम' की डॉक्यूमेंट्री फिल्म का प्रदर्शन किया जाने वाला था। जो कि विवादित थी। हालांकि इस प्रदर्शन की अनुमति विश्वविद्यालय प्रशासन ने नहीं दी।

यहां सवाल यह उठता है कि आखिर क्यों जेएनयू कैंपस में ही समाज को आहत करने वाली घटनाएं होती है क्यों ? बात बात पर वामपंथी भारत के संविधान की दुहाई देने वाले संविधान की मर्यादा को क्यों तार तार कर रहे है ? 29 अक्टूबर 2021 को जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के महिला अध्ययन केंद्र द्वारा आयोजित एक ऑनलाइन वेबिनार को विश्वविद्यालय प्रशासन ने कश्मीर को 'भारतीय अधिकृत कश्मीर' के रूप में संदर्भित करने के लिए तुरंत रोकने का आदेश दिया और इस कार्यक्रम को शुरू होने से पहले ही रद्द कर दिया गया। कुलपति एम. जगदीश कुमार ने कहा जैसे ही यह हमारे संज्ञान में आया कि सेंटर फॉर वूमेन स्टडीज द्वारा शुक्रवार को रात 8.30 बजे 'जेंडर रेजिस्टेंस एंड फ्रेश चैलेंजेज इन पोस्ट-2019 कश्मीर' शीर्षक से एक ऑनलाइन वेबिनार का आयोजन किया जा रहा है। हमने तुरंत फैकल्टी सदस्यों को कार्यक्रम को रोकने का निर्देश दिया। जेएनयू के कई छात्रों और शिक्षकों ने वेबिनार में कश्मीर के संदर्भ पर कड़ी आपत्ति दर्ज कराई। छात्र संगठन एबीवीपी ने कहा कि वेबिनार वेबपेज ने जम्मू-कश्मीर को 'भारतीय अधिकृत कश्मीर' के रूप में संबोधित किया जो आपत्तिजनक और असंवैधानिक है। वीसी ने कहा कि इस तरह के आयोजन की योजना बनाने से पहले संकाय सदस्यों ने अनुमति नहीं ली थी।

उन्होंने कहा, यह बेहद आपत्तिजनक और उत्तेजक है क्योंकि यह हमारे देश की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता पर सवाल उठाता है। मामले की जांच चल रही है। कई शिक्षकों ने वेबिनार में 'भारतीय अधिकृत कश्मीर' कहे जाने वाले भारत के अभिन्न अंग कश्मीर पर कड़ा विरोध दर्ज कराया और कहा कि यह जेएनयू को राष्ट्र-विरोधी के रूप में चित्रित करने का प्रयास था। लेखक - मुनीष त्रिपाठी,पत्रकार, इतिहासकार और साहित्यकार है। हाल ही में उन्हें उनकी पुस्तक' विभाजन की त्रासदी'के लिये यूपी हिंदी संस्थान द्वारा प्रतिष्ठित केएम मुंशी पुरस्कार दिया गया है, इसके अलावा औरैया जनपद प्रशासन ने उन्हें पत्रकारिता और साहित्य में 'औरैया रत्न' से विभूषित किया है। हाल ही में उनकी दूसरी पुस्तक 'भरतपुर का सूरजमल' प्रकाशित हुई है।

क्या मोदी की राजस्थान यात्रा अगले विधानसभा चुनाव की तैयारी हैं ?

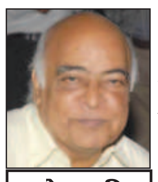

अशोक भाटिया

राजस्थान में इस साल विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। कांग्रेस बरसों पुरानी परंपरा को तोड़कर सूबे की सत्ता में वापसी का जतन कर रही है, तो भाजपा चुनाव जीतकर सत्ता में आने की रणनीति बना रही है। चुनावी साल की शुरुआत में ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राजस्थान दौरा हो रहा हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को भगवान देव नारायण की 1111वीं जयंती पर राजस्थान के भीलवाड़ा जिले के मालासेरी पहुंचेंगे। हालांकि इस यात्रा संस्कृति मंत्रालय द्वारा आयोजित की गई है, लेकिन राज्य में विधानसभा चुनाव के 10 माह पहले हो रही इस यात्रा के सियासी तौर पर मायने भी निकाले जा रहे हैं। मालासेरी भगवान देव नारायण का जन्मस्थान माना जाता है जो इस क्षेत्र में रहने वाले विशेष रूप से गुर्जरों के लिए पूज्यनीय है, जो कांग्रेस और बीजेपी, दोनों ही के लिए समर्थन का बड़ा स्रोत रहे है। विधानसभा चुनाव से पहले दोनों ही पार्टियां इनका समर्थन हासिल करने के लिए एड़ी-चोटी का जोर लगा रही हैं। बताया जाता है कि भगवान श्री देवनारायण में करोड़ों लोगों की गहरी आस्था है। भगवान श्री देवनारायण को गुर्जर अपना आराध्य मानते हैं। इस बार मौका बेहद खास है, क्योंकि पहली बार कोई प्रधानमंत्री, विष्णु के अवतार भगवान देवनारायण के धाम में आ रहा है।

इसलिए प्रधानमंत्री मोदी के स्वागत में तैयारियां भी भव्य की गई हैं।गुर्जर समाज के लोगों को उम्मीद है कि प्रधानमंत्री मोदी देवनारायण कॉरिडोर की घोषणा कर गुर्जर समाज का आशीर्वाद ले सकते हैं। इसके पीछे भी बड़ी वजह है। मालासेरी डूंगरी देशभर में गुर्जर समुदाय की आस्था का बड़ा केंद्र है। केंद्र सरकार की एक रिसर्च टीम भीलवाड़ा में इन दिनों मौजूद है। रिसर्च टीम भगवान देवनारायण से जुड़ी कथाओं साहित्य को जुटा रही है। सरकार भगवान देवनारायण की जीवनी को फड़ कला के जरिए प्रदर्शित करने की तैयारी में है। पिछले चार महीनों में यह प्रधान मंत्री मोदी की राजस्थान की तीसरी यात्रा होगी और इस यात्रा को राज्य के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है, जहां इस साल के अंत में विधानसभा चुनाव होने हैं। नवंबर 2022 में, आदिवासी नेता गोविंद गुरु को श्रद्धांजलि देने के लिए मोदी ने बांसवाड़ा जिले के मानगढ़ धाम का दौरा किया। अक्टूबर में जनसभा के लिए सिरोही जिले का दौरा किया था।देवनारायण को भगवान विष्णु का अवतार माना जाता है और उनका जन्म 10वीं शताब्दी में मलसेरी में हुआ था। यह प्रधानमंत्री की 'धार्मिक' यात्रा है, वहीं भाजपा की नजर इस कार्यक्रम में मोदी की मौजूदगी से राजनीतिक लाभ लेने पर है। उम्मीद है कि प्रधानमंत्री काशी, अयोध्या और उज्जैन की तर्ज पर आसींद अनुमंडल में देवनारायण कॉरिडोर बनाने की घोषणा कर सकते हैं। केंद्र से अनुसंधान और सर्वेक्षण दल पहले ही इस क्षेत्र का दौरा कर चुके हैं और देवनारायण से जुड़े ऐतिहासिक साक्ष्यों, साहित्य और धार्मिक दस्तावेजों का अध्ययन कर रहे हैं। राजस्थान के अलावा, मध्य प्रदेश, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, हिमाचल प्रदेश और जम्मू और कश्मीर में गुर्जरों की काफी मौजूदगी है। प्रधानमंत्री मोदी के दौरे से राजस्थान के मालासेरी डूंगरी को देश में नई पहचान मिलेगी। क्षेत्र का सांस्कृतिक, धार्मिक और आध्यात्मिक उत्थान होगा। मोदी गुर्जर समाज को सामाजिक तौर भी महत्वपूर्ण संदेश दे रहे हैं। पिछले चुनाव में भाजपा ने गुर्जर समुदाय के 9 लोगों को टिकट दिया था लेकिन समुदाय के वोट इस उम्मीद में कांग्रेस की ओर शिफ्ट होने से यह सभी चुनाव हार गए थे कि सचिन पायलट राजस्थान के पहले गुर्जर मुख्यमंत्री बनेंगे। हालांकि इस उम्मीद पर बाद में पानी फिर गया और प्रधानमंत्री मोदी की यात्रा एक धार्मिक कार्यक्रम के जरिये गुर्जरों के बैंक तक पहुंच बनाने का भाजपा का सियासी दांव प्रतीत होता है। भाजपा की राजस्थान इकाई के अध्यक्ष सतीश पूनिया ने एनडीटीवी से कहा, "प्रधानमंत्री ने काशी के विश्वनाथ मंदिर और उज्जैन के महाकाल मंदिर जैसे धार्मिक और सांस्कृतिक स्थलों बहाली के लिए कई परियोजनाएं शुरू की हैं। उम्मीद है कि देव नारायण मंदिर के लिए भी कुछ किया जाएगा। हमें हर चीज को 'सियासी चश्मे' से नहीं देखना चाहिए। गुर्जरों की राज्य में में लगभग 9 प्रतिशत से 12 प्रतिशत की आबादी है और पूर्वी राजस्थान में 40 से 50 विधानसभा सीटों पर उनका अच्छा खासा असर है। गुर्जरों ने अतीत में आरक्षण के लिए हिंसक विरोध प्रदर्शन शुरू किया था और हाल ही में कांग्रेस नेता राहुल गांधी के भारत जोड़ो यात्रा के राज्य में प्रवेश को रोकने की धमकी दी थी। देव नारायण मंदिर में एनडीटीवी से बात करते हुए विजय बैंसला ने कहा, "पिछली बार जो हुआ वह दोबारा नहीं होगा।

सच बोले कौआ काटे...

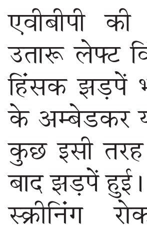

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

एक समय था जब झूठ बोलने पर कौवा काटता था। हो न हो यह कौआ अवश्य महात्मा गांधी जी का रहा होगा। वरना इंसान को काटने की हिम्मत किसमें है। वैसे पर्यावरण परिवर्तन के चलते महात्मा गांधी वाले कौए तो कब के लुप्त हो गए। अब जो बचे हैं वे झूठ बोलने पर नहीं सच बोलने पर काटते हैं। इसीलिए लोग सच बोलने से डरते हैं। सच बोलकर कौन मूर्ख बेमतलब का टिटिम्मा पालेगा। सच बोलकर दूसरों को दूर करने से अच्छा है झूठ बोलकर उनके गले काटना। इस तरह गला काटने पर खून का रंग लाल हो न हो लेकिन स्वाद मीठा होता है। यदि ऐसा न होता तो आए दिन इतने गले कट रहे हैं, क्या वह बिना स्वार्थ वाले मीठे स्वाद का होता। आइंस्टीन ने महात्मा गांधी को हाड़-मांस का चलता हुआ क्रांतिकारी महापुरुष बताया। उनकी बात मुझे तब सच लगी जब मैंने मुन्ना भाई एमबीबीएस और मुन्ना भाई लगे रहो में गांधीगिरी को देखा। गांधीगिरी के नाम पर टिकट खिड़कियों पर इतनी भीड़ उमड़ी कि एक बार के लिए लगा हो न हो गांधी जी फिर से वापस आ गए हैं। दो फिल्मों को छह घंटे देखकर छह सेकंड में गांधी जी को भुला देने वाली पब्लिक उनके सिद्धांतों को पुड़िया बनाकर पैरों तले कुचलने में आज की दुनियादारी समझती है। क्या होता अगर सच में गांधी जी के सिद्धांतों पर यह देश काम करता? इसमें सोचने वाली बात क्या है। स्वतंत्रता 1947 में मिली। हम वहीं के वहीं रहते। वह तो शुक्र मनाओ कि गांधी जी 30 जनवरी 1948 को जबरन इस दुनिया से चल बसे। तभी तो हम उनकी याद में असत्य, अहिंसा, अधर्म, अन्याय का सफलतापूर्वक पालन करते हुए यहाँ तक पहुँचे हैं। सच बोलने वाले, धर्म का पालन करने वाले, न्याय का पक्ष धरने वाले, अहिंसा की बातें करने वाले आदमखोर शेर से भी खतरनाक माने जाते हैं। इसीलिए इन्हें जेल में बंद कर दिया जाता है या फिर राष्ट्रविरोधी कहकर उन पर गद्दार का ठप्पा लगा दिया जाता है। अब तो हर जगह झूठ का बोलबाला है साहब। पैंतीस-चालीस रुपए में पेट्रोल देने के नाम पर सरकार बनाने वाले सौ रुपए में पेट्रोल बेचते हैं। कभी गैस सिलेंडर इतने महंगे थे कि एक महान संस्कृति की पक्षधर अम्मा संसद के सामने गलफाड़ गृहिणी के रूप में सरकार को हिला देती थीं। अब वही अम्मा हजार रुपए की कीमत को सस्ती गैस बताकर अपनी बेटी के होटल में गाय, सुअर के मांस का सांस्कृतिक भोज्य पदार्थ बनवाती हैं। इस तरह संस्कृति का विकास करती हैं। अच्छा हुआ गांधी जी निरमा वाशिंग पाउडर के विज्ञापन से पहले चल बसे। वरना उनकी मौत पर यही विज्ञापन अम्मा कहतीं – गांधी जी गोली लगने से नहीं मरे। बल्कि वे ही गोली के रास्ते में आ गए।

कर्नाटक के कोटिलिंगेश्वर में है एशिया का सबसे बड़ा शिवलिंग

कर्नाटक में कोल्लार जिले के काम्मासांदरा नाम के गांव में भगवान भोलेनाथ का बहुत विशाल शिवलिंग स्थापित है। इस विशाल शिवलिंग वाले मंदिर को पूरी दुनिया में कोटिलिंगेश्वर मंदिर के नाम से जाना जाता है। यहां मंदिर का आकार ही शिवलिंग के रूप में है। शिवलिंग रूप में इस मंदिर की ऊंचाई 108 फीट है। भारत सरकार ने इसे एशिया का सबसे ऊंचा शिवलिंग घोषित किया है। इस मुख्य शिवलिंग के चारों ओर बहुत सारे शिवलिंग स्थापित हैं। इस मंदिर में भक्त श्रद्धा और अपने सामर्थ्य के अनुसार 1 से लेकर 3 फीट तक के शिवलिंग अपने नाम से यहां स्थापित करवाते हैं।

1994 में यहां स्थापित किया गया 108 फीट का शिवलिंग

इस मंदिर का निर्माण स्वामी सांभ शिव मूर्ति और उनकी पत्नी वी रुक्मिणी ने 1980 में किया था। इसी साल यहां पहला शिवलिंग स्थापित किया गया था। शुरुआती दिनों में पंचलिंग स्थापित किए गए, फिर 101 शिवलिंग और उसके बाद 1001 शिवलिंग स्थापित किए गए। 1994 में रिकॉर्ड 108 फीट का शिवलिंग इस परिसर में स्थापित किया गया। इसके साथ ही एक विशाल और लंबा नंदी भी मंदिर परिसर में स्थापित किया गया है। स्वामीजी का सपना मंदिर में कोटि (करोड़) लिंग स्थापित करना था और वह इस पर काम कर रहे थे। 14 दिसंबर, 2018 को स्वामी जी के निधन के बाद उनकी बेटी और बेटे ने जिम्मेदारी संभाली और अपने पिता के सपने को पूरा करने में लग गए। तब से मंदिर में कई लिंग मौजूद हैं।

देवराज इंद्र ने किया था स्थापित

ऐसा माना जाता है कि इस मंदिर में पूजा करने से मनुष्य के सारे पाप धुल जाते हैं। एक मान्यता यह भी है कि जब भगवान इंद्र को गौतम नाम के एक ऋषि ने श्राप दिया था। तो उन्होंने इस श्राप से मुक्ति पाने के लिए कोटिलिंगेश्वर मंदिर में शिवलिंग को स्थापित किया। कहा जाता है कि शाप से मुक्ति पाने के लिए देवराज इंद्र ने शिवलिंग का अभिषेक किया था।

अन्य देवी-देवताओं के 11 मंदिर भी मौजूद

इस पूरे मंदिर परिसर में कोटिलिंगेश्वर के मुख्य मंदिर के अलावा 11 मंदिर और भी हैं, जिनमें ब्रह्माजी, विष्णुजी, अन्पूर्णेश्वरी देवी, वेंकटरमानी स्वामी, पांडुरंगा स्वामी, पंचमुख गणपति, राम-लक्ष्मण-सीता के मंदिर मुख्य रूप से विराजमान हैं।

नंदी का विशाल रूप

इस विशाल शिवलिंग के सामने नंदी भव्य और विशाल रूप में दर्शन देते हैं। नंदी की यह मूर्ति 35 फीट ऊंची, 60 फीट लंबी, 40 फीट चौड़ी है, जो 4 फीट ऊंचे और 40 फीट चौड़े चबूतरे पर स्थापित है। इस विशाल शिवलिंग के चारों ओर देवी मां, श्री गणेश, श्री कुमारस्वामी और नंदी महाराज की प्रतिमाएं ऐसे स्थापित हैं जैसे वे अपने आराध्य को अपनी पूजा अर्पण कर रहे हों।

विकराल रूप में होती है वैतरणी नदी

सनातन धर्म में गरुड़ पुराण को भगवान विष्णु का स्वरूप माना जाता है। मान्यता है कि इस धार्मिक ग्रंथ में भगवान विष्णु ने अपने प्रिय वाहन गरुड़ देव के माध्यम से मनुष्य को मोक्ष का मार्ग बताया है। इसके अलावा यह भी बताया है कि मृत्यु के बाद आत्मा को किन-किन परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है। आज इस आर्टिकल में भोपाल निवासी ज्योतिषी एवं वास्तु सलाहकार पंडित हितेंद्र कुमार शर्मा से जानेंगे गरुड़ पुराण के अनुसार कैसा होता है यमलोक का मार्ग।

यमलोक के रास्ते में पड़ती हैं दो नदियां

वैतरणी और पुष्पोदका नदी ये वे दो नदियां हैं, जो यमलोक जाने के मार्ग में पड़ती हैं। गरुड़ पुराण के अनुसार वैतरणी नदी सबसे भयानक मानी जाती है। कहा जाता है कि इस नदी में खून बहता है, किनारों पर हड्डियों का ढेर लगा है, जिन्हें पापी लोगों को पार करना होता है। मान्यताओं के अनुसार मृत्यु के बाद जिनके परिजन विधिवत कर्मकांड करते हैं, वे नदी से पार पाते हैं बाकी आत्माएं इस नदी में डूब जाती हैं या फिर पार करने के लिए लगातार संघर्ष करती हैं। गरुड़ पुराण में बताया गया है कि यह नदी पापियों को देखकर उग्र हो जाती है और खौलने लगती है, जिसे देखकर आत्माएं डर जाती हैं।

कर्मों के हिसाब से मिलती है मदद

गरुड़ पुराण में बताया गया है कि मृत्यु के बाद जिन परिजनों का विधिवत कर्मकांड होता है, वे लोग नदी को नाव में बैठकर पार कर लेते हैं। इस नाव में वही लोग बैठ पाते हैं, जिन्होंने अपने जीवन में पुण्य कर्म किए हैं।

यमलोक में मिलती है पुष्पोदका नदी

गरुड़ पुराण के अनुसार जब आत्मा यमलोक पहुंच जाती है तो पुष्पोदका नदी के किनारे बैठकर विश्राम करती है। इस नदी का जल बेहद स्वच्छ और निर्मल होता है। इसके किनारे बड़े-बड़े हरे वृक्ष लगे होते हैं। मान्यता के अनुसार इस नदी के माध्यम से ही मृतक के परिजनों ने जो पिंडदान और तर्पण किया है, उसका भोजन उस आत्मा को प्राप्त होता है, जिससे आत्मा को शक्ति मिलती है।

31 जनवरी को शनि होंगे अस्त 5 राशिवालों पर छा सकते हैं संकट के बादल

न्याय और कर्म का फल प्रदान करने वाले शनि इस समय अपनी ही राशि कुंभ में हैं। 17 जनवरी को वे कुंभ राशि में आए थे। अब 31 जनवरी को तड़के 02 बजकर 46 मिनट पर कुंभ राशि में शनि अस्त होंगे। शनि 33 दिनों तक कुंभ राशि में अस्त रहेंगे। फिर 05 मार्च को रात 08 बजकर 46 मिनट पर उदित होंगे। शनि के अस्त होने से 12 राशियों में से 5 राशि के जातकों को सावधान रहना होगा। उनके लिए नौकरी, बिजेनस, सेहत आदि क्षेत्र में संकट के बादल मंडरा सकते हैं। तिरुपति के ज्योतिषाचार्य डॉ। कृष्ण कुमार भार्गव बताते हैं कि 31 जनवरी को शनि के अस्त होने से मेष, कर्क, सिंह, वृश्चिक और कुंभ राशि के जातकों को सतर्क रहकर काम करना होगा।

मेषः आपकी राशि के जातकों को शनि के अस्त होने से करियर और दांपत्य जीवन में सजग रहना होगा। धन हानि का योग बन सकता है। इस समय में आपके करियर में नई चुनौतियां आ सकती हैं। बड़े ही धैर्य के साथ मुश्किल समय का सामना करना होगा। 31 जनवरी से 05 मार्च के बीच बड़ी ही सावधानी से निवेश से जुड़े फैसले करें। कोई ऐसा कार्य न करें, जिससे आपके मान सम्मान को चोट पहुंचे।

कर्कः आपकी राशि पर शनि की ढैय्या चल रही है। नौकरी और बिजनेस करने वाले जातकों को थोड़ी परेशानी हो सकती है। आप लोग बेवजह की बातों और कार्यालय की राजनीति से दूर रहें। साझेदारी के व्यापार में नुकसार की आशंका है। दांपत्य जीवन में भी संभलकर रहें। ऐसी कोई बात या काम न करें, जिससे जीवनसाथी के साथ वाद विवाद हो।

सिंहः शनि के अस्त होने से आपकी सेहत पर बुरा प्रभाव पड़ सकता है। आपको अपनी सेहत का ध्यान रखना होगा। खानपान में सावधानी बरतें। छोटी स्वास्थ्य समस्याओं को भी नजरअंदाज न करें। इस दौरान आपकी आर्थिक स्थिति तनावपूर्ण हो सकती है। बिजनेस करने वाले लोगों को धन हानि हो सकता है। सोच समझकर ही कहीं पर निवेश करें। जरूरी न हो तो अभी टाल दें।

वृश्चिकः शनि का अस्त होना आपके परिवार में संबंधों को प्रभवित कर सकता है। भाई और बहन के साथ रिश्ते बिगड़ सकते हैं। वाद विवाद की भी स्थिति पैदा हो सकती है। संयम से काम लें। व्यापार में अभी कुछ नया प्रयोग करना चाहते हैं तो मत करें, नहीं तो आर्थिक तौर पर हालत खराब हो सकती है। 05 मार्च के बाद ही कुछ नया करने की सोचें।

कुंभः शनि आपकी राशि के स्वामी ग्रह हैं और इस राशि में रहते हुए ही अस्त हो रहे हैं। ऐसे में आपको सावधान रहना होगा। अभी आप नौकरी बदलने की सोच रहे हैं तो ऐसा न करें, जहां पर हैं, वहीं पर मेहनत से काम करें। नौकरी दवाब में न छोड़े। इससे आपकी आर्थिक स्थिति बिगड़ सकती है। इस समय में पारिवारिक रिश्ते और दांपत्य जीवन दोनों ही प्रभावित हो सकते हैं। ऐसे में आप अपनी वाणी और व्यवहार दोनों पर ही नियंत्रण रखें।

सोने की पोजिशन से जानें अपना व्यक्तित्व

आपने अक्सर कई लोगों को यह कहते सुना होगा कि यदि आप किसी व्यक्ति के व्यक्तित्व के बारे में जानना चाहते हैं तो उसे सोते हुए देखें। हम सभी की सोने की एक पसंदीदा पोजीशन होती है, लेकिन हममें से बहुत से लोग यह नहीं जानते कि हमारे सोने का तरीका हमारे बारे में बहुत सी बातें बता सकता है। दुनिया भर के मनोवैज्ञानिकों और विशेषज्ञों ने सोने की पोजीशन और किसी इंसान के व्यक्तित्व के बीच संबंध स्थापित करने के लिए बहुत से अध्ययन किए हैं, जिसमें उन्हें काफी रोचक अनुसंधान पता लगा है कि हमारा सोने का तरीका हमारे व्यक्तित्व के बारे में बहुत सी जानकारियां देता है। इस विषय में अधिक जानकारी दे रहे हैं भोपाल निवासी ज्योतिषी एवं वास्तु सलाहकार पंडित हितेंद्र कुमार शर्मा।

5 सोने की सामान्य पोजिशन

भ्रूण स्तिथि

यह बहुत से लोगों की सोने की सबसे लोकप्रिय पोजीशन में से एक है। ऐसा माना जाता है कि जो भी व्यक्ति इस पोजीशन में सोता है, वह अपने जीवन में आराम और सुरक्षा की तलाश कर रहा है। यह स्थिति सोने के समय दुनिया के खिलाफ पहला देने और सुरक्षित महसूस करने की आवश्यकता को दर्शाती है। यदि कोई व्यक्ति इस स्थिति में सोता है तो वह एक भोला-भाला व्यक्ति है, जो वास्तव में बहुत संवेदनशील भी हो सकता है।

पेट के बल सोना

पेट के बल सोना सबसे सामान्य स्थिति है, लेकिन पेट या मुंह के बल सोने से गर्दन की चोटों को बढ़ावा मिलता है और यह गर्भवती महिलाओं के लिए हानिकारक हो सकता है। यदि आप भी पेट के बल सोते हैं तो आप सामाजिक और बहुत ही मिलनसार व्यक्ति हैं, लेकिन काम की अधिकता से कभी-कभी आप हड़बड़ी में भी आ जाते हैं। पेट के बल सोने वाले लोगों के बारे में कहा जाता है कि इन लोगों को आलोचना पसंद नहीं होती। यह लोग अपने आप को अंदर से असुरक्षित महसूस करते हैं।

सिर हाथों में रखकर सोना

बहुत लोग इस तरह सोना पसंद करते हैं। यदि आप भी एक तरफ अपनी बाहों के साथ लेटे हैं तो आप वास्तव में एक डॉग की तरह सोते हैं, ऐसे व्यक्ति मित्रवत और भरोसेमंद माने जाते हैं। ऐसा माना जाता है कि इन लोगों का व्यक्तित्व आकर्षक होता है और ये दूसरे लोगों को जल्द ही अपनी तरफ आकर्षित कर लेते हैं।

बिल्कुल सीधे होकर सोना

ऐसे बहुत से लोग हैं जो एकदम सीधे एक सैनिक की तरह खड़े होने वाली मुद्रा में सोते हैं। यदि आप भी उन लोगों में से एक हैं तो आप एक सख्त, रिजर्व और सतर्क व्यक्ति हैं। नींद में इस तरह सोने को सैन्य रुक की तरह माना जाता है। इसका अर्थ है कि आप अपने जीवन को गंभीरता से लेते हैं और अपने जीवन को सही दिशा में जीने के लिए बहुत कुछ उम्मीद करते हैं।

तकिये को साथ लेकर सोना

पुरुषों की अपेक्षा ज्यादातर महिलाएं इस तरह से सोती हैं। तकिए को अपने गले से लगा कर सोना आपको एक खुशमिजाज व्यक्तित्व का व्यक्ति साबित करता है। ऐसे लोग अपने जीवन में रिश्तो को बहुत अधिक महत्व देते हैं और ये लोग दूसरों के प्रति मददगार भी होते हैं। ऐसे लोग जिन्हें प्यार करते हैं उनकी देखभाल भी अच्छी तरह से करना जानते हैं।

क्या होता है कल्पवास और कैसे हुई इसकी शुरुआत

सनातन धर्म में ईश्वर आराधना व उपासना के कई तरीके और नियम बताए गए है जिसमें एक तरीका कल्पवास को भी माना जाता है परमात्मा का आशीष पाने का यह बेहद प्राचीन मार्ग है जिसमें अनेक नियमों का पालन करना होता है कल्पवास एक तरह की तपस्या के समान होता है जिसमें संयम, नियम के साथ अल्पाहार, भूमि पर शयन, शुद्ध मन, वचन बेहद जरूरी माना जाता है।

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार कल्पवास करने से साधक को इच्छित फल की प्राप्ति तो होती ही है साथ ही साथ उसे जन्म जन्मांतर के बंधनों से भी मुक्ति मिल जाती है, अगर आप कल्पवास के बारे में अधिक जानकारी प्राप्त करना चाहते है तो आज का हमारा ये लेख आपको पूरा पढ़ना होगा।

कल्पवास का अर्थ और इसका आरंभ

आध्यात्मिक तौर पर कल्पवास का अर्थ होता है संगम के तट पर निवास कर वेदाध्ययन और ध्यान करना। प्रयाग, कुंभ मेले में कल्पवास करने का अधिक महत्व होता है आपको बता दें कि कल्पवास पौष मास के 11वें दिन से माघ मास के 12वें दिन तक चलता है। शास्त्रों की मानें तो कल्पवास की परंपरा बहुत प्राचीन है जब प्रयाग ऋषियों मुनियों की तपोस्थली थी और गंगा जमुना के आस पास चारों ओर केवल जंगल था उस वक्त ऋषियों ने गृहस्थों के लिए कल्पवास का विधान बनाया गया।

इस दौरान गृहस्थों को अल्पकाल के लिए शिक्षा और दीक्षा प्रदान की जाती थी। शास्त्रों में वैसे तो कल्पवास के लिए कोई आयु निधारित नहीं की गई है लेकिन सभी जिम्मेदारियों को पूरा कर चुके लोग कल्पवास कर सकते है माना जाता है कि जो लोग जिम्मेदारियों से बंधे रहते है कल्पवास में भी उनका मन घर परिवार और मोह माया से जुड़ा रहता है ऐसे में वे आत्मनियंत्रण ठीक से नहीं कर पाते है।

अहंकार एक ऐसे पेड़ की तरह है, जिस पर विनाश के फल लगते हैं। इस बुराई को जल्दी से जल्दी छोड़ देना चाहिए।

चार दिनों में 200 करोड़ क्लब में शामिल हुई पठान

डोमेस्टिक बॉक्स ऑफिस पर KGF-2 और बाहुबली-2 को छोड़ा पीछे, सबसे तेज 200 करोड़ कमाने वाली फिल्म बनी

पठान हर दिन के साथ बॉक्स ऑफिस पर एक नया रिकॉर्ड बना रही है। फिल्म ने डोमेस्टिक बॉक्स ऑफिस पर 4 दिनों में ही 200 करोड़ का पार कर लिया है। बॉक्स ऑफिस इंडिया के रिपोर्ट मुताबिक फिल्म ने शनिवार को 52 करोड़ का कलेक्शन किया है। इस हिसाब से फिल्म की कुल कमाई 217 करोड़ हो गई है।

ट्रेड एनालिस्ट तरण आदर्श के मुताबिक, पठान ने KGF 2 और बाहुबली के रिकॉर्ड को तोड़ दिया है। KGF 2 ने 200 करोड़ का आंकड़ा 5 दिन में छूआ था, जबकि बाहुबली को इस आंकड़े तक पहुंचने के लिए 6 दिन का समय लगा था। पठान ने चार दिनों में तीसरी बार 50 करोड़ से ज्यादा का कलेक्शन किया है।

पठान ने सबसे कम समय में 200 करोड़ का आंकड़ा पार किया है। डोमेस्टिक बॉक्स ऑफिस पर ऐसा करने वाली पठान पहली हिंदी फिल्म है। इससे पहले सलमान खान की सुल्तान और ऋतिक रोशन की वार ने 200 करोड़ के आंकड़े तक पहुंचने के लिए सात दिनों का समय लिया था। वहीं KGF 2 के हिंदी वर्जन को 200 करोड़ के क्लब में शामिल होने के लिए 5 दिन का समय लगा था जबकि बाहुबली 2 को 6 दिन लगे थे।

400 करोड़ का वर्ल्डवाइड कलेक्शन किया

वर्ल्डवाइड कलेक्शन की बात करें फिल्म ने चौथे दिन भी 100 करोड़ का ओवरऑल कलेक्शन किया है। इस हिसाब से फिल्म ने 4 दिनों में 400 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया है। हालांकि अभी इसका ऑफिशियल डाटा आना बाकी है।

ओपनिंग डे पर 300 स्क्रीन्स बढ़ाई गईं

ट्रेड एनालिस्ट तरण आदर्श के मुताबिक, पठान वर्ल्डवाइड 8000 स्क्रीन्स पर रिलीज हुई है। हिंदी तमिल और तेलुगु मिलाकर फिल्म 5500 स्क्रीन्स पर रिलीज हुई। वहीं विदेशों में फिल्म को 2500 स्क्रीन्स मिले हैं। शुरुआत में फिल्म 5200 स्क्रीन्स पर रिलीज हुई थी, लेकिन फिल्म के क्रेज को देखते हुए 300 स्क्रीन्स और बढ़ा दिए गए हैं। कोविड के दौरान बंद पड़े 25 सिंगल स्क्रीन्स को पठान की रिलीज के साथ ही फिर से खोल दिया गया है। शाहरुख ने खुद अपने सोशल मीडिया के जरिए इस बात की जानकारी दी।

राखी सावंत की मां का निधन

राखी सावंत की मां जया का कल यानी 28 जनवरी को निधन हो गया। वो काफी समय से मुंबई के टाटा मेमोरियल कैंसर हास्पिटल में भर्ती थीं। राखी की मां को कैंसर और ब्रेन ट्यूमर था। कल राखी और उनके करीबी दोस्तों ने जया के निधन की पुष्टि की। राखी अंतिम समय में अपने मां के साथ ही थीं। उन्हें हास्पिटल के बाहर अपनी मां की बॉडी को बाहर ले जाते देखा गया। इस दौरान वो पूरी तरह बेसुध नजर आईं।

राखी ने अपने सोशल मीडिया पर मां को याद करते हुए लिखा है, 'आज मेरी मां का हाथ मेरे सर से उठ गया, अब मेरे पास खोने को कुछ नहीं बचा।' आज राखी की मां का मुंबई में अंतिम संस्कार किया जाएगा।

राखी ने सोशल मीडिया पर बयां किया दर्द

राखी ने अपनी मां के साथ हॉस्पिटल की एक वीडियो शेयर उन्हें याद किया। राखी ने लिखा, आज मेरी मां का हाथ सर से उठ गया, अब मेरे पास खोने को कुछ नहीं है। मैं आपसे प्यार करती हूं मां, आपके बिना कुछ नहीं रहा, अब कौन मेरी पुकार सुनेगा, मुझे गले कौन लगाएगा। अब मैं क्या करूं, कहां जाऊं। आई मिस यू आई।

4 साल बाद शाहरुख का रिकॉर्डतोड़ कमबैक

आमिर का वापसी इतनी खराब कि इंडस्ट्री से ब्रेक लिया, अमिताभ, सलमान का करियर ट्रेक पर आया

बॉलीवुड के बादशाह शाहरुख खान ने फिल्म पठान से धमाकेदार वापसी की है। शाहरुख की बतौर हीरो 4 साल से कोई फिल्म नहीं आई थी। इनकी आखिरी फिल्म 2018 की जीरो थी जो बुरी तरह फ्लॉप हुई थी। जीरो के फ्लॉप होने के बाद शाहरुख ने ब्रह्मास्त्र, रॉकेट्रीः द नाम्बी इफेक्टस जैसी फिल्में जरूर कीं, लेकिन इनमें वो महज चंद मिनटों के कैमियो रोल में थे। अब शाहरुख की कमबैक फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कई बड़े रिकॉर्ड कायम कर रही है। पहले दिन फिल्म ने 110 करोड़ रुपए का वर्ल्डवाइड कलेक्शन किया है। वहीं फिल्म के हिंदी वर्जन ने भारत में 55 करोड़ रुपए की कमाई की है। इसी के साथ ये अब तक की हिंदी की सबसे बड़ा ओपनिंग कलेक्शन करने वाली फिल्म बन चुकी है। ये शाहरुख के करियर की भी सबसे बेहतरीन फिल्म साबित हो रही है। शाहरुख जैसे कई बॉलीवुड एक्टर्स ऐसे हैं जिन्होंने हिट फिल्मों से कमबैक किया, लेकिन कई ऐसे भी हैं जिनकी कमबैक फिल्में भी बुरी तरह फ्लॉप हुई हैं।

एक नजर स्टार्स की कमबैक फिल्मों के रिपोर्टकार्ड पर-

आमिर खान 2018 की फिल्म ठग्स ऑफ हिंदोस्तान की रिलीज के बाद से ही फिल्मों से दूर थे। वो 2020 में कमबैक करने वाले थे, हालांकि कोविड के चलते उनकी कमबैक फिल्म लाल सिंह चड्ढा लगातार टलती रही। आखिरकार 170 करोड़ में बनी ये फिल्म 2022 में रिलीज हो सकी। फिल्म से उम्मीदें तो थीं, लेकिन अफसोस की फिल्म बजट भी नहीं निकाल सकी। उल्टा इसे 50 करोड़ रुपए का बड़ा नुकसान उठाना पड़ा था। कमबैक फिल्म फ्लॉप होने के बाद आमिर खान ने फिल्मों से ब्रेक अनाउंस कर दिया है।

2006 की फ्लॉप फिल्म मेरे जीवन साथी के बाद से ही करिश्मा कपूर ने फिल्मों से दूरी बना ली थी। शादी के सालों बाद जब करिश्मा ने 2012 की फिल्म डेंजरस इश्क से कमबैक किया तो ये फिल्म बुरी तरह फ्लॉप हो गई। 26 करोड़ के बजट की इस फिल्म ने सिर्फ 8.6 करोड़ कमाए थे। वहीं करिश्मा की एक्टिंग का भी जमकर मजाक उड़ाया गया था। इस सुपरनेचुरल थ्रिलर फिल्म में पुनर्जन्म की कहानी दिखाई गई थी।

माधुरी दीक्षित ने 2002 की फिल्म देवदास के बाद फिल्मों से मेटरनिटी ब्रेक ले लिया था। इसके 5 साल बाद माधुरी ने आजा नचले फिल्म से कमबैक किया था। इस कमबैक का माधुरी के करियर को फायदा नहीं मिल सका। 25 करोड़ के बजट की इस फिल्म ने सिर्फ 14.3 करोड़ कमाए थे। इस फिल्म के फ्लॉप होने के बाद माधुरी ने फिर फिल्मों से ब्रेक ले लिया। बॉम्बे टॉकीज और ये जवानी है दीवानी के गानों में कैमियो करने के बाद माधुरी ने फिर 2014 की फिल्म ढेड़ इश्किया से कमबैक किया। ये फिल्म भी बॉक्स ऑफिस में कोई खास कमाल नहीं दिखा सकी। 37 करोड़ में बनी फिल्म ने सिर्फ 40 करोड़ कमाए।

2013 की होम प्रोडक्शन की फिल्म यमला पगला दीवाना 2 के बाद बॉबी देओल को फिल्में मिलना बंद हो गई थीं। 4 साल बाद उन्हें 2017 की फिल्म पोस्टर बॉय्ज में काम जरूर मिला, लेकिन ये फिल्म फ्लॉप रही। इसके बाद सलमान की मदद से बॉबी देओल को रेस 3 मिली, जिसके बाद से इन्हें लगातार काम मिलने लगा।

2018 की ब्लॉकबस्टर हिट फिल्म संजू के बाद से ही रणबीर कपूर की कोई फिल्म रिलीज नहीं हुई थी। 4 सालों के अंतराल के बाद रणबीर कपूर की फिल्म शमशेरा, 2022 में रिलीज हुई जो बॉक्स ऑफिस पर डिजास्टर साबित हुई। इसे ठीक बाद रणबीर की फिल्म ब्रह्मास्त्र रिलीज हुई जो ब्लॉकबस्टर रही थी।

1991 में कांग्रेस पार्टी से संसद बनने के बाद राजेश खन्ना ने फिल्मों से दूरी बनाई थी। कई फिल्में ऑफर जरूर हुईं, लेकिन उन्होंने सारी रिजेक्ट कर दीं। 4 सालों तक राजनीति में फोकस करने के बाद राजेश खन्ना ने 1994 की फिल्म खुदाई से एक्टिंग कमबैक किया था। फिल्म बुरी तरह फ्लॉप हो गई थी।

इन सितारों से हिट फिल्मों से की करियर में वापसी

साल 1999 में अमिताभ बच्चन की बैक-टु-बैक 4 फिल्में कोहराम, लाल बादशाह, सूर्यवंशम, हिंदोस्तान की कसम फ्लॉप हुई थीं। अमिताभ पर फ्लॉप एक्टर का ठप्पा लगा था। इसके बाद अमिताभ ने यश चोपड़ा से एक अच्छी फिल्म के लिए मदद मांगी। यश ने उनसे कहा कि बेटा आदित्य चोपड़ा एक फिल्म बना रहा है जिसमें तुम्हें काम दिया जा सकता है। वो फिल्म मोहब्बतें थी। इस फिल्म में अमिताभ ने लीड नहीं बल्कि कैरेक्टर रोल से अपने करियर की दूसरी पारी शुरू की।

साल 2008 सलमान के करियर का सबसे नुकसानदायक रहा। इस साल सलमान की 3 फिल्में हीरो, ओह गॉड तुस्सी ग्रेट हो और युवराज रिलीज हुईं, जो सारी बड़ी फ्लॉप थीं। इसके बाद सलमान ने 2009 की वॉन्टेड से जोरदार वापसी की। ये 2009 की सबसे बड़ी हिट थी, जिसने 93 करोड़ का बॉक्स ऑफिस कलेक्शन किया था।

श्रीदेवी ने 2004 की फिल्म मेरी बीवी का जवाब नहीं के बाद से ही फिल्मों से दूरी बना ली थी। इसके बाद श्रीदेवी ने 8 सालों बाद 2012 की फिल्म इंग्लिश विंग्लिश से कमबैक किया था। ये फिल्म जबरदस्त हिट साबित हुई थी। महज 10 करोड़ में बनी फिल्म ने 102 करोड़ रुपए का कलेक्शन किया था। इसके 5 साल बाद श्रीदेवी मॉम में नजर आई थीं और ये भी जबरदस्त हिट रही थी।

2001 की कभी खुशी कभी गम के बाद से ही काजोल ने फिल्मों से ब्रेक ले लिया था। इसके पूरे 5 सालों बाद काजोल ने 2006 की फिल्म फना से वापसी की थी। 30 करोड़ में बनी इस फिल्म से बजट से 73 करोड़ ज्यादा कमाए थे। फिल्म कमर्शियली हिट रही थी, वहीं ये 2006 की 6वीं सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म भी थी।

शादी के बाद पहली बार स्पॉट हुईं अथिया शेट्टी सिंदूर, मंगलसूत्र न पहनने पर हुईं ट्रोल

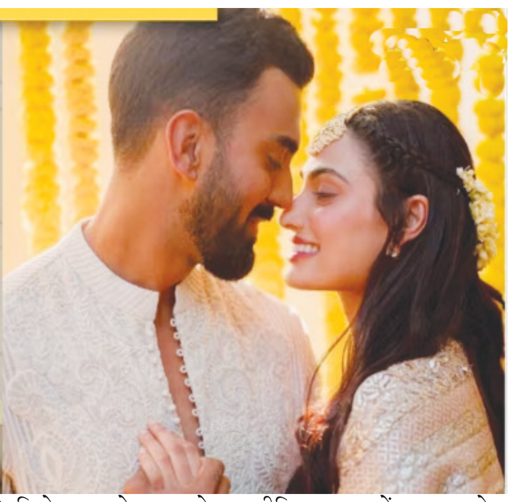

अथिया शेट्टी ने 23 जनवरी को क्रिकेटर केएल राहुल से शादी कर ली है। शादी के बाद अथिया शेट्टी को पहली बार पैपराजी ने मुंबई में स्पॉट किया। इस दौरान अथिया बेहद सिंपल लुक में नजर आईं। हालांकि सिंदूर और मंगलसूत्र न होने पर सोशल मीडिया यूजर्स उन्हें बुरी तरह ट्रोल कर रहे हैं। वहीं ट्रोलिंग का एक कारण ये भी रहा कि अथिया ने पैपराजी को पूरी तरह नजरअंदाज कर दिया।

मुंबई के एक सैलून के बार स्पॉट हुईं अथिया शेट्टी को देखते ही पैपराजी ने उन्हें रुकने को कहा। अथिया ने उनकी बात नजरअंदाज कर दी और रुकी नहीं। आगे पैपराजी ने उन्हें शादी की बधाई दी तो भी अथिया की तरफ से ठंडा रिएक्शन मिला। एक पैपराजी ने उनसे पूछा कि वो कैसी हैं, लेकिन अथिया तेजी से बिना जवाब दिए गाड़ी में जाकर बैठ गईं।

अथिया की हड़बड़ाहट और रूड बिहेव देखकर सोशल मीडिया पर उन्हें जमकर ट्रोल किया जा रहा है। एक यूजर ने कहा, एटीट्यूड देखो। क्यों पीछे पड़ते हो इनके, इग्नोर करो सीधे नीचे आ जाएगी।

दूसरे यूजर ने लिखा, कितनी रूड है, इसकी असली पहचान ही क्या है ये सिर्फ सुनील शेट्टी की बेटी है खुद कुछ नहीं है। इनके अलावा कई यूजर्स मंगलसूत्र न पहनने और सिंदूर न लगाने पर भी अथिया का मजाक उड़ा रहे हैं।

सैलून के बाहर स्पॉट हुईं अथिया ने ऑफ व्हाइट लूज स्ट्रिप शर्ट के साथ व्हाइट लूज जींस पहनी थी। खुले बालों और मिनिमम जूलरी में अथिया बेहद डीसेंट लग रही थीं।

अथिया शेट्टी ने 3 सालों तक क्रिकेटर केएल राहुल के साथ रिलेशनशिप में रहने के बाद उनसे 23 जनवरी को शादी की है। कपल की शादी सुनील शेट्टी के खंडाला रिसोर्ट में हुई थी, जहां बॉलीवुड इंडस्ट्री के कई सेलिब्रिटी पहुंचे थे।

'निधन से तीन हफ्ते पहले सुशांत मुझसे मिलना चाहता था'

अनुराग कश्यप बोले- मैंने उससे मिलने से मना कर दिया था, अब मलाल होता है

डायरेक्टर अनुराग कश्यप ने कहा है कि उन्हें इस बात का काफी मलाल है कि उन्होंने अंतिम समय पर सुशांत सिंह राजपूत से संपर्क नहीं किया, जबकि सुशांत उनसे बात करना चाहते थे। अनुराग के मुताबिक, सुशांत अपने निधन के तीन सप्ताह पहले उनसे मिलना चाहते थे।

ये बात उन्हें सुशांत के किसी करीबी आदमी से पता चली थी, लेकिन अनुराग ने उनसे बात

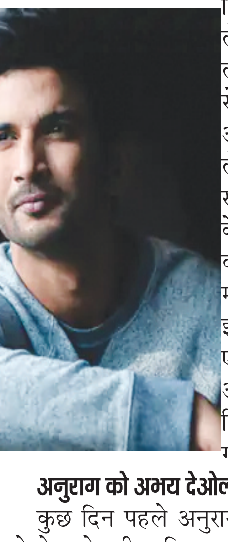

करने से मना कर दिया। अनुराग ने इसकी वजह बताते हुए कहा है कि उनके और सुशांत के बीच संबंध अच्छे नहीं थे क्योंकि सुशांत ने एक बार उनकी फिल्म में काम करने से मना कर दिया था।

सुशांत ने अनुराग की फिल्म करने से किया था मना

रिपोर्ट के मुताबिक, अनुराग कश्यप ने सुशांत से जुड़ी कुछ बातों से पर्दा उठाया है। उन्होंने कहा, 'मुझे पता चला था कि सुशांत अपने निधन के तीन हफ्ते पहले मुझसे मिलना और बात करना चाहते थे। ये बात मुझे उनके किसी करीब से पता चली थी, हालांकि मैं उनसे बात करना नहीं चाहता था मेरा और उनका पहले का एक्सपीरियंस अच्छा नहीं था। अनुराग ने 2020 में दिए एक इंटरव्यू में कहा था कि सुशांत ने यशराज फिल्म्स की शुद्ध देशी रोमांस के लिए उनकी फिल्म मुक्काबाज करने से मना कर दी थी, इसलिए उनका और सुशांत के बीच रिश्ता सही नहीं रहा।'

मुक्काबाज में सुशांत को कास्ट करना चाहते थे अनुराग

अनुराग कश्यप अपनी फिल्म मुक्काबाज में सुशांत सिंह राजपूत को कास्ट करने वाले थे। उन्हें अपनी इस फिल्म के लिए किसी यूपी टाइप दिखने वाले एक्टर को लेना था। अनुराग को लगा कि सुशांत इस रोल के लिए बेस्ट ऑप्शन हो सकते हैं लेकिन सुशांत ने उस समय यशराज फिल्म्स के साथ काम करने की वजह से अनुराग को मना कर दिया। बाद में इस फिल्म के लीड एक्टर के तौर पर गैंग्स ऑफ वासेपुर फेम विनीत कुमार को लिया गया।

अनुराग को अभय देओल के बीच हुआ विवाद

कुछ दिन पहले अनुराग कश्यप और अभय देओल के बीच विवाद की खबरें आई थीं। दरअसल 2020 में एक चैनल को दिए इंटरव्यू में अनुराग ने अभय के बारे में कहा था कि वो आर्टिस्टिक फिल्में करना चाहते थे, लेकिन वो ये भी चाहते थे कि उन्हें मेन स्ट्रीम स्टार की तरह ट्रीट किया जाए। उन्हें लग्जरी और फायदे चाहिए थे, क्योंकि वो देओल फैमिली से आते हैं।

इसी के जवाब में अभय ने अनुराग को झूठा और टॉक्सिस आदमी करार दे दिया। अभय के मुताबिक, उन्होंने कभी भी शूटिंग के सेट पर लग्जरी चीजों की डिमांड नहीं की साथ ही अपने आप को कभी देओल फैमिली से होने का रूतबा नहीं छाड़ा। अभय का कहना है कि अनुराग ने उनसे इस बात के लिए माफी मांग ली है और उन्होंने भी अनुराग को माफ कर दिया है।

ऑडिशन्स के समय मुझसे डायरेक्टर ने काम के बदले फेवर मांगा था : कौशिकी राठौड

'कृष्णा चली लंदन' फेम कौशिकी राठौड़ ने हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान अपने कास्टिंग काउच एक्सपीरियंस का खुलासा किया है। उन्होंने बताया कि शुरुआती दिनों में उन्हें कई रिजेक्शन्स झेलने पड़ते हैं। साथ ही उन्होंने ये भी बताया कि शुरुआती दिनों में उनके सामने एक प्रोड्यूसर ने एक अजीब सी डिमांड रखी थी, जिसे सुनने के बाद उनकी मेंटल स्टेट पर काफी गहरा असर पड़ा था।

ऑडिशन्स के समय मुझसे काम के बदले फेवर मांगा गया था

कौशिकी ने कहा, 'इंडस्ट्री में बहुत बदलाव आए हैं, लेकिन केवल एक चीज है जो अब तक नहीं बदली है। वोअब तक है काम के बदले में फेवर मांगना। मेरे साथ भी कुछ ऐसा ही हुआ। ये घटना तब हुई जब मैंने ऑडिशन्स देने शुरू किए थे, तो मुझे साउथ के एक प्रोजेक्ट में काम करने का मौका मिला।' हालांकि कौशिकी ने ये भी कहा कि कास्टिंग काउच की ऐसी घटना के लिए हम पूरी इंडस्ट्री को दोष नहीं दे सकते हैं।

कौशिकी ने आगे कहा, 'सारी चीजें फाइनल हो गईं, लेकिन जब मुझे कॉन्ट्रैक्ट पकड़ाया गया तो उसमें कुछ कंडीशन्स रखी गई थीं। कुछ चीजों को लेकर मुझे कॉम्प्रोमाइज करने के लिए कहा गया था। ये सब देखकर मैं शॉक्ड थी, क्योंकि मैंने तो इस तरह की चीजों के बारे में सिर्फ सुना ही था, लेकिन जब मेरे साथ ये चीज हुई तो मैं पूरी तरह हिल गई थी। फिर मैंने उस ऑफर को ठुकरा दिया, लेकिन जो बातें उन्होंने मुझसे कही थीं, उसने मेरी मेंटल स्टेट को प्रभावित किया था।

कौशिकी कहती हैं, 'इस घटना के बावजूद, मेरा मानना है कि सभी बुरे नहीं हैं। हमें बस अच्छे और बुरे के पहचान करने की जरूरत है। लोगों को यह समझना चाहिए कि इंडस्ट्री में कॉम्प्रोमाइज करना सही नहीं है। अगर आपके अंदर टैलेंट है, तो आपको काम जरूर मिलेगा। इसे आपसे कोई भी नहीं छीन सकता है।'

कौशिकी टीवी की पॉपुलर एक्ट्रेसेस में से एक हैं। उन्होंने 'कृष्णा चली लंदन', 'गुड़िया हमारा सभी पे भारी' और 'कहानी 9 महीने की' जैसे टीवी शोज में काम किया है। इसके साथ ही कौशिकी इस समय टीवी शो 'दुर्गा और चारू' में नेगेटिव लीड के तौर पर नजर आ रही हैं।'

राष्ट्रपति भवन में रखी गई पठान की स्पेशल स्क्रीनिंग

पूर्व राष्ट्रपति के प्रेस सेक्रेटरी ने दी जानकारी, सोशल मीडिया पर शेयर की स्क्रीनिंग की तस्वीरें

पठान की इन दिनों हर जगह चर्चा हो रही है। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस के सारे रिकॉर्ड्स को ध्वस्त कर दिया है। अब खबर है कि फिल्म की राष्ट्रपति भवन में स्क्रीनिंग की गई है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, राष्ट्रपति भवन के कल्चरल सेंटर में पठान की स्पेशल स्क्रीनिंग रखी गई।

पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम के प्रेस सेक्रेटरी रहे एसएम खान ने सोशल मीडिया पर फिल्म की स्क्रीनिंग के दौरान की तस्वीर शेयर कर इसकी जानकारी दी है। एसएम खान 2002 से 2007 तक प्रेसिडेंट अब्दुल कलाम के प्रेस सेक्रेटरी रहे थे।

राष्ट्रपति भवन में देखी गई पठान

एसएम खान ने सोशल मीडिया पर दो तस्वीरे शेयर की है। पहली तस्वीर में बड़े स्क्रीन पर पठान का एक सीन चल रहा है जिसमें शाहरुख और सलमान दिखाई दे रहे हैं। दूसरी तस्वीर में वो दो व्यक्तियों के साथ खड़े दिखाई दे रहे हैं।

उन्होंने इन तस्वीरों के साथ शाहरुख खान और उनकी सेक्रेटरी पूजा ददलानी को टैग भी किया है। उन्होंने लिखा, 'राष्ट्रपति भवन के कल्चरल सेंटर में पठान की स्पेशल स्क्रीनिंग के मौके पर।'

पठान हर रोज बना रही नए रिकॉर्ड्स

रिलीज के तीसरे दिन भी पठान की रिकॉर्डतोड़ कमाई जारी है। फिल्म ने डोमेस्टिक बॉक्स ऑफिस पर 4 दिनों में ही 200 करोड़ का पार कर लिया है। बॉक्स ऑफिस इंडिया के रिपोर्ट मुताबिक फिल्म ने शनिवार को 52 करोड़ का कलेक्शन किया है। इस हिसाब से फिल्म की कुल कमाई 217 करोड़ हो गई है।

ट्रेड एनालिस्ट तरण आदर्श के मुताबिक, पठान ने KGF 2 और बाहुबली के रिकॉर्ड को तोड़ दिया है। KGF 2 ने 200 करोड़ का आंकड़ा 5 दिन में छूआ था, जबकि बाहुबली को इस आंकड़े तक पहुंचने के लिए 6 दिन का समय लगा था। पठान ने चार दिनों में तीसरी बार 50 करोड़ से ज्यादा का कलेक्शन किया है।

400 करोड़ का वर्ल्डवाइड कलेक्शन पार किया

वर्ल्डवाइड कलेक्शन की बात करें फिल्म ने चौथे दिन भी 100 करोड़ का ओवरऑल कलेक्शन किया है। इस हिसाब से फिल्म ने 4 दिनों में 400 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया है। हालांकि अभी इसका ऑफिशियल डाटा आना बाकी है।

शाहरुख को बॉक्स ऑफिस नंबर्स से नहीं पड़ता फर्क

पठान के सक्सेस के बीच शाहरुख खान ने कहा है कि उन्हें फिल्म के नंबर्स से फर्क नहीं पड़ता, वो बस खुशियां गिनते हैं। इसके अलावा उन्होंने कहा है कि पठान के अच्छे प्रदर्शन से उन्हें काफी खुशी है। शाहरुख ने ये बातें 28 जनवरी की शाम में ASK SRK के सेशन के दौरान कही।

महिलाओं के लिए ट्रेंड में ओवरसाइज हैंड बैग

महिला के वॉर्डरोब हैंडबैग अहम हिस्सा रखते हैं। ऑफिस, कॉलेज, शॉपिंग हो या वैडिंग टाइम, महिलाओं के हाथ में आपको हैंडबैग, पर्स या क्लच जरूर दिखाई देता है। ऐसा कहना भी गलत नहीं होगा कि इसके बिना महिला की पर्सनैलिटी ही अधूरी है। हैंडबैग्स में भी आपको बहुत वैरायिटी मिल जाएगी। इन्हें इवेंट और सहूलियत के हिसाब से कैरी किया जाए तो बेहतर रहता है। इन दिनों कैजुअल व डेली रूटीन में ओवरसाइज बैग्स का खूब चलन है। इस तरह के बैग्स के फायदे भी बहुत हैं। अगर आप मैटरनिटी पीरियड में हैं तो इस तरह के बैग्स कैरी करना बैन ऑप्शन रहता है।

न्यू मम्मीज के लिए बैस्ट

आप एक नन्हे बच्चे की मां हैं और उसके लिए आपको कहीं आते-जाते समय काफी सामान कैरी करना पड़ता है। ऐसे में बड़े साइज के हैंडबैग ही फा य दे मं द रहते हैं। मार्कीट में क ई त र ह के मैटरनिटी बैग्स उपलब्ध हैं। आप टोट स्टाइल हैंडबैग भी ट्राई कर सकती हैं। साइज में बड़े होने के चलते नवजात के कपड़े, डायपर, दूध की बोतल जैसी बेबी की कई तरह की छोटी-छोटी चीजें इसी में आसानी से कैरी हो जाती हैं। आप मैटरनिटी बैग्स खुद से भी तैयार करवा सकती हैं, जिसमें डिफरैंट पॉकेट्स की सुविधा रखी जा सकती है।

सफर के दौरान

बी-टाऊन दीवाज की एयरपोर्ट लुक के साथ-साथ हैंडबैग्स भी फैंस की नजरों में जरूर आते हैं। इन दिनों बी-टाऊन एक्ट्रैस ओवरसाइज बैग्स कैरी किए ही नजर आ रही हैं। ट्रैवल के समय ओवरसाइज बैग्स बहुत से जरूरी सामान को कैरी करने में मददगार साबित होते हैं। मेकअप का सामान, पानी की बोतल, मोबाइल व चार्जर, ईयरफोन्स, पासपोर्ट, जरूरी कागज आदि आप इस तरह के बड़े बैग्स में आसानी से संभाल कर अपने साथ ले जा सकती हैं।

शॉपिंग या कॉलेज टाइम

शॉपिंग के समय बडा हैंडबैग कैरी करना अच्छा लगता है और खरीदारी का छोटा-मोटा सामान बैग में ही आसानी से पैक हो जाता है। फ्रैंड्स के साथ कैजुअल आऊटिंग में भी ओवरसाइज बैग्स कैरी किया जा सकत

है, जिससे आप जरूरत का सामान बैग में ही रख सकती हैं, जिसके लिए आपक अलग से बैग नहीं पकड़ना पड़ेगा। अगर आप कॉलेज गोइंग हैं तो इस तरह के बड़े बैग्स में आप बु क स साथ ले जा सकती हैं।

नई नौकरी में 'बचत' का महत्व

अगर आपने हाल ही में कमाना शुरू किया है या आपकी पहली जॉब लगी है तो अपने कमाए हुए पैसों को लेकर आपने भी कई तरह की प्लानिंग कर रखी होगी।

अब आपके पास अपना कमाई का जरिया है और आप जो चाहें वह कर सकते हैं। आपके दिमाग में बहुत सी चीजें चल रही होंगी- सैलरी कहां खर्च करनी है, क्या खरीदना है, कहां पैसे लगाने हैं, वगैरह-वगैरह। ये सब कुछ ठीक है, लेकिन यह ऐसा वक्त भी है जब आपको मनी मैनेजमैंट के बारे में भी सोचनाशुरू कर देना चाहिए।

पैसे को आप बचाते हैं तो पैसा आपको बचाता है। भले ही आपको जल्दी पैसों की जरूरत नहीं दिखाई दे रही हो, लेकिन खराब वक्त में यह आपके बहुत काम आ सकते हैं। अगर आप फाइनांशियल प्लानिंग में नौसिखिया हैं तो सबसे पहले ध्यान में रखें कि आपको अपने खर्चे, उधार और निवेश तीनों में बैलेंस बनाकर रखना है क्योंकि ये तीन आपकी जेब खाली कर सकते हैं ।

एक्सपर्ट्स भी सलाह देते हैं कि आप जितनी जल्दी हो सके, अपनी बचत शुरू कर दें। भले ही छोटी राशि हो लेकिन करें। आप जितनी जल्दी बचत करना शुरू करेंगे, आपके पास भविष्य में उतना ही बड़ा फंड होगा।

इस प्रैक्टिस को आपको रूटीन में लाना होगा। एक छोटा फंड तैयार करिए, जिसमें आप रूटीन के साथ बचत कर सकें।

सीखिए काम करने के 'स्मार्ट' तरीके

काम में एक अशिष्ट सहकर्मी को सहन करना एक कठिन काम है, खासकर जब आप एक ही टीम में हों और आपको नियमित रूप से उसके साथ बातचीत करनी पड़े। ऐसे सहकर्मियों से निपटने के लिए कई स्मार्ट तरीके हैं।

प्रतिक्रिया न दें: जब असभ्य सहकर्मियों से निपटने की। कारणों के बारे बात आती है, तो उनके कठोर व्यवहार पर प्रतिक्रिया देना आग में घी डालने जैसा है। आप ऐसे सहकर्मियों को अनदेखा कर सकते हैं। उनके अशिष्ट व्यवहार से परेशान होने की जगह के उद्देश्य का आप शांत रहें और अपना काम करें।

उनका सामना करें

मन में आक्रोश रखने की बजाय, बेहतर होगा कि आप अपने उन सहयोगियों का सामना

करें जो आपके प्रति कठोर व्यवहार दिखाते हैं। आप एक विनम्र वार्तालाप शुरू करने की पहल कर सकते हैं, जो सहयोगी द्वारा दिखाए गए असामान्य व्यवहार की गहराई में जाने का सबसे अच्छा तरीका है।

अशिष्ट व्यवहार को समझें

क्रमबद्धता और संयोजन जीवन के हर क्षेत्र में काम आते हैं। आपको बैठ कर उन में सोचना चाहिए, जिनके आधार पर उन्होंने अशिष्ट व्यवहार किया।

आप एक ऐसी घटना का विश्लेषण कर सकते हैं, जिसमें दूसरे पक्ष ने आक्रामक व्यवहार किया हो। अगर आचरण के पीछे के उद्देश्य का पता लगाने में असमर्थ हैं, तो सहयोगी से के साथ बात करें। हो सकता है सामान्य व्यवहार हो और वह व्यक्ति इस कमी को दूर करने में असमर्थ हो । यदि आप अभी भी उनके विचलित व्यवहार के कारण का पता नहीं कर पा हों तो आप कोई मदद भी ले सकते हैं।

सिर्फ 10 हजार रुपये में शुरू करें ये साइड बिजनेस, हर महीने होगी बंपर कमाई

अक्सर लोग अपना बिजनेस शुरू करने की प्लानिंग करते हैं, लेकिन कई बार फंडिंग या प्लान के चलते आइडियाज फेल हो जाते हैं। ऐसे में कुछ लोग चाहते हैं कि वह घर बैठे कम इन्वेस्टमेंट में अपना बिजनेस शुरू कर सकें। चलिए जानते हैं कुछ छोटे और पार्ट टाइम बिजनेस के बारे में जिसे आप कम बजट में आसानी से कर सकते हैं।

मिनरल वाटर सप्लायर

इस बिजनेस को आप करना चाहते हैं तो इसे 10 हजार से कम बजट में आसानी से कर सकते हैं। किसी भी सीजन में इस बिजनेस की डिमांड कम नहीं होती। इस बिजनेस को करने के लिए केवल 2 लोगों की जरुरत होती हैं। आप अपने घर के आसपास भी इस बिजनेस को आसानी से कर सकते हैं।

मोबाइल रिपेयरिंग का बिजनेस

मोबाइल रिपेयरिंग का काम भी आप आसानी से कर सकते हैं। इस बिजनेस को करने के लिए आपको मोबाइल के बारे में जानकारी होनी चाहिए। इस बिजनेस को शुरू करने के लिए आप रिपेयरिंग कोर्स कहीं से भी कर सकते हैं। इस कोर्स को आप 3 महीने में आसानी से कर सकते हैं।

बच्चों की डांस क्लास

आप अपने घर में बच्चों की डांस क्लास भी खोल सकते हैं। इस बिजनेस को खोलने में भी ज्यादा खर्च नहीं आता है। अगर आपके घर में जगह है तो आप अपने घर में ही बच्चों को डांस सिखा सकते हैं। इसको लिए आपको अलग से कमरा नही लेना होगा।

योग प्रशिक्षक

योगा ट्रेनर की मांग दिन- प्रतिदिन बढ़ती जा रही हैं। योग से आप कई तरह की बीमारी और टेंशन से छुटकारा पा सकते हैं। इसको देखते हुई खासकर बुजुर्ग लोग और महिलाएं योग करना ज्यादा पसंद करते हैं। योगा ट्रेनर बनने के लिए आपको योग के बारे में जानकारी होना चाहिए।

ब्रेकफास्ट शॉप खोलें

आपको बता दें कि इस बिजनेस में काफी ज्यादा लाभ हो सकता है। सुबह ऑफिस जाने वाले लोग जल्दबाजी में ब्रेकफास्ट नहीं कर पाते हैं। अगर आप ब्रेकफास्ट का हेल्दी स्टॉल लगाते हैं तो आपकी बिक्री काफी अच्छी होगी। तले खाने की जगह आपको हेल्दी ब्रेकफास्ट रखना चाहिए। इन बिजनेस को आप बेहद कम पैसों में आसानी से कर सकते हैं।

सरकारी नौकरी

एम्स में 114 पदों पर भर्ती

ऑल इंडिया इंस्टीच्यूट ऑफ मैडिकल साइंसेज (एम्स), जोधपुर ने सीनियर रैजिडेंट पद पर भर्ती के लिए अधिसूचना जारी की है। इच्छुक और योग्य उम्मीदवार एम्स जोधपुर की आधिकारिक वैबसाइट aiimsjodhpur.edu.in पर जाकर 03 फरवरी, 2023 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

यहां एनेस्थिसियोलॉजी और क्रिटिकल केयर, एनाटॉमी, बायोकैमिस्ट्री, डैंटिस्ट्री, फॉरेंसिक मैडिसिन एंड टॉक्सिकोलॉजी, जनरल मैडिसिन, जनरल सर्जरी, हॉस्पिटल एडमिनिस्ट्रेशन, माइक्रोबायोलॉजी समेत कई विभागों में कुल 114 पद भरे जाएंगे।

आवेदन के लिए योग्यता

मान्यता प्राप्त यूनिवर्सिटी से संबंधित क्षेत्र में पोस्टग्रैजुएशन मैडिकल डिग्री MD/DNB होनी चाहिए। आयु सीमा : योग्य आवेदकों की उम्र 45 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए। शैक्षणिक योग्यता और आयुसीमा की अधिक जानकारी के लिए अधिसूचना ध्यान से पढ़ें।

चयन प्रक्रिया : चयन प्रक्रिया में एम.सी. क्यू. आधारित लिखित परीक्षा और साक्षात्कार शामिल हैं। उम्मीदवारों को साक्षात्कार के लिए 1:6 के अनुपात में बुलाया जाएगा, यानी एक पद के लिए केवल 6 उम्मीदवारों को साक्षात्कार के लिए बुलाया जाएगा। लिखित परीक्षा का 40 प्रतिशत वेटेज, एकैडमिक रिकॉर्ड्स और इंटरव्यू का 3030 प्रतिशत वेटेज होगा।

आवेदन शुल्क : सामान्य/ ओ.बी.सी./ ई.डब्ल्यू.एस. श्रेणी के लिए आवेदन शुल्क 1000 रुपए + लेनदेन शुल्क लागू है। अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति वर्ग के लिए आवेदन शुल्क 800 रुपए + लेनदेन शुल्क है। बैंचमार्क दिव्यांग व्यक्तियों को शुल्क के भुगतान से छूट दी गई है।

महिलाएं घर से ही कर सकती हैं ये 3 बिजनेस

आज का आर्टिकल महिला माइक्रोएंटरप्रेन्योर को समर्पित है, खास-तौर पर उन गृहणियों को जो घर के सारे काम निपटाने के बाद (जो अपने आप में फुल-टाईम काम है), अपने परिवार को आर्थिक रूप से सपोर्ट करने के लिए कुछ काम करना चाहती हैं। भारत में 6 करोड़ सूक्ष्म उद्यम हैं जो लगभग 11 करोड़ लोगों को रोजगार देते हैं और देश के सकल घरेलू उत्पाद में लगभग 29.7% योगदान करते हैं। भारत की लगभग 80% आबादी अनौपचारिक अर्थव्यवस्था का हिस्सा है। इसे लैंगिक दृष्टिकोण से देखने पर, रोजगार बल में 81% महिलाएं अनौपचारिक अर्थव्यवस्था (ILO, 2018) का हिस्सा हैं और लगभग 20% सूक्ष्म उद्यम महिलाओं के स्वामित्व में हैं।

महिलाओं के लिए अच्छे अवसर

आज मैं अपने अनुभव और रिसर्च के आधार पर कुछ व्यवसायों को सुझाने की कोशिश करूंगा जिसमें पहले ही गृहणियों ने सफलता हासिल की है, और जिन्हें जानकार अन्य ऐसी गृहणियों को आइडियाज मिल सकते हैं जो घर से अपना व्यवसाय शुरू करना चाहती हैं।

*** यू-ट्यूब ब्लॉगर**

भारत में मध्यमवर्ग में अधिकतर बेटियों की शिक्षा-दीक्षा और ग्रूमिंग एक अच्छी हाउसवाइफ बनने के लिए की जाती है, जैसे उन्हें अच्छा खाना बनाना सिखाया जाता हैं, घर के

अन्य कामों में पारंगत बनाया जाता हैं, इसके अलावा उपयोगी आर्ट फॉर्म्स जैसे सिलाई (स्टिचिंग), कढ़ाई (एम्ब्रॉयडरी), बुनाई (निटिंग) इत्यादि में एक्सपर्ट बनाया जाता है। जिनमें से कई वास्तव में मूलयवान स्किल्स हैं, कई लोग इन्हें सीखना चाहते हैं। तो यदि आप इन स्किल्स जैसे कुकिंग, स्टिचिंग, निटिंग इत्यादि में तो आप इन्हें सीखाने के वीडियोज रेकॉर्ड कर के उन्हें यू-ट्यूब पर लांच कर सकती है। कई सक्सेसफुल यू-ट्यूब ब्लॉगर्स हुई हैं जैसे कुकिंग में निशा मधुलिका, हाउसकीपिंग में मेरी कोंडो इत्यादि। इसमें नाम धीरे-धीरे बनता है, और कमाई भी एकदम नहीं होती। तो धैर्य रखना जरूरी है।

*** फूड सर्विस बिजनेस**

यह स्किल भारत में लगभग सभी गृहिणियों को आती भी है, और इस क्षेत्र में घर से कार्य करना सामाजिक रूप से भी स्वीकार्य है। इस क्षेत्र में कई कार्य किए जा सकते हैं जैसे टिफिन सर्विस, बेकिंग (जैसे केक, कुकीज) के ऑर्डर्स लेना, आर्डर बेस्ड फ़ूड डिलीवरी, अदरक-लहसुन के बने बनाए पेस्ट की बिक्री, छिली और कटी सब्जियों की बिक्री, इडली, डोसा इत्यादि के रेडीमेड मिश्रण इत्यादि सैकड़ों चीजों के बारे में सोचा जा सकता है। आप अपने लोकल लेवल पर रिसर्च कर देखें कि किस चीज की मांग हैं या कौनसी चीज की मांग बनाई जा सकती है। लोगों को डेली आने वाली समस्याओं को देखिए, उनके समाधान में ही एक सफल बिजनेस आइडिया छुपा होता है। जैसे मेरी एक कजिन ने यह पाया कि दिवाली पर अब अधिक लोग घर पर व्यंजन बनाने की बजाय बाहर से खरीदना पसंद करते हैं। लेकिन दीवाली पर बनाए जाने वाले कुछ स्पेशल व्यंजन जैसे गुजिया, अनारसा, शकरपारे, चकली इत्यादि या तो मार्केट में बनते ही नहीं है या फिर उनकी क्वालिटी घर जैसे नहीं होती। तो वह साल भर में केवल दिवाली के पहले एक महीने के लिए ही घर पर आर्डर लेती है और अपना स्वयं के साल भर के खर्च करने लायक पैसे कमा लेती है।

*** कपड़ों का केयर सेंटर**

यह जोरदार आइडिया है, जिस पर शायद अभी तक कम ही लोगों ने काम किया होगा। आप सिलाई, तुरपाई, कढ़ाई और कपड़ों की लांड्री, वाशिंग, ड्राइक्लीनिंग के बिजनेस को एक कर दीजिए। कपड़ों की देख-रेख और साज संभाल का 'वन स्टॉप सोल्यूशन दीजिए'। जब हम कपडे पहनते हैं तो कभी कपड़े कहीं से उधड़, फट जाते हैं, गंदे तो होते ही है, तो आप इन सबसे निपटने का सोल्यूशन प्रदान कर सकती हैं। आप घर में एक वाशिंग मशीन और एक सिलाई मशीन से शुरू कर सकती हैं।

सोने ने 15 साल में शेयर बाजार से 179% और एफडी से 164% ज्यादा रिटर्न

15 साल में सोने ने दिया 952% का रिटर्न

नई दिल्ली, 29 जनवरी (एजेंसियां)। सोने की कीमतें आसमान छू रही हैं। 15 साल में सोने ने 366% का रिटर्न दिया, जो शेयर बाजार से 179% व एफडी से 164% तक ज्यादा है। 2020-21 में कोरोना से दुनियाभर की अर्थव्यवस्थाएं बुरी तरह प्रभावित हुईं। लंबे लॉकडाउन लगे। औद्योगिक उत्पादन थमा। इस दौरान सोने में निवेश बढ़ा। 2022 में बाजार खुले। डिमांड बढ़ी। महंगाई चढ़ी। सरकारों ने सख्त कदम उठाए। बाजार गिरे तो निवेशकों ने फिर सोने में निवेश बढ़ा दिया। बाजार विशेषज्ञ मानते हैं कि 2023 में भी सोना 10% से ज्यादा रिटर्न देगा। इसके भाव 63 हजार रुपए प्रति दस ग्राम तक जा सकते हैं। आने वाले दिनों में शादियों के सीजन की खरीदारी जोर पकड़ेगी, उसका भी असर पड़ेगा। साल क आखिर तक 62 हजार तक जा सकता है सोना ब्रोकर फर्म आईसीआईसीआई डायरेक्ट ने अपने अध्ययन में अनुमान जताया कि इस साल सोना 62 हजार रु./10 ग्राम व चांदी 80 हजार रु. प्रति किलो तक पहुंच सकती है। क्वांटम असेट मैनेजमेंट के चीफ इंवेस्टमेंट ऑफिसर (सीआईओ) चिराग मेहता कहते हैं, बढ़ती महंगाई दुनियाभर के लिए एक चुनौती है। इसे नियंत्रित करने के लिए दुनियाभर के केंद्रीय बैंकों ने ब्याज दरों में काफी इजाफा कर दिया है। इससे शेयर बाजार और बॉन्ड दोनों में निवेश करने वालों को खास मुनाफा होने की उम्मीद नहीं है। निवेशक रिटर्न के लिए सोने पर ही ज्यादा भरोसा करते दिख रहे हैं। कमोडिटी विशेषज्ञ अनिल कुमार भंसाली कहते हैं, मौजूदा दौर को छोड़ भी दें तो भी सोना लंबे समय से शेयर बाजार समेत सभी दूसरी असेट क्लास से ज्यादा रिटर्न दे रहा है। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलरी एसोसिएशन के सचिव सुरेंद्र मेहता सोना विदेशों से डॉलर में आयात होता है। इसलिए डॉलर की मजबूती से भारतीय बाजारों में भाव दोगुने हो गए।

एसबीआई होम लोन: क्रेडिट स्कोर है शानदार तो एसबीआई देगा सस्ते में होम लोन

31 मार्च 2023 तक उठा सकते हैं ऑफर का लाभ

नई दिल्ली, 29 जनवरी (एजेंसियां)। अगर आप महंगे होम लोन के इस दौर से सस्ते होम लोन देने वाले बैंक की जानकारी तलाश रहे हैं तो आपके लिए खुशखबरी है।देश के सबसे बड़े सरकारी बैंक भारतीय स्टेट बैंक आपके लिए सस्ते होम लोन का ऑफर लेकर आया है जिसमें आपको होम लोन रेट्स पर 30 से 40 बेसिस प्वाइंट्स का डिस्काउंट मिल रहा है। हालांकि ये डिस्काउंट आपके क्रेडिट स्कोर के हिसाब से मिलेगा। एसबीआई के इस सस्ते होम लोन रेट्स की सुविधा का फायदा 31 मार्च 2023 तक आप उठा सकते हैं।एसबीआई ने इस सस्ते होम ऑफर को कैंपेन रेट्स ऑफर का नाम दिया है। एसबीआई अपने रेग्युलेर होम लोन के रेट्स पर 30 से 40 बेसिस प्वाइंट्स का डिस्काउंट दे रहा है।और सस्ते होम लोन का लाभ आप तभी उठा सकते हैं जब आपका सिबिल क्रेडिट स्कोर 700 से ज्यादा होगा।उदाहरण के लिए अगर आपका क्रेडिट स्कोर 800 प्वाइंट से ज्यादा है तो मौजूदा समय में एसबीआई 8.90 फीसदी पर होम लोन दे रहा तो अब 30 बेसिस प्वाइंट का डिस्काउंट मिलेगा।यानि अब 8.60 फीसदी ब्याज दर पर होम लोन मिलेगा।अगर किसी का क्रेडिट स्कोर 750 से 799 के बीच है तो अभी 9 फीसदी के दर पर होम लोन मिल रहा है लेकिन अब 40 बेसिस प्वाइंट के डिस्काउंट के बाद 8.60 फीसदी पर होम लोन मिलेगा।और अगर क्रेडिट स्कोर से 700 से 749 के बीच है तो अब तक 9.10 फीसदी पर होम लोन मिल रहा था जो अब 8.70 फीसदी पर मिलेगा यानि 40 बेसिस प्वाइंट का डिस्काउंट।महिलाओं को होम लोन पर 5 बेसिस प्वाइंट का अतिरिक्त डिस्काउंट मिलेगा।

शेयर बाजार की दिशा-दशा तय करेगा

नई दिल्ली, 29 जनवरी (एजेंसियां)। बीते हफ्ते में भारी उतार-चढ़ाव देखने के बाद ये हफ्ता भारतीय शेयर बाजार के लिए बेहद महत्वपूर्ण रहने वाला है। इस हफ्ते 31 जनवरी 2023 से संसद के बजट सत्र की शुरुआत होने जा रही है। एक फरवरी को मोदी सरकार अपने दूसरे कार्यकाल का आखिरी पूर्ण बजट पेश करेगी जो शेयर बाजार की दिशा दशा तय करेगा। इस बात पर बाजार की चाल निर्भर करेगी जिन उसे मोदी सरकार का बजट रास आता है या नहीं। जनवरी महीने में निदेशी निवेशकों को बिकवाली की है। जनवरी में कैश मार्केट सेलिंग 41600 करोड़ रुपयेके पार जा पहुंचा है। 31 जनवरी को अडानी इंटरप्राइजेज का एफपीओ क्लोज होगा। बीते हफ्ते हिंडनबर्ग के रिपोर्ट के चलते अडानी इंटरप्राइजेज का शेयर प्राइस एफपीओ के प्राइस बैंड से नीचे जा फिसला है। अगर 20,000 करोड़ रुपये का एफपीओ सब्सक्राइब होता है या नहीं इसपर बाजार का सेंटीमेंट तय होगा।

नीदरलैंड बना भारत का तीसरा सबसे बड़ा निर्यात गंतव्य

नई दिल्ली, 29 जनवरी (एजेंसियां)। पेट्रोलियम उत्पादों, इलेक्ट्रॉनिक सामान, रसायन और एल्युमीनियम सामान की वजह से चालू वित्त वर्ष के पहले नौ माह (अप्रैल-दिसंबर) में नीदरलैंड, भारत का तीसरा सबसे बड़ा निर्यात गंतव्य बनकर उभरा है। भारत का सबसे बड़ा निर्यात गंतव्य अमेरिका है। वहीं संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) दूसरे नंबर पर आता है। नीदरलैंड के साथ भारत का व्यापार अधिशेष भी 2017 के 1.5 अरब डॉलर से बढ़कर 2022 में 12.3 अरब डॉलर हो गया है। वाणिज्य मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, नीदरलैंड ने भारत के निर्यात बाजार के रूप में ब्रिटेन, हांगकांग, बांग्लादेश और जर्मनी को पीछे छोड़ दिया है। अप्रैल-दिसंबर, 2022 के दौरान नीदरलैंड को भारत का निर्यात लगभग 69 प्रतिशत बढ़कर 13.67 अरब डॉलर पर पहुंच गया, जबकि पिछले वर्ष की समान अवधि में यह आंकड़ा 8.10 अरब डॉलर रहा था। वित्त वर्ष 2021-22 और 2020-21 में इस यूरोपीय देश को भारत का निर्यात क्रमशः 12.55 अरब डॉलर और 6.5 अरब डॉलर रहा था। नीदरलैंड को भारत का निर्यात 2000-01 से लगातार बढ़ रहा है। उस समय नीदरलैंड को निर्यात 88 करोड़ डॉलर रहा था। नीदरलैंड 2020-21 में भारत का नौवां सबसे बड़ा निर्यात गंतव्य था।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति			लग्नारम्भ समय		
सूर्य-	मकर	में	मकर-	05-51	बजे
चंद्र-	वृष	में	कुंभ -	07-41	बजे
मंगल	वृष	में	मीन...	09-20	बजे
बुध-	धनु	में	मेष--	10-55	बजे
गुरु-	मीन	में	वृष--	12-40	बजे
शुक्र-	कुंभ	में	मिथुन..	14-42	बजे
शनि-	कुंभ	में	कर्क...	16-53	बजे
राहु-	मेष	में	सिंह...	19-05	बजे
केतु-	तुला	में	कन्या..	20-12	बजे
			तुला	23-17	बजे
			वृश्चिक.	01-28	बजे
			धनु.....	03-45	बजे

विक्रम श्री नल नाम संवत्- **2079**
शक संवत् **-1944,** कलियुग अवधि-**432000**
भोग्य कलि वर्ष-**426878**
कलियुग संवत् **-5123** वर्ष सूर्य-उत्तरायणे
कल्पारंभ संवत् **-1972949123**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885123**
महावीर निर्वाण संवत् **-2549,**हिजरी सन् **-1443**
ऋतु-शिशिरदिशाशूल- पूर्व - कांच मे मुंह देखकर घर से निकले
तिथि- नवमी- **10 -11** तक उपरान्त दशमी
मास - माघ शुक्ल पक्ष , सोमवार **Jan 30**
नक्षत्र -कृत्तिका- **22 -15** तक उपरान्त रोहिणी
योग - शुक्ल - **10 - 47** - तक उप ब्रह्म
करण- कौलव - **10 - 11** - तक उप- तैतिल
विशेष:-
व्रत -त्योहार - शनि अस्त रात मे

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 08:15 से 09:40 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत.	06:52 - 08:15	शुभ	चंचल.	18:06 - 19:44	शुभ
काल.	08:15 - 09:40	अशुभ	रोग.	19:44 - 21:19	अशुभ
शुभ.	09:40 - 11:05	शुभ	काल.	21:19 - 22:54	अशुभ
रोग	11:05 - 12:29	अशुभ	लाभ.	22:54 - 00:29	शुभ
उत्पात	12:29 - 13:54	अशुभ	उत्पात	00:29 - 02:04	अशुभ
चंचल	13:54 - 15:19	शुभ	शुभ	02:04 - 03:39	शुभ
लाभ	15:19 - 16:44	शुभ	अमृत	03:39 - 05:15	शुभ
अमृत	16:44 - 18:06	शुभ	चंचल	05:15 - 06:52	शुभ

बदल रहा है भारत! तेल खरीदने वाला देश अब प्लेन का फ्यूल कर रहा एक्सपोर्ट, इस कंपनी ने किया कमाल

नई दिल्ली, 29 जनवरी (एजेंसियां)। विदेशों से कच्चा तेल खरीदने वाला भारत अब प्लेन का फ्यूल एक्सपोर्ट कर रहा है। ऑयल मार्केटिंग कंपनी इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन ने विमान ईंधन गैसोलीन का निर्यात शुरू कर दिया है। यह मानव रहित विमानों और छोटे विमानों को ऊर्जा देने के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला ईंधन है। कंपनी ने एक बयान में कहा कि जवाहरलाल नेहरू पोर्ट ट्रस्ट से विमान गैस की 80 बैरल की पहली खेप पापुआ न्यू गिनी के लिए भेजी गई थी। भारत अब इस ईंधन के लिए अनुमानित 2.7 अरब डॉलर के वैश्विक बाजार में प्रवेश कर रहा है। इसे पहली बार आईओसी की वड़ोदरा रिफाइनरी में उत्पादित किया गया।बयान में कहा गया है कि यह ईंधन मानव रहित विमानों और उड़ान प्रशिक्षण केंद्र द्वारा उपयोग किए जाने वाले पिस्टन-इंजन विमानों को ऊर्जा देता है। यह एक उच्च-ऑक्टेन विमान ईंधन है, जो बेहतर परफॉर्मेंस और गुणवत्ता मानकों के साथ उत्पाद विनिर्देशों को पूरा करता है। साथ ही यह आयातित ग्रेड की तुलना में सस्ता पड़ता है।कंपनी के बयान में आईओसी के चेयरमैन एसएम वैद्य के हवाले से कहा गया है, 'इस विमान गैस का नाम एवी गैस 100 एलएल है और देश में इसके उत्पादन से न केवल विदेशी मुद्रा बचाने में मदद मिलेगी। साथ ही ये नए पायलट्स के लिए घरेलू उड़ान संस्थानों में प्रशिक्षण को किफायती भी बनाएगा।' उन्होंने कहा कि दक्षिण अमेरिका, एशिया प्रशांत, पश्चिम एशिया, अफ्रीका और यूरोप में इस ईंधन की भारी मांग है।

गौतम अडानी: कभी डकैतों ने किया था अगवा

फिर 26/11 हमले में बचे...और अब एक रिपोर्ट ने लगा दी 20 अरब डॉलर की चपत

नई दिल्ली, 29 जनवरी (एजेंसियां)। अडानी समूह के मुखिया गौतम अडानी को डकैतों ने 1998 में फिरौती के लिए अगवा कर लिया था और इसके करीब 11 साल बाद जब आतंकवादियों ने मुंबई पर हमला किया तो वह ताज होटल में बंधक बनाए गए लोगों में शामिल थे। कॉलेज की पढ़ाई बीच में छोड़ने वाले गौतम अडानी को संकटों से बचे रहने की आदत और व्यापार कौशल ने भारत के सबसे अमीर लोगों की श्रेणी में ला दिया, लेकिन अब उनके सामने शायद कारोबारी जीवन की सबसे बड़ी चुनौती है। न्यूयॉर्क की एक छोटी फर्म हिंडनबर्ग रिसर्च, जो शॉर्ट सेलिंग में माहिर है, की एक रिपोर्ट के कारण अडानी समूह का बाजार मूल्यांकन केवल दो कारोबारी सत्रों में 50 अरब डॉलर से अधिक घट गया। इसके साथ ही अडानी को 20 अरब डॉलर का नुकसान हुआ। ये उनकी कुल दौलत का पांचवां हिस्सा है। इसके साथ ही गौतम अडानी दुनिया के तीसरे सबसे धनी व्यक्ति से सातवें स्थान पर आ गए हैं। अडानी समूह इस समय 20,000 करोड़ रुपये का अनुवर्ती सार्वजनिक निर्गम (एफपीओ) भी लाया है। अडानी एंटरप्राइजेज लिमिटेड के लिए आए इस एफपीओ को पहले दिन सिर्फ एक प्रतिशत अभिदान मिला। गुजरात के अहमदाबाद में एक जैन परिवार में जन्मे अडानी कॉलेज की पढ़ाई बीच में छोड़कर मुंबई चले गए और कुछ समय के लिए हीरा कारोबार क्षेत्र में काम किया। वह 1981 में अपने बड़े भाई महासुखभाई की एक छोटे स्तर की पीवीसी फिल्म फैक्टरी चलाने में मदद करने के लिए गुजरात लौट आए। उन्होंने 1988 में अडानी एक्सपोर्ट्स के तहत एक जिंस व्यापार उद्यम स्थापित किया और इसे 1994 में शेयर बाजारों में सूचीबद्ध किया। इस फर्म को अब अडानी एंटरप्राइजेज कहा जाता है। जिंस कारोबार शुरू करने के करीब एक दशक बाद उन्होंने गुजरात तट पर मुंद्रा में एक बंदरगाह का संचालन शुरू किया। उन्होंने भारत के सबसे बड़े निजी बंदरगाह परिचालक के रूप में जगह बनाई। इसके बाद उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा और बिजली उत्पादन, खनन, खाद्य तेल, गैस वितरण और नवीकरणीय ऊर्जा में अपने व्यापारिक साम्राज्य का विस्तार किया। अडानी के व्यापारिक हितों का विस्तार हवाई अड्डों, सीमेंट और हाल ही में मीडिया में हुआ।

गूगल में बड़े पदों पर काम करने वाले कर्मचारियों सहित सुंदर पिचाई की सैलरी में होगी कटौती

नई दिल्ली, 29 जनवरी (एजेंसियां)। दुनिया की सबसे बड़ी इंटरनेट सर्च इंजन कंपनी गूगल से जुड़ी बड़ी खबर सामने आ रही है।गूगल पहले ही अपने ऑफिस से लगभग 12 हजार कर्मचारियों को नौकरी से बाहर निकलने का फैसला कर चुका है।साथ ही अब गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई ने एक बड़ा एलान कर दिया है।जिसके बाद से गूगल में काम करने वाले कर्मचारियों में हड़कंप मच गया है।जानिए सुंदर पिचाई ने क्या कहा है..दुनियाभर में आर्थिक मंदी को लेकर कई टेक कंपनियों में हालत ख़राब चल रहे है।कई कंपनियों ने अपने कंपनी खर्चे को कम करने के लिए कर्मचारियों को नौकरी तक से निकालना ही एक मात्र रास्ता चुना है।गूगल में अभी 12 हज़ार लोगों की छंटनी चल रही है।वही दूसरी ओर, गूगल अपने कर्मचारियों की सैलरी के बड़े हिस्से में कटौती करने जा रहा है।हाल ही में गूगल के कर्मचारियों के साथ हुई टाउन हॉल मीटिंग में पिचाई ने ऐलान करते हुए कहा, सीनियर वाइस प्रेडिसेंट के स्तर के ऊपर पदों पर मौजूद सभी कर्मचारियों की सैलरी में बड़ी कटौती की जाएगी.सुन्दर पिचाई ने टाउन हॉल में आयोजित मीटिंग के दौरान कहा कि सीनियर वाइस प्रेजिडेंट से ऊपर के सभी कर्मचारियों के सालाना बोनस में बड़ी कटौती की जाएगी। सीनियर लेवल पर कर्मचारियों के लिए, कंपनसेशन को कंपनी की परफॉर्मेंस से जोड़कर तय किया जाएगा।उनकी बातचीत से साफ संकेत मिल रहे है कि, वे अपनी सैलरी में कटौती करेंगे।हालांकि पिचाई ने सैलरी के कटौती वाले प्रतिशत के बारे में नहीं बताया है।जिसकी वे कटौती करेंगे और कितने लंबे समय तक वे कम सैलरी कंपनी से लेंगे.आईआईएफएल हुरून इंडिया रिच लिस्ट 2022 के अनुसार, गूगल ने पिचाई की सैलरी 2 मिलियन डॉलर बताई गई थी।गूगल के सीईओ की नेट वर्थ 20 फीसदी गिरकर 5,300 करोड़ रुपये पर पहुंच गई है।

गूगल का कहना है कि, वे अभी भी लिस्ट में सबसे ज्यादा अमीर प्रोफेशनल मैनेजर्स की सूची में शामिल हैं।गूगल कंपनी मुश्किल समय का सामना कर रही है।

नितिन गडकरी के मंत्रालय से जुड़ी आई बड़ी जानकारी

सबसे ज्यादा सड़क परिवहन की परियोजनाओं में देरी

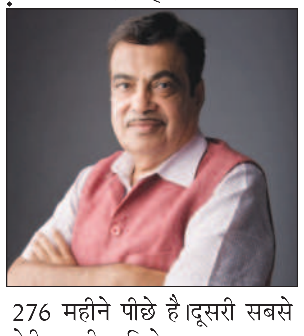

नई दिल्ली, 29 जनवरी (एजेंसियां)। सरकार की एक रिपोर्ट से जानकारी सामने आई है कि सड़क परिवहन और राजमार्ग क्षेत्र में सबसे अधिक 428 परियोजनाएं लंबित हैं।इसके बाद रेलवे की 117 और पेट्रोलियम क्षेत्र में 88 परियोजनाएं देरी से चल रही हैं।बुनियादी ढांचा क्षेत्र की परियोजनाओं पर दिसंबर 2022 की रिपोर्ट के अनुसार, सड़क परिवहन और राजमार्ग क्षेत्र में 724 में से 428 परियोजनाओं में देरी हो रही है।रेलवे की 173 में से 117 परियोजनाएं अपने समय से पीछे चल रही हैं।वहीं पेट्रोलियम क्षेत्र की 158 में से 88 परियोजनाएं अपने निर्धारित समय से पीछे चल रही हैं।अवसंरचना एवं परियोजना निगरानी प्रभाग (आईपीएमडी) 150 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली केंद्रीय क्षेत्र की परियोजनाओं की निगरानी करता है। आईपीएमडी, सांख्यिकी और कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय के अंतर्गत आता है। रिपोर्ट से पता चलता है कि मुनीराबाद-महबूबनगर रेल परियोजना सबसे अधिक देरी वाली परियोजना हैं।यह अपने निर्धारित समय से 276 महीने पीछे है।दूसरी सबसे देरी वाली परियोजना उधमपुर-श्रीनगर-बारापूला रेल परियोजना है।इसमें 247 माह का विलंब है।इसके अलावा बेलापुर-सीवुड शहरी विद्युतीकरण दोहरी लाइन परियोजना अपने निर्धारित समय से 228 महीने पीछे है।दिसंबर, 2022 की रिपोर्ट में 150 करोड़ रुपये या इससे अधिक की लागत वाली 1,438 केंद्रीय क्षेत्र की परियोजनाओं का ब्योरा है।रिपोर्ट के अनुसार, 835 परियोजनाएं अपने मूल समय से पीछे हैं।वहीं 174 परियोजनाएं ऐसी हैं जिनमें पिछले माह की तुलना में विलंब की अवधि और बढ़ी है।इन 174 परियोजनाओं में से 47 विशाल यानी 1,000 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाएं हैं। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग क्षेत्र के बारे में रिपोर्ट में कहा गया है कि 724 परियोजनाओं के क्रियान्वयन की मूल लागत 3,82,180.34 करोड़ रुपये थी, जिसके अब बढ़कर 4,02,958.36 करोड़ रुपये होने का अनुमान है।इस तरह इन परियोजनाओं की लागत 5.4 प्रतिशत बढ़ने का अनुमान है। दिसंबर, 2022 तक इन परियोजनाओं पर 2,35,925.26 करोड़ रुपये खर्च हुए हैं, जो मूल लागत का 58.5 प्रतिशत है। इसी तरह रेलवे क्षेत्र में 173 परियोजनाओं के क्रियान्वयन की मूल लागत 3,72,761.45 करोड़ रुपये थी, जिसे बाद में संशोधित कर 6,25,491.15 करोड़ रुपये कर दिया गया।इस तरह इनकी लागत में 67.8 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।इन परियोजनाओं पर दिसंबर, 2022 तक 3,65,079.88 करोड़ रुपये या परियोजनाओं की अनुमानित लागत का 58.4 प्रतिशत खर्च किया जा चुका है।पेट्रोलियम क्षेत्र की 158 परियोजनाओं के क्रियान्वयन की मूल लागत 3,82,097.19 करोड़ रुपये थी, लेकिन बाद में इसे बढ़ाकर 4,02,446.01 करोड़ रुपये कर दिया गया।

बजट से पहले पहले महंगाई का झटका, इन चीजों की कीमतों में बढ़ोतरी, बिगड़ा खाने का स्वाद

नई दिल्ली, 29 जनवरी (एजेंसियां)। आम बजट आने से पहले किचन का बजट बिगड़ गया है। इसकी वजह से गरीब और मध्यवर्गीय लोगों पर दाल-रोटी की आफत आ पड़ी है। स्थिति यह है कि बीते तीन महीने में आटा और दाल के रेट में 30 रुपये की बढ़ोतरी हुई है। लिहाजा, अब लोग राशन की खरीदारी में कटौती करने लगे हैं। बाजारों में गेहूं की कमी के चलते आटे के दाम में हो रही बेतहाशा बढ़ोतरी हो गई है। होम स्टोर के संचालक संजय गुप्ता ने बताया कि अभी 10 किलो के आटे का पैकेट 410 रुपये का है। जबकि दिसंबर में यह 400, नवंबर में 380 और उससे पहले 370 रुपये का था। यहीं हाल दाल का है। वर्तमान में एक अरहर की दाल 120 रुपये किलो बिक रही है, जबकि दिसंबर में यह 100 रुपये और नवंबर में 90 रुपये किलो के दाम से बिक रही थी। इसके अलावा उड़द की दाल के दाम में भी काफी बढ़ोतरी हुई है। हालांकि, तेल के रेट में कमी आई है। संजय के मुताबिक, एक लीटर सरसों के तेल का दाम 145 रुपये है, जबकि दिसंबर में यह 160 रुपयेलीटर के हिसाब से बिक रहा था। वहीं, यूपी में आटे के बड़े कारोबारी अमित अग्रवाल ने बताया कि आटे के साथ ही मैदा के दाम में भी काफी बढ़ोतरी हुई है। इससे ग्राहक सामनों की खरीदारी में अब कटौती करने लगे हैं। आटा कारोबारी राजीव गोयल ने बताया कि बीते कुछ महीनों से आटे के दाम तेजी से बढ़ रहे थे। इसका मुख्य कारण बाजारों में गेहूं की कमी थी, लेकिन केंद्र सरकार की ओर से 30 लाख मीट्रिक टन गेहूं खुले बाजारों में देने का ऐलान किया गया है। जिससे आम लोगों को महंगाई से राहत मिलेगी। थोक बिक्री में इसकी शुरुआत हो गई है। कुछ दिनों में खुदरा मार्केट में भी इसका असर देखने को मिलेगा। उत्तम नगर की लवनप्रीत शर्मा ने कहा कि बढ़ती महंगाई के चलते अब हालत खराब हो रही है। बीते कुछ महीने से आटे और दाल के रेट आसमान को छू रहे हैं, जिसकी वजह से अब किचन का बजट बिगड़ रहा है। सरकार से गुजारिश है कि बढ़ती महंगाई को रोकें। वहीं न्यू राजेंद्र नगर की अंजना खंडेलवान ने कहा कि दिन प्रतिदिन रोटी महंगी होती जा रही है। आम लोगों की आर्थिक स्थिति पर काफी असर हो रहा है।

आपका राशिफल

मेष — धू धे धो ला ली लू ले लो ञा
आज का दिन अपने जीवन की वर्तमान स्थिति का मूल्यांकन करने और अपनी योजनाओं को प्राथमिकता के आधार पर बांटने के लिए बिलकुल उपयुक्त है । अगर आप पिछले कुछ समय से आलसी महसूस कर रहे हैं और काफी सारा काम इकठ्ठा हो गया है,आज अपने अन्दर असीमित ऊर्जा अनुभव करेंगे जिससे आपके ये अधूरे काम संतोषजनक ढंग से पूरे हो पायेंगे ।

वृष — ई उ ए जो वा वी वू वे वो
ऐसी स्थितियां आ सकती हैं जो आपको बिना सोचे काम करने के लिए उकसायें । यह सही समय है जब आपको सब कुछ अपने नियंत्रण में रखकर युद्ध स्तर पर काम करना है । अपने बच्चों या छोटे बहन भाइयों के लिए सुरक्षात्म्क रवैया अपनाएँ । आप बहुत अच्छी तरह सामाजिक गतिविधियों में शामिल होंगे और यहां आपका बहुत अच्छा स्वागत होगा ।

मिथुन — का की कू घ ड झ के को हा
आज का दिन बदलाव के नाम रहेगा । आपकी मुलाकात ऐसी किसी आदमी से हो सकती है जो आपके जीवन में महत्वपूर्ण बदलावों का या तो खुद कारण बनेगा या बदलाव लाने वाले लोगों से मुलाकात का माध्यम बनेगा । हालाँकि,सभी बदलाव आपके लिए अच्छे नही रहेंगे । इससे पहले कि आप बदलाव को स्वीकार कर आगे बढ़े ।

कर्क — ही हू हे हो डा डी डू डे डो
आज आप कुछ उलझे हुए से रहेंगे । आप कोई महत्वपूर्ण काम शुरू करने के लिए भी उतावले हैं । परन्तु आज प्रतीक्षा करना और कोई महत्वपूर्ण काम शुरू न करना ही ठीक होगा । शाम तक उलझन खुद कम हो जायेगी। दिन बाधारहित गुजरेगा । यात्रा कर सकते हैं ,सार्वजनिक परिवहन से देर हो सकती है । दूसरे विकल्प खुले रखें । अपना वजन कम करने सम्बन्धी एक बहुत बड़ा लक्ष्य निर्धारित किया है।

सिंह — मा मी मू मे मो टा टी टू टे
यदि आप आज थोड़े से धीरज और सहनशीलता के साथ काम लें तो आज का दिन आपके लिए बहुत अच्छा हो सकता है,लेकिन धीरज बनाये रखना ही सबसे बड़ी चुनौती है । समय भी आपको रेंगता सा अनुभव होगा और आप जिस गति से चाहते हैं,उससे काम नहीं हो पायेंगे । अगर आप जल्दी भी मचाएंगे तो सब गड़बड़ हो जाएगा। खुद को शांत रख पाने की किसी क्रिया के साथ दिन की शुरुआत करें ।

कन्या — टो पा पी पू ष ण ट पे पो
अपने सब विचारों को एक साथ रखकर सोचें,इससे जो निष्कर्ष निकलेगा ,उससे आपको स्थितियों से निपटने में काफी मदद मिलेगी । अपने आप को उन चीजों में ना फंसने दें जिनमे आप विश्वास नही रखते । इन्हें छोड़कर आगे बढ़ जाएँ । इधर –उधर की हांकना आपकी आदत नही है ,लेकिन कई बार आपको ना चाहते हुए भी यह करना पड़ता है ।

तुला — स री रु रे से ता तू ते
पिछले कुछ समय से आप जिस असंतुष्टि के दौर से गुजर रहे हैं,अंतत अब उससे बाहर आ पायेंगे । आपको खुद ही पता चल जाएगा कि आपने जीवन में अपना उत्कृष्ट प्राप्त कर लिया है और अब अपने सपने पूरे करने के लिए भी कोशिश कर सकते हैं । आप यह भी समझ पायेंगे कि अपने काम और अपनी सेहत दोनों को बेहतर बनाने के लिए कुछ बदलाव करने जरूरी हैं ।

वृश्चिक — तो मा मी मू मे मो य यी यू
आपका सकारात्मक दृष्टिकोण आपको सकारात्मक कदम उठाने के लिए ही प्रेरित करेगा। इससे आपको भविष्य में बहुत लाभ मिलेगा । अगर कोई आपसे उलझने की कोशिश करता भी है तो आप शांति बनाये रखें और दृढ़ता से अपनी बात सामने रखें । आज आपकी धार्मिक तथा रहस्य विज्ञान के कार्यों में रूचि बनेगी । आज आपके व्यवहार में स्वस्थ होंने ,ख़ुशी और बेहतर सेहत की ख़ुशी अलग ही दिखेगी।

धनु — ये यो भा भी मू धा फा ढा भे
व्यवसाय सम्बन्धी परेशानियां हल होंगीं लेकिन तब तक आपको बोलने ,लिखने और काम में भी आक्रामक नही होना है । निजी जीवन से सम्बंधित परेशानियां झेल रहे लोगों को अपनों के लिए समय निकालना चाहिए । आप लम्बे समय से स्वस्थ्य की उपेक्षा क्र रहे हैं ,इस पर ध्यान दें ।आज स्वस्थ्य सम्बन्धी छोटी समस्याओं से बचकर रहें।

मकर — भे जे जी खी खू खो मा मी
आज आप काल्पनिक से मूड में हैं । अलग अलग भूमिकाएं निभाने और कल्पनाओं में आपको बहुत मजा आता है । आप अपने लिए हर कहीं रोमांस ढूँढ लेते हैं । आपकी सपनों की एक दुनिया है जिसे आपको सच करने का मौका मिल सकता है । आप आज अपनी भावनाओं के वश में होकर संबंधों या करियर में कुछ असंभव सा हासिल करना चाहेंगे हालाँकि बड़े फैसले लेने के लिए यह समय ठीक नही है ।

कुंभ — गू गे गो सा सी सू से सो दा
नकारात्मकता से भरे छली लोगों से दूर रहें । ये आपको भी नकारात्मक बनाकर असफल कर देने की कोशिश में हैं जबकि आप अपनी मंजिल के बहुत करीब हो । शांति के लिए आज अपना अधिकतर समय परिवार के साथ घर पर बिताएं और सारा बाकी काम पूरा कर लें । कुछ मीठी यादें सहेजने के लिए अपने कमरे में उनका फोटो लगा दें ।आज आप अपने भीतर बहुत शक्ति महसूस करेंगे ।

मीन — ढी दू ध ज्ञ ञ दे दो च ची
एकरसता आपको अच्छी न लगती । इससे आप बोर अनुभव करते हैं । आज आप काफी खुश और फ्लर्ट वाले मूड में होंगे । अपनी दिनचर्या बदलें । इसमें फिटनेस को जगह दें । किसी मनोरंजक गतिविधि में शामिल हो सकते हैं । आपके नए विचार से वरिष्ठ अधिकारी प्रभावित होंगें । ऑफिस में नयी पहचान बनेगी । कुल मिलकर दिन हल्का-फुल्का गुजरेगा । काम कम रहेगा । आप सकारात्मकता के श्रोत बने रहेंगे ।

पं. महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

धूप में न बैठने से जवान हो रहे हैं बूढ़े

4 में से 3 लोगों में विटामिन डी की कमी, कमजोर हो रही हड्डियां

एक्सक्लूसिव डेस्क, 29 जनवरी (एजेंसियां)। टाटा ग्रुप की ऑनलाइन फॉर्मेसी 1 एमजी लैब्स की एक स्टडी में पता चला कि 4 में से 3 भारतीयों के शरीर में सनशाइन विटामिन यानी विटामिन डी की कमी है। यह स्टडी देश के 27 शहरों के 2.2 लाख लोगों पर की गई थी। महिलाओं और बुजुर्गों के मुकाबले युवा पुरुषों में यह कमी ज्यादा देखी गई।

आज जानेंगे कि विटामिन डी का हमारे शरीर में क्या काम होता है, इसकी कमी क्यों हो जाती है, कमी से क्या बीमारियां या परेशानियां हो सकती हैं और विटामिन डी की कमी को कैसे दूर किया जाए।

अगर ये परेशानियां हो रही हैं तो समझ जाइये कि शरीर में विटामिन डी की कमी है...। अगर पहले से ज्यादा थकान होने लगी है। नींद आती तो है मगर ठीक से सो नहीं पाते। कई बार बैठे-बैठे सो जाते हैं। हड्डियों में दर्द रहने लगा है। नकारात्मक विचार पहले से कुछ ज्यादा आने लगे हैं। हर वक्त चिड़चिड़ापन और दुखी महसूस करते हैं।

बालों का झड़ना बढ़ गया है। मसल्स कमजोर हो गई हैं। पैरों में दर्द रहने लगे। जल्दी-जल्दी बीमार पड़ रहे हैं। स्किन पेल यानी पीली दिखने लगी है। ऐसा माना जाता है कि विटामिन डी सिर्फ सूरज की रोशनी से ही मिल सकता है। क्या यह बात सही है? बता दें कि शरीर को 90 फीसदी विटामिन डी सूरज की रोशनी से ही मिलता है। कुछ खाने की चीजों से भी शरीर को विटामिन डी मिलता है मगर वह बहुत कम होता है। विटामिन डी की कमी होने के पीछे सबसे बड़ी वजह है कि हमारी स्किन सूरज की रोशनी या धूप के कॉन्टैक्ट में कम आती है। इससे स्किन विटामिन डी नहीं बना पाती और उसकी कमी हो जाती है। ऐसा इसलिए हो रहा है क्योंकि... पूरा दिन चार दीवारों के बीच रहते हैं। घर से सीधा ऑफिस, स्कूल या कॉलेज चले जाते हैं। फिर शाम को जब घर लौटते हैं तो सूरज जा चुका होता है। सुबह देर से उठते हैं। सुबह सूरज के निकलने के दो-तीन घंटों की धूप सबसे बेहतर होती है। कई लोगों को लगता है सूरज की रोशनी में बैठने से उनका रंग गहरा हो जाएगा। इसलिए वो धूप से बचते हैं। कुछ लोग मानते हैं कि सूरज की अल्ट्रावॉयलेट रेज कैंसर की वजह होती हैं। हमारे देश में सूरज की ताप बहुत ज्यादा होती है, जिससे लोग ज्यादा धूप में नहीं बैठ पाते। डाइट में मोटा अनाज और दूसरी विटामिन डी रिच फूड कम होते जा रहे हैं। ऐसे कौन से चीजें हैं जिन्हें खाकर विटामिन डी की कमी को पूरा किया जा सकता है?

मशरूम, अंडे का पीला हिस्सा, संतरा, मछली, दूध, दही और पनीर

गाजर, सॉल्मन और टुना फिश जैसी चीजें खाकर विटामिन डी की कमी को दूर किया जा सकता है।

विटामिन डी की कमी को पूरा करने के लिए धूप में किस समय और कितनी देर के लिए बैठना चाहिए? तो बता दें कि धूप में बैठने के लिए इन बातों का रखें ख्याल... । सुबह 8 बजे के आसपास धूप में बैठना सबसे अच्छा होता है। इस समय प्रदूषण भी कम होता है।

30 से 45 मिनट धूप में बैठना चाहिए। धूप में बैठते हुए ध्यान रहे कि स्किन का ज्यादा से ज्यादा हिस्सा खुला रहे। खुली बांह के कपड़े पहन सकते हैं। बिना सॉक्स और कैप के धूप में बैठे। सूरज की तरफ पीठ करके बैठना चाहिए। सनस्क्रीन लगाना न भूलें।

अगर शरीर में विटामिन डी की कमी हो गई है और सिचुएशन सीरियस है तो क्या कुछ ऐसे सप्लीमेंट्स हैं जिनसे यह कमी दूर हो जाए? तो इसका जवाब हां है। विटामिन डी के कुछ सप्लीमेंट्स मार्केट में उपलब्ध हैं जिनसे कमी को दूर किया जा सकता है। कई बार डॉक्टर्स विटामिन डी के इंजेक्शन लेने का भी सुझाव देते हैं। ऐसे में सवाल है कि क्या मैं अपनी मर्जी से ओवर द काउंटर विटामिन डी सप्लीमेंट्स ले सकती हूं? तो इसका जवाब है नही। यह बिल्कुल सेफ नहीं है। हर किसी को अलग-अलग मात्रा में विटामिन डी की जरूरत होती है। ऐसे में अगर आप अपनी मर्जी से ओवर द काउंटर विटामिन डी के सप्लीमेंट्स लेते हैं तो नुकसान हो सकता है। सेल्फ मेडिकेशन बिल्कुल ठीक नहीं है। छोटे बच्चों, बुजुर्गों, महिलाओं और युवाओं के लिए धूप में बैठना कितना जरूरी है? जवाबः बच्चों के शरीर को हेल्दी और मजबूत रखने के लिए विटामिन डी जरूरी है। इसी वजह से डॉक्टर्स भी छोटे बच्चों को 10-15 मिनट धूप दिखाने की सलाह देते हैं। इसकी कमी से बच्चों को बार-बार निमोनिया होता है और हड्डियों में दर्द हो जाता है।

बच्चों की ग्रोथ के लिए विटामिन डी जरूरी है। महिलाओं में खासतौर पर प्रेग्नेंसी के दौरान विटामिन डी का अहम रोल है। गर्भ में पल रहे बच्चे के बोन्स और मां के स्वास्थ्य के लिए विटामिन डी हेल्पफुल है। बुजुर्गों में जोड़ो के दर्द और सूजन की परेशानी को विटामिन डी की कमी को दूर कर ठीक किया जा सकता है। युवाओं को विटामिन डी की कमी को इग्नोर नहीं करना चाहिए। शरीर में चुस्ती बनाएं रखने के लिए और अच्छी नींद के लिए विटामिन डी जरूरी है। इससे हॉर्मोनल लेवल भी मेंटेन रहता है। डार्क स्किन टोन वाले लोगों में विटामिन डी की कमी होने के चांसेज ज्यादा होते हैं। डार्क स्किन में मेलानिन ज्यादा होता है जो विटामिन डी को बनने से रोकता है। क्या विटामिन डी लेवल का पता लगाने के लिए कोई मेडिकल प्रोसीजर भी है? ब्लड टेस्ट करके शरीर में विटामिन डी लेवल का पता लगाया जा सकता है। विटामिन डी फैट सॉल्यूबल विटामिन है। इसका मतलब है कि यह शरीर में मौजूद पानी में घुलकर शरीर से बाहर नहीं निकल पाता है। यह बॉडी फैट के साथ शरीर में स्टोर हो जाता है। इसलिए विटामिन डी जरूरत से ज्यादा लेने पर टॉक्सिक हो जाता है। इससे लिवर डैमेज और किडनी स्टोन की समस्या हो सकती है।

खूबसूरत और फिट रहने में मदद करता है विटामिन डी

विटामिन डी में एंटी-इनफ्लेमेटरी गुण होते हैं। इससे स्किन की ड्रायनेस, पिंपल और एग्जिमा ठीक होता है।

विटिलिगो के ट्रीटमेंट में भी विटामिन डी यूज किया जाता है।

विटामिन डी हेयर फॉलिकल्स को बढ़ने में मदद करता है।

विटामिन डी3 से स्किन चमकदार और डलनेस दूर होती है।

यह स्किन को समय से पहले बूढ़ा होने से बचाता है।

स्किन पर मौजूद दाग-धब्बे भी विटामिन डी से खत्म होते हैं।

इससे स्किन सेल्स का मेटाबॉलिज्म तेज होता है, जिससे स्किन जल्दी रिपेयर होती है।

विटामिन डी से शरीर में हॉर्मोन लेवल मेंटेन रहता है। इस तरह ये वजन कम करने में हेल्प करता है।

लातेहार में मूर्ति विसर्जन के दौरान दो समुदाय में झड़प

अश्लील गाना बजाने को लेकर हुई बहस झड़प में हुई तब्दील, एक हुआ घायल, पुलिस छावनी में बदला पतरातू गांव

लातेहार, 29 जनवरी (एजेंसियां)। लातेहार जिले के सदर थाना के पतरातू गांव में शुक्रवार को मूर्ति विसर्जन को लेकर दो समुदायों के बीच झड़प हुई। यह मामला शनिवार को शाम एक बार फिर हुआ। इससे गांव में तनाव पूर्ण माहौल हो गया। शनिवार की रात भी विसर्जन के दौरान दोनों समुदाय के बीच झड़प हुई। जिसमें एक व्यक्ति घायल हो गया। घायल व्यक्ति का नाम अशोक साव है। जिसे इलाज के लिए सदर अस्पताल पहुंचाया गया। जहां उसका इलाज चल रहा है।

क्यों हुई हिंसक झड़प

विसर्जन के दौरान अश्लील गाना बजाने को लेकर एक समुदाय के कुछ लोग दूसरे समुदाय के लोगों से उलझ गए। एक समुदाय का कहना था कि आप लोग मूर्ति विसर्जन में अश्लील गाना बजाते हैं। इसी बात को लेकर दोनों समुदाय के बीच कहासुनी हुई जो बाद में झड़प में तब्दील हो गई। इस झड़प में एक समुदाय के लोगों ने दूसरे समुदाय के एक युवक अशोक साव को मारपीट कर घायल कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय विधायक वैद्यनाथ राम, एसपी अंजनी अंजन, एसडीओ शेखर कुमार, एसडीपीओ संतोष कुमार मिश्रा, अंचलाधिकारी रूद्र प्रताप, थाना प्रभारी चंद्रशेखर चौधरी दल-बल के साथ पतरातू गांव पहुंचे और दोनों समुदाय के लोगों को समझाने की कोशिश की। साथ ही दोनों समुदाय के लोगों को बीच शांतिपूर्ण बनाए रखने की अपील की।

गांव में पुलिस बल तैनात

दो समुदाय के बीच हिंसक झड़प के बाद गांव में भारी मात्रा में पुलिस बल की तैनाती कर दी गई है। पुलिस प्रशासन व विधायक के द्वारा दोनों पक्षों के लोगों को समझाया गया। थाना प्रभारी चंद्रशेखर चौधरी ने बताया कि शुक्रवार को मूर्ति विसर्जन को लेकर दो समुदाय के बीच हल्की झड़प हुई थी। मामला को तुरंत शांत करा दिया गया। इसके बाद शनिवार को फिर से झड़प की सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची है। दोनों समुदाय के लोगों को समझाया जा रहा है।

सांसद विजय बघेल का वर्ल्ड रिकॉर्ड विवादित

सुंदर कांड में 25 हजार से कम लोग पहुंचे, फिर भी दे दिया सर्टिफिकेट

भिलाई, 29 जनवरी (एजेंसियां)। दुर्ग सांसद विजय बघेल के सुंदर कांड के आयोजन की जहां चारों तरफ तारीफ हो रही है, वहीं उनका गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड लेना विवादों में पड़ गया है। गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड के एशिया हेड मनीष विश्नोई ने सांसद विजय बघेल को 25 हजार लोगों का वर्ल्ड रिकॉर्ड सर्टिफिकेट दिया है, जबकि आयोजन में इससे कम लोग पहुंचे थे। मनीष विश्नोई का यह रिकॉर्ड पहली बार विवादित नहीं हुआ है। इससे पहले भी उन्होंने दुर्ग सांसद सरोज पाण्डेय को गलत वर्ल्ड रिकॉर्ड दिया था। गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड को खुद सांसद विजय बघेल के बयान ने नकार दिया है। जब उनसे पूछा गया कि सुंदर कांड आयोजन में कितने लोग आए थे, तो उन्होंने 20 हजार की संख्या बताई। इसके बाद गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि वो मंच पर बैठे थे। वहां से लोगों की संख्या गिनना संभव नहीं था। गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड वालों की टीम घूम-घूम कर देख रही थी। उन्होंने 25 हजार लोग गिने होंगे, तभी तो सर्टिफिकेट दिया है।

आपको बता दें कि भास्कर की टीम ने खुद पूरे क्षेत्र में भ्रमण किया तो सामने की तरफ तो लोग बैठे थे, लेकिन पीछे बनाए गए बॉक्स पूरी तरह से खाली थे। वहां लगभग 4-5 हजार लोगों के बैठने की और व्यवस्था थी। सांसद विजय बघेल ने भी प्रेस कान्फ्रेंस में कहा था कि उन्होंने 21 हजार लोगों के बैठने की व्यवस्था की है। इसके बाद भी गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड के एशिया हेड मनीष विश्नोई ने सांसद को 25 हजार लोगों को बुलाने का रिकॉर्ड दे दिया। यह बात लोगों के गले नहीं उतर रही है। इस रिकॉर्ड को लेकर पूरे शहर में अलग-अलग तरह की चर्चा हो रही है।

रिकॉर्ड देते समय डॉ. मनीष विश्नोई ने कहा कि भिलाई में ऐसा पहली बार हो रहा जब किसी आयोजन में एक साथ एक नहीं दो-दो रिकॉर्ड बने हों। उन्होंने कहा कि सांसद बघेल के सुंदर कांड के आयोजन में पहला रिकॉर्ड 25 हजार लोगों के बैठने की है और दूसरा रिकॉर्ड एक साथ इतने लोगों ने एक साथ जय जय सिया राम के नारे लगाए हैं।

डॉ. मनीष विश्नोई ने बताया कि गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड ऐसा रिकार्ड है जो दुनिया में पहली बार हो रहा है। उसे रिकार्ड के रूप में दिया जाता है। दुर्ग सांसद ने सुंदर कार्ड के आयोजन में इतना बड़ा आयोजन करके यह रिकॉर्ड बनाया है। आपको बता दें कि सुंदर कांड का सबसे बड़ा आयोजन भिलाई में नहीं बल्कि मध्यप्रदेश के शिवपुरी में हुआ था। तीन महीने पहले 12 नवंबर 2020 को हुए इस आयोजन में 30 हजार लोग पहुंचे थे।

50 गांवों में घुसी फोर्स, धमतरी में हाई अलर्ट

बड़ी वारदात को अंजाम देने के फिराक में नक्सली; 5 की गिरफ्तारी से बौखलाए माओवादी

धमतरी, 29 जनवरी (एजेंसियां)। 50 गांवों में घुसी फोर्स, धमतरी में हाई अलर्टःबड़ी वारदात को अंजाम देने के फिराक में नक्सली; 5 की गिरफ्तारी से बौखलाए माओवादी

धमतरी शहर के बस स्टैंड पर 15 जनवरी को 5 नक्सलियों की एक साथ गिरफ्तारी होने के बाद से जिला नक्सलियों के निशाने पर है। यहां नक्सली किसी बड़ी वारदात को अंजाम दे सकते हैं। ऐसे में सीआीपीएफ और डीआरजी ने सुरक्षा घेरे को और मजबूत कर दिया है। नक्सल प्रभावित करीब 50 गांवों में फोर्स सर्चिंग कर इनकी गतिविधियों पर नजर रखे हुए है।

सीआरपीएफ कमांडर खुद मोर्चा संभालकर अति संवेदनशील एरिया में घुस रहे हैं। नक्सल ऑपेशन के डीएसपी आरके मिश्रा खुद डीआरजी और सीएफ के साथ सर्चिंग कर रहे हैं। फोर्स के दबाव से नक्सलियों को मारे जाने का डर है। खुफिया एजेंसियों के मुताबिक, नक्सली कमांडर सत्यम गावड़े धमतरी के अलावा कांकेर, गरियाबंद और ओडिशा बॉर्डर पर सक्रिय है। धमतरी के एलओएस का मोर्चा फिलहाल रामदास और टिकेश्वर को सौंपा गया है। इधर नक्सल गतिविधियों की सूचना के बाद एसपी प्रशांत ठाकुर ने 25 जनवरी को फोर्स से गोपनीय चर्चा भी की और आगे की रणनीति बनाई गई।पुलिस अफसरों के मुताबिक, गिरफ्तार नक्सली महिला सगुणा उर्फ कमला ने छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र और आंध्रप्रदेश में कई बड़ी नक्सली वारदातों को अंजाम दिया है, जिस पर एनआईए (नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी) ने केस दर्ज किया है। एनआईए ने भी गिरफ्तार कमला से पूछताछ की है। इधर नक्सली प्रवक्ता ने प्रेस नोट जारी कर उन्हें छोड़ने की धमकी भी दी, इसलिए फोर्स 24 घंटे अलर्ट मोड पर है। बोराई की सीआरपीएफ कंपनी ने गरियाबंद में डेरा डाला हुआ है, जबकि कोंडागांव से एक और कंपनी बोराई पहुंची है।

डीआरजी, सीआरपीएफ फोर्स मांदागिरी, खल्लारी, आमाबहार, गादुलबाहरा, आमझर, ठेनही, उजरावन, बिरनासिल्ली, बहीगांव, संदबाहरा, रिसगांव, करही, गाताबाहरा सहित 50 से अधिक गांवों को घेरकर सर्चिंग की जा रही है।

आरक्षण के लिए अब 380 किमी की पदयात्रा

दंतेवाड़ा से रायपुर जाएंगे हजारों आदिवासी, राज्यपाल और सीएम से करेंगे मुलाकात

जगदलपुर, 29 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में सर्व आदिवासी समाज 32% आरक्षण की मांग को लेकर दंतेवाड़ा से राजधानी रायपुर तक पदयात्रा निकालेगी। सोमवार को दंतेवाड़ा में स्थित मां दंतेश्वरी के दर्शन कर सर्व आदिवासी समाज के सदस्य पदयात्रा शुरू करेंगे। दंतेवाड़ा से रायपुर तक के मार्ग में जिन-जिन जगहों से ये पदयात्रा गुजरेगी वहां के लोग भी इसमें शामिल होंगे। केवल बस्तर ही नहीं बल्कि बालोद और धमतरी के भी आदिवासी समाज के सदस्य पदयात्रा में हिस्सा लेंगे। दरअसल, सर्व आदिवासी समाज के प्रदेश उपाध्यक्ष और कोया कुटुमा समाज के सुकमा जिलाध्यक्ष वेको हूंगा ने कहा कि, करीब 380 किमी की इस पदयात्रा में सैकड़ों लोग शामिल होंगे। रायपुर पहुंचने के बाद सर्व आदिवासी समाज का प्रतिनिधिमंडल मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और राज्यपाल अनुसुइया उइके से मुलाकात कर अपनी मांग रखेगा। उन्होंने कहा कि, सरकार ने विधानसभा में बिल पास कर दिया। लेकिन, राज्यपाल ने भाजपा और RSS के इशारे पर हस्ताक्षर नहीं किया। मामले को अटका कर रखा है। प्रदेश उपाध्यक्ष ने कहा कि, तत्कालीन भाजपा सरकार ने साल 2012 में अधिसूचना जारी कर आरक्षण का दायरा बढ़ाते हुए एसटी को 32 फीसदी, SC को 12 और ओबीसी वर्ग को 14 प्रतिशत आरक्षण देने का निर्णय लिया था।

कांग्रेस-भाजपा से पहले पत्ते नहीं खोलेगी जेसीसीजे

उम्मीदवारों की घोषणा बाद में होगी अभी 35 सीटों पर ही पार्टी का फोकस

रायपुर, 29 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के पिछले विधानसभा चुनाव में तीसरी सबसे बड़ी राजनीतिक ताकत बनकर उभरी जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ पहली बार अपने संस्थापक अजीत जोगी के बगैर मैदान में उतरने की तैयारी कर रही है। बदली परिस्थितियों में तय हुआ है कि पार्टी अपने उम्मीदवारों की घोषणा पहले नहीं करेगी। वह भाजपा और कांग्रेस के उम्मीदवार लगभग तय होने के बाद ही अपना पत्ता खोलेगी। सभी सीटों पर प्रत्याशी उतारने की रणनीति से भी पार्टी बचने की कोशिश में है।

जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ के प्रदेश अध्यक्ष अमित जोगी का कहना है, पिछले चुनाव में बहुत जल्दी घोषणापत्र जारी करने और प्रत्याशी उतार देने का कुछ नुकसान हुआ। कई स्थानों पर भाजपा-कांग्रेस का टिकट नहीं मिलने से नाराज लोग संगठन में आये लेकिन वहां पहले से प्रत्याशी घोषित हो चुका था। हमारे घोषणापत्र में शामिल अधिकांश घोषणाओं को दूसरे राजनीतिक दलों ने इस्तेमाल कर लिया। इस बार इससे बचने की कोशिश होगी। घोषणापत्र का शुरुआती ड्राफ्ट तैयार है। इसको अपनी यूनिटों को भेज दिया गया है। वहां से चर्चा के बाद इसको अंतिम रूप दिया जाएगा। उसका एक ड्राफ्ट लेकर हम लोग जोगी जन अधिकार यात्रा में भी चलने वाले हैं। इस यात्रा का पहला चरण 6 विधानसभा क्षेत्रों में पूरा हो चुका है। फरवरी से इसका दूसरा चरण शुरू होना है। मार्च तक इसके जरिये 25-30 विधानसभा क्षेत्रों को कवर किया जाएगा। पार्टी का फोकस भी उन सीटों पर ही है जहां पिछले चुनाव में 30 हजार से अधिक वोट आये थे। जोगी परिवार के तीनों सदस्यों डॉ. रेणु जोगी, ऋचा जोगी और अमित जोगी के बीच फोकस एरिया बंट चुका है।

सरकारी दर पर आम नागरिकों को जल्द मिलेगी एयर एंबुलेंस - सीएम हेमंत सोरेन

रांची, 29 जनवरी (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा है कि राज्य के आम नागरिकों को जल्द ही सरकारी दर पर एयर एंबुलेंस की सुविधा मुहैया कराई जाएगी। इससे बेहतर इलाज के लिए मरीजों को देश के किसी भी कोने में स्थित अस्पताल में इलाज के लिए ले जा सकेंगे। इसके अलावा राज्य के मेडिकल सर्किटों को भी एक-दूसरे से जोड़ने करने का काम किया जा रहा है।

ग्रामीण क्षेत्रों में भी जरूरतमंद मरीजों को जेनेरिक मेडिसिन उपलब्ध कराया जा सके, इसके लिए कार्य योजना तैयार की जा रही है। स्वास्थ्य क्षेत्र में कई चीजें ऐसी हैं, जिनको जमीनी स्तर पर तैयार करने की आवश्यकता है। राज्य के सभी जिला मुख्यालयों में स्थित अस्पताल विशेषज्ञ डॉक्टरों की मौजूदगी में कार्य करें, यह हमारी प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री शनिवार को जिमखाना क्लब में आयोजित फर्स्ट नेफ्रो क्रिटिकल केयर कंफ्रेंस-2023 के उद्घाटन समारोह को बतौर मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड में स्वास्थ्य सुविधाओं को सुदृढ़ बनाने के लिए अभी और बहुत काम करने की आवश्यकता है। राज्य सरकार स्वास्थ्य क्षेत्र में बेहतर कार्य योजना तैयार कर रही है। राज्य सरकार ने अजीम प्रेमजी को 300 एकड़ जमीन उपलब्ध कराई है, जहां स्वास्थ्य सुविधाओं के साथ-साथ मेडिकल कॉलेज भी स्थापित होगा।

कोरोना काल में बेहतर प्रबंधन किया

सीएम ने कहा कि कोरोना संक्रमण के समय देश के संभ्रांत राज्यों की स्थिति जब बदतर थी, तब झारखंड ने बेहतर मैनेजमेंट का उदाहरण पेश किया और राज्य वासियों को इस संक्रमण से बचाने का काम कर दिखाया। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह दो दिवसीय कांफ्रेंस स्वास्थ्य के क्षेत्र में मील का पत्थर साबित होगी। नेफ्रो क्रिटिकल केयर कॉन्फ्रेंस में विशेषज्ञ डॉक्टरों के जो भी सुझाव राज्य सरकार को मिलेंगे।

कई चिकित्सक सम्मानित

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने बेहतर कार्य करने वाले कई विशेषज्ञ डॉक्टरों को द्रोणाचार्य सम्मान तथा प्राइड ऑफ झारखंड अवार्ड से सम्मानित किया।

भाजपा कार्यसमिति की बैठक में कार्यक्रमों की बनाई गई रूपरेखा

दुमका, 29 जनवरी (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी दुमका जिला कार्यसमिति की बैठक जिला अध्यक्ष परितोष सोरेन की अध्यक्षता में शनिवार को जिले के शिकारीपाड़ा पश्चिमी मंडल के बरमसिया मैदान में आयोजित किया गया। इस बैठक में भारतीय जनता पार्टी के सभी प्रदेश पदाधिकारी, सांसद प्रदेश कार्यसमिति के सभी सदस्य जिला के सभी पदाधिकारी सभी कार्यसमिति सदस्य सभी मंडलों के अध्यक्ष एवं महामंत्री शामिल हुए। बैठक में मुख्य रूप से राष्ट्रीय कार्यसमिति और प्रदेश कार्यसमिति के बाद पार्टी के सिद्धांत और नियमों के अनुकूल जिला कार्यसमिति की बैठक आयोजित की गई एवं आगामी 12 फरवरी तक सभी मंडलों में मंडल कार्यसमिति की बैठक आयोजित करने का कार्यक्रम तय किया गया। जिला कार्यसमिति की बैठक में प्रदेश के द्वारा नियुक्त प्रभारी, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य और पूर्व विधायक अशोक भगत उपस्थित हुए। बैठक में पूर्व में किए गए सभी कार्यक्रमों की विशेष रूप से चर्चा की गई एवं आगामी कार्यक्रमों को सफल बनाने का दिशा निर्देश दिया गया।

भूकंप के तेज झटकों से कांपी ईरान की धरती

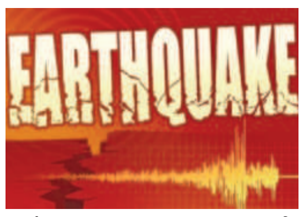

ईरान, 29 जनवरी (एजेंसियां)। ईरान की धरती रात को भूकंप के तेज से कांप उठी. उत्तर पश्चिमी ईरान के खोय शहर में भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए हैं. ईरान की मीडिया के मुताबिक भूकंप में अब तक 7 लोगों की मौत हो गई है, जबकि 440 लोग जख्मी बताए जा रहे हैं. रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 5.9 मापी गई है. ईरान में इमरजेंसी सेवाओं के प्रवक्ता मोज्तबा खालिदी ने सरकारी टेलीविजन को भूकंप में मारे गए और घायलों के बारे में जानकारी दी है.

भूकंप के झटके काफी तेज थे और ये ईरान के पश्चिम अजरबैजान प्रांत के कई हिस्सों में महसूस किए गए. ईरानी मीडिया ने बताया कि शनिवार को तुर्की की सीमा के पास उत्तर-पश्चिम ईरान के अजरबैजान प्रांत में 5.9 तीव्रता का भूकंप आया, जिसमें कम से कम 7 लोगों की मौत हो गई और 440 लोग घायल हुए हैं. कई घरों को अधिक नुकसान हुआ है. रिपोर्ट के मुताबिक ईरान के शहर इस्फहान के सैन्य संयंत्र में तेज धमाके की आवाज भी सुनाई दी.

राहत और बचाव का काम जारी

ईरानी आपात कालीन अधिकारियों ने कहा कि बचाव दलों को ईरान के पश्चिम अज़रबैजान प्रांत में क्षेत्र में भेजा गया है. फिलहाल राहत और बचाव का काम जारी है. भूकंप की वजह से घायल सभी लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है. एक इमरजेंसी सेवा अधिकारी ने सरकारी टीवी को बताया कि कुछ प्रभावित इलाकों में बर्फबारी हो रही है. कई जगह बिजली कटौती की भी सूचना है.

भूकंप की वजह?

वैज्ञानिकों के मुताबिक धरती की ऊपरी सतह 7 टेक्टोनिक प्लेटों से मिलकर बनी है, जब ये प्लेटें एक दूसरे की ओर बढ़ती है तो इनमें आपस में टकराव होता है और भूकंप की स्थिति बनती है. बताया जाता है कि प्रमुख भूगर्भीय फॉल्ट लाइन ईरान को पार करती हैं, जिसकी वजह से देश हाल के वर्षों में कई विनाशकारी भूकंपों का सामना किया है.

बलूचिस्तान में गहरे नाले में गिर गई तेज रफ्तार बस, 39 की मौत, कई घायल

क्वेटा, 29 जनवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान के लास्बेला में एक बड़ा हादसा हुआ। यहां यात्रियों से भरी एक तेज रफ्तार बस गहरे नाले में गिर गई। इस दुर्घटना में 39 लोगों की मौत हुई है, जबकि कई अन्य घायल हुए हैं। बताया गया है कि एक्सीडेंट इतना भीषण था कि नाले में गिरते ही बस में आग लग गई। यह बस कराची से क्वेटा जा रही थी। क्षेत्र की सहायक कमिश्नर हमजा अंजुम नदीम ने कहा कि बस में 48 लोग सवार थे। उन्होंने बताया कि दुर्घटना के तुरंत बाद ही राहत-बचाव कार्य शुरू कर दिए गए थे और सभी शवों को निकाल लिया गया है। वहीं, घायलों को पास के ही सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अधिकारियों के मुताबिक, बचावकर्मियों को रेस्क्यू ऑपरेशन में काफी दिक्कतें आईं, क्योंकि हादसा रविवार देर रात हुआ और अंधेरे की वजह से पुलिस को मुश्किलों का सामना करना पड़ा।

ऑस्ट्रेलिया में हिंदू मंदिरों को क्यों बनाया जा रहा निशाना, इसके पीछे किसका हाथ?

नई दिल्ली, 29 जनवरी (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न में 15 दिन के अंदर तीन हिंदू मंदिरों पर हमला हुआ है। तोड़फोड़ हुई और भारत विरोधी नारे लिखे गए। कैनबरा स्थित भारतीय उच्चायोग ने इन हमलों पर कड़ी आपत्ति जताई है। उच्चायोग ने कहा है कि 'हम मेलबर्न में तीन हिंदू मंदिरों में तोड़फोड़ की कड़ी आलोचना करते हैं। यह साफ तौर पर शांतिपूर्ण और बहुधर्मी भारतीय ऑस्ट्रेलियाई समाज में नफरत और बंटवारा करने की कोशिश है।' वहीं, दूसरी ओर वहां के हिंदू संगठनों ने लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की। ऐसे में सवाल ये है कि आखिर क्यों हिंदू मंदिरों को निशाना बनाया जा रहा है? इसके पीछे मकसद क्या है? हमला करने वाले लोग कौन हैं और वो क्या चाहते हैं? आइए समझते हैं...

ऑस्ट्रेलिया में अब तक क्या-क्या हुआ?

12 जनवरी को हिंदू मंदिरों में तोड़फोड़ की घटना सामने आई। तब मंदिर की दीवारों पर भारत विरोधी नारे भी लिखे गए थे। इसके बाद 17 जनवरी को भी इसी तरह की घटना एक हिंदू मंदिर में हुई। 15 दिन के अंदर तीसरी बार ऑस्ट्रेलिया के विक्टोरिया प्रांत में एक मंदिर को निशाना बनाया गया। दीवारों पर भारत-विरोधी नारे लिखे हैं। इस घटना के बाद ऑस्ट्रेलिया हाई कमिश्नर बैरी ओफैरल ने ट्वीट करके कहा, 'भारत की तरह ऑस्ट्रेलिया भी कई संस्कृतियों वाला देश है। हम मेलबर्न में हिंदू मंदिरों के साथ तोड़फोड़ की घटना देखकर दंग हैं। इस मामले में ऑस्ट्रेलियाई एजेंसियां जांच कर रही हैं। हम अभिव्यक्ति की आजादी को पुरजोर समर्थन देते हैं। लेकिन इसमें नफरती भाषणों और हिंसा की जगह नहीं है।'

ऑस्ट्रेलिया में अब तक क्या-क्या हुआ?

12 जनवरी को हिंदू मंदिरों में तोड़फोड़ की घटना सामने आई। तब मंदिर की दीवारों पर भारत विरोधी नारे भी लिखे गए थे। इसके बाद 17 जनवरी को भी इसी तरह की घटना एक हिंदू मंदिर में हुई। 15 दिन के अंदर तीसरी बार ऑस्ट्रेलिया के विक्टोरिया प्रांत में एक मंदिर को निशाना बनाया गया। दीवारों पर भारत-विरोधी नारे लिखे हैं। इस घटना के बाद ऑस्ट्रेलिया हाई कमिश्नर बैरी ओफैरल ने ट्वीट करके कहा, 'भारत की तरह ऑस्ट्रेलिया भी कई संस्कृतियों वाला देश है। हम मेलबर्न में हिंदू मंदिरों के साथ तोड़फोड़ की घटना देखकर दंग हैं। इस मामले में ऑस्ट्रेलियाई एजेंसियां जांच कर रही हैं। हम अभिव्यक्ति की आजादी को पुरजोर समर्थन देते हैं। लेकिन इसमें नफरती भाषणों और हिंसा की जगह नहीं है।'

प्रभात कहते हैं, 'ऑस्ट्रेलिया के स्थानीय अखबारों में इस घटना के लिए खालिस्तानी समर्थकों को जिम्मेदार ठहराया गया है। क्योंकि अभी 29 जनवरी को ऑस्ट्रेलिया में एक खालिस्तानी जनमत का आयोजन होना है। इससे पहले इस तरह के जनमत कनाडाई और अमेरिकी शहरों में हो चुके हैं। ये जनमत भारत में आतंकी संगठन 'सिख फॉर जस्टिस' करवा रहा है।

मंदिरों को क्यों बनाया जा रहा निशाना?

इसे समझने के लिए हमने विदेश मामलों के जानकार डॉ. आदित्य पटेल से बात की। उन्होंने कहा, 'ये काम खालिस्तानी समर्थक कर रहे हैं। ये स्पष्ट हो चुका है। दरअसल वह इसके जरिए पूरी दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींचना चाहते हैं। वह अपनी नाजायज मांगों के समर्थन में बाकी देशों में भी समर्थन चाहते हैं। इसके लिए इस तरह का अभियान शुरू किया गया है।' डॉ. आदित्य के अनुसार, हिंदू मंदिरों में तोड़फोड़ करके और भारत विरोधी नारे लिखकर वह चर्चा में आना चाहते हैं। इसके पीछे पाकिस्तान जैसे देशों की शह भी शामिल है। ये भारत में अस्थिरता लाने के लिए लंबे समय से काम कर रहे हैं। जब कश्मीर में आतंकी घटनाओं पर सरकार ने सख्त कदम उठाना शुरू किया तो इन लोगों ने दूसरे तरह से अपनी मुहिम को तेज करना शुरू कर दिया है। अब ये खालिस्तानी समर्थकों का सहारा ले रहे हैं।

ऑस्ट्रेलिया में रहने वाले हिंदू क्या कहते हैं?

ऑस्ट्रेलिया में जॉब करने वाली उषा सेंथिलनाथन कहती हैं कि ये स्वीकार नहीं किया जा सकता है कि खालिस्तानी समर्थक इतनी निडरता के साथ उनके पूजास्थलों पर नफरती नारे लिख दें। मेलबर्न हिंदू समुदाय के सदस्य सचिन महाते कहते हैं 'अगर इन खालिस्तानी समर्थकों में इतनी हिम्मत है तो वे विक्टोरिया के अमन पसंद हिंदू समुदाय को निशाना बनाने की जगह विक्टोरिया की संसद पर जाकर ये नारे लिखें।' ऑस्ट्रेलिया एसोसिएशन ऑफ आयुर्वेद के अध्यक्ष डॉ. नवीन शुक्ला कहते हैं, 'मेलबर्न में हुई घटनाएं दिखाती हैं कि हिंदू समुदाय को थोड़ा सतर्क होना पड़ेगा। मेलबर्न में जो हो रहा है, उसके कारण कनाडा और अमेरिका जैसे हालात यहां भी हो सकते हैं। इसलिए सरकार को भी सुरक्षा पर ज्यादा ध्यान देना होगा। भारतीय मूल के बलजिंदर सिंह कहते हैं, 'ऐसी घटनाओं का भारत से यहां आकर बसने और पढ़ने वालों पर असर होगा। इस तरह की गतिविधियां करने वाले लोग असल में यहां रहने वाले और भविष्य में आने वाले भारतीयों के लिए ही समस्याएं पैदा करते हैं।'

ऑस्ट्रेलिया में कितनी है हिंदुओं की ताकत?

ऑस्ट्रेलिया में 2021 में जनगणना हुई है। इसकी रिपोर्ट के अनुसार, यहां हिंदू तीसरा सबसे बड़ा धर्म है। ऑस्ट्रेलिया में हिंदुओं की कुल आबादी 6.84 लाख है। ये ऑस्ट्रेलिया की कुल आबादी का 2.7% हिस्सा है। वहीं, सिखों की संख्या करीब दो लाख है, जो कुल आबादी के 0.8% हैं। आंकड़े बताते हैं कि ऑस्ट्रेलिया में रहने वाले 34% हिंदुओं की उम्र 14 साल और 66% हिंदुओं की उम्र 34 साल है। जुलाई 2022 के आंकड़े बताते हैं कि यहां 96 हजार भारतीय छात्र पढ़ाई कर रहे हैं। चीन के बाद विदेशी छात्रों की यह दूसरी सबसे बड़ी संख्या है।

ऑस्ट्रेलिया में रेडियोएक्टिव 'कैप्सूल' गायब होने से मचा हड़कंप, सिर्फ छूने के हो सकते है गंभीर नतीजे

कैनबरा, 29 जनवरी (एजेंसियां)। पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया में 'रेडियोएक्टिव कैप्सूल' के गायब होने से हड़कंप मच गया है। सूचना फैलते ही लोगों में दहशत का माहौल पैदा हो गया है। सरकार ने सावधान रहने के लिए अलर्ट जारी कर दिया है। अधिकारियों के मुताबिक खनन में इस्तेमाल होने वाला एक रेडियोधर्मी कैप्सूल इस महीने 10-16 जनवरी के बीच ट्रक से खनन साइट पर ले जाते समय न्यूमैन शहर और पर्थ शहर के बीच कहीं गिर गया था। सुरक्षाबल और रिसर्च टीम इसे ढूंढ रही है। सरकार को इस बात का डर है कि कहीं इसे कोई गलती से छू न ले क्योंकि यह बेहद खतरनाक है। इसे छूने भर से गंभीर परिणाम भुगतने होंगे।

कैंसर जैसी गंभीर बीमारी का खतरा

अग्निशमन और आपातकालीन सेवा विभाग ने कहा कि सीजियम - 137 युक्त छोटा सिल्वर कैप्सूल न्यूमैन के उत्तर से परिवहन के दौरान खो गया। इस रेडियोएक्टिव पदार्थ का इस्तेमाल खनन कार्यों में किया जाता है। इस पदार्थ के संपर्क में आने से कैंसर जैसी गंभीर बीमारी हो सकती है।

इसे छूने भर से भुगतने होंगे गंभीर परिणाम

कैप्सूल कथित तौर पर एक रियो टिंटो लिमिटेड खदान से था। कंपनी ने टिप्पणी के अनुरोध का तुरंत जवाब नहीं दिया। पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया के मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी एंड्रयू रॉबर्टसन ने कहा कि अगर कैप्सूल को शरीर के करीब रखा जाता है, तो त्वचा बुरी तरह जल सकती है। उन्होंने संवाददाताओं से कहा कि अगर इसे लंबे समय तक रखा गया और उन्हें लंबे समय तक उजागर किया गया, तो उनके कुछ और गंभीर प्रभाव हो सकते हैं, जिसमें उनकी प्रतिरक्षा प्रणाली पर प्रभाव भी शामिल है। उन्होंने कहा कि ऐसा सोचा गया था कि ट्रक के कंपन के कारण गेज अलग हो गया और फिर वस्तु उसमें से निकल गई।

डिपार्टमेंट ने एक तस्वीर भी जारी की है जिसमे कैप्सूल लंबाई 8 एमएम और चौड़ाई 6 एमएम है। इसका साइज ऑस्ट्रेलियाई 10 सेंट के सिक्के से भी छोटा दिख रहा है। दरअसल, ये रेडियोएक्टिव कैप्सूल पर्थ से न्यूमैन के बीच 1,400 किलोमीटर के दायरे में कहीं गिर गया है। हालांकि सुरक्षा टीम जांच में जुटी है लेकिन कोई कामयाबी हाथ नहीं लगी है। वहीं लोगों को अलर्ट करते हुए डीएफईएस ने कहा कि यदि उन्हें ऐसा कोई वस्तु दिखता है तो तुरंत डिपार्टमेंट को कॉल करें और उस वस्तु से कम से कम 5 मीटर दूर रहे। डीएफईएस ने 133337 नंबर जारी करते हुए, इस पर कॉल कर सूचना देने की अपील की है.

अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव 2024 के लिए ट्रंप ने शुरू किया प्रचार, किससे होगा मुकाबला?

न्यूयार्क,, 29 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिका में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव-2024 के लिए पूर्व प्रेसिडेंट डोनाल्ड ट्रंप ने प्रचार शुरू कर दिया है। उन्होंने कहा कि इसके लिए अब और कटिबद्ध हूं। दो महीने से अधिक समय पहले उन्होंने तीसरी बार राष्ट्रपति चुनाव में किस्मत आजमाने की घोषणा की थी। सालेम के न्यू हैंपशायर में रिपब्लिकन पार्टी की सालाना बैठक में ट्रंप ने पार्टी नेताओं से कहाकि राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के तौर पर हम यहां से अपने अभियान की शुरुआत कर रहे हैं। ट्रंप के इस ऐलान से मौजूदा राष्ट्रपति जो बाइडन के खेमे में खलबली मच गई है।

ट्रंप कोलंबिया जाने से पहले सालेम में रुके थे। उन्हें सालेम में रिपब्लिकन पार्टी के नेताओं को दक्षिण कैरोलाइना की अपनी प्रचार टीम से वाकिफ कराना था। ट्रंप ने कहा, ''मैं अब और नाराज हूं और पहले की तुलना में (राष्ट्रपित चुनाव के लिए) अधिक कटिबद्ध हूं।'' ट्रंप और उनके सहयोगियों को आस है कि प्रत्याशी चयन को लेकर अधिक शक्तिशाली प्रांतों में चल रही घटनाएं पूर्व राष्ट्रपति के पीछे की ताकत को प्रदर्शित करेंगी, क्योंकि उनके अभियान की ढीली शुरुआत से राष्ट्रपति पद के चुनाव में उतरने की उनकी कटिबद्धता पर कई लोग सवाल उठाने लगे हैं। अभी सिर्फ ट्रंप ने ही 2024 के राष्ट्रपति चुनाव की उम्मीदवारी के लिए अपनी दावेदारी घोषित की है। अब देखना होगा कि जो बाइडन भी 2024 के राष्ट्रपति चुनाव के लिए ताल ठोंकते हैं या नहीं।

ये नेता भी फरवरी से कर सकते हैं प्रचार अभियान की शुरुआत

पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप के अलावा फ्लोरिडा के गवर्नर आर डेसैंट्स, पूर्व उपराष्ट्रपति माइक पेंस, दक्षिण कैरोलाइना की पूर्व गवर्नर निक्की हैली समेत कई संभावित उम्मीदवारों द्वारा आगामी महीनों में अपना चुनाव प्रचार अभियान शुरू करने की उम्मीद है। इस बीच ट्रंप ने कहा कि मेम्फिस पुलिस के पांच अधिकारियों द्वारा अश्वेत नागरिक टायर निकोल्स की नृशंस पिटाई का जो वीडियो सामने आया है, वह 'भयावह' है और यह हमला 'कभी होना ही नहीं चाहिए था। ट्रंप ने शनिवार को एसोसिएटेड प्रेस के साथ एक साक्षात्कार में कहा, ''मेरा मानना है कि यह भयावह है। वह बड़ी मुश्किल में था। उस पर लात घूसे बरसाए जा रहे थे। बाइडन प्रशासन ने 29 वर्षीय अश्वेत निकोल्स पर किए गए हमले का वीडियो जारी किया था। हमले के 3 दिन बाद उसकी मौत हो गई थी। हालांकि वर्ष 2020 में ट्रंप के राष्ट्रपति कार्यकाल के दौरान जॉर्ज फ्लायड नामक एक अश्वेत व्यक्ति की पुलिस की कार्रवाई में मौत हो जाने के बाद अमेरिका में नस्ली हिंसा के खिलाफ बड़े पैमाने पर प्रदर्शन हुए थे।

ईरान के इस्फहान शहर में ड्रोन अटैक, रक्षा उपकरणों का निर्माण करने वाली कंपनी को बनाया गया निशाना

तेहरान, 29 जनवरी (एजेंसियां)। ईरान के मध्य शहर इस्फहान में ड्रोन से हमला किया गया है। इस्फहान में रक्षा उपकरणों का निर्माण करने वाली एक कंपनी पर शनिवार देर रात ड्रोन हमला हुआ, जिसमें परिसर की छत को मामूली नुकसान पहुंचा। ईरान की सरकारी समाचार एजेंसी ने रविवार तड़के यह जानकारी दी। एजेंसी ने रक्षा मंत्रालय के एक बयान के हवाले से बताया कि इस्फहान में रक्षा उपकरणों का निर्माण करने वाली एक कंपनी को शनिवार देर रात तीन ड्रोन विमानों ने निशाना बनाया।

बयान के मुताबिक, हमले में कंपनी की छत को मामूली नुकसान पहुंचा। इसमें बताया गया है कि बाद में ईरान की वायु रक्षा प्रणालियों ने तीनों ड्रोन को मार गिराया। हालांकि, ईरानी रक्षा मंत्रालय ने यह नहीं बताया कि ड्रोन हमले के पीछे किसका हाथ होने का संदेह है। वहीं, ईरान के सरकारी टेलीविजन चैनल ने कहा कि उत्तर-पश्चिमी शहर तबरीज के पास एक औद्योगिक क्षेत्र में स्थित एक तेल रिफाइनरी में शनिवार रात भीषण आग लग गई। चैनल ने रिफाइनरी में आग बुझाने की कोशिश करते दमकल कर्मियों के वीडियो प्रसारित किए। उसने कहा कि आग लगने की वजह फिलहाल पता नहीं चल सकी है।

हाल के सालों में ईरान के कई सैन्य-परमाणु प्रतिष्ठानों पर हमला

ईरान और इजराइल के बीच लंबे समय से एक छद्म युद्ध चल रहा है। हाल के सालों में ईरान के कई सैन्य और परमाणु प्रतिष्ठानों को निशाना बनाया गया है। पिछले साल ईरान ने कहा था कि राजधानी तेहरान के पूर्व में स्थित उसके परचिन सैन्य एवं हथियार उत्पादन केंद्र पर हुई एक संदिग्ध घटना में एक इंजीनियर मारा गया था और एक अन्य कर्मी घायल हो गया था। ईरान के रक्षा मंत्रालय ने इसे एक संदिग्ध घटना बताया था। उसने घटना के बारे में कोई अतिरिक्त जानकारी नहीं दी थी। अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) को संदेह है कि ईरान परचिन स्थित अपने सैन्य अड्डे में उन विस्फोटकों का परीक्षण करता है, जिनका इस्तेमाल परमाणु हथियार बनाने के लिए किया जा सकता है।

अप्रैल 2021 में ईरान ने इजराइल पर अपने भूमिगत नतांज परमाणु प्रतिष्ठान पर हमले का आरोप लगाया था, जिसमें उसके अपकेंद्रण यंत्र (सेंट्रिफ्यूज) क्षतिग्रस्त हो गए थे। हालांकि, इजराइल ने ईरान के आरोपों को खारिज किया था। 2020 में ईरान ने उस हमले के पीछे इजराइल का हाथ बताया था, जिसमें देश का शीर्ष परमाणु वैज्ञानिक मारा गया था।

पाकिस्तान पर एक और आफत: 35 रुपये प्रति लीटर बढ़े पेट्रोल-डीजल के दाम, भारत से कितना गुना ज्यादा है कीमत

इस्लामाबाद, 29 जनवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान में रोटी के लिए हाहाकार मचाती जनता के बीच शहबाज सरकार ने एक और संकट खड़ा कर दिया है। दरअसल, यहां की सरकार ने पेट्रोल-डीजल के दामों में बेतहाशा वृद्धि कर दी है। अचानक इतना इजाफा होने से लोग परेशान दिख रहे हैं। वित्त मंत्री इशाक डार ने रविवार सुबह नई कीमतों के लागू होने से कुछ मिनट पहले टीवी पर एक संबोधन में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में 35 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी की घोषणा कर दी। इस बढ़ोतरी के बाद लोगों को बाइक और कार चलाने पर भी आफत आ गई है। लोग अपने वाहनों को घर में रखने के लिए मजबूर हो गए हैं। सुबह 10:50 बजे शुरू हुए संबोधन में, डार ने कीमत संशोधन के बारे में चर्चा की। उन्होंने कहा कि यह बढ़ी हुई कीमत आज सुबह 11 बजे से प्रभावी होगी। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर पेट्रोल और डीजल की कीमतों में 50 रुपये की बढ़ोतरी को लेकर अटकलों का बाजार गर्म है लेकिन मैं बताना चाहता हूं कि कीमत में हमने 35 रुपये प्रति लीटर का इजाफा किया है।

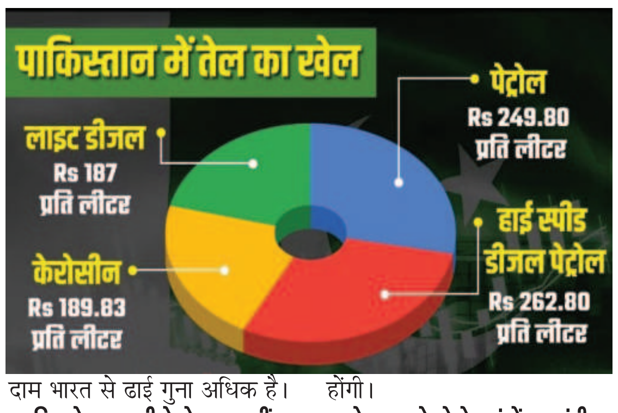

भारत से ढाई गुना अधिक कीमत

भारत में फिलहाल पेट्रोल और डीजल के दाम 100 रुपये प्रति लीटर चल रहे हैं वहीं पाकिस्तान में 250 रुपये प्रति लीटर हो गए हैं। वहीं दोनों देशों की तुलना की जाए तो पाकिस्तान में पेट्रोल-डीजल के दाम भारत से ढाई गुना अधिक है।

पिछले चार महीने से दाम नहीं बढ़ाए: इशाक डार

मंत्री डार ने कहा कि पाकिस्तानी रुपये में पिछले सप्ताह अवमूल्यन हुआ और अब हम अंतरराष्ट्रीय बाजार में पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतों में 11 प्रतिशत की वृद्धि देख रहे हैं। मंत्री ने कहा कि पिछले चार महीनों में हमारी सरकार ने पेट्रोल के दाम नहीं बढ़ाए हैं। अंतर्राष्ट्रीय कीमतों और रुपये के अवमूल्यन के बाद प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के निर्देश पर, हमने चार उत्पादों की न्यूनतम कीमत बढ़ाने का फैसला किया है।

उन्होंने कहा कि हमने पेट्रोल और डीजल के दाम में 35 रुपये प्रति लीटर बढ़ाने का फैसला किया है। मिट्टी के तेल और हल्के डीजल के दाम में 18 रुपये की बढ़ोतरी की गई है। मंत्री ने आगे उम्मीद जताई कि नई कीमतों की घोषणा से पेट्रोल की आपूर्ति बंद होने की अफवाहें दूर होंगी।

देश भर के पेट्रोल पंपों पर लंबी कतारें

डार की घोषणा से पहले, शनिवार को देश के कई हिस्सों में पेट्रोल की कीमतों में भारी बढ़ोतरी की अफवाहों के कारण पेट्रोल पंपों पर लंबी कतारें लग गईं। सोशल मीडिया पर साझा की गई रिपोर्ट में कहा गया था कि 1 फरवरी को पेट्रोल और डीजल की कीमतें 45 रुपये से 80 रुपये के बीच कहीं भी बढ़ने की उम्मीद है। एक पेट्रोल पंप पर कतार में खड़े लोगों ने बताया कि हमने सोशल मीडिया पर एक रिपोर्ट देखी जिसमें लिखा था कि डॉलर के मूल्य और अंतरराष्ट्रीय पेट्रोलियम दरों में वृद्धि के कारण तेल की कीमतें बढ़ेंगी। इस बीच, गुजरांवाला में केवल 20 प्रतिशत पंपों पर पेट्रोल उपलब्ध था, जबकि रहीम यार खान, बहावलपुर, सियालकोट और फैसलाबाद में भी भारी कमी की सूचना मिली थी।

किम जोंग-जिनपिंग व पुतिन के बीच सबसे बड़े धोखेबाज थे अशरफ गनी...पूर्व अमेरिकी मंत्री का दावा

वाशिंगटन, 29 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिका के पूर्व विदेश सचिव माइक पोम्पिओ ने अफगानिस्तान के पूर्व राष्ट्रपति अशरफ गनी को लेकर बड़ा दावा किया है। अपनी पुस्तक 'नेवर गिव एन इंचः फाइटिंग फॉर द अमेरिका आई लव' ने लिखा है कि मैं जितने भी वैश्विक नेताओं से मिला हूं, उसमें अशरफ गनी सबसे बड़े धोखेबाज थे। माइक पोम्पिओ ने कहा, अशरफ गनी किसी भी तरह से सत्ता में बना रहना चाहते थे और इसके लिए वह किसी भी तरह का जोखिम नहीं लेना चाहते थे। उन्होंने कहा, तालिबान के साथ शांति वार्ता में गनी सबसे बड़ी बाधा थे। बता दें, अमेरिकी सेना की अफगानिस्तान से वापसी के बाद तालिबान ने काबुल पर कब्जा कर लिया, जिसके बाद अशरफ गनी देश छोड़कर भाग गए थे।

धोखाधड़ी से गनी ने जीता था चुनाव

पोम्पिओ ने अपनी किताब में दावा किया कि गनी ने चुनाव बड़े पैमाने पर धोखाधड़ी के कारण जीता था। गणना के अनुसार गनी ने देश के मुख्य कार्यकारी अब्दुल्ला अब्दुल्ला को हराया था, लेकिन सच्चाई यह थी कि गनी ने अन्य उम्मीदवारों की तुलना में मतदाताओं और वोट काउंटरों को अधिक रिश्वत दी थी। पोम्पियो ने कहा, गनी और अब्दुल्ला अब्दुल्ला दोनों उच्चतम स्तर पर भ्रष्टाचार में शामिल थे और दोनों किसी भी तरह से सत्ता चाहते थे।

उन्होंने कहा, बड़े स्तर पर भ्रष्टाचार ने अमेरिका की युद्ध से सफलतापूर्वक बाहर निकलने की क्षमता को सीमित कर दिया था।

शांतिवार्ता में सबसे बड़ी बाधा थे गनी

पोम्पिओं ने कहा, मैं दुनिया के कई नेताओं से मिला, यह मेरा पसंदीदा काम था। उन्होंने कहा, तालिबान के साथ शांतिवार्ता में गनी हमेशा एक बाधा बने रहे। जब आपके पास किम जोंग-उन, शी जिनपिंग)और व्लादिमीर पुतिन जैसे नेता हैं, फिर भी इन सबके बीच गनी बहुत बड़े धोखेबाज थे। उन्होंने अपनी किताब में लिखा कि मुझे कभी नहीं लगा कि वह अपने देश के लिए जोखिम उठाने के लिए तैयार हैं, जो उनकी सत्ता को खतरे में डाल सकता है। इससे मुझे घृणा हुई। उन्होंने कहा, जबकि तालिबान एक वास्तविक खतरा था और ट्रंप प्रशासन ने तालिबान से बातचीत के लिए पूर्व राजनयिक जलमय खलीलजाद को विशेष दूत नियुक्त किया था।

कश्मीर मांगने वाले पाकिस्तान के लिए प्याज खाना भी मुश्किल

एक किलो के दाम 300 के पार, बिजली-पेट्रोल भी होंगे महंगे!

कराची, 29 जनवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान के हालात अनियंत्रित होते जा रहे हैं। यहां पर रोजमर्रा की चीजों के दामों में भी बेतहाशा इजाफा हो रहा है। जो ताजा जानकारी आ रही है उसके मुताबिक देश के कई हिस्सों में प्याज 320 रुपए प्रति किलोग्राम तक पहुंच गया है। पाकिस्तान के अखबार डॉन की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि सिंध और बलूचिस्तान से आने वाली सप्लाई में कमी की वजह से प्याज की कीमतें आसमान छूने लगी हैं। साथ ही सरकार की तरफ से एक जनवरी से खाने-पीने की जरूरी चीजों के आयात पर अतिरिक्त कर भी लगा दिया गया है।

क्यों बढ़ी हैं कीमतें

पाकिस्तान का सेंसटिव प्राइस इंडेक्स डाटा हालातों को बयां करने के लिए काफी है। देश में प्याज की औसत कीमत 26 जनवरी को 200 रुपए से 320 रुपए प्रति किलो तक पहुंच गई हैं। जबकि पांच जनवरी को यही आंकड़ा 180 रुपए से 280 रुपए प्रति किलो था। इस्लामाबाद में प्याज 260 रुपए से 320 रुपए प्रति किलो बिक रहा है। बताया जा रहा है कि प्याज ले जाने वाले 600-700 कंटेनर्स अटके पड़े हैं। सिर्फ कुछ ही कंटेनर्स बाजार में आए हैं और इसकी वजह से ही कीमतों पर अतिरिक्त दबाव पड़ा है।

तुर्की, चीन और दुबई से आएगा प्याज

ऑल पाकिस्तान फ्रूट एंड वेजीटेबल एक्सपोटर्स, इंपोटर्स एंड मर्चेंट्स एसोसिएशन के पैट्रन इन चीफ वहीद अहमद के मुताबिक आयातकों को एक किलोग्राम पर 18 से 20 रुपए अतरिक्त अदा करने पड़ रहे हैं। इसके अलावा अफगानिस्तान और ईरान ने खराब फसल के चलते सप्लाई बंद कर दी गई थी। अब पाकिस्तान की जनता को मिस्र, तुर्की और चीनी प्याजों का स्वाद चखने को मिल सकता है। साथ ही दुबई से भी प्याज के आयात की तैयारियां जारी है।

बिजली होगी 50 फीसदी महंगी

पाकिस्तान में प्याज की कीमतों में इजाफे की खबर ऐसे समय आई है जब देश के पूर्व वित्त मंत्री शौकत तारिन की तरफ से महंगाई की सुनामी की बात कही गई है। तारिन ने कहा है कि अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष की तरफ से बेलआउट पैकेज के लिए नए करो को लागू करने की मांग की गई है। उनका कहना है कि इस वजह से देश में 3.2 खरब रुपए की कीमत वाले नए कर लगाए जाएंगे। उन्होंने आगाह किया है कि आने वाले दिनों में बिजली की कीमतों में भी 50 फीसदी प्रति यूनिट की दर से इजाफा हो सकता है।

और बढ़ेगी महंगाई

तारिन का कहना था कि देश पर कर्ज बढ़ता जा रहा है। रुपए की कीमत दिन पर दिन गिर रही है और इसकी वजह से कर्ज 4.5 खरब रुपए तक पहुंच गया है। कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स (CPI) में 30 से 35 फीसदी तक का इजाफा होगा और इसकी वजह से महंगाई और बढ़ेगी।

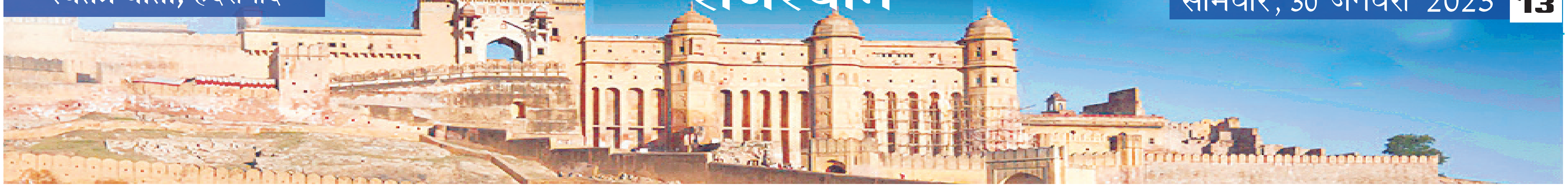

8 गुर्जर विधायकों के बावजूद मंदिर की कांग्रेस से दूरी

न सीएम को बुलाया, न पायलट को वसुंधरा भी नहीं पहुंची, सिर्फ गुर्जरों पर फोकस

जयपुर, 29 जनवरी (एजेंसियां)। भीलवाड़ा के मालासेरी डूंगरी में सभा कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राजस्थान में पिछले 4 महीने में अपना तीसरा दौरा किया। इससे पहले आबूरोड के मानपुर और बांसवाड़ा के मानगढ़ धाम के दौरे पर मोदी राजस्थान आए थे। मगर इस दौरे पर बीजेपी और पीएमओ ने रणनीतिक रूप से कांग्रेस को पूरी तरह से अलग रखा और कांग्रेस के नेताओं को अलग रखने के लिए भाजपा नेताओं ने भी कार्यक्रम से दूरी बनाई।

गुर्जर समाज में बीजेपी को स्थापित करने और अपनी पकड़ मजबूत बनाने के लिए कार्यक्रम का फोकस पूरी तरह बीजेपी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर ही रखा गया। यही वजह रही कि आधिकारिक कार्यक्रम होने के बावजूद राजस्थान में सीएम अशोक गहलोत को आमंत्रित नहीं किया गया।

वहीं, दूसरी ओर गुर्जर समाज के राजस्थान में सबसे कद्दावर नेता होने के बावजूद सचिन पायलट को भी आमंत्रित नहीं किया गया। कार्यक्रम में न कोई प्रदेश सरकार का मंत्री नजर आया, न ही कोई गुर्जर कांग्रेसी विधायक। यहां तक कि देवनारायण बोर्ड के अध्यक्ष जोगिंदर अवाना भी दिखाई नहीं दिए।

पीएम का कार्यक्रम मिल गया, इसलिए सीएम को नहीं बुलाया : मंदिर पुजारी

इस बारे में जब मंदिर के पुजारी हेमराज पोसवाल से बात की तो उन्होंने बताया कि हमारे साल में दो बड़े कार्यक्रम होते हैं। राष्ट्रीय स्तर का होने के कारण हमने पीएम को आमंत्रण दिया। हेमराज पोसवाल ने कहा कि हमने राज्यपाल को आमंत्रित किया। सीएम को बुलाने का था, मगर पीएमओ से कार्यक्रम मिल गया तो सीएम को आमंत्रित नहीं किया।

उन्होंने कहा- हम नहीं चाहते कि मंदिर पर कोई राजनीति हो। हमने कार्यक्रम की शुरुआत में देवनारायण बोर्ड के अध्यक्ष जोगिंदर अवाना को बुलाया था। हमारा मकसद मंदिर का विकास है। राज्यपाल को और केंद्रीय मंत्रियों को भी बुलावा भेजा था। सचिन पायलट को पिछले कार्यक्रम में हमने बुलाया था, इस बार नहीं बुलाया।

दरअसल, पीएम मोदी के कार्यक्रम को कुछ इस तरह से डिजाइन किया गया ताकि यह कार्यक्रम पूरी तरह देवनारायण मंदिर विकास समिति का लगे। मगर देश के संस्कृति मंत्रालय ने भी इसमें पूरा सहयोग किया। यही वजह रही कि संस्कृति मंत्री अर्जुनराम मेघवाल पिछले लगभग दो सप्ताह से इस कार्यक्रम की तैयारियों में लगे रहे।

कार्यक्रम के बोर्ड बैनर पर भी आजादी के 75 वर्ष का अमृत महोत्सव और जी-20 का लोगो भी मौजूद था।

बीजेपी नेताओं ने मंदिर के कार्यक्रम के रूप में किया प्रोजेक्ट

दूसरी तरफ, बीजेपी के नेताओं ने इसे पूरी तरह देवनारायण मंदिर समिति के कार्यक्रम के तौर पर प्रोजेक्ट किया। प्रधानमंत्री ने खुद भी भाषण में कहा कि ये सरकारी कार्यक्रम नहीं हैं। ये पूरी तरह समाज की भक्ति का कार्यक्रम है। सियासी जानकारों का मानना है कि अगर कार्यक्रम पीएमओ का होता या संस्कृति मंत्रालय ही करता तो आधिकारिक प्रोटोकॉल के नाते सीएम अशोक गहलोत को भी बुलाना पड़ता।

विशेष बुलावे पर भी नहीं आई वसुंधरा

इधर, मंदिर समिति और स्थानीय विधायक की ओर से पूर्व सीएम वसुंधरा राजे को खास न्योता दिया गया। मगर इसके बावजूद वसुंधरा राजे नहीं पहुंची। वसुंधरा राजे ने अपनी पिछली सरकार में मंदिर के लिए लगभग 4.5 करोड़ की लागत से पैनोरमा बनवाया था।

ऐसे में इसके चलते राजे को लेकर यहां लोगों में विशेष लगाव है। मगर वसुंधरा राजे नहीं आईं। जानकारों का कहना है कि बीजेपी इसे समाज विशेष के कार्यक्रम के रूप में ही प्रोजेक्ट करना चाहती थी। इसी वजह से बीजेपी इसमें सीधे तौर पर शामिल नहीं हुई और वसुंधरा ने भी दूरी बनाई। यही वजह है कि अन्य नेताओं को नहीं बुलाया गया।

न केंद्रीय मंत्री आए, न राज्यपाल, संगठन भी पूरा नहीं गुर्जर समाज में पकड़ बनाने के लिए कार्यक्रमों को पूरी तरह गुर्जर समाज पर फोकस्ड रखा गया। यही वजह रही कि कई केंद्रीय मंत्रियों को आमंत्रण देने के बावजूद वे नहीं आए। संस्कृति मंत्री होने के नाते सिर्फ अर्जुन राम मेघवाल मौजूद रहे। आम तौर पर प्रधानमंत्री के कार्यक्रम में बीजेपी के तमाम प्रमुख नेता होते हैं। संगठन के तौर पर प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनिया मौजूद थे। इसके अलावा नेता प्रतिपक्ष गुलाबचंद कटारिया, भीलवाड़ा सांसद सुभाष बहेड़िया, दीया कुमारी, भागीरथ चौधरी और सुखबीर सिंह जौनपुरिया मौजूद रहे।

कांग्रेस में विवाद, कंट्रोवर्सी नहीं चाहती थी बीजेपी

कार्यक्रम में नेताओं को बुलाने को लेकर बीजेपी और कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेताओं और जानकारों का कहना है कि कांग्रेस में सीएम की कुर्सी को लेकर खींचतान है। ऐसे में बीजेपी नहीं चाहती थी कि किसी भी तरह की कोई कंट्रोवर्सी हो। सीएम गहलोत और सचिन पायलट के बीच मतभेद खुलकर सामने आ चुके हैं। ऐसे में इसी विवाद से बचने के लिए भी कांग्रेस को पूरी तरह से कार्यक्रम से दूर रखा गया।

महाराणा प्रताप के वंशज लक्ष्यराज जॉइन कर सकते हैं पॉलिटिक्स

बोले- कांग्रेस-भाजपा के नेताओं का प्रेम मिलता है; चुनाव लड़ने की संभावना पर क्या कहा?

जयपुर, 29 जनवरी (एजेंसियां)। मेवाड़ राजघराने के पूर्व सदस्य लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ राजनीति में आएंगे या नहीं...चुनाव लड़ेंगे तो कब लड़ेंगे....प्रॉपर्टी विवाद क्या है और क्यों है उन्हें कारों का शौक। ये कई सारे सवाल उनके प्रशंसकों के मन में चलते रहते हैं। हालांकि, अलग-अलग मंच और कार्यक्रमों में वे कई सवालों के जवाब तो दे चुके हैं, राजनीति से जुड़ी कई बातों को जानने की कोशिश की। दरअसल, कुछ दिनों पहले लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ जयपुर आए थे। प्रॉपर्टी विवाद पर कहना था कि विवाद तो है, लेकिन इस पर नजरें दूसरे लोगों की हैं।

राजनीति में एंट्री की चर्चाएं चल रही हैं, लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ ने कहा - फिलहाल अगर मैं यह कहूं कि मैं राजनीति में एंट्री नहीं ले रहा तो यह गलत होगा, क्योंकि कल को अगर मेरी राजनीति में एंट्री होती है तो मेरी बात गलत हो जाएगी, लेकिन अगर मैं ईमानदारी से कहूं, तो हाल-फिलहाल इस तरह की कोई चर्चा नहीं है। पसंद-नापसंद वाली कोई बात नहीं है। यह मेरा सौभाग्य है कि मुझे दोनों राजनीतिक दलों के नेता प्यार और आदर देते हैं। इस वजह से इनमें से कोई चुनने वाली बात नहीं है। जैसे कि कोई पूछे कि सफेद रंग पसंद है या काला, ऐसा कोई विषय नहीं है। विधानसभा या लोकसभा को लेकर अभी हाल-फिलहाल दिमाग में कोई भी विचार नहीं है। अभी अपनी जगह को लेकर, स्थान को लेकर, शहर को लेकर, प्रदेश को लेकर काम कर रहे हैं। हर चीज राजनीतिक हो, या उसके ऊपर राजनीतिक रंग हो, यह जरूरी नहीं है। हमारे देश में राजनीति के दरवाजे सभी के लिए खुले हैं। कोई भी अगर देश के लिए अपनी सेवा देना चाहता है, या राजनीति करना चाहता है या अपने तरीके से किसी चीज से जुड़ना चाहता है तो उनके पास उसे चुनने की आजादी है। यह आजादी व्यक्ति विशेष या सिर्फ मेरे तक ही सीमित नहीं है। बल्कि देश के हर नागरिक के पास है।

जब मैं ऑस्ट्रेलिया में था, तब मैंने बतौर वेटर काम किया था। सिर्फ वेटर ही नहीं और भी क्षेत्रों में मैंने काम किया था। अपने खुद के हाथों से काम करने में खराबी ही क्या है? हर व्यक्ति को करना चाहिए।

मुझे लगता है कि जब तक हम खुद करेंगे नहीं, तब तक हम सीखेंगे नहीं। हमें किसी भी चीज को छोटा नहीं समझना चाहिए। वैसे भी छोटा किसी भी चीज को आदमी केवल दो कारण से ही समझता है। या तो वह किसी चीज को काफी दूर से देख रहा हो, या फिर गुरूर से देख रहा हो। जिंदगी को जिंदादिली से जीना चाहिए, मैं वही कर रहा हूं। अपने दोस्तों और परिवार के साथ बैठना वक्त निकालना, अच्छा खाना, अच्छी जगह घूमना, पूरे परिवार को एक बस में लेकर घूमने जाना, अगर यही लेविश लाइफ है तो हां मैं इसे जी रहा हूं। सिनेमा और दूसरी चीजों ने हमारे जीवन को लेकर जो दृष्टिकोण आम लोगों को दे दिया है, वह बहुत अलग है। वह पूरी तरह सही नहीं है। मेरे लिए जिंदगी एक सफर है, जिसमें आपके साथ कौन है, यह बात सबसे जरूरी है। ऐसे में अगर आप अपने चाहने वालों के साथ हैं तो जिंदगी अपने आप लेविश हो जाती है। बचपन से ही मुझे ड्राइविंग का काफी शौक था, लेकिन 18 साल का नहीं होने की वजह से पिताजी ने मुझे कार चलाने की इजाजत नहीं दी।

जैसे ही 18 साल की उम्र के बाद मुझे पहला मौका मिला कार चलाने का, तब से अब तक मैं लगातार कारें चला रहा हूं। मुझे मशीनरी से काफी लगाव है। मशीनें मुझे बहुत आकर्षित करती हैं। चाहे वह हवाई जहाज हो या फिर आज के जमाने की नई साइकिल, मुझे सब पसंद है। मशीनें मुझे हमेशा प्रेरित करती हैं। इसी वजह से उन्हें चलाना मेरा शौक बन गया है।

4 फरवरी को दौसा आ सकते हैं पीएम मोदी

एक्सप्रेस-वे के सोहना-दौसा खण्ड का उद्घाटन करेंगे, अधिकृत कार्यक्रम का इंतजार

दौसा, 29 जनवरी (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 4 फरवरी को दूसरी बार दौसा जिले के दौरे पर आ सकते हैं। वे यहां देश के सबसे लंबे दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे के प्रथम चरण का उद्घाटन करेंगे। पीएम मोदी सोहना - दौसा खंड का उद्घाटन कर लोगों को सुगम आवागमन की सौगात देंगे। इसके लिए दौसा जिला मुख्यालय के पास नांगल प्यारीवास स्थित मीणा हाईकोर्ट में कार्यक्रम प्रस्तावित बताया जा रहा है, हालांकि अभी अधिकृत कार्यक्रम जारी नहीं हुआ है। लेकिन एनएचएआई को संकेत मिलने के बाद तैयारियां शुरू कर दी गई हैं।

पीएम का यहां भी कार्यक्रम संभावित

एक्सप्रेसवे के प्रथम चरण के उद्घाटन के लिए दौसा के नांगल प्यारीवास, अलवर जिले के शीतल व जयपुर के विद्याधर नगर स्टेडियम में संभावित कार्यक्रम को लेकर भाजपा प्रदेश नेतृत्व व एनएचएआई एनएचएआई ने प्रारंभिक तैयारियां शुरू की हैं। ऐसे में पीएमओ द्वारा अधिकृत कार्यक्रम जारी होने के बाद स्थान फाइनल होगा।

एक्सप्रेसवे के उद्घाटन होने के बाद जयपुर से दिल्ली का सफर घटकर 2 घंटे का रह जाएगा। पिछले दिनों केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी व हाल ही में दौसा के दौरे पर आए केंद्रीय राज्य मंत्री डॉ. संजीव बालियान ने एक्सप्रेसवे का उद्घाटन जल्द होने के बात कही थी। बता दें कि दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे भारत का सबसे लंबा एक्सप्रेस-वे होगा, जिसकी कुल लंबाई 1350 किलोमीटर है।

12 घंटे में पहुंच जाएंगे मुंबई

दिल्ली - मुंबई एक्सप्रेसवे ज्यादा स्पीड वाले वाहनों के लिए बनाया जा रहा है। इस पर 120 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से वाहन दौड़ सकेंगे। दिल्ली व जयपुर के बीच की दूरी लगभग 270 किलोमीटर है। ऐसे में सोहना - दौसा खंड़ के चालू होने के बाद दिल्ली से जयपुर व दौसा से दिल्ली तक की यात्रा का समय घटकर 2 घंटे हो जाएगा। वहीं दिल्ली से मुंबई तक की दूरी 12 घंटे में तय की जा सकेगी, इसमें फिलहाल 24 घंटे का वक्त लगता है।

दूसरी बार उसी जगह आ सकते हैं पीएम

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बीते 5 साल में दूसरी बार दौसा जिले के दौरे पर आएंगे। इससे पहले वे साल 2018 में विधानसभा चुनाव में प्रचार के लिए दौसा आए थे। इसमें सबसे खास बात यह है कि 2018 में नांगल प्यारीवास मीणा हाईकोर्ट में प्रधानमंत्री की सभा हुई थी और 4 फरवरी को भी मीणा हाईकोर्ट में ही सभा प्रस्तावित है। ऐसे में प्रधानमंत्री के अधिकृत कार्यक्रम का अभी इंतजार किया जा रहा है।

रंधावा ने डोटासरा को टोकते हुए कहा-सबकी सुनने आया हूं

कांग्रेस की बैठक में प्रदेशाध्यक्ष से भिड़े पूर्व विधायक, डांटकर चुप कराया

जयपुर, 29 जनवरी (एजेंसियां)। कांग्रेस के हाथ से हाथ जोड़ो अभियान की तैयारी के लिए जयपुर संभाग के नेताओं की प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में बुलाई गई बैठक में शनिवार को तनातनी हो गई। कई नेताओं ने ढाई साल से पूरा संगठन नहीं बनने और ग्राउंड पर काम नहीं होने पर सवाल उठाए।

बैठक में पूर्व विधायक श्रवण कुमार और कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के बीच तनातनी हो गई। इसी दौरान श्रवण कुमार को प्रदेश प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा ने डांट कर बैठाया।

बैठक में नेताओं को समस्याएं उठाने से रोका तो प्रदेश प्रभारी ने प्रदेशाध्यक्ष को टोका। रंधावा ने डोटासरा के हाथ से माइक लेकर यहां तक कह दिया कि सबकी सुनने आया हूं, केवल आपकी ही नहीं। बैठक में जयपुर संभाग के 35 विधायकों में से आधे भी नहीं आए।

पूर्व विधायक ने कहा-संगठन ही सरकार की भाषा बोल रहा है

सूरजगढ़ से पूर्व विधायक श्रवण कुमार ने कहा- दो साल से ज्यादा वक्त हो गया, अब तक संगठन नहीं बना। हमारे यहां टॉप टू बॉटम संगठन के पद खाली पड़े हैं। सरकार की योजनाओं के काम फील्ड में ढंग से नहीं चल रहे हैं।

प्रदेशाध्यक्ष डोटासरा ने श्रवण कुमार को टोकते हुए कहा कि यहां केवल हाथ से हाथ जोड़ो अभियान की बात कीजिए, आपने भी इतने समय से क्या काम किया?

इस पर श्रवण कुमार ने कहा- हम अपनी बात कहां उठाएं, जब संगठन ही सरकार की भाषा बोलने लग जाए तो हम बात कहां रखें? काम हो नहीं रहे, लोग हमें कहते हैं, ग्राउंड संगठन के बिना अभियान कैसे चलेगा।

नेता ने प्रदेशाध्यक्ष से कहा- आप अकेले ही पार्टी हो क्या?

डोटासरा ने श्रवण कुमार को डांटते हुए कहा- केवल मीटिंग में माहौल बनाने से काम नहीं चलता, फील्ड में भी कुछ कर लिया करो। दो साल में संगठन का कोई एक काम किया हो तो बताइए, बैठकों में माहौल बनाना आता है।

श्रवण कुमार ने भी पलटवार किया और कहा- केवल आप ही पार्टी नहीं हो, कार्यकर्ताओं की भी सुना करो, हम भी पार्टी हैं।

दोनों के बीच काफी देर तनातनी चली। प्रदेश प्रभारी रंधावा ने श्रवण कुमार को डांटते हुए चुप करवाया। रंधावा ने श्रवण कुमार को अकेले में मिलकर मुद्दे रखने को कहा, तब जाकर शांत हुए।

जयपुर में लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने बरसाई गोलियां

पॉश इलाके के क्लब में फायरिंग; गैंगस्टर की धमकी- सबका नंबर आएगा

जयपुर, 29 जनवरी (एजेंसियां)। जयपुर के एक पॉश इलाके में लॉरेंस गैंग की ओर से की गई फायरिंग से दहशत फैल गई है। घटना के करीब 12 घंटे बीत जाने के बाद भी अब तक पुलिस के हाथ खाली हैं। वहीं, फायरिंग की जिम्मेदारी गैंगस्टर रितिक बॉक्सर ने ली है। उसने सोशल मीडिया पर धमकी देते हुए कहा कि - सबका नंबर आएगा। मामला जवाहर थाना के जी क्लब का है। पुलिस के अनुसार शनिवार रात करीब 12 बजे बाइक पर आए तीन बदमाशों ने क्लब में बाहर से फायरिंग शुरू कर दी। फायरिंग की आवाज आते ही वहां अफरा-तफरी मच गई।

जानकारी के अनुसार बदमाशों ने करीब 17 राउंड फायरिंग की है। हालांकि, इस घटना में किसी को चोट नहीं आई है। मौके पर पहुंची पुलिस ने शहर में नाकाबंदी करवाई, लेकिन अब तक आरोपियों का सुराग नहीं लगा है।

पहले कार से आए थे आरोपी

जानकारी के अनुसार आरोपियों ने पहले क्लब की रेकी की थी। इसके कुछ देर बाद वे फायरिंग करने के लिए बाइक पर आए थे। करीब चार-पांच मिनट तक वे गोली चलाते रहे। यह पूरी घटना क्लब के बाहर लगे सीसीटीवी में कैद हो गई।

जी क्लब पर हुई फायरिंग की जिम्मेदारी रितिक बॉक्सर ने ली है। रविवार सुबह बॉक्सर ने अपने सोशल मीडिया पेज पर लिखा है कि राम-राम जयपुर। यह जी क्लब जयपुर पर जो फायरिंग हुई है यह मैंने ऋतिक बॉक्सर, अनमोल विश्नोई (लॉरेंस बिश्नोई गैंग) ने करवाई है। याद रहे सबका नंबर आएगा....

रितिक के संभावित ठिकानों पर पुलिस दबिश दे रही है। हालांकि, अभी तक फायरिंग करने वाले किसी भी व्यक्ति की गिरफ्तारी नहीं हुई है।

बताया जा रहा है कि जयपुर शहर में संभवतः पहली बार इस तरह की फायरिंग की गई है। इन की तलाश में पुलिस की अलग-अलग टीमें गठित की गई, लेकिन अभी तक इन का कोई सुराग नहीं लगा। जी क्लब के सिक्योरिटी इंचार्ज राजेंद्र सिंह ने बताया- बदमाश जिस समय फायरिंग कर रहे थे। वह मौके पर मौजूद थे। बदमाश एक कागज परिसर में फेंककर गए। साथ में बोले- अगर 1 करोड़ रुपए नहीं दिए तो आगे इससे भी बड़ी घटना हो सकती है।

जवाहर सर्किल सी आई सुरेंद्र सैनी ने बताया- घटना की जानकारी मिलने पर मौके पर पुलिस टीम को भेज दिया है। वहीं, पूरे शहर में इस श्रेणी की नाकेबंदी लगाई गई थी, हालांकि अभी तक किसी भी प्रकार का कोई बदमाश गिरफ्तार नहीं हुआ है। कुछ बदमाशों ने सोशल मीडिया पर खुद के द्वारा अपराध कार्य करने की जानकारी दी है।

राजस्थान में ओले-बारिश का कहर

जयपुर, 29 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान के ज्यादातर जिलों में बारिश हुई है। उदयपुर, सिरोही सहित कई जिलों में ओले भी गिरे हैं।

राजस्थान में देर रात से बदले मौसम ने कहर बरपा दिया है। उदयपुर, सिरोही समेत प्रदेश के कई इलाकों में भारी मात्रा में ओले गिरने से किसानों की फसल चौपट हो गई है। सड़कों पर ओलों की वजह से सफेद चादर बिछ गई है। वहीं जयपुर में भी रुक-रुककर बारिश हो रही है।

मौसम विभाग के मुताबिक प्रदेश में पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने की वजह से मौसम में बदलाव हुआ है। आज रविवार को दिन भर जयपुर, उदयपुर, अजमेर, कोटा, जोधपुर और बीकानेर संभागों में हल्की से मध्यम बारिश जारी रहने की संभावना है। इसके साथ ही कहीं-कहीं जगहों पर ओलावृष्टि और हो सकती है।

जयपुर मौसम केंद्र के निदेशक राधेश्याम शर्मा ने बताया कि 30 जनवरी को उत्तर और उत्तर-पूर्वी भागों में बारिश होने की संभावना है। इससे पहले शनिवार शाम करीब 6:30 बजे के बाद बाद मौसम पलट गया। बादल घिरने के साथ कई जगहों पर बिजली चमकने के साथ देर रात तेज बारिश हुई।

यहां हुई अच्छी बारिश

डूंगरपुर, बूंदी, अलवर, चित्तौड़गढ़, टोंक, जयपुर, अजमेर, भीलवाड़ा में अच्छी बारिश हुई है। जिसमें बूंदी में 11मिमि, डूंगरपुर के कई शहरों में 2-3 मिमि तक, जयपुर शहर के सांगानेर, आमेर, जमवारामगढ़, शाहपुरा, कोटखावदा, चाकसू, जोबनेर, नरैना, बस्सी और मोजमाबाद में 2-4 mm तक बारिश हुई।

अपराधियों को पकड़ने जा रहे 2 कॉन्स्टेबल की मौत

जोधपुर, 29 जनवरी (एजेंसियां)। जोधपुर के आसोप से डेढ़ किमी आगे हुए हादसे में 2 पुलिसकर्मियों की मौत हो गई, जबकि 2 घायल हैं। मरने वालों में प्राइवेट कार का ड्राइवर भी शामिल है।

जोधपुर से करीब 90 किलोमीटर दूर हुए सड़क हादसे में 2 पुलिसकर्मियों सहित तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि 2 कॉन्स्टेबल घायल हैं। प्राइवेट कार से 4 कॉन्स्टेबल अपराधी को पकड़ने नागौर की ओर जा रहे थे। शनिवार शाम करीब 5 बजे आसोप से करीब डेढ़ किमी आगे ट्रेलर से कार की टक्कर हो गई। घायलों को जोधपुर के महात्मा गांधी हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। कार में ड्राइवर सहित 5 लोग सवार थे।

ग्रामीण एसपी अनिल कयाल ने बताया आसोप थाने के हेड कॉन्स्टेबल तेजाराम (35) निवासी सेनणी, कॉन्स्टेबल मोहनलाल निवासी कंकड़ाय पुलिस थाना भावंडा सहित 2 अन्य कॉन्स्टेबल प्राइवेट कार लेकर शनिवार शाम अपराधी को पकड़ने नागौर जा रहे थे। कार राजूराम देवासी (38) निवासी आसोप चला रहा था। आसोप से डेढ़ किलोमीटर आगे कार को सामने से आर रहे ट्रेलर ने टक्कर मार दी। हादसे में तेजाराम, मोहनलाल और राजू राम की मौत हो गई, जबकि दो अन्य पुलिसकर्मी घायल हो गए। मौके पर पहुंची पुलिस ने ग्रीन कॉरिडोर बनाकर सबको जोधपुर हॉस्पिटल पहुंचाया।

एमडीएम अस्पताल अधीक्षक डॉ. विकास राजपुरोहित ने बताया कि दो घायल पुलिसकर्मियों का इलाज चल रहा है। दोनों के हाथ और पांव में फ्रैक्चर है। उनकी हालत अभी स्थिर है। हादसे की सूचना मिलने के बाद ग्रामीण एसपी अनिल कयाल, एडिशनल एसपी सुनील के पंवार, एसीपी चक्रवर्ती सिंह आदि हॉस्पिटल पहुंचे और घटना की जानकारी ली।

जालोर कॉलेज के छात्रसंघ अध्यक्ष समेत 3 की मौत

जालोर, 29 जनवरी (एजेंसियां)। जालोर में सड़क हादसे में वीरमदेव गवर्नमेंट कॉलेज के छात्रसंघ अध्यक्ष समेत 3 लोगों की मौत हो गई। हादसे में 4 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी लोग देर रात करीब 11.30 बजे आहोर की तरफ जा रहे थे। इस दौरान उनकी बोलेरो कैंपर की सामने से आए ट्रेलर से भिड़ंत हो गई। आहोर थानाधिकारी गिरधर सिंह ने बताया कि जालोर कॉलेज के छात्रसंघ अध्यक्ष कालूसिंह भाटी निवासी टेकरा अपने साथियों के साथ आहोर की तरफ जा रहे थे। इस दौरान जालोर-आहोर रोड पर कानीवाड़ा मोड़ पर ट्रेलर से उनकी गाड़ी की आमने-सामने की टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि बोलेरो कैंप के परखच्चे उड़ गए। हादसे में कालूसिंह भाटी, करण सिंह निवासी कोराणा और भवरानी निवासी कैलाश चौधरी की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि कानीवाड़ा निवासी अजीतसिंह, राजेंद्र नगर (जालोर) निवासी गौरव प्रजापत और दो अन्य गंभीर घायल हो गए।

यशोदा अस्पताल ने आयोजित किया अंतर्राष्ट्रीय पल्मोनोलॉजी सम्मेलन

हैदराबाद, 29 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। देश भर के 2,000 से अधिक पल्मोनोलॉजी डॉक्टरों, 40 अंतरराष्ट्रीय और 120 राष्ट्रीय फैकल्टी ने 'ब्रांकस -2023' के तीसरे संस्करण में भाग लिया, जो दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय इंटरवेंशनल पल्मोनोलॉजी सम्मेलन और लाइव वर्कशॉप है, जिसे यशोदा अस्पताल द्वारा रविवार को आयोजित किया गया। वैश्विक सम्मेलन का उद्घाटन राज्य के स्वास्थ्य मंत्री टी. हरीश राव ने किया। उन्होंने कहा कि इस सम्मेलन में उन्नत चिकित्सा पद्धतियों और विशिष्ट रोगों के निदान और उपचार के उद्देश्य से प्रशिक्षण कार्यक्रमों के साथ-साथ वरिष्ठ पारंपरिक पल्मोनोलॉजिस्ट के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रमों पर चर्चा की जाएगी।

इस अवसर पर, एमडी, यशोदा ग्रुप हॉस्पिटल्स, प्रबंध निदेशक, डॉ. जी.एस. राव ने कहा कि अस्पताल के विशेषज्ञों ने फेफड़ों के कई पुराने रोगों के इलाज के लिए ब्रोन्कियल थर्मोप्लास्टी और इंटरवेंशनल ब्रोंकोस्कोपिक थर्मल वेपर एब्सोल्यूशन-(वीवीए), प्लेग अस्थमा तथा वर्तमान के कोरोना वायरस के लिए अभिनव चिकित्सकों के परिचय को नियोजित किया है। इस अवसर पर बोलते हुए यशोदा अस्पताल के निदेशक डॉ. पवन गोरुकांटी ने चिकित्सकों विशेष रूप से पल्मोनोलॉजिस्ट के प्रयासों की प्रशंसा की, जिन्होंने कोविड रोगियों के इलाज के लिए अपनी जान जोखिम में डाली।

डॉ. पवन, जो खुद एक पल्मोनोलॉजिस्ट हैं, ने यशोदा अस्पतालों में लागू की जा रही नई प्रशिक्षण विधियों पर प्रकाश डाला और बताया कि प्रारंभिक अवस्था में कैंसर फेफड़े का पता लगाने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सॉफ्टवेयर, नेविगेशन ब्रोंकोस्कोपी, रेडियल ईबीयूएस जैसी 9 अत्याधुनिक चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।

अग्रसेन बायोडाटा कमेटी की बैठक संपन्न

हैदराबाद, 29 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रसेन बायोडाटा कमेटी की बैठक सिकंदराबाद में दुर्गा प्रसाद बंसल (चेयरमैन) की अध्यक्षता में उनके प्रतिष्ठान पर संपन्न हुई। प्रेस में जारी विज्ञप्ति में पंकज कुमार संघी ने बताया कि करीब 35 से 38 अभिभावकों ने अपने पुत्र पुत्रियों का बायोडाटा आदान-प्रदान किया। इन दिनों समाज में शादी विवाह में जो अर्चन आ रही है,उन को सुलझाने में अग्रसेन बायोडाटा कमेटी लगातार प्रयास कर रही है. इसमें कुछ हद तक हमें काफी सफलता मिली है और जो पुत्र पुत्रियों के अभिभावकों से सुझाव आ रहे हैं (फीडबैक) उसी के अनुसार एबीसी काम कर रही है. हमारे पास कम से कम 3 से 4 प्रत्येक सप्ताह संबंध हो रहे हैं और दिन पर दिन अभिभावकों का भरोसा अग्रसेन बायोडाटा कमिटी पर बढ़ता जा रहा है. लोग बिना संकोच के पुत्र पुत्रियों का बायोडाटा एबीसी को प्रदान कर रहे हैं एबीसी का मुख्य लक्ष्य निस्वार्थ भाव सेवा करना है और इस समस्या को हल करने के लिए अपना पूर्ण योगदान देना है। बैठक में दुर्गा प्रसाद बंसल, संतोष देवी बंसल, उमा शंकर गोयनका, परसोत्तम गुप्ता, सुनील अग्रवाल, अरविंद अग्रवाल, रमेश मित्तल, नरेश पचेरिया, अरविंद गोयल, श्रीमती देवी पचेरिया, मनीष अग्रवाल, रविंदर अग्रवाल, नरेश बंसल, अशोक अग्रवाल, नरेश अग्रवाल, पुरुषोत्तम सिंगल ने सभी ने अपना योगदान दिया।

श्री लक्ष्मीनारायण यज्ञ एवं श्रीमद्भागवत कथा 2 से

तैयारी बैठक में किया गया प्रचार-सामग्री का विमोचन

हैदराबाद, 29 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बंगारु महीषमा मंदिर में आगामी 2 फरवरी गुरुवार से प्रारम्भ होने वाले श्री लक्ष्मीनारायण यज्ञ एवं श्रीमद्भागवत कथा के उपलक्ष्य में एक बैठक का आयोजन बंगारू महिषमा मन्दिर, इमलीबन पार्क में किया गया। इसमें बैनर एवं पाम्पलेट का विमोचन कथा व्यास सुखेन्द्र शास्त्री जी (चित्रकूट धाम) के कर कमलों के द्वारा हुआ। बैठक में बताया गया कि कल 30 जनवरी को भूमिपूजन प्रातः 9.30 से 10.30 तक किया जायेगा एवं यज्ञ मंडप का शुभारम्भ किया जायेगा। श्री लक्ष्मीनारायण यज्ञ एवं श्रीमद् भागवत कथा में पहली बार गोदान एवं तुलादान की व्यवस्था की गई है।

इस यज्ञ में संतान प्राप्ति, विवाह योग, पित्र दोष, कर्ज निवारण एवं लक्ष्मी प्राप्ति के लिये आहुतियां दी जायेंगी। इस कार्यक्रम की शोभायात्रा 2 फरवरी को प्रातः 10.31 बजे से सिद्धिअंबर बजार, दुर्गा माता मन्दिर से प्रारम्भ होगी और कथा स्थल तक पहुंचेगी। अतः सभी भक्तगणों से निवेदन है कि इस कलश शोभायात्रा में पधार कर पुण्य में भागी बने। बैठक में सुखेन्द्र शास्त्री, अनिल महराज, एनके सिंह, एसके वर्मा, संदीप जैलवाल, अमरजीत सिंह, प्रमोद त्रिपाठी, कमलाकर गौतम, दिनेश शुक्ला, पिन्टू महाराज, लाला महराज एवं अन्य उपस्थित हुये।

सरस्वती पूजा एवं मातृ-पितृ पूजन कार्यक्रम

हैदराबाद, 29 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बुंदेली कान्यकुब्ज समाज के तत्वावधान में श्रीराम मंदिर मठ, संगम, बापुघाट, लंगरहौज में शिशु और नर्सरी से स्नातकोत्तर विद्यार्थियों के लिए आयोजित सरस्वती पूजा एवं मातृ-पितृ पूजन कार्यक्रम पूरी श्रद्धा के साथ संपन्न हुआ। प्रत्येक शिशु और छात्र-छात्राओं से पूजा संपन्न कराने के बाद उपस्थित अभिभावक, पंडित और विद्वजनों ने बच्चों को वेद मन्त्रोंच्चारणों के बीच आशीर्वाद दिया। इस कार्यक्रम में समाजसेवी गोपाल बलनवा भी उपस्थित हुए। श्रीराम मंदिर मठ, संगम के महंत राहुल दास जी महाराज भी पूजा में सम्मिलित होकर सभी बच्चों को आशीर्वाद दिया। श्री सरस्वती पूजा एवं मातृ-पितृ पूजन कार्यक्रम के उपरांत बुंदेली कान्यकुब्ज समाज द्वारा प्रति माह के अंतिम शनिवार को आयोजित किए जाने वाले श्री हनुमान चालीसा सामूहिक पाठ का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम में नगरद्वय से 110 से भी अधिक शिशु और छात्र छात्राएं अपने अभिभावकों के साथ बड़ी श्रद्धा के साथ अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। कार्यक्रम की सफलता में आयोजन समिति के सदस्य बाला प्रसाद तिवारी, जयशंकर प्रसाद तिवारी, श्रीमती शोभा पांडे, श्रीमती मीना तिवारी, श्रीमती किरण तिवारी, श्रीमती विजय लक्ष्मी शुक्ला, श्रीमती अरुणा दुबे, श्रीमती शोभा दुबे, श्रीमती राजश्री शर्मा, श्रीमती श्रीलेखा तिवारी, श्रीमती पवनरेखा, श्रीमती विजय लक्ष्मी शुक्ला (कोत्तूर), श्रीमती वैजयंतीमाला तिवारी, श्रीमती मधु अवस्थी, श्री राजा रामचंद्र तिवारी (उमेश) की भूमिका सराहनीय है। कार्यक्रम के भव्य आयोजन में श्रीमती अरुणा दुबे, सुभाष प्रसाद तिवारी, श्रीमती चंद्रकांता दुबे, श्रीमती मीना पांडे, श्रीमती पवन रेखा, श्रीमती विजय लक्ष्मी शुक्ला, श्रीमती शोभा पांडे, श्रीमती दयानंद प्रसाद शुक्ला, श्रीमती शोभा दुबे, श्रीमती किरण तिवारी, श्रीमती मीना पांडे, श्रीमती इंदुमति शर्मा, श्रीमती राजश्री शर्मा, श्रीमती सुनीता तिवारी, श्रीमती मधु अवस्थी, श्री राजेंद्र प्रसाद तिवारी, श्रीमती वैजयंती माला, श्रीमती विजयलक्ष्मी शुक्ला (कोत्तूर), हनुमान प्रसाद शर्मा, राजकुमार मिश्रा, राजेंद्र प्रसाद शुक्ला (कोत्तूर) आदि का सहयोग प्राप्त हुआ।

ग्रैंड नर्सरी मेला के 13वें संस्करण के साथ सजीव बना पीपुल्स प्लाजा

हैदराबाद, 29 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। नगर के पीपुल्स प्लाजा ग्रैंड नर्सी मेले के 13वें संस्करण के उद्घाटन के साथ सजीव हो गया है। बड़ी संख्या में लोग पौधों की एक विस्तृत श्रृंखला, इनडोर और आउटडोर, फूलों और बगीचे से संबंधित वस्तुओं का अनुभव करने के लिए जगह भर रहे हैं। एक्सपो समन्वयक निसा अहमद ने कहा कि देश के विभिन्न हिस्सों से व्यापारी यहां अपने पौधे और बागवानी उत्पादों का प्रदर्शन करने आए हैं। प्रदर्शनी में इस साल 150 से अधिक स्टॉल हैं और देश के विभिन्न हिस्सों जैसे दार्जिलिंग, कश्मीर, पुणे, बेंगलुरु, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के व्यापारियों ने अपने स्टॉल लगाए हैं।

हमें अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है, और सप्ताहांत में भारी संख्या में लोगों की उम्मीद है। पौधों, फूलों और सब्जियों के बीज से लेकर पर्यावरण के अनुकूल बागवानी उत्पादों तक, मेले में वह सब कुछ है जो एक पौधे और बगीचे के उत्साही लोग मांग सकते हैं।

मल्टीविटामिन और इंसुलिन को

नियंत्रित करने वाले पौधों सहित कई प्रकार के औषधीय पौधे भी मिल सकते हैं। हम औषधीय पौधों, सुगंधित पौधों और जड़ी-बूटियों की लगभग 60 किस्में बेचते हैं। लोग हमारे औषधीय पौधों, विशेष रूप से इंसुलिन पौधों के बारे में पूछताछ कर रहे हैं। जगह-जगह लगाए गए कई स्टालों में, ट्रे ट्रीज़ बोन्साई स्टूडियोज द्वारा स्थापित बोनसाई प्लांट स्टॉल को पौधे प्रेमियों का विशेष ध्यान मिल रहा है। स्टॉल में 1,000 रुपये से लेकर 3 लाख रुपये तक के विभिन्न बोनसाई पेड़ हैं।

विभिन्न पौधों और फूलों के स्टालों के अलावा, एक कियोस्क है जो विशेष रूप से जैविक खाद और उर्वरक बेचता है। श्रीनिवास एग्रो प्रोडक्ट्स द्वारा स्थापित स्टाल विभिन्न जैविक उर्वरक और खाद जैसे नीम पाउडर, कस्टर्ड एप्पल सीड पाउडर, कोकोपीट, कैस्टर केक, पोंगामिया पाउडर और सरसों पाउडर बेचता है। इसके अलावा सिरेमिक पॉट्स, कोको पॉट्स, बोन्साई पॉट्स, फूलदान, पर्यावरण के अनुकूल उत्पाद, प्लांट ग्रोथ सप्लीमेंट्स, ऑर्गेनिक शहद, काउ केक और अन्य गार्डन वेयर उत्पाद भी प्रदर्शित किए गए हैं। तेलंगाना इवेंट ऑर्गनाइजेशन द्वारा आयोजित किया जा रहा ग्रैंड नर्सरी मेला 30 जनवरी तक प्रतिदिन सुबह 9 बजे खुलेगा और रात 10 बजे बंद होगा।

करमनघाट सीरवी समाज का छठां वार्षिकोत्सव आज से

हैदराबाद, 29 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। करमनघाट स्थित अलमासगुड़ा श्री आईमाता मंदिर में सीरवी समाज बन्धुओं के सान्निध्य में श्री आईमाताजी मंदिर के दो दिवसीय छठां वार्षिकोत्सव व ध्वजा रोहण समारोह 30 जनवरी जागरण व 31 जनवरी प्रात: वेला में पूजा-अर्चनाकर ध्वजा रोहण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। जारी प्रेस विज्ञप्ति मे अध्यक्ष हँसाराम आगलेचा, सचिव हिरालाल सैणचा ने संयुक्तरुप से बताया कि हर वर्ष की भांति समाज बन्धुओ के सानिध्य मे छठां वार्षिकोत्सव व ध्वजा रोहण समारोह आयोजित किया जाएगा। सोमवार 30 जनवरी रात्रि 8.15 बजे से जागरण का आयोजन किया जाएगा। जिसमे श्री आईमाताजी भजन मंडली करमनघाट के गायकार भजनों के पुष्प अर्पित करेंगे। माघ सुदी दसम मंगलवार 31 जनवरी प्रात: वेला मे पूजा-अर्चनाकर 9.15 बजे हिरालाल सैणचा गाँधीनगर बडंगपेट के निवास स्थान से गाजे-बाजे के साथ नाचते-गाते हुए ध्वजा व ज्योत श्री आईमाता मंदिर लाई जाएगी। श्री आईमाता के मंदिर, श्री सोनाणा खेतलाजी के मंदिर, श्री बाबा रामदेवजी के मंदिर व श्री शीतलामाताजी के मंदिर पर लाभार्थी परिवार द्वारा ध्वजा रोहण कार्यक्रम होगा। पधारे सभी समाज बन्धुओं व अतिथियों के लिए अल्पाहार व भोजन-प्रसादी की व्यवस्था मंदिर प्रांगण मे की जाएगी। कार्यक्रम के सफल आयोजन मे कार्यकारिणी समिति व समाज ट्रस्ट के सभी पदाधिकारी एवं समाज बन्धु सपरिवार उपस्थित रहेगे। समाज बन्धुओं से निवेदन है समयपर सपरिवार पधारकर दर्शन, भजनों व महाप्रसादी का लाभ लेवे।

मां दुर्गा की कृपा संस्था द्वारा गौ सेवा की गई

हैदराबाद, 29 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। शिव मंदिर गौशाला, शमशीर गंज, में गुप्त नवरात्रि की अष्टमी को मां दुर्गा की कृपा संस्था और 16 नित्या द्वारा गऊ सेवा की गई, जिसमें 2000 किलो सब्जी गायों को खिलाई गई। इस सेवा के प्रायोजक मां दुर्गा की कृपा संस्था के सदस्य गोवर्धन लाल के परिवार की ओर से आयोजित की गई। इस सेवा में संस्था के जो सदस्य के अलावा और भी अन्य मित्रगण ने सेवा की। इस अवसर पर मुकुंद लाल अग्रवाल, विनय किशोर तायल, गोवर्धन लाल अग्रवाल, पंकज अग्रवाल, विपिन अग्रवाल, रोहित अग्रवाल, लक्ष्मीनारायण, गुरुनाथ रेड्डी, शारदा अग्रवाल, मंजू अग्रवाल, राजकुमारी अग्रवाल, हेमा मालिनी तायल, संतोष गोयल, सुनीता अग्रवाल, दीपा अग्रवाल, नमिता अग्रवाल, कौशल्या देवी अग्रवाल, आरती अग्रवाल, मेघा अग्रवाल, देवी अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, रितिका अग्रवाल, बबिता अग्रवाल, दीपाली अग्रवाल, शर्मिला अग्रवाल, प्रीति अग्रवाल इन सब ने मिलकर गऊ सेवा की।

घर में मृत मिले लिव-इन पार्टनर

हैदराबाद, 29 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद में एक साथ रह रहे एक जोड़े को उनके घर में संदिग्ध परिस्थितियों में मृत पाया गया है। राचकोंडा पुलिस आयुक्तालय के आदिबट्ला पुलिस स्टेशन की सीमा के तहत कुरमलगुडा के राजीव गृहाकल्प में सादुला महेंद्र (21) और सरस्वती (30) के शव उनके घर में पाए गए। सरस्वती का शव जमीन पर पड़ा था, जबकि महेंद्र फंदे पर लटका मिला था। पुलिस के अनुसार विधवा सरस्वती करीब तीन साल से महेंद्र के साथ रह रही थी। उनके परिवारों ने कहा कि उन्होंने आत्महत्या की है। शहर के बाहरी इलाके बालापुर मंडल के लेनिन नगर की रहने वाली सरस्वती ने करीब 13 साल पहले एक सड़क हादसे में अपने पति को खो दिया था।

एनएमडीसी ने निखत ज़रीन को बनाया अपना ब्रांड एंबेस्डर

हैदराबाद, 29 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्रीय खनिक और भारत के सबसे बड़े लौह अयस्क उत्पादक एनएमडीसी ने एनएमडीसी का ब्रांड एंबेसडर के रूप में प्रतिनिधित्व करने के लिए विश्व मुक्केबाजी चैंपियन निखत ज़रीन के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओए) पर हस्ताक्षर किए। सुदृढता एनएमडीसी का एक अनिवार्य अंग है और कंपनी ने अपना प्रतिनिधित्व करने के लिए एक ऐसे व्यक्ति को चुना है जो देश को सम्मान दिलाने के लिए कंपनी के समान ही प्रतिबद्ध है। एनएमडीसी लौह और इस्पात का पॉवरहाउस बनने की तैयारी में है तथा जब हम एनएमडीसी 2.0 में परिवर्तित हो रहे हैं, हमारे ब्रांड एंबेसडर को धैर्य और दक्षता का संचार करना चाहिए। बर्मिंघम 2022 राष्ट्रमंडल खेलों की स्वर्ण पदक विजेता निखत ज़रीन उस ताकत, साहस, दक्षता और राष्ट्रीय गौरव का प्रतिनिधित्व करती हैं जो ब्रांड एनएमडीसी का प्रतीक है। वह नए भारत की आशाओं और आकांक्षाओं का भी प्रतिनिधित्व करती हैं और एनएमडीसी को 2024 ओलंपिक के लिए उनकी यात्रा का हिस्सा बनना चाहिए। ओलंपिक 2024 के लिए उनके प्रशिक्षण और तैयारी में एनएमडीसी उन्हें अपना सम्पूर्ण सहयोग दे रहा है। विश्व चैंपियन मुक्केबाज बनने की अपनी सफर के बारे में बताती हुई सुश्री निखत ने कहा, देश का नाम रोशन करने के लिए एनएमडीसी के साथ हाथ मिलाना मेरे लिए सम्मान की बात है। ओलंपिक 2024 के लिए प्रशिक्षण में मेरा समर्थन करने के लिए मैं उनका आभारी हूं और मैं अपने माता-पिता और देश को गौरवान्वित करने के लिए प्रतिबद्ध हूं। सुमित देब, सीएमडी, एनएमडीसी ने इस अवसर पर अपने संबोधन में कहा कि एनएमडीसी परिवार में निखत ज़रीन का स्वागत करते हुए हमें बेहद खुशी हो रही है। देश को गौरव दिलाने की उनकी प्रतिबद्धता हमारी कंपनी के मूल्यों के अनुरूप है। उनका व्यक्तित्व एनएमडीसी की विश्वसनीयता और मजबूती दोनों ब्रांड मूल्यों के समान है और यह संबंध दोनों हितधारकों की समग्र ब्रांड छवि को और अधिक मूल्यवान बनाएगा।

हर व्यक्ति के जीवन में सत्संग अपरिहार्य : साध्वी ऋतु भारती

हैदराबाद, 29 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। गुरुदेव श्री आशुतोष महाराज जी की कृपा से दिव्य ज्योति जागृति संस्थान द्वारा पर्ल पैलेस अपार्टमेंट्स, किंग कोठी में भजन-सत्संग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। श्री आशुतोष महाराज जी की शिष्या साध्वी ऋतु भारतीजी ने कहा कि जब हम प्रेम से सत्संग सुनते हैं तब कानों के मार्ग से हरि हमारे हृदय में प्रवेश कर जाते हैं। जब तक प्रभु का वास हृदय में नहीं होता, हृदय का सन्ताप नहीं मिट सकता। इसीलिये हर व्यक्ति के जीवन में सत्संग अपरिहार्य है। सत्संग व साधु समाज को जंगम तीर्थ भी कहा गया है, जहाँ मन का मैल वास्तव में दूर होता है।

साध्वी सिद्धयोगा भारती जी ने कहा कि मनुष्य को सत्संग के विचारों मात्र तक सीमित नहीं रहना चाहिए अपितु अपने भीतर विद्यमान सच्चिदानंद भगवान का भी दर्शन करना चाहिए। परमात्मा की दिव्य ज्योति का दर्शन एक वर्तमान समय के पूर्ण गुरु की कृपा से दिव्य दृष्टि के जाग्रत होने पर किया जाता है। यद्यपि ईश्वर का दर्शन दुर्लभ है, तथापि गुरु कृपा से यह सहज जो जाता हैं।

मदनूर में डॉ. एकलारा द्वारा आयोजित निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर में का लाभ लेते हुए मरीज।

पूर्व उपाध्यक्ष ने अंबेडकर नगर की समस्याओं का जायजा लिया

हैदराबाद, 29 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। छावनी परिषद के पूर्व उपाध्यक्ष जम्पना प्रताप ने आश्वासन दिया कि बालमराई एडगा अंबेडकर नगर की समस्याओं का जल्द समाधान किया जाएगा। जम्पना प्रताप आज वार्ड पनं 3 के अंबेडकरनगर का दौरा किया तथा जनसमस्याओं, खासकर पेयजल समस्याओं का जायजा लिया। इस मौके पर स्थानीय लोगों ने कहा कि बस्ती में बिजली के दो बोरवेल खराब हो गए हैं और पानी की आपूर्ति में दिक्कत आ रही है। इसी तरह बस्ती में लगे कूड़ा डंपिंग यार्ड को हटाने की भी शिकायत की। दो स्पीड ब्रेकर लगाने को कहा गया। जम्पना प्रताप ने कहा कि बोर्ड से संबंधित वर्कशॉप स्टोर में नई मोटरें उपलब्ध नहीं हैं और बोरवेलों की समय पर मरम्मत नहीं की जा रही है। उन्होंने कहा कि लोगों की पानी की किल्लत की समस्या का कारण जल विभाग के अधिकारी हैं। उन्होंने कहा कि यदि उनके कार्यकाल में बोर खराब हुआ होता तो दो दिन में समस्या का समाधान हो जाता। उन्होंने कहा कि बस्ती की बाकी समस्याओं का समाधान सीईओ करेंगे। कार्यक्रम में चंटी, गुड़िया, जगदीश, रामुलु, संतोष, नरेश व स्थानीय लोगों ने भाग लिया।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग

पुलिस अफसर न...

ओडिशा के सीएम नवीन पटनायक ने स्वास्थ्य मंत्री पर हमले की निंदा की है। उन्होंने कहा, हमले की खबर सुनकर स्तब्ध हूं, उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना करता हूं। क्राइम ब्रांच को जांच करने का निर्देश दिया है। अधिकारियों को घटनास्थल पर जाने के लिए कहा गया है।

नब किशोर दास ने ओडिशा की झारसुगुड़ा सीट से 2004 में पहली बार कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़ा था, लेकिन हार गए। इसके बाद 2009 में उन्होंने कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़ा और जीते। 2014 में भी कांग्रेस से जीते। साल 2019 का चुनाव वे बीजू जनता दल से लड़कर लगातार तीसरी बार इसी सीट से विधायक चुने गए। नब किशोर दास को क्षेत्र में प्रभावशाली नेता माना जाता है।

नब किशोर ओडिशा सरकार के सबसे अमीर मंत्रियों में से एक हैं। उनके पास संबलपुर, भुवनेश्वर और झारसुगुड़ा के कई बैंकों में 45.12 लाख रुपये से अधिक रकम जमा है। ओडिशा के स्वास्थ्य मंत्री के पास 15 करोड़ की कीमत के करीब 70 से अधिक वाहन हैं, जिसमें 1.14 करोड़ की एक मर्सिडीज बेंज भी शामिल है।

दास को मुख्यमंत्री नवीन पटनायक का बेहद करीबी नेता माना जाता है। इसलिए कांग्रेस से जब वे बीजू जनता दल (बीजेडी) में आए तो पटनायक ने उन्हें स्वास्थ्य मंत्रालय का अहम जिम्मा सौंपा। दास हाल ही में भारी-भरकम दान कर सुर्खियों में आए थे। उन्होंने महाराष्ट्र के एक मंदिर में एक करोड़ रुपये से अधिक का सोने का कलश दान किया था। दास ने महाराष्ट्र के शनि शिंगणापुर मंदिर को 1.7 किलोग्राम सोने और 5 किलोग्राम चांदी से बने कलश दान किए थे जो देश के प्रसिद्ध शनि मंदिरों में से एक है।

नब किशोर दास 2015 में विधानसभा सत्र के दौरान पोर्न देखते पकड़े गए थे। इसके बाद तत्कालीन विधानसभा अध्यक्ष निरंजन पुजारी ने उन्हें एक हफ्ते के लिए निलंबित कर दिया था। इस मामले में नब किशोर ने कहा था कि मैंने अपने जीवन में आज तक कोई भी एडल्ट वीडियो नहीं देखा है। यह इंटरनेट का इस्तेमाल करने के दौरान गलती से हो गया। जैसे ही मुझे पता चला, मैंने उसी समय इसे बंद कर दिया था।

भारत जोड़ो यात्रा...

पंथा चौक से अवामी नेशनल कॉन्फ्रेंस के प्रेसिडेंट मुजफ्फर शाह भी यात्रा में शामिल हुए हैं।

कांग्रेस की यात्रा में शनिवार को पीडीपी चीफ महबूबा मुफ्ती अपनी बेटी इल्तिजा मुफ्ती के साथ शामिल हुईं। राहुल के साथ उनकी बहन प्रियंका गांधी भी नजर आईं। यात्रा के दौरान राहुल ने पुलवामा में 2019 में बम विस्फोट में शहीद हुए सीआरपीएफ के 40 जवानों को श्रद्धांजलि दी।

भारत ने जीता विमेंस अंडर-19 वर्ल्ड कप

फाइनल में इंग्लैंड को 7 विकेट से हराया; सौम्या तिवारी ने लगाया विनिंग शॉट

पोचेस्ट्रूम, 29 जनवरी (एजेंसियां)। भारत ने पहले अंडर-19 विमेंस क्रिकेट वर्ल्ड कप का खिताब जीत लिया है। भारतीय टीम ने फाइनल में इंग्लैंड को 8 विकेट से हरा दिया। टॉस जीतकर पहले बॉलिंग करते हुए भारत ने इंग्लैंड को 17.1 ओवर में 68 रन पर ऑल आउट कर दिया। जवाब में 14 ओवर में 3 विकेट पर भारत ने टारगेट हासिल कर लिया। सौम्या तिवारी ने विनिंग शॉट लगाया।

टीम इंडिया के लिए सौम्या तिवारी 24 रन पर नाबाद रहीं। वहीं, कप्तान शेफाली वर्मा 15, गोंगडी त्रिषा 24 और उप कप्तान श्वेता सेहरवात 5 रन बनाकर आउट हुईं। इंग्लैंड के लिए हनाह बेकर, एलेक्स स्टोनहाउस और ग्रेस स्रीवंस ने एक-एक विकेट लिया।

पावरप्ले में 30 रन बनाए

टीम इंडिया ने पावरप्ले में 5 के रन रेट से 6 ओवर में 30 रन बनाए। लेकिन, कप्तान शेफाली वर्मा और उप कप्तान श्वेता सेहरावत के विकेट भी गंवा दिए। शेफाली 15 और श्वेता 5 रन बनाकर आउट हुईं। इंग्लैंड की कप्तान ग्रेस स्रीवंस और हनाह बेकर ने एक-एक विकेट लिया।

ऐसे गिरे भारत के विकेट...

पहला : शेफाली वर्मा तीसरे ओवर की पहली बॉल पर कैच आउट हुईं। उन्हें 15 रन के स्कोर पर हनाह बेकर ने पवेलियन भेजा। दूसरा : श्वेता सेहरावत चौथे ओवर की चौथी बॉल पर ग्रेस स्रीवंस का शिकार हुईं। उन्होंने 5 रन बनाए। तीसरा : गोंगडी त्रिषा 13वें ओवर की पांचवीं बॉल पर एलेक्सा स्टोनहाउस की बॉल पर बोल्ड हो गईं। उन्होंने 29 बॉल पर 24 रन बनाए।

अर्चना, पार्शवी, साधू को 2-2 विकेट

अर्चना देवी, पार्शवी चोपड़ा और टिटास साधू ने 2-2 विकेट लिए हैं। एक-एक विकेट मन्नत कश्यप, सोनम यादव और शेफाली वर्मा को मिला। एक बैटर रन आउट हुईं। इंग्लैंड के लिए रायना मैकडोनाल्ड-गे ने सबसे ज्यादा 19 रन बनाए।

4 रन पर पवेलियन लौटीं इंग्लिश कप्तान

इंग्लैंड की कप्तान ग्रेस स्रीवंस 4 रन बनाकर आउट हुईं। उनसे पहले एलेक्स स्टोनहाउस 11, सोफिया स्मैल 11, निआम हॉलैंड 10 रन, जोसी ग्रोव्स 4, विकेटकीपर सेरेन स्मैल 3 और केरिस पावले 2 रन बनाकर पवेलियन लौटीं। लीबर्टी हीप और हनाह बेकर खाता भी नहीं खोल सकीं।

पावरप्ले में तोड़ी इंग्लैंड की कमर

टॉस जीतकर पहले बॉलिंग करते हुए टीम इंडिया ने पावरप्ले में ही इंग्लैंड की कमर तोड़ दी। टीम ने पहले ही ओवर में लीबर्टी हीप को चलता किया। चौथे ओवर में अर्चना देवी ने 2 विकेट लिए और इंग्लैंड का स्कोर 16 रन पर 3 विकेट कर दिया। पावरप्ले के 6 ओवरों में भारत ने इंग्लैंड को 22 रन ही बनाने दिए।

ऐसे गिरे इंग्लैंड के विकेट...

पहला : पहले ओवर की चौथी बॉल पर साधू ने लीबर्टी हीप को कॉट एंड बोल्ड कर दिया। हीप शून्य पर आउट हुईं।

दूसरा : चौथे ओवर की तीसरी बॉल पर अर्चना देवी ने निआम हॉलैंड को बोल्ड कर दिया। हॉलैंड ने 8 बॉल पर 10 रन बनाए।

तीसरा : चौथे ओवर की आखिरी बॉल पर अर्चना देवी ने इंग्लैंड की कप्तान ग्रेस स्रीवंस को कैच आउट कराया। ओपनर स्रीवंस 4 रन ही बना सकीं। चौथा : 7वें ओवर की दूसरी बॉल पर टिटास साधू ने सेरेन स्मैल को बोल्ड कर दिया। स्मैल 9 बॉल पर 3 रन ही बना सकीं। पांचवां : 10वें ओवर की आखिरी बॉल पर पार्शवी चोपड़ा ने केरिस पावले को एलबीडब्ल्यू कर दिया। पावले ने 2 रन बनाए। छठा : 12वें ओवर में पार्शवी चोपड़ा की बॉल पर रायना मैकडोनाल्ड-गे आउट हुईं। अर्चना देवी ने शानदार कैच पकड़ कर उन्हें 19 रन पर पवेलियन भेजा। सातवां : जोसी ग्रोव्स 4 रन बनाकर रन आउट हुईं। वह 14वें ओवर की पांचवीं बॉल पर पवेलियन लौटीं। आठवां : 15वें ओवर की पहली बॉल शेफाली वर्मा ने हनाह बेकर स्टंपिंग कराया। हनाह गोल्डन डक का शिकार हुईं। नौवां : 17वें ओवर की चौथी बॉल पर मन्नत कश्यप ने एलेक्सा स्टोनहाउस को पवेलियन भेजा। एलेक्सा ने 11 रन बनाए। दसवां : 18वें ओवर की पहली बॉल पर सोफिया स्मैल 11 रन बनाकर आउट हुईं। उन्हें सोनम यादव ने अपनी ही बॉल पर कैच आउट कराया।

हॉकी वर्ल्ड कप में 9वें स्थान पर रहा भारत

आखिरी मैच में साउथ अफ्रीका को हराया, होस्ट टीम का सबसे खराब प्रदर्शन

खेल डेस्क, 29 जनवरी खेल

खेल डेस्क, 29 जनवरी (एजेंसियां)। भुवनेश्वर हॉकी वर्ल्ड कप 2023 की मेजबान टीम इंडिया ने साउथ अफ्रीका को 5-2 से हराकर अपना कैंपेन खत्म किया। भारत क्रॉसओवर मैच में न्यूजीलैंड से हारकर चैंपियन बनने की रेस से पहले ही बाहर हो गया था। भारत ने पहले क्वार्टर में 2 गोल दागकर बढ़त बनाई। फिर आखिरी क्वार्टर में 2 और गोल दागकर जीत सुनिश्चित कर ली।

इस नतीजे के साथ ही भारत टूर्नामेंट में अर्जेंटीना के साथ संयुक्त 9वां स्थान हासिल किया। यह किसी वर्ल्ड कप में होस्ट कंट्री की टीम का सबसे खराब प्रदर्शन है। भारत ने अपने ही रिकॉर्ड को तोड़ा है। 2010 में हुए वर्ल्ड कप में भारत आठवें स्थान पर रहा था।

पहले क्वार्टर में दागे 2 गोल

मैच शुरू होने के चौथे ही मिनट में भारत के अभिषेक ने फील्ड गोल दाग दिया। 11वें मिनट में कप्तान हरमनप्रीत ने पेनल्टी कॉर्नर का फायदा उठाते हुए गोल दागा। इस गोल से भारत मैच में 2-0 से आगे हो गया। तीसरे क्वार्टर के 44वें मिनट में शमशेर सिंह ने गोल दागकर 3-0 की बढ़त बना ली।

आखिरी क्वार्टर में साउथ अफ्रीका की वापसी

चौथे क्वार्टर के 48वें मिनट में साउथ अफ्रीका के म्वीम्बी साम्केलो ने फील्ड गोल दागकर स्कोर लाइन 3-1 कर दी। 48वें मिनट में ही भारत के आकाशदीप ने भी गोल दागकर भारत को 4-1 की बढ़त दिला दी। 58वें मिनट में सुखजीत सिंह ने गोल दागा और भारत को 5-1 से आगे कर दिया।

आखिर में कासीएन मुस्तफा ने 59वें मिनट में गोल किया, लेकिन ये उनकी टीम की जीत के लिए काफी नहीं था। मैच 5-2 की स्कोर लाइन के साथ खत्म हुआ।

न्यूजीलैंड ने किया था बाहर

टीम इंडिया पूल-डी में 2 जीत और एक ड्रॉ के साथ दूसरे नंबर पर रही थी। लेकिन, क्रॉसओवर मैच में न्यूजीलैंड से हार के बाद टीम चैंपियन बनने की रेस से बाहर हो गई। 60 मिनट तक 3-3 से ड्रॉ रहने के बाद न्यूजीलैंड ने पेनल्टी शूटआउट में 5-4 से मुकाबला जीता था।

क्रॉसओवर में बाहर होने के बाद भारत ने जापान को 8-0 से हराया। वहीं, अब साउथ अफ्रीका पर भी जीत दर्ज करने के साथ टीम ने 9वें स्थान पर फिनिश किया।

अर्जेंटीना के साथ शेयर की पोजिशन

भारत ने अर्जेंटीना के साथ 9वें स्थान पर फिनिश किया। साउथ अफ्रीका की टीम वेल्स के साथ 11वें स्थान पर रही। फ्रांस और मलेशिया 13वें नंबर पर रहीं। वहीं, चिली और जापान ने 15वें स्थान पर रहकर टूर्नामेंट खत्म किया। क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाली टीमों में इंग्लैंड 5वें, स्पेन छठे, न्यूजीलैंड 7वें और कोरिया 8वें नंबर पर रही।

तीसरे स्थान का मुकाबला आज

भुवनेश्वर में आज शाम 7 बजे से बेल्जियम और जर्मनी के बीच टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला खेला जाएगा। उससे पहले शाम 4:30 बजे से ऑस्ट्रेलिया और नीदरलैंड के बीच तीसरे स्थान के लिए मुकाबला खेला जाएगा। ऑस्ट्रेलिया को जर्मनी और नीदरलैंड को बेल्जियम ने सेमीफाइनल में हराया।

3-3 बार के वर्ल्ड चैंपियन हैं दोनों

दोनों टीमों के हेड-टु-हेड रिकॉर्ड की बात करें तो दोनों में अब तक 73 मैच खेले गए। ऑस्ट्रेलिया ने 38 और नीदरलैंड ने 26 जीते। दोनों के बीच 9 मैच ड्रॉ भी रहे। ऑस्ट्रेलिया और दोनों ही टीमों ने 3-3 बार टूर्नामेंट की ट्रॉफी भी जीती है। लेकिन, आज जीतने वाली टूर्नामेंट में तीसरे स्थान पर रहेगी।

बीसीसीआई बेचेगा डब्ल्यूपीएल के टाइटल स्पॉन्सर राइट्स

5 साल के लिए होंगे नीलाम, जारी हुआ टेंडर

मेंस आईपीएल के टाइटल स्पॉन्सर टाटा ने 670 करोड़ रुपए में ली थी 2 सीजन की स्पॉन्सरशिप

खेल डेस्क, 29 जनवरी (एजेंसियां)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने महिला आईपीएल के टाइटल स्पॉन्सर राइट्स बेचने के लिए टेंडर आमंत्रित किए हैं। 2023 में पहली बार महिला आईपीएल का आयोजन किया जाएगा। बोर्ड पहले पांच सीजन यानी 2023 से 2027 तक के स्पॉन्सर राइट्स की नीलामी करेगा।

कंपनियों को खरीदना होगा टेंडर पेपर

बोर्ड ने जो सूचना जारी की है उसके मुताबिक स्पॉन्सर राइट्स खरीदने की इच्छुक कंपनियों को टेंडर डॉक्यूमेंट्स खरीदने होंगे। इस डॉक्यूमेंट के लिए कंपनियों को 1 लाख रुपए की नॉन रिफंडेबल राशि देनी होगी। डॉक्यूमेंट खरीदने की आखिरी तारीख 9 फरवरी 2022 है। डॉक्यूमेंट खरीदने के बाद कंपनियों को rfp@bcci.tv पर पेमेंट डिटेल्स भेजना है।

बोर्ड ने यह भी साफ किया है कि टेंडर डॉक्यूमेंट खरीदने का यह मतलब नहीं है कि सिर्फ इसके आधार पर बोली में भागीदारी की इजाजत मिल जाएगी। बोर्ड पहले सभी कंपनियों की योग्यता को परखेगा और इसके बाद ही बोली में हिस्सा लेने की इजाजत होगी।

5 टीमों की नीलामी हुई

विमेंस प्रीमियर लीग की 5 टीमों की नीलामी भी हो गई है। बुधवार को बोर्ड ने नीलामी में सफलता हासिल करने वाली कंपनियों के नाम की घोषणा की थी। सबसे ज्यादा बोली अहमदाबाद फ्रेंचाइजी के लिए लगी है। इस फ्रेंचाइजी के एवज में अडाणी ग्रुप 1289 करोड़ रुपए बोर्ड को देगा।

अहमदाबाद के अलावा मुंबई, दिल्ली, बेंगलुरु और लखनऊ की फ्रेंचाइजी पर बोली लगी है। यानी यही पांच टीमें विमेंस प्रीमियर लीग में शिरकत करेंगी।

मीडिया राइट्स वायकॉम 18 ने खरीदे

रिलायंस से जुड़ी ब्रॉडकास्ट कंपनी वायकॉम 18 ने विमेंस आईपीएल के पहले 5 साल (2023-27) के मीडिया राइट्स खरीद लिए हैं। इनमें टीवी और डिजिटल दोनों राइट्स शामिल हैं। कंपनी इसके लिए भारतीय क्रिकेट बोर्ड को 951 करोड़ रुपए देगी। यानी विमेंस आईपीएल के एक मैच के राइट्स की कीमत 7.09 करोड़ रुपए होगी।

आठ कंपनियों ने नीलामी में हिस्सा लेने के लिए टेंडर डॉक्यूमेंट्स खरीदे थे लेकिन बोली सिर्फ दो कंपनियों ने लगाई। वायकॉम 18 के अलावा डिज्नी स्टार रेस में शामिल थी। राइट्स की नीलामी क्लोज बिड के जरिए हुई। यानी नीलामी में भाग ले रही कंपनियों को एक दूसरे के प्राइस और बिडिंग अमाउंट के बारे में नहीं पता था। सबसे बड़ी बोली लगाने वाली कंपनी वायकॉम 18 ने बाजी मारी।

इस साल मार्च में होगा पहला सीजन

डब्ल्यूआईपीएल का पहला सीजन इस साल मार्च में खेला जाएगा। 5 टीमों के बीच कुल 22 मैच मुंबई के डिवई पाटील और ब्रेबोर्न स्टेडियम में ही होंगे। वानखेड़े स्टेडियम को पुरुष आईपीएल के लिए तैयार किया जाएगा।

41 बार का रणजी चैंपियन मुंबई बाहर

रवींद्र जडेजा की टीम सौराष्ट्र को तमिलनाडु ने हराया

क्वार्टर फाइनल की 8 टीमें तय

खेल डेस्क, 29 जनवरी (एजेंसियां)। रणजी ट्रॉफी इतिहास की सबसे सफल टीम 41 बार की चैंपियन मुंबई इस सीजन के नॉकआउट स्टेज में प्रवेश नहीं कर सकी। ग्रुप स्टेज के आखिरी दिन को टीम ने महाराष्ट्र के खिलाफ जीत जरूरी थी। लेकिन, शुक्रवार को टीम 253 रन के टारगेट का पीछा करते हुए 6 विकेट पर 195 रन ही बना सकी। मैच ड्रॉ रहा और एलीट ग्रुप बी से सौराष्ट्र के साथ आंध्र प्रदेश की टीम क्वालिफाई कर गई।

टाई ने बढ़ाई मुसीबत

दरअसल, महाराष्ट्र और मुंबई के बीच ग्रुप स्टेज का आखिरी मैच खेला गया। जो भी टीम मैच जीतती या फर्स्ट इनिंग लीड लेती, वह क्वार्टर फाइनल के लिए क्वालिफाई कर जाती। लेकिन पहली पारी में दोनों ही टीमें 384 रन बनाकर ऑल आउट हो गईं। पहली पारी में टाई होने के बाद दोनों ही टीमों का मैच जीतना जरूरी था। महाराष्ट्र चौथे और आखिरी दिन दूसरी पारी में 252 पर ऑल आउट हो गई।

28 ओवर में 253 रन के टारगेट का पीछा करते हुए मुंबई ने 10 ओवर में तेजी से करीब 90 रन बना लिए थे। लेकिन, लगातार अंतराल में विकेट गिरने के चलते मुंबई ने डिफेंसिव गेम खेलना शुरू कर दिया। इस कारण टीम 28 ओवर में 6 विकेट पर 195 रन ही बना सकी। मैच ड्रॉ रहा और आंध्र प्रदेश की टीम क्वालिफाई कर गई।

आखिरी मैच हारा सौराष्ट्र

इसी ग्रुप के एक मैच में क्वार्टर फाइनल के लिए क्वालिफाई कर चुकी सौराष्ट्र को तमिलनाडु ने 59 रनों से हरा दिया। अंतिम दिन सौराष्ट्र को जीत के लिए 266 रनों की जरूरत थी, लेकिन टीम 206 रन पर ही ढेर हो गई। सौराष्ट्र की दूसरी पारी में हार्विक देसाई ने सबसे ज्यादा 101 रन बनाए। अजीत ने दूसरी पारी में 6 विकेट अपने नाम किए। पहली पारी में उन्होंने 3 विकेट लिए थे। उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

31 जनवरी को होंगे क्वार्टर फाइनल

क्रार्टर फाइनल की 8 टीमें तय हो चुकी हैं। कोलकाता के ईडन गार्डन मैदान पर बंगाल झारखंड के बीच पहला, राजकोट में सौराष्ट्र और पंजाब के बीच दूसरा, बेंगलुरु में कर्नाटक और उत्तराखंड के बीच तीसरा और इंदौर में मध्य प्रदेश और आंध्र प्रदेश के बीच चौथा क्वार्टर फाइनल मुकाबला खेला जाएगा।

5 दिन के होंगे क्वार्टर फाइनल मुकाबले

रणजी के नॉकआउट मुकाबले 5 दिन के होते हैं, ऐसे में टीमों को नतीजे निकालने के लिए एक दिन का एक्स्ट्रा टाइम मिलेगा। वहीं, अगर मैच क्वार्टर फाइनल मुकाबले ड्रॉ रहे तो फर्स्ट इनिंग में लीड लेने वाली टीम को जीत मिलेगी। सेमीफाइनल मुकाबले 8 फरवरी और फाइनल 16 फरवरी को खेला जाएगा।

जोकोविच ने 10वीं बार जीता ऑस्ट्रेलियन ओपन

22वीं बार बनें ग्रैंड स्लैम चैंपियन, नडाल की बराबरी की

मेबलर्न, 29 जनवरी (एजेंसियां)। सर्बिया के टेनिस स्टार नोवाक जोकोविच ने ऑस्ट्रेलियन ओपन 2023 का खिताब जीत लिया है। उन्होंने ग्रीस के स्टेफनोस सितसिपास को लगातार सेट में 6-3, 7-6, 7-6 से हराया।

जोकोविच ने 10वीं बार साल के पहले ग्रैंड स्लैम का टाइटल जीता है। 35 साल के जोकोविच का यह 22वां ग्रैंड स्लैम है। सबसे ज्यादा मेजर टाइटल जीतने के मामले में जोकोविच ने स्पेन के राफेल नडाल की बराबरी कर ली है। नडाल ने भी 22 मेजर टाइटल जीते हैं। 2021 के चैंपियन नोवाक जोकोविच साल-2022 के सीजन में कोविड प्रोटोकॉल्स के कारण नहीं खेल सके थे। दरअसल, टूर्नामेंट के आयोजकों ने प्रतियोगिता में हिस्सा लेने के लिए टीकाकरण अनिवार्य किया था, जबकि नोवाक अपने टीकाकरण संबंधित जानकारी पब्लिक नहीं करना चाहते थे।

चौथी सीड नोवाक जोकोविच ने ग्रीस के सितसिपास को सीधे सेटों में हराया। जोकोविच ने पहला सेट 6-3 आसानी से अपने नाम किया। उसके बाद सर्बियाई स्टार को दूसरा और तीसरा सेट जीतने के लिए खूब पसीना बहाना पड़ा। ये दोनों सेट टाईब्रेकर में गए। दूसरे सेट को जोकोविच ने 7 (7) -6 (4) से जीता। उसके बाद तीसरे सेट को 7 (7) -6 (5) से अपने नाम करते हुए। अपने करियर का 22वां ग्रैंड स्लैम जीता। अब ग्राफिक में देखिए सबसे ज्यादा ग्रैंड स्लैम जीतने वाले टेनिस स्टार...

सबसे ज्यादा ऑस्ट्रेलियन ओपन टाइटल जीते हैं। उसके बाद विंबलडन के 7 खिताब जीतने में सफल रहे हैं। उन्हें यूएस ओपन में 3 और फ्रेंच ओपन में 2 टाइटल मिले हैं।

मरे को सबसे ज्यादा हराया

जोकोविच ने 10 बार साल का पहला ग्रैंड स्लैम जीता है। इस टूर्नामेंट के फाइनल में जोकोविच ने सबसे ज्यादा 4 बार हराया है। उन्होंने मरे को 2011, 2013, 2015 और 2016 के सीजन के फाइनल में हराया है। इस साल जोकोविच ने सितसिपास को हराया है। सिटसिपास पहली बार ऑस्ट्रेलिया के फाइनल में पहुंचे हैं। उन्होंने रूस के करेन खाचानोव को चार सेट में 7-6 (2), 6-4, 6-7 (6), 6-3 से हराया। सिटसिपास अपने करियर में वे दूसरी बार किसी ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचे हैं। वहीं, सर्बिया के 21 बार के ग्रेंड स्लेम विजेता नोवाक जोकोविच ने टॉमी पॉल को 6-5, 6-1, 6-2 से हराया।

हिंदी महाविद्यालय में इंटर कोलेजियट हैंडबॉल चैंपियनशिप सम्पन्न

हैदराबाद, 29 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हिंदी महाविद्यालय में इंटर कॉलेजिएट हैंडबॉल चैंपियनशिप सम्पन्न हुई। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ अविनाश जायसवाल एवं क्रीड़ा विभाग के लेफ्टिनेंट आकाश थापा ने एक संयुक्त प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि फिजिकल एजुकेशन डिपार्टमेंट, उस्मानिया यूनिवर्सिटी द्वारा पहली बार इंटर कोलेजिएट चैंपियनशिप के आयोजन के लिए चुना गया। उन्होने बताया कि इस चैंपियनशिप में उस्मानिया यूनिवर्सिटी से संबद्ध गवर्नमेंट कॉलेज ऑफ फिजिकल एजुकेशन, दोमलगुड़ा, भवन्स डिग्री कालेज, सैनिकपुरी, ए.वी.कालेज, दोमलगुड़ा, निजाम कॉलेज,बशीरबाग, हिंदी महाविद्यालय, लोयला अकादमी, अलवाल, उस्मानिया यूनिवर्सिटी कालेज ऑफ फिजिकल एजुकेशन, उस्मानिया यूनिवर्सिटी कैंपस, हाज़ी गौस कॉल फिजिकल एजुकेशन, शामिरपेट की टीमों ने भाग लिया।

इसका उद्घाटन उस्मानिया यूनिवर्सिटी ऑफ फिजिकल एजुकेशन के हेड प्रोफेसर राजेश कुमार द्वारा किया गया। पहला मैच गवर्नमेंट कॉलेज ऑफ फिजीकल एजुकेशन, दोमलगुडा और हिंदी महाविद्यालय के बीच हुआ जिसमें 21-14 से हिंदी महाविद्यालय ने जीत हासिल की, दूसरा मैच हाजी पीर मोहम्मद कालेज ऑफ फिजिकल एजुकेशन और भवंस कॉलेज के बीच सम्पन्न हुआ जिसमें भवंस कॉलेज 20-16 से जीती, तीसरा मैच एवी कालेज और लोयला अकादमी के बीच हुआ, जिसमें लोयला अकादमी ने 21-09 से जीत हासिल की, चौथा मैच निज़ाम कॉलेज और यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ फिजिकल एजुकेशन के बीच सम्पन्न हुआ जिसमें निज़ाम कॉलेज ने 14-08 से जीत दर्ज की। पहले सेमी फाइनल हिंदी महाविद्यालय एवं भवंस कॉलेज के बीच सम्पन्न हुआ जिसमें हिंदी महाविद्यालय ने 27-18 से विजय प्राप्त की, दूसरा सेमी फाइनल लोयला अकादमी और निज़ाम कॉलेज के बीच सम्पन्न हुआ जिसमें लोयला अकादमी ने 18-09 से जीत हासिल की, तीसरे स्थान के लिए निज़ाम कॉलेज और भवंस कॉलेज के बीच मैच हुआ जिसमें भवंस कॉलेज ने 06-0 से जीत हासिल की और इस मैच में निज़ाम कॉलेज की टीम एक भी गोल नहीं कर पाई।

फाइनल मैच हिंदी महाविद्यालय एवं लोयला अकादमी के बीच सम्पन्न हुआ, इस रोमांचक मैच में हिंदी महाविद्यालय की टीम ने 16 गोल किए और लोयला अकादमी मात्र 13 गोल ही कर सकी और हिंदी महाविद्यालय की टीम ने फाइनल मैच में जीत हासिल करके इंटर कॉलेजिएट हैंडबॉल चैंपियनशिप टूर्नामेंट में प्रथम स्थान पर रह कर ट्रॉफी पर कब्जा किया। इस टूर्नामेंट में आरंभ से अंत तक डॉ कृष्णा, सेक्रेटरी, इंटर कॉलेज टूर्नामेंट, उस्मानिया यूनिवर्सिटी उपस्थित रहे एवं निरीक्षण किया, उन्होने अपने संबोधन में हिंदी महाविद्यालय मैनेजमेंट द्वारा दी गई सुविधाओं की प्रशंसा की और भविष्य में भी सहयोग देने का वादा किया और विजेता टीम को ट्रॉफी जीतने पर बधाई दी और ट्रॉफी भी प्रदान की।

साउथ एक्ट्रेस के प्यार में पागल था पाकिस्तानी क्रिकेटर

किडनैपिंग का बना लिया था मन; कहा- अगर मना किया तो...

हैदराबाद, 29 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बॉलीवुड से लेकर साउथ तक में अपनी एक्टिंग का दम दिखा चुकी एक्ट्रेस सोनाली बेंद्रे आज किसी पहचान की मोहताज नहीं हैं. लोग उनके लुक और अदा के तो दीवाने हैं. एक्ट्रेस की फैन फॉलोइंग देश के साथ-साथ देश से बाहर भी है. यहां तक कि पाकिस्तानी क्रिकेटर तक उनके फैन हैं. एक क्रिकेटर तो इस कदर उनका दीवाना था कि उसने उन्हें किडनैप तक करने का मन बना लिया था. चलिए आपको आज इस किस्से के बारे में बताते हैं. आइए जानते हैं...

सोनाली बेंद्रे 48 साल की हैं और उनकी पॉपुलैरिटी आज भी किसी से कम नहीं है. उनके चाहने वालों की लिस्ट काफी लंबी है. यूं तो उनका नाम सुनील शेट्टी समेत कई एक्टर्स के साथ जुड़ चुका है. इसमें पाकिस्तानी क्रिकेटर शोएब अख्तर तक का नाम शामिल है. मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो क्रिकेटर की उनके प्रति काफी दीवानगी थी.

खबरों की मानें तो पाकिस्तानी क्रिकेटर शोएब अख्तर उनके लिए किसी भी हद तक जाने को तैयार थे. एक इंटरव्यू में क्रिकेटर ने उन्हें किडनैप तक करने की बात कह दी थी. उन्होंने कहा था कि अगर प्रपोजल स्वीकर नहीं करेंगी तो वो उन्हें किडनैप करवा लेंगे. हालांकि, उन्होंने इस बात को मजाक में कहा था.

बहरहाल, सोनाली बेंद्रे का नाम कई एक्टर्स के साथ जुड़ चुका है. लेकिन बाद में उन्हें डायरेक्टर गोल्डी बहल के रूप में जीवन साथी मिल गया और उन्होंने उन्हें अपना हाथ जीवन भर के लिए दे दिया. इनकी शादी 12 नवंबर, 2002 में हुई थी. दोनों की मुलाकात साल 1994 में हुई थी. गोल्डी उन्हें काफी पसंद करने लगे थे. जब गोल्डी ने सोनाली के सामने अपने दिल की बात रखी तो वो उन्हें मना नहीं कर पाई थीं और दोनों ने शादी रचा ली थी. इसके अलावा अगर एक्ट्रेस की प्रोफेशनल लाइफ की बात की जाए तो उन्होंने अपने करियर की शुरुआत हिंदी फिल्मों से की थी. उनकी पहली फिल्म 'आग' थी, जो कि 1994 में रिलीज हुई थी.

इसके अलावा एक्ट्रेस ने साउथ में भी काम किया है. इसमें उनकी पहली तमिल फिल्म 'बॉम्बे' थी. इसमें उन्होंने 'हुम्मा हुम्मा' गाने में स्पेशल अपीयरेंस की थी. वहीं, तमिल में वो कधलार दिनम और कन्नोडु कंबथेलम जैसी फिल्मों में काम किया है.

तेलंगाना ने पांचस्तरीय स्वास्थ्य सेवा प्रणाली लागू की : हरीश राव

हैदराबाद, 29 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। स्वास्थ्य मंत्री टी. हरीश राव ने कहा कि तेलंगाना सरकार प्रारंभिक चरण में पुरानी बीमारियों की पहचान करने के लिए पीएचसी स्तर पर स्क्रीनिंग को मजबूत करके, वर्तमान त्रिस्तरीय से अपग्रेड किए जाने के बाद पांच स्तरीय स्वास्थ्य सेवा प्रणाली को लागू कर रही है।

रविवार को यहां डॉ. एमसीआर एचआरडी संस्थान में राज्य स्वास्थ्य विभाग की वार्षिक रिपोर्ट-2022 जारी करने के बाद मीडिया से बात करते हुए मंत्री हरीश राव ने कहा कि बीआरएस सरकार ने आठ वर्षों में सभी सरकारी अस्पतालों और स्वास्थ्य के क्षेत्र में देश का तीसरा सर्वश्रेष्ठ राज्य तेलंगाना में सुविधाओं और सेवाओं को मजबूत किया है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य विभाग ने कई क्षेत्रों में मील के पत्थर हासिल किए हैं। पिछले वर्ष के दौरान चिकित्सा शिक्षा, सुपर-स्पेशियलिटी देखभाल, मातृ स्वास्थ्य, पोषण, बाल स्वास्थ्य और टीकाकरण और प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल, मंत्री ने कहा कि मातृ मृत्यु दर (एमएमआर) को घटाकर 43 कर दिया गया है जो देश में तीसरा सबसे कम है और शिशु तेलंगाना में मृत्यु दर को घटाकर 21 कर दिया गया। पिछले वर्ष के दौरान, आठ नए मेडिकल कॉलेजों को क्रियाशील बनाया गया था और नौ नए मेडिकल कॉलेजों को मंजूरी दी गई थी। हैदराबाद में चार सुपर स्पेशियलिटी अस्पतालों की मंजूरी, वारंगल में एक सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल की मंजूरी के अलावा अभी तेलंगाना में प्रति लाख आबादी पर एमबीबीएस की 19 सीटें और 7 स्नातकोत्तर सीटें हैं। हरीश राव ने कहा कि एनआईएमएस का 1,489 बिस्तरों से 3,489 बिस्तरों तक उन्नयन और अत्याधुनिक निदान के साथ 515 नई डायलिसिस मशीनें राज्य सरकार द्वारा की गईं। मंत्री ने कहा कि तेलंगाना डायग्नोस्टिक्स के तहत एक करोड़ से अधिक प्रयोगशाला परीक्षण नि:शुल्क किए गए और ऑक्सीजन उत्पादन क्षमता 135 मीट्रिक टन प्रति दिन से बढ़कर 332 मीट्रिक टन प्रति दिन हो गई।

एलबी नगर में ध्यान भटकाने के लिए पकड़ा गया व्यक्ति

हैदराबाद, 29 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। लोगों का ध्यान हटाने और सोने के आभूषणों को लूटने वाले एक व्यक्ति को एलबी नगर पुलिस ने राचकोंडा स्पेशल ऑपरेशंस टीम (एलबी नगर) की सहायता से रविवार को गिरफ्तार किया। पुलिस ने उसके पास से 40 हजार रुपये के सोने के गहने बरामद किए हैं। वी. रामुलु (64), मीरपेट निवासी और नागरकुर्नूल जिले के मूल निवासी हाल ही में हस्तिनापुरम, एलबी नगर में एक घर में गए और एक महिला का ध्यान हटाने के बाद सोने के आभूषणों से दूर हो गए। रामुलु ने खुद को एक साधु के रूप में तैयार किया और एक बुजुर्ग महिला के घर में प्रवेश किया। कुछ अनुष्ठान करने के बहाने उसने सोने के आभूषण को चावल और पानी के साथ एकत्र किया। एसीपी राचकोंडा स्पेशल ऑपरेशंस टीम वेंकन्ना नाइक ने कहा कि उसने महिला का ध्यान भटकाया और सोने के गहने लेकर फरार हो गया।

तेलंगाना के 500 सरकारी स्कूलों में मार्च तक लगेगी सौर ऊर्जा

हैदराबाद, 29 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य के 500 से अधिक सरकारी स्कूलों में मार्च तक सौर ऊर्जा की पहुंच होगी। पिछले साल, राज्य सरकार ने घोषणा की थी कि वह 12 जिलों में 32 करोड़ रुपये की लागत से 1,521 सरकारी स्कूलों में रूफटॉप सोलर सिस्टम स्थापित करेगी। तेलंगाना राज्य नवीकरणीय ऊर्जा विकास निगम (टीएसआरईडीसीओ) के अधिकारियों के अनुसार, अब तक 100 से अधिक सरकारी स्कूलों में सौर पैनल स्थापित किए जा चुके हैं और अन्य 453 स्कूलों के लिए कार्य आदेश जारी किए जा चुके हैं। परियोजना के पहले चरण में, हम लगभग 500 सरकारी स्कूलों में सौर पैनल स्थापित करेंगे। हम उम्मीद कर रहे हैं कि अगले कुछ महीनों में सभी 1,521 स्कूलों का काम पूरा कर लिया जाएगा। पिछले सितंबर में, टीएसआरईडीसीओ ने सौर पैनलों की स्थापना के लिए निविदाएं आमंत्रित की थीं और 11 विक्रेताओं को अंतिम रूप दिया था। चयनित वेंडर स्कूलों में 2 किलोवाट से 5 किलोवाट तक के रूफटॉप सोलर सिस्टम लगा रहे हैं। सोलर पैनल लगाने के लिए 200 से अधिक नामांकन वाले स्कूलों का चयन किया गया है। चयनित 1,521 सरकारी स्कूलों में से 916 दक्षिणी विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड के अंतर्गत आते हैं और 605 उत्तरी विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड के अंतर्गत आते हैं। अधिकारियों ने कहा कि सौर पैनलों की स्थापना से न केवल स्कूलों के वार्षिक बिजली बिलों को काफी हद तक कम करने में मदद मिलेगी, बल्कि अतिरिक्त बिजली पैदा करने और ग्रिड को हस्तांतरित करने से उन्हें पैसे कमाने में भी मदद मिलेगी। देर से, सरकारी स्कूल बड़ी संख्या में स्मार्ट कक्षाओं और कंप्यूटर सिस्टम के उपयोग के कारण तेजी से संवादात्मक हो गए हैं। इससे स्कूलों के बिजली बिल अधिक आने लगे हैं। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, स्कूलों में स्थापित सौर पैनल निर्बाध बिजली आपूर्ति प्रदान करते हुए बिजली बिल भार को कम करेंगे।

दमरे द्वारा विकाराबाद-परली वैजनाथ के बीच विद्युतीकरण पूरा

हैदराबाद, 29 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। चालू वित्त वर्ष के पहले नौ महीनों के दौरान हासिल किए गए रिकॉर्ड विद्युतीकरण को जारी रखते हुए, दक्षिण मध्य रेलवे ने विकाराबाद-परली वैजनाथ विद्युतीकरण परियोजना को पूरा करके एक और मील का पत्थर हासिल किया है। लातूर रोड-परली वैजनाथ के बीच 63.75 रूट किलोमीटर की दूरी के लिए परियोजना का अंतिम खंड चालू कर दिया गया है, जिससे पूरी परियोजना पूरी हो गई है। इसके साथ, तेलंगाना के लगभग 90 किलोमीटर, कर्नाटक के 62 किलोमीटर और महाराष्ट्र राज्यों के 116 किलोमीटर को कवर करने वाला 268 आरकेएम का पूरा खंड अब विद्युतीकृत हो गया है। विकाराबाद-परली वैजनाथ विद्युतीकरण परियोजना को 2018-19 में 268 आरकेएम की दूरी के लिए 244 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत पर मंजूरी दी गई थी।

विकाराबाद-कोहिर डेक्कन (45 किमी की दूरी के लिए) के बीच का खंड मार्च 2021 में शुरू किया गया है और कोहिर डेक्कन-खानपुर (60.5 किमी की दूरी के लिए) के बीच का खंड जनवरी, 2022 में पूरा किया गया था। बाद में, अक्टूबर, 2022 में खानापुर-लातूर रोड के बीच 98.75 किलोमीटर के हिस्से का विद्युतीकरण किया गया। पूरे खंड में ट्रेनों को अब एंड टू एंड आधार पर इलेक्ट्रिक ट्रैक्शन के साथ संचालित किया जा सकता है। यह भारत के दक्षिणी भाग और औरंगाबाद, शिरडी और पुणे के बीच ट्रेनों को संभालने वाले महत्वपूर्ण खंडों में से एक है।

"मिशन विद्युतीकरण" को प्राप्त करने के लिए, एससीआर नेटवर्क के 100% विद्युतीकरण को पूरा करने के लिए रेलवे लाइनों का विद्युतीकरण युद्ध स्तर पर किया जा रहा है। रेलवे लाइनों के विद्युतीकरण से डीजल कर्षण को विद्युत कर्षण से बदलकर परिवहन के पर्यावरण अनुकूल साधनों का मार्ग प्रशस्त होगा। यह मार्ग में अवरोधों को कम करने के अलावा, माल और यात्री यातायात की निर्बाध आवाजाही में भी मदद करता है। डीजल की खपत को कम करने से ईंधन खर्च में भारी कमी आएगी। अरुण कुमार जैन, महाप्रबंधक, दमरे ने पूरी विकाराबाद-परली विद्युतीकरण परियोजना को निर्धारित समय के भीतर पूरा करने के लिए मुख्यालय और सिकंदराबाद मंडल दोनों के विद्युत विंग के अधिकारियों की सराहना की है।

अंबरपेट में 30 जनवरी से यातायात प्रतिबंध

हैदराबाद, 29 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद ट्रैफिक पुलिस ने एनएच-163 पर अंबरपेट फ्लाईओवर के काम के मद्देनजर यातायात प्रतिबंधों की घोषणा की। ट्रैफिक डायवर्जन सोमवार से 10 मार्च तक लागू रहेगा। ट्रैफिक पुलिस ने वैकल्पिक मार्ग सुझाए और वाहन चालकों से इन मार्गों का उपयोग करने को कहा। निम्नलिखित मार्ग हैं-जिला आरटीसी बसें और उप्पल से 6 नंबर जंक्शन की ओर आने वाले अन्य भारी वाहनों को हब्सिगुड़ा क्रॉस रोड -तरनाका - बाएं मोड़ उस्मानिया डिस्टेंस एजुकेशन रोड - अदिकमेट फ्लाईओवर - विद्यानगर - फीवर अस्पताल - बरकठपुरा - टूरिस्ट होटल से होकर जाना चाहिए - निंबोलीअड्डा- चदरघा।

उप्पल से 6 नंबर जंक्शन की ओर आने वाली सिटी आरटीसी बसों सहित सामान्य यातायात को गांधी प्रतिमा-लेफ्ट टर्न- प्रेम सदन पुलिस बॉयज हॉस्टल-राइट टर्न-सलदाना गेट (सीपीएल अंबरपेट)-अली कैफे क्रॉस रोड की ओर लेफ्ट टर्न और राइट की ओर डायवर्ट किया जाएगा। 6 नंबर जंक्शन - गोलनाका - निमोब्लियड्डा-चादरघाट की ओर मुड़ें। 6 नंबर जंक्शन से उप्पल की ओर सभी वाहनों के आवागमन की अनुमति होगी।

लोगों पर अतिरिक्त बिजली दरों का बोझ डालने की तैयारी में राज्य सरकार : बंडी

लोगों से ट्रांसको को एसीडी का भुगतान नहीं करने के लिए कहा

हैदराबाद, 29 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बंडी संजय कुमार ने आज लोगों से बिजली वितरण कंपनियों द्वारा सामान्य बिजली बिल शुल्क के साथ लगाए जा रहे अतिरिक्त खपत जमा (एसीडी) का भुगतान नहीं करने का आह्वान किया। करीमनगर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मासिक मन की बात कार्यक्रम में भाग लेने के बाद मीडियाकर्मियों से बात करते हुए संजय ने राज्य सरकार से पूछा कि राज्य के लोगों को वितरण कंपनियों को उबारने के लिए एसीडी शुल्क का भुगतान क्यों करना चाहिए? उन्होंने कहा कि उपभोक्ता पहले से ही 6,000 करोड़ रुपये की बढ़ी हुई बिजली दरों का बोझ झेल रहे हैं और सरकार अप्रैल से 16,000 करोड़ रुपये का अतिरिक्त बोझ डालने की तैयारी कर रही है। अब उन्हें एसीडी शुल्क के नाम पर भारी बोझ उठाने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है।

संजय ने कहा कि केसीआर सरकार का यह कहना सरासर झूठ है कि वह कृषि क्षेत्र को मुफ्त में बिजली मुहैया करा रही है। तथ्य यह है कि मुफ्त बिजली आपूर्ति की भरपाई के लिए वितरण कंपनियों पर सरकार का 60,000 करोड़ रुपये से अधिक का बकाया है, जिससे उनका आभासी दिवालियापन हो गया है। सरकारी विभागों को खुद डिस्कॉम को 20,000 करोड़ रुपये का भुगतान करना है। उन्होंने कहा कि अगर भाजपा सत्ता में आती है, तो हम सभी बकाया चुका देंगे। लोगों से बिजली कर्मचारियों पर अपने गुस्से को हवा न देने के लिए कहते हुए, भाजपा अध्यक्ष ने उपभोक्ताओं से सीएम केसीआर से सवाल करने का आह्वान किया कि वे हैदराबाद के पुराने शहर में भारी बिजली बिल बकाया और जुर्माने की वसूली क्यों नहीं कर पाए। तेलंगाना में किसानों द्वारा कोई आत्महत्या नहीं करने के केसीआर के दावे का मज़ाक उड़ाते हुए, संजय ने कहा कि राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़ों के अनुसार, किसानों की आत्महत्या के मामले में राज्य चौथे स्थान पर है। 90,000 किसानों में से, जिन्हें रैतु बीमा योजना के तहत मुआवजा मिला था, लगभग 10,000 मौतें केवल आत्महत्याओं से हुई हैं। केसीआर के इस दावे की खिल्ली उड़ाते हुए कि वह किसानों को विधायक बनाएंगे, भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि यह दावा उतना ही सही है जितना तेलंगाना के पहले मुख्यमंत्री के रूप में एक दलित को बनाना। रैतु बंधु योजना के तहत नकद लाभ प्रदान करने के नाम पर, मुख्यमंत्री ने अन्य सभी सब्सिडी को खत्म कर दिया है। उन्होंने समय पर धान नहीं खरीदने और पीएम फसल बीमा योजना को लागू नहीं करने और न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर बोनस नहीं देकर किसानों को धोखा दिया।

मिशन भागीरथ योजना के तहत राज्य के कई गांवों में पेयजल आपूर्ति नहीं होने का आरोप लगाते हुए संजय ने कहा कि पानी की गुणवत्ता इतनी खराब है कि यह कपड़े धोने के लायक भी नहीं है। उन्होंने पिछले आठ वर्षों में केसीआर और उनके परिवार के सदस्यों द्वारा अर्जित संपत्ति पर एक श्वेत पत्र प्रकाशित करने की अपनी मांग को दोहराया। उन्होंने मुख्यमंत्री को तेलंगाना के विकास और उधारी पर बहस की चुनौती भी दी।

एक सवाल के जवाब में संजय ने कहा कि भाजपा राज्य में जल्द चुनाव के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि जल्दी चुनाव की बातें केवल लोगों का ध्यान वास्तविक मुद्दों से हटाने के लिए है। एक अन्य प्रश्न के उत्तर में, भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि पार्टी में कोई गुप्त तत्व नहीं है, जैसा कि वरिष्ठ नेता एटाला राजेंदर ने दावा किया है। इससे पहले, संजय ने अन्य वरिष्ठ नेताओं के साथ जगतियाल जिले के कोंडागट्टू में भगवान अंजनेय स्वामी मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना की। मंदिर में पत्रकारों से बात करते हुए, भाजपा अध्यक्ष ने जानना चाहा कि मुख्यमंत्री ने कोंडागट्टू, धर्मपुरी और वेमुलावाड़ा में मंदिरों के विकास के लिए एक पैसा भी जारी क्यों नहीं किया, जैसा कि अतीत में वादा किया गया था।

बीआरएस नेताओं ने किया केसीआर जनसभा की व्यवस्थाओं का निरीक्षण

हैदराबाद, 29 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के नेताओं ने महाराष्ट्र के नांदेड़ जिले में 5 फरवरी को होने वाली सीएम केसीआर की जनसभा की तैयारी का जायजा लिया। धर्मस्व मंत्री अलोला इंद्रकरन रेड्डी, विधायक बालका सुमन और शकील, नागरिक आपूर्ति निगम के अध्यक्ष रविंदर सिंह और अन्य ने प्रस्तावित सार्वजनिक बैठक स्थल का निरीक्षण किया और मंच पर पार्किंग क्षेत्र, बैरिकेड्स की स्थापना और बैठने की सुविधा सहित चल रही व्यवस्थाओं की समीक्षा की। इस अवसर पर बोलते हुए, मंत्री इंद्रकरन रेड्डी ने कहा कि मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव के नेतृत्व में तेलंगाना में लागू की जा रही कल्याणकारी योजनाओं और विकास गतिविधियों को देखकर अन्य राज्यों के नेताओं को बीआरएस की ओर आकर्षित किया जा रहा है और कहा कि महाराष्ट्र से बड़ी संख्या में नेता जनसभा के दिन केसीआर की उपस्थिति में बीआरएस में शामिल होंगे। इंद्रकरन ने कहा कि सीएम केसीआर ने तेलंगाना में लागू की जा रही कल्याणकारी योजनाओं को देश के बाकी हिस्सों में लागू करने के उद्देश्य से बीआरएस का गठन किया था और लोग अपने क्षेत्रों में भी इस तरह के कल्याण और विकास की मांग कर रहे थे। उन्होंने कहा कि बीआरएस सुप्रीमो 5 फरवरी को जनसभा को संबोधित करने से पहले वहां गुरुद्वारा जाएंगे।

5 फरवरी को नांदेड़ में जनसभा को संबोधित करेंगे सीएम केसीआर

आदिलाबाद, 29 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के बाहर भारत राष्ट्र समिति की पहली जनसभा में मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव 5 फरवरी को नांदेड़ में एक सभा को संबोधित करेंगे। महाराष्ट्र के विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं के अलावा पहले से ही पार्टी में शामिल होने में रुचि दिखा रहे हैं, बीआरएस नेता बताते हैं कि महाराष्ट्र के सीमावर्ती गांवों के निवासियों ने भी रायथु बंधु, रायथु बीमा, केसीआर किट, आसरा पेंशन, मुफ्त जैसी कल्याणकारी योजनाओं की सराहना की है। किसानों को बिजली की आपूर्ति वगैरह, जिससे पार्टी को पड़ोसी राज्य में पैर जमाने में मदद मिल सके।

महाराष्ट्र में ग्रामीणों ने अपने गांवों को तेलंगाना में विलय करने की मांग को लेकर पहले ही धरना दिया था। यह बीआरएस के गठन से बहुत पहले ही शुरू हो गया था, 2019 में हैदराबाद में मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव से मुलाकात के दौरान नांदेड़ जिले के नागांव, भोकर, देगलूर, किनवट और हाथगांव विधानसभा क्षेत्रों के प्रतिनिधियों ने तेलंगाना का हिस्सा बनने की इच्छा व्यक्त की थी। धर्माबाद तालुक के चालीस गांवों ने भी पूर्व में अपने गांवों को तेलंगाना में विलय करने की मांग करते हुए एक प्रस्ताव पारित किया था। 2022 में, महाराष्ट्र के धर्माबाद तालुक सरपंच एसोसिएशन की अध्यक्ष सुरेखा पाटिल होटे ने 2 अक्टूबर को बसर में वन मंत्री अलोला इंद्रकरन रेड्डी को सहमति पत्र सौंपते हुए बीआरएस के प्रति अपनी एकजुटता दिखाई। पार्टी के नेता यह भी बताते हैं कि सीमावर्ती जिलों में रहने वाले लोग तेलुगु समझ सकते हैं और निर्मल, आदिलाबाद और भैंसा जैसे कई गांवों और कस्बों में उनके रिश्तेदार हैं।

आंध्र प्रदेश के पूर्व मंत्री वसंत कुमार का निधन

विशाखापत्तनम, 29 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के पूर्व मंत्री वट्टी वसंत कुमार का संक्षिप्त बीमारी के बाद रविवार को यहां निधन हो गया। वह 70 वर्ष के थे। पूर्व कांग्रेस नेता ने विशाखापत्तनम के अपोलो अस्पताल में अंतिम सांस ली। पश्चिम गोदावरी जिले से ताल्लुक रखने वाले कुमार 2004 और 2009 में कांग्रेस पार्टी के टिकट पर उन्गुटुर निर्वाचन क्षेत्र से संयुक्त आंध्र प्रदेश विधानसभा के लिए चुने गए थे। उन्होंने वाई.एस. राजशेखर रेड्डी, के. रोशय्या और किरण कुमार रेड्डी के मंत्रिमंडल में मंत्री के रूप में कार्य किया। उन्होंने ग्रामीण विकास और पर्यटन विभागों को संभाला। 2014 में आंध्र प्रदेश के बंटवारे के बाद उन्होंने खुद को राजनीति से दूर कर लिया था। वसंत कुमार के पार्थिव शरीर को उनके पैतृक गांव पुल्ला ले जाया जाएगा जहां अंतिम संस्कार किया जाएगा। आंध्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष एन. वी. रघुवीरा रेड्डी और जन सेना पार्टी के नेता नदेंडला मनोहर ने वसंत कुमार के निधन पर शोक व्यक्त किया है।

तिरुमलगिरी पुनर्वास मौत : पुलिस ने कर्मचारियों का बयान दर्ज किया

हैदराबाद, 29 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तिरुमलगिरी के एक पुनर्वास केंद्र में 20 वर्षीय व्यक्ति की संदिग्ध मौत की जांच कर रही पुलिस ने पुनर्वसन सुविधा के पर्यवेक्षकों और अन्य कर्मचारियों के बयान दर्ज किए हैं। पुलिस अधिकारियों की एक टीम ने फिर से पुनर्वास केंद्र का दौरा किया और कर्मचारियों से बातचीत की। पुलिस को पता चला कि लगभग दस महीने पहले यपराल के अम्मुगुडा निवासी पीड़ित केविन को इस सुविधा में भर्ती कराया गया था। केंद्र में रहने के बीच कभी-कभी उन्हें घर जाने दिया जाता था। वह आक्रामक लक्षण दिखा रहा था और गांजा का आदी था। हालांकि, उनके परिवार के सदस्यों ने उन्हें फिर से पुनर्वास केंद्र में भर्ती कराया। यह याद किया जा सकता है कि पीड़ित को कर्मचारियों द्वारा खून से लथपथ पाया गया और अस्पताल ले जाते समय उसकी मौत हो गई। मारिजुआना की लत का इलाज चल रहा था। पुलिस को संदेह है कि केविन ने आत्महत्या की हो सकती है क्योंकि बाथरूम में वेंटिलेटर से कांच के शीशे के टुकड़े मिले थे।

सीआरपीसी की धारा 174 के तहत मामला दर्ज किया गया था। मौत का सही कारण जानने के लिए पुलिस पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार कर रही है।

तेलंगाना में 41 डीएसपी का तबादला

हैदराबाद, 29 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) अंजनी कुमार ने शनिवार को तेलंगाना में कार्यरत 41 पुलिस उपाधीक्षकों (डीएसपी) का तबादला कर उन्हें नई पोस्टिंग जारी की। अपनी नई पोस्टिंग वाले कुछ अधिकारियों में वाई वेंकट रेड्डी-एसीपी कुशाईगुडा, पी. नरसिम्हा राव-एसीपी मियापुर, एस. वेंकट रेड्डी-एसीपी मेडचल, एन. सैदुलु-एसीपी यदाद्री, सी. अंजैया-एसीपी महेश्वरम, के श्रीनिवास राव-एसीपी ट्रैफिक हैदराबाद दक्षिण, पूर्ण चंदर-एसीपी एबिड्स, एसआर दामोदर रेड्डी-एसीपी मीरचौक, मोहम्मद गौस-एसीपी संतोषनगर, रुद्र भास्कर-एसीपी चारमीनार और एस. मोहन कुमार-एसीपी पुंजागुट्टा शामिल हैं।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.